राष्ट्रीय संस्करण

मुकेश अंबानी लगातार आठवीं बार सबसे अमीर भारतीय >> 12

वर्ष 3 अंक 108

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, गुरुवार, 26 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी की क्षमता भी साहस भी

मोदी का अभियान ▶ अंतरराष्ट्रीय कॉरपोरेट जगत के सामने भारत को बताया सबसे आकर्षक निवेश स्थल

कहा, भारत जैसी संभावनाएं किसी भी दूसरे देश में नहीं

आशुतोष झा, न्यूयॉर्क

पिछले चार दिनों से दुनियाभर के राजनेताओं के साथ वैश्विक कूटनीतिक व द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार की शुरुआत दुनिया के सबसे आकर्षक निवेश स्थल के तौर पर भारत की मार्केटिंग से की। पहले ब्लूमबर्ग ग्लोबल बिजनेस फोरम की बैठक में और उसके बाद 42 दिग्गज कंपनियों के प्रमुखों के साथ हुई विशेष बैठक में मोदी ने यही संदेश दिया कि भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन डॉलर (लगभग 350 लाख करोड़ रुपये) की सीमा छूने के लिए तैयार है और निवेश का जो माहौल भारत देता है वैसा दुनिया का कोई भी दूसरा देश नहीं दे सकता। मोदी ने कहा कि भारत के पास पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की क्षमता भी है और साहस भी। जानकार मान रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय निवेशक समुदाय में भारतीय इकोनॉमी की इस तरह की मार्केटिंग शीर्ष स्तर पर पहली बार की गई है।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुधवार को ब्लूमबर्ग ग्लोबल बिजनेस फोरम में अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में ब्लूमबर्ग के सीइओ माइकल ब्लूमबर्ग। प्रेट्र

मोदी ने कहा कि सरकार के स्तर पर पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने के लिए कमर कस के काम किया जा रहा है। इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने की भारत के पास क्षमता भी है, साहस भी है और उपयुक्त समय भी है। भारत की ग्रोथ स्टोरी में चार ऐसे फैक्टर हैं जो दुनिया के किसी और देश में नहीं मिलेंगे। ये फैक्टर है लोकतंत्र, जनसंख्या संतुलन, मांग और निर्णय लेने की क्षमता। उन्होंने हाल ही में कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के फैसले को क्रांतिकारी कदम बताया। साथ ही विकास कार्यों में बाधा बन रहे 50 कानूनों को समाप्त करने के बारे में भी बताया और संकेत दिया कि अभी सरकार बने तीन चार महीने ही हुए हैं। उन्होंने आगे भी सुधारवादी कदमों के जारी रहने के संकेत देते हुए कहा कि, 'आज इस मंच से कहना चाहता हूं कि कॉरपोरेट टैक्स में कटौती तो सिर्फ शुरुआत है। अभी आगे लंबा समय बाकी है। इस सफर में भारत के साथ पार्टनरशिप करने के लिए ये पूरे विश्व के बिजनेस समुदाय के लिए एक सुनहरा मौका है।'

मोदी ने रक्षा क्षेत्र, ढांचागत क्षेत्र व वित्त क्षेत्र की कंपनियों को अलग-अलग तरीके से भारत में निवेश संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र को अभी जिस तरह से खोला गया है वैसा पहले कभी नहीं किया गया। इसी तरह से ढांचागत क्षेत्र में 1.3 ट्रिलियन डॉलर (103 लाख करोड़) की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। समाजिक ढांचे को बेहतर बनाने पर भी अरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं।

भारत की बुलंद तस्वीर पेश की : पीएम ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, जनसंख्या, मांग व नीतियों की निश्चितता को अलग ढंग से परिभाषित कर निवेशक समुदाय के सामने भारत की बुलंद तस्वीर पेश की। सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और लागू की गई नीतियों का जिक्र करते हुए कहा, देश में पारदर्शिता कई गुना बढ़ी है। हर नागरिक के पास बैंक खाता, यूनिक नंबर और मोबाइल फोन होने से हालात तेजी से बदल रहे हैं। (विशेष आयोजन पेज-5 पर)

नियमों को आसान बनाने की मुहिम जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, हमने नए भारत में नियमों को आसान बनाने, लाइसेंस राज खत्म करने के साथ ही हर तरह की बाधाओं को दूर करने की मुहिम चलाई हुई है। इन सुधारों से भारत वैश्विक मानकों में लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। जमीनी स्तर (ग्राउंड लेवल) पर जाकर व्यवस्थाओं को सुधार किया जा रहा है। साथ ही सरकार नियमों को आसान बनाया जा रहा है। इसका असर भी दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते पांच वर्षों में भारत में 286 अरब डॉलर (20 लाख करोड़ रुपये से अधिक) का निवेश हुआ है जो पिछले 20 वर्षों में भारत में हुए निवेश का आधा है। पीएम ने कतहा, यह तब है जब दुनिया में निवेश कम हो रहा है। इसका 60 फीसद ऑटोमेटिक रूट से निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में पहले से भी ज्यादा बहुमत देकर जनता ने यह साबित किया है कि वह बिजनेस माहौल सुधारने वाली व कड़े फैसले करने वाली सरकार के साथ खड़ी है। भारत में ऐसी सरकार है जो बिजनेस वर्ल्ड का सम्मान करती है।

ऐसे की निवेश डेस्टिनेशन के रूप में भारत की मार्केटिंग

- इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 100 लाख करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं
- बीते तीन दशकों में पहली बार भारत में कॉरपोरेट टैक्स की दर निचले स्तर पर है
- डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड और डिसीसिवनेस एक साथ अभी और किसी भी देश में नहीं
- स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में हम दुनियाभर में तीसरे स्थान पर, कर रहे इसे प्रमोट
- बिजनेस से जुड़े नियम-कानूनों की व्याख्या में कोई उलझन नहीं
- अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की कुल जनसंख्या से ज्यादा लोगों को दे रहे हेल्थ इंश्योरेंस, हॉस्पिटल क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावनाएं
- जिन्हें बड़ी मात्रा में निवेश करना है उनके लिए भारत से बेहतर बाजार कहीं नहीं

सरोकार

ई-रिक्शा की बदौलत चल रही शिक्षा की पाठशाला

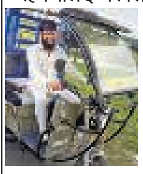

सिलीगुड़ी : बंगाल के सिलीगुड़ी जिले में रहने वाले ई-रिक्शा चालक शिव कटवाल उर्फ लेक बहादुर की कहानी प्रेरणादायक है। वह इलाके के गरीब परिवारों के बच्चों को पिछले 19 वर्षों से निश्शुल्क शिक्षा मुहैया करा कर साक्षरता का उजियारा फैला रहे हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

आदिवासी बेटियों को क्रिकेट चैंपियन बना रहा यह कोच

धनबाद : झारखंड के सिंदरी में पूर्व क्रिकेटर श्रीराम दुबे आदिवासी बेटियों को क्रिकेट चैंपियन बनाने में जुटे हैं। उनके मुफ्त कोचिंग कैंप से निकली सात लड़कियां स्टेट की विभिन्न आयु वर्ग की टीमों में प्रतिभा दिखा रही हैं। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

एएसआइ रिपोर्ट पर सुन्नी वोर्ड की आपत्ति, कोर्ट ने पूछे सवाल

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से एएसआइ की रिपोर्ट पर की गई आपत्तियों पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा, जब आपने हाई कोर्ट में रिपोर्ट पर एएसआइ के सदस्यों से कोई सवाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट में इस पर कैसे विचार किया जा सकता है?

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

मप्र में वायुसेना का मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

भिंड : मध्य प्रदेश के महाराजपुरा एयरबेस से उड़ान भरने के 30 मिनट बाद वायुसेना का मिग-21 विमान भिंड जिले के आलौरी गांव के चौधरी का पुरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्क्वाड्रन लीडर शिवानंद और ग्रुप कैप्टन वायएस नेगी ने पैराशूट से कूदकर कर जान बचाई। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

यात्रियों को पांच लाख तक का मुफ्त बीमा देगी उबर

नई दिल्ली : मोबाइल एप आधारित कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अपने ग्राहकों को मुफ्त बीमा कवर देने की घोषणा की है। उबर सेवा के माध्यम से यात्रा के दौरान दुर्घटना में मौत होने या स्थायी तौर पर विकलांग होने पर पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। अस्पताल में भर्ती होने पर दो लाख रुपये तक की सहायता और ओपीडी की स्थिति में 50,000 तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

आजकल ▶ पृष्ठ 16

छह महीनों के लिए भेजे गए मंगलयान ने पूरे किए पांच साल

नई दिल्ली : भारत के मंगलयान मिशन ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। लांचिंग के समय महज छह माह के लिए भेजे गए यान ने अभियान के पांच साल पूरे कर लिए हैं। इसरो के प्रमुख के. सिवन ने यह जानकारी दी। मार्स ऑर्बिटर मिशन (मॉम) भारत का पहला इंटरप्लेनेटरी अंतरिक्ष अभियान था। इसका अर्थ है कि यह पहला ऐसा अभियान था, जिसे धरती से इतर किसी ग्रह पर भेजा गया था।

मोदी, अमित शाह और डोभाल पर आतंकी हमले का खतरा

- जम्मू व कानपुर समेत 30 शहरों में अलर्ट, चार सामरिक प्रतिष्ठानों पर ऑरेंज अलर्ट
- साजिश रच रही पाक खुफिया एजेंसी आइएसआइ, जैश के आतंकियों को जिम्मा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

तमाम कोशिशों के बावजूद जम्मू-कश्मीर में हालात खराब करने में नाकाम रहे पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों पर घाटी के बाहर कुछ बड़ा करने का दबाव बढ़ा दिया है। इसके तहत संसद भवन, पुलवामा और पठानकोट एयरबेस जैसे हमलों को अंजाम देने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर हमले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही आइएसआइ ने आतंकी संगठन को सुरक्षा प्रतिष्ठानों व प्रमुख शहरों को भी निशाना बनाना का निर्देश दिया है।

सूत्रों के अनुसार, एक विदेशी खुफिया एजेंसी को आइएसआइ के मेजर और जैश के आतंकी सरगना के बीच बातचीत की जानकारी मिली है। इसमें मेजर जैश आतंकी शमशेर वानी को मोदी, अमित शाह और अजीत डोभाल समेत बड़े टारगेट पर हमले का निर्देश दे चुका है। विदेशी खुफिया एजेंसी ने इस संबंध में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को आगाह किया है।

अमित शाह — अजीत डोभाल

सुरक्षा एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में हालात बिगाड़ने की हर संभव कोशिश कर रहा है। इसमें अभी तक उसे कामयाबी नहीं मिली है। यही नहीं, इस मुद्दे पर दुनिया के सभी देशों ने पाक को कोई तवज्जो नहीं दिया। हर तरफ से बुरी तरह मात खाने के बाद आइएसआइ ने अब जम्मू-कश्मीर के बाहर आतंकी हमले की जिम्मेदारी जैश को सौंपी है। यहीं, पाकिस्तान अनुच्छेद 370 को हटाने और पूरी दुनिया में इसे मुद्दा बनाने में अपनी विफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल को जिम्मेदार मानता है।

आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई है। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और एनएसए को पहले से ही पर्याप्त सुरक्षा मिली हुई है। लेकिन इसे और भी पुख्ता किया जा रहा है। इसके साथ ही जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, जयपुर, गांधीनगर, कानपुर और लखनऊ जैसे 30 शहरों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। ध्यान देने की बात है कि राजस्थान सीमा से आतंकियों के घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए सीमा से सटे इलाकों में कुछ दिनों से रात का कर्फ्यू लागू है।

आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए पठानकोट और उधमपुर समेत चार सामरिक प्रतिष्ठानों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है। पठानकोट एयरबेस को 2016 में भी जैश-ए-मुहम्मद के आतंकियों ने निशाना बनाया था।

कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने में रहे नाकाम : इमरान

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रवैये पर जताई नाखुशी

न्यूयॉर्क, एजेंसियां

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने स्वीकार किया है कि वह कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में नाकाम रहे हैं। साथ ही उन्होंने इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के रवैये पर नाखुशी भी व्यक्त की। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद से अंतरराष्ट्रीय समुदाय कई मंचों पर पाकिस्तान की अनदेखी करता रहा है जबकि भारत को अधिकांश देशों का समर्थन मिला है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर एक प्रेस कांफ्रेंस में इमरान खान ने कहा, '(मैं) अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नाखुश हूं। अगर 80 लाख यूरोपियों या यहूदियों या सिर्फ आठ अमेरिकियों को घेरेबंदी में रख दिया जाता, तो भी क्या ऐसी ही प्रतिक्रिया होती? घेरेबंदी हटाने के लिए मोदी पर अभी तक कोई दबाव नहीं है। हम दबाव बनाते रहेंगे... नौ लाख जवान वहां क्या कर रहे हैं। जब वहां से कर्फ्यू हटेगा, अल्लाह जाने उसके बाद वहां क्या होने जा रहा है... आप क्या समझते हैं कश्मीरी इस बात को स्वीकार कर लेंगे कि कश्मीर पर कब्जा कर लिया गया है?' उन्होंने आगे कहा, 'इस बात की भी संभावना है कि दो परमाणु शक्ति संपन्न देश किसी समय आमने-सामने आ जाएं।' प्रेस कांफ्रेंस में पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की प्रतिनिधि मलीहा लोधी भी इमरान खान के साथ उपस्थित थीं।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पाक के पीएम इमरान खान ने प्रेसवार्ता की। एपी

जब इमरान से पूछा गया कि कश्मीर मसले पर पाकिस्तानी रुख की अनदेखी क्यों की जा रही है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने भारत के आर्थिक कद और विश्व मंच पर उसकी हैसियत को भी स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, 'इसका कारण भारत है, लोग भारत को 120 करोड़ लोगों के बाजार के रूप में देखते हैं... कुछ लोग इससे चिंतित हैं, लेकिन आखिर में वे भी उसे बाजार के रूप में देखते हैं।' बता दें कि इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री ब्रिगेडियर इजाज अहमद ने भी स्वीकार किया था कि कश्मीर मसले पर उनका देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन जुटाने में नाकाम रहा है। उनका कहना था, 'लोग हम पर भरोसा नहीं करते, लेकिन उन (भारत) पर भरोसा करते हैं।'

प्रेस कांफ्रेंस में इमरान ने कश्मीर मसले पर कांग्रेस के रुख का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'शुरुआत के लिए उन्हें कर्फ्यू हटाना होगा, यह शुरुआत है। यहां तक कि भारत की कांग्रेस पार्टी ने भी टिप्पणी की है कि गरीब लोगों को 50 दिनों के लिए अंदर बंद कर दिया गया है। कोई नहीं जानता कि राजनीतिक कैदियों के साथ क्या हो रहा है... मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) ने खुद को एक अंधी गली में बंद कर लिया है।' बता दें कि कश्मीर मसले पर पाकिस्तान इससे पहले भी कांग्रेस के बयानों का हवाला देता रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में फिर छेड़ा कश्मीर राग पेज>>5

चिन्मयानंद पर आरोप लगाने वाली छात्रा भी पहुंची जेल

- रंगदारी मामले में हुई गिरफ्तार, तीन साथी पहले से न्यायिक हिरासत में हैं
- दुष्कर्म के आरोप में चिन्मयानंद पहले ही जा चुके हैं जेल

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा को पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में बुधवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। विशेष जांच दल (एसआइटी) ने उसे कोर्ट में पेश किया जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। छात्रा के वकील ने जमानत अर्जी पेश की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। रंगदारी मामले में छात्रा के दोस्त संजय, विक्रम, सचिन सेंगर पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

छात्रा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए मंगलवार को जिला जज की कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। प्रभारी जिला जज (प्रथम) के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश किया गया। जिस पर 26 सितंबर को सुनवाई होनी थी। इससे पहले छात्रा को गिरफ्तार कर लिया गया।

छात्रा ने 24 अगस्त को वीडियो वायरल कर चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। अगले ही दिन चिन्मयानंद ने पांच करोड़ की रंगदारी मांगने का केस दर्ज कराया था। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मामलों का संज्ञान लिया, जिसके बाद एसआइटी को जांच सौंपी गई थी। 20 सितंबर को दुष्कर्म के आरोप में चिन्मयानंद गिरफ्तार कर लिया गया था जबकि रंगदारी के आरोप में तीन को जेल भेज दिया गया था।

सुबह ही छात्रा के घर पहुंची एसआइटी पेज>>6

तीन तलाक पीड़ित महिलाओं को छह हजार सालाना देगी योगी सरकार

- इस योजना का लाभ हिंदू परित्यक्त महिलाओं को भी मिलेगा
- पीड़िताओं का निशुल्क मुकदमा भी लड़ेगी राज्य सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

तत्काल तीन तलाक से पीड़ित गरीब महिलाओं और हिंदू परित्यक्त (पति द्वारा छोड़ दी गईं) महिलाओं को उप्र सरकार छह हजार रुपये सालाना देने जा रही है। इसके साथ ही तीन तलाक पीड़ित महिलाओं का मुकदमा भी निशुल्क लड़ा जाएगा। ऐसी जिन महिलाओं के पास घर नहीं होगा, उन्हें पीएम या सीएम आवास योजना से छत दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन तलाक पीड़ित महिलाओं से संवाद कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि अमरोहा की नेटबॉल की नेशनल खिलाड़ी व तीन तलाक पीड़िता सुमायला जावेद को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

लखनऊ में बुधवार को तीन तलाक पीड़िताओं ने सीएम योगी आदित्यनाथ को उन्हीं की पेंटिंग भेंट कर अभिनंदन किया। प्रेट्र

पीड़ित महिलाओं का हाल सुन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संवेदनशील हो गए। उन्होंने निर्देश दिया कि इन परिवारों को प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना या फिर मुख्यमंत्री आरोग्य योजना से स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाए। वक्फ संपत्तियों में भी इन्हें कैसे हक मिले, इसके लिए कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने मंडल स्तर पर भी इस तरह के संवाद शुरू करने पर जोर दिया।

दूसरी शादी करने वाले हिंदुओं पर भी कार्रवाई : योगी ने कहा कि हिंदुओं में भी यदि कोई एक शादी के बावजूद दूसरी शादी करता है तो ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी।

उप्र में पिछले एक वर्ष में 273 तीन तलाक के मामले : उप्र में पिछले एक वर्ष में 273 तीन तलाक के मामले दर्ज हुए हैं। इन सभी मामलों में कार्रवाई की समीक्षा की जाएगी।

दिल्ली में किरायेदारों को मुफ्त बिजली का तोहफा

नई दिल्ली : मकान मालिकों की मनमानी और महंगी बिजली की मार झेल रहे दिल्ली के 40 लाख किरायेदारों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने किरायेदार बिजली मीटर योजना को लागू करने का ऐलान किया है। इससे अब न सिर्फ किरायेदार कनेक्शन लेकर अपना मीटर लगवा सकेंगे, बल्कि 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ भी उठा सकेंगे। यह सभी मीटर प्रीपेड होंगे। केजरीवाल ने कहा, ऐसा पहली बार हो रहा है, जब राजधानी के लाखों किरायेदारों को मुफ्त बिजली योजना का लाभ दिया जा रहा है। योजना के तहत किरायेदार रेंट एग्रीमेंट (किराया करारनामा) या किराये की रसीद तथा उस पते का सरकारी पहचान पत्र देकर बिजली कनेक्शन ले सकते हैं। आवेदकों को तीन हजार रुपये सिक्योरिटी के रूप में जमा करने होंगे। खास बात यह है कि किरायेदार के फोन करने पर बिजली कर्मचारी घर आकर कनेक्शन मुहैया कराएंगे। (पेज-2 देखें)

रैंकिंग

नीति आयोग ने तैयार किया 'स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स', पंजाब, जम्मू-कश्मीर, बिहार और झारखंड का भी खराब प्रदर्शन

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में केरल अव्वल

हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन बेहद खराब है। नीति आयोग ने 'स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स' तैयार किया है जिसमें 20 बड़े राज्यों की रैंकिंग में उत्तर प्रदेश सबसे निचले पायदान पर जबकि केरल पहले, राजस्थान दूसरे और कर्नाटक तीसरे स्थान पर हैं। खास बात यह है कि बड़े राज्यों में झारखंड 16वें और बिहार 17वें स्थान पर है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर का प्रदर्शन इन दोनों राज्यों से भी खराब है।

सूत्रों के मुताबिक, आयोग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय और राज्यों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर यह रैंकिंग तैयार की है। इस इंडेक्स की रिपोर्ट पर बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय में विचार-विमर्श किया गया। जल्द ही इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि स्कूल एजुकेशन क्वालिटी इंडेक्स में 30 इंडीकेटर के आधार पर 20 बड़े राज्यों और आठ छोटे राज्यों की रैंकिंग की गई है। सबसे खराब प्रदर्शन वाले पांच राज्यों में झारखंड, बिहार, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। हालांकि बंगाल ने इस इंडेक्स में भाग नहीं लिया है। यह इंडेक्स 2016-17 के आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है और इसमें स्कूली विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता बढ़ाने के प्रयासों (लर्निंग आउटकम) के मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। इसे तैयार करने में विश्व बैंक और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों की मदद भी ली गई है। सूत्रों ने कहा, जिन आठ छोटे राज्यों की रैंकिंग अलग से की गई है उनमें मणिपुर, त्रिपुरा, गोवा, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। जिन छह मानकों पर राज्यों की रैंकिंग की गई है उनमें शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा तक पहुंच, शिक्षा के लिए ढांचागत सुविधाएं और प्रशासन जैसे इंडीकेटर शामिल हैं। राज्यों की रैंकिंग करते समय इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि स्कूलों में जिस प्रकार से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है, उससे वे कितना सीख रहे हैं। मालूम हो कि इससे पूर्व नीति आयोग वाटर इंडेक्स और हेल्थ इंडेक्स पर भी राज्यों की रैंकिंग जारी कर चुका है।

20 राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश सबसे निचले पायदान पर

30 इंडीकेटर के आधार पर 20 बड़े और आठ छोटे राज्यों की तय की गई है रैंकिंग

उच्च शिक्षा आयोग व एनआरएफ का अक्टूबर में गठन पेज>>3

बड़े राज्यों का प्रदर्शन

रैंक	राज्य
1	केरल
2	राजस्थान
3	कर्नाटक
4	आंध्र प्रदेश
5	गुजरात
6	असम
7	महाराष्ट्र
8	तमिलनाडु
9	हिमाचल प्रदेश
10	उत्तराखंड
11	हरियाणा
12	ओडिशा
13	छत्तीसगढ़
14	तेलंगाना
15	मध्य प्रदेश
16	झारखंड
17	बिहार
18	पंजाब
19	जम्मू-कश्मीर
20	उत्तर प्रदेश

मारुति सुजुकी ने कारों के दाम घटाए

नई दिल्ली : देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड पहली बड़ी कंपनी बन गई है, जिसने सरकार की तरफ से कॉरपोरेट टैक्स घटाने का फायदा सीधे ग्राहकों को दिया है। भारतीय कार बाजार में 49 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी ने अपने 11 प्रमुख मॉडलों की कीमतों में 5,000 रुपये की कटौती का एलान किया है। कंपनी का मानना है कि पहले से ही मिल रहे डिस्काउंट और अब नई कटौती के बाद त्योहारी सीजन में ग्राहकों में मारुति सुजुकी की गाड़ियों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। (पेज-12)

मप्र में सड़क किनारे शौच करने पर दो मासूमों की पीट-पीट कर हत्या

- दबंगों ने अनुसूचित जाति के बच्चों पर बरसाईं लाठियां, आरोपित गिरफ्तार

नईदुनिया, शिवपुरी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के भावखेड़ी गांव में दो दबंग भाइयों ने सड़क किनारे शौच करने पर दो मासूमों की लाठियों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। दोनों मासूम बुआ-भतीजे थे। हत्या करके भाग रहे आरोपितों हाकिम और रामेश्वर यादव को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गांव में तनाव के मद्देनजर पुलिस तैनात कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, मनोज वाल्मीकि का पुत्र अविनाश (10) बुआ रोशनी (12) के साथ बुधवार सुबह शौच के लिए खुले में सड़क किनारे बैठे थे। इसी दौरान गांव के ही हाकिम यादव (45) व रामेश्वर यादव (36) मौके पर पहुंचे। दोनों ने बच्चों से कहा, सड़क पर गंदगी कर रहे हो। बच्चे जब नहीं हटे तो उन्हें लाठियों से पीटने लगे। सिर पर गंभीर चोट आने से दोनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। इसी बीच, गांव पहुंचे वाल्मीकि समाज के नेताओं ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर आरोप लगाया कि दोनों बच्चों के शव तौलिए में लिपटे हुए हैं, उन्हें कफन तक प्रशासन उपलब्ध नहीं करा सकी। समाज के लोगों ने चंदा कर कफन और अंतिम संस्कार का इंतजाम किया है।

> शिवपुरी में दो अनुसूचित जाति के मासूमों की हत्या अति निंदनीय है। कांग्रेस व भाजपा की सरकार बताए कि गरीब अनुसूचित जाति व पिछड़ों के घरों में शौचालय की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई है? खुले में शौच को मजबूर मासूमों की हत्या करने वालों को फांसी की सजा अवश्य दिलाई जानी चाहिए। – मायावती, बसपा प्रमुख

आरोपित ने सुनाई मनगढ़ंत कहानी पेज>>6

50 करोड़ रुपये के आवंटन की स्वीकृति दे दी है दिल्ली सरकार ने अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह जानकारी दिल्ली के कानून मंत्री कैलाश गहलोत ने दी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 26 सितंबर 2019

किरायेदारों को भी मुफ्त बिजली का तोहफा

बड़ा फैसला ▶ अपना बिजली मीटर लगवा सकेंगे किरायेदार, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ भी उठा सकेंगे

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मकान मालिकों की मनमानी व महंगी बिजली की मार झेल रहे राजधानी के किरायेदारों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने किरायेदार बिजली मीटर योजना को लागू कर दिया है। इससे अब न सिर्फ किरायेदार कनेक्शन लेकर अपना बिजली मीटर लगवा सकेंगे, बल्कि 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ भी उठा सकेंगे। यह सभी मीटर प्रीपेड होंगे, जिन्हें पूर्व में ही रिचार्ज कराना होगा। हालांकि, 200 यूनिट खर्च होने तक कोई पैसा नहीं कटेगा।

योजना को लागू किए जाने की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है, जब राजधानी के लाखों किरायेदारों को मुफ्त बिजली योजना का लाभ दिया जा रहा है। योजना के तहत किरायेदार रेंट एग्रीमेंट (किराया करारनामा) या किराये की रसीद तथा उस पते का सरकारी पहचान पत्र देकर बिजली कनेक्शन ले सकते हैं। खास बात यह है कि किरायेदार के फोन करने पर बिजली कर्मचारी घर आकर कनेक्शन मुहैया कराएंगे। उन्होंने बताया कि दिल्ली में करीब 40 लाख किरायेदार हैं। इस योजना से कितने किरायेदार लाभांवित होंगे इसका अभी आकलन नहीं हो सका है।

दिल्ली सचिवालय में आयेजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। जागरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ लेने के लिए अब किरायेदार को मकान मालिक से एनओसी (अनापत्ति प्रमाणपत्र) लेने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए सिर्फ रेंट एग्रीमेंट या किराया रसीद के अलावा सरकारी पहचान पत्र ही देना होगा। इन दस्तावेज पर तीन हजार रुपये सिक्योरिटी के रूप में जमा करने होंगे, जो कनेक्शन कटवाने पर वापस होंगें यही नहीं किरायेदार के मकान बदलने पर उनकी जगह आने वाले दूसरे किरायेदार को कनेक्शन जारी कर दिया जाएगा। इसके लिए नए किरायेदार को अपनी सहमति के साथ सिक्योरिटी राशि तीन हजार रुपये जमा करनी होगी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि इस योजना से मकान मालिकों को डरने की जरूरत नहीं हैं। उनकी संपत्ति पूरी तरह सुरक्षित रहे, इसलिए ही योजना का नाम 'किरायेदार बिजली मीटर योजना' रखा गया है। इससे साफ है कि कनेक्शन लेने वाला किरायेदार है। यही नहीं मीटर पर भी किरायेदार लिखा जाएगा। इससे किरायेदार कभी भी खुद के मालिक होने का दावा नहीं कर सकेगा।

मकान मालिकों का भी कम हो जाएगा बिल : योजना का लाभ अप्रत्यक्ष रूप से मकान मालिकों को भी मिलेगा। दरअसल अभी तक किरायेदारों की वजह से बिजली यूनिट अधिक हो जाते हैं। इस योजना से अलग मीटर लगने पर किरायेदारों को लाभ तो मिलेगा ही साथ ही चार सौ यूनिट तक की खपत पर मकान मालिक को भी सब्सिडी का लाभ मिलने की संभावना है।

इन नंबरों पर करना होगा फोन : किरायेदार बिजली कनेक्शन लेने के लिए इन नंबरों पर फोन कर सकते हैं। बीएसईएस यमुना का नंबर है 19122, बीएसईएस राजधानी का नंबर है 19123। टाटा की कंपनी का नंबर 19124 है। इन नंबरों पर फोन करने पर बिजली कर्मचारी किरायेदार के घर जाएंगे और मीटर लगा कर चले जाएंगे।

बिजली चोरी में आई भारी गिरावट

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि उनकी सरकार की नीतियों के दम पर राजधानी में बिजली चोरी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार का दावा है कि 2015 से 2019 तक बीएसईएस के राजधानी में घरेलू उपभोक्ता 22 फीसद बढ़ गए हैं, जबकि टाटा पावर के घरेलू उपभोक्ताओं में 20 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

किरायेदारों के लिए प्रीपेड बिजली मीटर योजना के शुभारंभ पर आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि बिजली के मामले में उनकी सरकार ने पहले भी दिल्ली के लोगों को राहत दी है। एक अगस्त को दिल्ली के मकान मालिकों के लिए प्रति महीने 200 यूनिट तक बिजली बिल्कुल मुफ्त कर दी थी। 201 यूनिट होने पर बिल देना होता है। 201 से 400 यूनिट तक बिजली खर्च होने पर आधी सब्सिडी दी जा रही है। यही नहीं अगस्त में ही बिजली के बिल पर लगने वाला फिक्सड चार्ज भी घटा दिया था। अब स्वीकृत लोड दो किलोवाट के बिल पर 244 रुपये तथा तीन किलोवाट तक लोड होने पर 313 रुपये तक हर महीने बचत हो रही है।

विभिन्न शहरों में दो सौ यूनिट बिजली पर आने वाला खर्च

शहर	यूनिट	खर्च (रुपये में)
मुंबई	194	1244
पंजाब	188	1357
नोएडा	202	1374
बेंग्लुरु	175	1272
दिल्ली	200	00

किरायेदारों को मुफ्त बिजली देने वाला दुनिया का पहला शहर : किरायेदार बिजली मीटर योजना को लागू करने के दौरान मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली दुनिया का पहला ऐसा शहर है, जहां किरायेदारों को भी दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और साउथ अफ्रीका में जरूर किरायेदारों के लिए प्रीपेड बिजली मीटर की व्यवस्था है लेकिन उन्हें भी मुफ्त बिजली नहीं मिलती। भारत में बेंग्लुरु में किरायेदारों के लिए प्रीपेड बिजली मीटर की योजना है, लेकिन वहां भी दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली नहीं है।

आप ने मनोज तिवारी से मांगा 1971 का आवासीय प्रमाण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) को लेकर राजनीति गरमाने लगी है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में एनआरसी लागू होगा तो सबसे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी को दिल्ली छोड़नी होगी। आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली में एनआरसी लागू कर भाजपा यहां से बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को भगाना चाहती है। एनआरसी में 1971 से पहले के आवासीय प्रमाण पत्र वालों को ही दिल्ली का माना गया है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी से पूछना चाहता हूं कि क्या उनके पास 1971 से पहले का दिल्ली का आवासीय प्रमाण पत्र है?

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले पांच सालों में मनोज तिवारी एक दिन भी अपने कार्यालय में बैठकर क्षेत्र की जनता से मिले होते तो उन्हें समझ में आता कि लोगों को इस मामले में कितनी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि एक विधायक होने के नाते मैं और मेरे साथी बहुत अच्छी तरह से जानते हैं कि जब कोई महिला विधवा पेंशन या बुजुर्ग अपनी पेंशन के लिए कार्यालय में हमसे मिलने आते हैं तो तय कानून के मुताबिक पांच साल पुराना आवासीय प्रमाण भी उपलब्ध कराना मुश्किल होता है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

न्यूज गैलरी

ऑड-इवेन के दौरान कार्यालयों का बदलेगा समय

नई दिल्ली : दिल्ली में लागू होने जा रहे ऑड-इवेन के दौरान कार्यालयों का समय बदलेगा। इसका मकसद लोगों को जाम से बचाना है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपराज्यपाल अनिल बैजल के बीच बुधवार को हुई मुलाकात में इस तरह के निष्कर्ष सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल को जानकारी दी कि चार से 15 नवंबर तक यह योजना लागू की जाएगी क्योंकि दिल्ली सरकार को दिवाली में पटाखों के प्रदूषण व पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण भारी धुएं के प्रदूषण से जूझना होगा। इन दोनों कारणों से राजधानी में वायु प्रदूषण स्तर काफी खराब हो जाएगा। केजरीवाल ने उपराज्यपाल से कहा कि वह अपने विभागों से दिल्ली सरकार के संबंधित विभाग के साथ बेहतर तालमेल बनाने का आदेश दें ताकि ऑड-इवेन योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इस तालमेल से ही वर्ष 2016 की तरह राजधानी में ऑड-इवेन योजना सफल हो सकेगी। इस बैठक के बाद उपराज्यपाल ने ट्वीट किया कि मैंने वायु प्रदूषण कम करने के उपायों पर चर्चा की है। मैंने कार्यालयों के अलग-अलग कार्यावधि तय करने पर चर्चा की ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भी ट्वीट कर कहा कि दिल्ली सरकार कार्यालय अवधि में बदलाव करेगी। (जासं)

चिड़ियाघर में तीन हिरण की मौत, भालू पहुंचा अस्पताल

नई दिल्ली : चिड़ियाघर में दो स्पॉटेड हिरण व एक काले हिरण के मरने का मामला सामने आया है। वहीं, बुखार के कारण भालू भी गत दो दिनों से अस्पताल में भर्ती है। इस संबंध में चिड़ियाघर प्रशासन से बात की गई तो उन्होंने इस बात का खंडन किया है। चिड़ियाघर में इस समय स्पॉटेड हिरण व काले हिरणों की संख्या 100 से अधिक है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने कुछ समय पहले ही राष्ट्रीय चिड़ियाघर से उन वन्यजीवों को अन्य चिड़ियाघर में भेजने का आदेश दिया था जिनकी संख्या अधिक है। सीजेडए का कहना था कि एक बाड़े में किसी शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या 20 से अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिक संख्या में होने पर जानवरों में बीमारी फैलने का खतरा रहता है। इससे उनकी मौत भी हो सकती है। वहीं, काला हिरण वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की पहली अनुसूची में शामिल वन्यजीव है, जिसके शिकार पर रोक लगी हुई है। (जासं)

बेसहारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए बनाएं रणनीति : हाई कोर्ट

नई दिल्ली : हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार और सभी निगमों को आदेश दिया है कि राजधानी में बेसहारा पशुओं, बंदरों और कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए रणनीति बनाएं। हाई कोर्ट ने कहा कि एक कमेटी बनाई जाए, जो इस रणनीति को तैयार करे। हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा गया था कि कुत्तों, बंदरों को शेल्टर में रखना चाहिए ताकि सड़कों पर भटकते न रहे। अक्सर ये जानवर लोगों को काट लेते हैं। हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार से यह भी कहा है कि सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता हमेशा होनी चाहिए। यह सब हमें क्यों बताना पड़ता है, जबकि जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें अपना काम खुद करना चाहिए। अदालत एक कार्यकारी का काम नहीं कर सकती। (जासं)

पुनर्मूल्यांकन की मांग को लेकर सीए छात्रों का प्रदर्शन

नई दिल्ली : चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा-2019 के उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग को लेकर आइटीओ स्थित आइसीएआइ भवन के बाहर छात्रों का प्रदर्शन जारी रहा। बुधवार को भी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आइसीएआइ) के मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में छात्र पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया। विभिन्न राज्यों से सीए के अध्यापक भी समर्थन में पहुंचे। छात्र अनुच्छेद 39(4) में संशोधन की मांग कर रहे हैं, जो कि उन्हें इसका अधिकार देता है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। समर्थन में पहुंचे सीए भंवर बोराना ने कहा कि एक बार उत्तरपुस्तिका की जांच के बाद उसे दोबारा जांचा नहीं जाता है, बल्कि अंकों का मिलान फिर से किया जाता है। इसमें कई बार ऐसा होता है कि सही उत्तर होने के बाद भी अंक काट दिए जाते हैं। ऐसे में हमारी मांग है कि छात्रों की उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था हो। (जासं)

दृढ़ इच्छा शक्ति से खत्म हुआ अनुच्छेद 370 : नड्डा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ भाजपा का 'ऐतिहासिक भूल का ऐतिहासिक सुधार' अभियान शुरू

▶ पीएम मोदी और शाह की कुशल रणनीति को दिया श्रेय

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली के तालकटोरा इनडोर स्टेडियम से जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने को लेकर 'ऐतिहासिक भूल का ऐतिहासिक सुधार' नाम से जनजागरण अभियान शुरू किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को इस अनुच्छेद को संविधान में शामिल करने, इससे हुए नुकसान और इसे हटाने के लिए जनसंघ व भाजपा के संघर्ष की जानकारी देकर इसे जनजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ इच्छा शक्ति और गृहमंत्री व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की कुशल रणनीति की वजह से यह संभव हो सका है। अब हम सभी की जिम्मेदारी मोदी के नेतृत्व में कश्मीर का विकास करना है। इस जन्नत को जो नजर लग गई थी उसे हम सभी को मिलकर हटाना है।

उन्होंने कहा कि जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं रहेगा' का नारा देकर इसके लिए अपना बलिदान दिया था। भाजपा इसी विचारधारा को लेकर संघर्ष करती रही और मोदी सरकार ने कांग्रेस द्वारा की गई ऐतिहासिक भूल को सुधार दिया है। हम अपनी अगली पीढ़ी को गर्व के साथ बताएंगे कि अनुच्छेद 370 को हमने हटते हुए देखा है। देशवासियों ने ईवीएम पर अंगुली दबाकर अपने सांसद चुने थे और सांसदों ने संसद भवन में अंगुली दबाकर अनुच्छेद 370 समाप्त किया। यह शाह की कुशल रणनीति थी कि संसद में दूसरी पार्टियों के सांसदों का भी समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला परिवार व अन्य पार्टियों के नेता जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बात करके देशवासियों को गुमराह करते रहे, क्योंकि यह अस्थायी प्रावधान था। इसे बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने लागू करने से इन्कार कर दिया था।

यह अनुच्छेद भ्रष्टाचार को बढ़ाने और देशवासियों के साथ भेदभाव करने के साथ ही महिला व अनुसूचित जाति/जनजाति विरोधी भी था। दूसरे राज्य के लोग जम्मू-कश्मीर में न तो जमीन खरीद सकते थे और न नौकरी कर सकते थे जिससे प्रतिभावान लोग वहां जाकर विकास में अपना योगदान नहीं दे सके। संसद में बना कानून वहां के विधानसभा में पारित होने के बाद ही लागू हो सकता था। कई कानून वहां लागू नहीं होने की वजह से भ्रष्टाचार बढ़ा।

आइजीआइ ड्यूटी फ्री शॉप में इत्र और सौंदर्य प्रसाधन की अधिक बिक्री

जासं, नई दिल्ली : वैसे तो आइजीआइ एयरपोर्ट स्थित ड्यूटी फ्री शॉप (शुल्क मुक्त दुकान) में यात्रियों और यात्रा से जुड़ीं कई चीजें बेची जाती हैं। वैश्विक एजेंसी मूडी डेविट सर्वे रिपोर्ट 2018 के मुताबिक आइजीआइ एयरपोर्ट की ड्यूटी फ्री शॉप पर इत्र, सौंदर्य प्रसाधन, फैशन के सामान और घरेलू उपयोग में आने वाले उपकरण की बिक्री सबसे ज्यादा होती है। चैनल, डायर, अरमानी, गुच्ची, एस्टीलाउडर, मैक आदि जैसे ब्रांड यात्रियों में खासा लोकप्रिय हैं। वहीं, यात्री ओमेगा, ब्रेइटलिंग, राडो, टैग ह्यूअर की घड़ियों की खरीदारी भी जमकर करते हैं। यही नहीं लेखन उपकरण में मॉन्ट ब्लांक ब्रांड की भारी मांग रहती है।

एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि हवाई यात्रियों की खरीदारी की प्रवृत्ति को प्रेरित करने के लिए सभी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर ड्यूटी फ्री शॉप खोली जाती है। कई तरह के शुल्क माफ होने के कारण वहां रखी चीजों के दाम खुले बाजार मूल्य से काफी कम होते हैं। आइजीआइ एयरपोर्ट पर भी ब्रांडेड कंपनियों के कई स्टॉल हैं। कई बार इन शॉप पर वह सामान भी मिल जाते हैं जो बाहर कहीं नहीं मिलते। उन्होंने बताया कि यात्रियों की संख्या के साथ ही आइजीआइ एयरपोर्ट स्थित ड्यूटी फ्री सामानों की बिक्री भी साल दर साल बढ़ रही है। एजेंसी मूडी डेविट सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2018 में ड्यूटी फ्री शॉप का कुल वैश्विक कारोबार 79 बिलियन रहा।

112 नंबर पर मिलेंगी सभी आपातकालीन सुविधाएं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में जनता को अब सभी तरह की आपातकालीन सेवाएं एक ही हेल्प लाइन नंबर-112 पर उपलब्ध होंगी। फिलहाल इस नंबर पर एंबुलेंस, पुलिस और दमकल की सेवा मिलेगी, लेकिन अन्य सेवाओं को भी जल्द ही इससे जोड़ दिया जाएगा। केंद्र सरकार के एकीकृत आपातकालीन नंबर प्रावधान के तहत यह सुविधा शुरू कर दी गई है। देशभर में इस पर ट्रायल चल रहा है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने सबसे पहले इसकी शुरुआत की है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर नजर रखने के लिए आधुनिक तकनीक से लैस प्रखर वैन की भी शुरुआत कर दी है।

इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (इआरएसएस -112) का बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी. किशन रेड्डी ने उद्घाटन किया। इस नंबर पर अब पुलिस, दमकल और एंबुलेंस तीनों आपातकालीन सेवाओं की सुविधा मिलेगी। यह सेवा प्रचलन में आने तक पुलिस का पुराना नंबर 100, दमकल का 101 और एंबुलेंस का 102 भी काम करता रहेगा। बुधवार से शुरू किए गए नए नंबर पर कॉल करते ही यह संबंधित विभागों को स्थानांतरित कर दिया जाएगा और संबंधित विभाग तेजी से कार्रवाई में जुट जाएगा।

इसका मुख्यालय इंटीग्रेटेड कांप्लेक्स, ऑपरेशंस एंड कम्युनिकेशन, शालीमार बाग में स्थापित किया गया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि और दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य

इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी। साथ में पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

पटनायक ने दिल्ली पुलिस की प्रखर नाम की विशेष वैन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। गृह राज्य मंत्री ने 15 प्रखर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनकी तैनाती अत्यधिक अपराध वाले क्षेत्र में की जाएगी। गृह राज्य मंत्री ने दिल्ली पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस अपराध और अपराधियों पर शून्य सहिष्णुता के साथ काम कर रही है। पुलिस बल के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी गई है। प्रखर वैन की संख्या को भी आने वाले समय में बढ़ाकर 100 किया जाएगा। यह वैन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। प्रत्येक जिले में एक वैन की तैनाती की जाएगी। इस वैन के जरिये सड़कों पर होने वाले अपराध पर नियंत्रण पाने में कामयाबी मिलेगी।

पटनायक ने कहा कि हेल्प लाइन नंबर 112 गृह मंत्रालय की प्रमुख योजना है। प्रखर वैन से स्ट्रीट क्राइम पर लगाम लगाई जा सकेगी। गत दिनों दिल्ली पुलिस ने कानून व्यवस्था को लेकर कई कदम उठाए। अपराध वाले स्थानों की पहचान कर वहां झपटमार विरोधी दस्ता लगाने के साथ ही महिला कर्मियों की गश्त बढ़ाई गई। युवा योजना भी लागू की गई। इससे सड़क पर होने वाले अपराध में 20 फीसद की गिरावट आई है।

'दोनों सरकारों की उदासीनता से बढ़े प्याज के दाम'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हारून यूसुफ ने प्याज के दाम में बढ़ोतरी के लिए भाजपा की केंद्र और आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों की उदासीनता के कारण ही यह स्थिति बनी है। एनआरसी के मुददे पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को जो करना है करे, लेकिन दिल्लीवासियों को डराए नहीं।

प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में बुधवार को पत्रकार वार्ता में हारून ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार में लोगों को लाइन में लगाने की होड़ सी लगी है, चाहे वह प्याज के लिए हो या प्रदूषण जांच के लिए। प्याज के दाम 70-80 रुपये तक पहुंच गए हैं। केजरीवाल यह कह रहे हैं कि अगले दस दिनों में प्याज की कमी दूर हो जाएगी। यह तो स्वाभाविक है, क्योंकि अगले दस दिनों मे गुजरात और राजस्थान से प्याज दिल्ली आना शुरू हो जाएगा और इसके दाम भी अपने आप कम हो जाएंगे। नवरात्र में प्याज की खपत 60 फीसद तक कम हो जाती है। इससे भी प्याज के दाम कम हो जाते हैं। जब दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार थी तब पहले से ही सुनिश्चित कर लिया जाता था कि लोगों को प्याज की कमी न झेलनी पड़े।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलोठिया ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी द्वारा किए गए वादों को पूरा न करने के खिलाफ गुरुवार को छलावा दिवस के रूप में मुख्यमंत्री निवास पर प्रदर्शन करेंगे। पिछले साढ़े चार साल में केजरीवाल ने सफाईकर्मियों से कई वादे किए, लेकिन कोई भी वादा पूरा नहीं किया।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते कार्यकारी अध्यक्ष हारून युसुफ। साथ में राजेश लिलौठिया और देवेंद्र यादव। जागरण

नेतृत्वविहीन दिल्ली कांग्रेस को लेकर सोनिया से फिर मिले संदीप दीक्षित

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के इंतजार के बीच पूर्व सांसद संदीप दीक्षित एवं पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। हाल ही के दिनों में संदीप की यह सोनिया से दूसरी मुलाकात थी। इस मुलाकात में दोनों ने ही दिल्ली इकाई के लिए अपने सुझाव भी दिए। बताया जाता है कि दोनों ही नेताओं ने सोनिया से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों की ही ओर से भी इसे शिष्टाचार एवं व्यक्तिगत भेंट बताया गया है। सूत्र बताते हैं कि संदीप और मुदित ने सोनिया के साथ प्रदेश के नए अध्यक्ष को लेकर भी चर्चा की। इनका यही कहना था कि जिस भी किसी नेता को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जाए, वह ऐसा हो जिसके साथ सभी चल सकें और पार्टी भी आगे बढ़ सके। दूसरी तरफ पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयवीर नागर ने पीसी चाको से मुलाकात की।

ढिल्लू गिरोह के बदमाशों से मुठभेड़, तीन शूटर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और कुख्यात इनामी बदमाश संदीप उर्फ ढिल्लू के गिरोह के शूटरों के बीच बुधवार तड़के 4.30 बजे मेन ढांसा नजफगढ़ रोड पर मुठभेड़ हुई। बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर चार गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली इंस्पेक्टर के सीने में लगी। बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से वह बाल-बाल बच गए। पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के हाथ व पैर में गोली लगी। पुलिस से घिरा देखकर तीसरे बदमाश ने समर्पण कर दिया। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके खिलाफ दिल्ली-एनसीआर में 40 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उनके पास से .32 बोर व नाइन एमएम की दो पिस्टल, एक कट्टा, दस कारतूस व होंडा अकार्ड कार बरामद की है।

डीसीपी संजीव कुमार यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान सुरजीत उर्फ पोलू (36), प्रमोद उर्फ सोनू व निशांत उर्फ नीशू के रूप में हुई है। सुरजीत के खिलाफ हाल ही में दस मामले दर्ज हुए हैं। वह संदीप से बीस साल से जुड़ा है और गिरोह में सरदार के नाम से जाना जाता है। वह हत्या के प्रयास के मामले में पहली बार 2000 में गिरफ्तार हुआ था। जेल में संदीप से मुलाकात होने पर उसने इसकी मदद की थी। वह कई वर्षों तक संदीप के घर में ही रहा। वर्ष 2005 में वह संदीप के साथ 15 लाख रुपये की लूटपाट के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर बाहर आने के बाद संदीप के इशारे पर दिल्ली-एनसीआर के कारोबारियों को धमकी देकर उगाही करना शुरू कर दिया।

दीपक उर्फ भांजा व संजय कैरा के माध्यम से प्रमोद गिरोह से जुड़ा। जेल में बंद रहने के दौरान उसने कई बार संदीप से मुलाकात की थी। फरवरी 2018 में उसने ढिल्लू गिरोह के बदमाशों के साथ मिलकर संदीप को पुलिस हिरासत से भगाने की साजिश रची। 19 फरवरी 2018 को तीसरी बटालियन के पुलिसकर्मी संदीप को इलाज के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज लेकर गए थे। इलाज के बाद अस्पताल से निकलने के दौरान प्रमोद व अन्य बदमाश पुलिसकर्मियों की आखों में मिर्च पाउडर झोंक कर संदीप को बाइक से भगा ले गए थे और तभी से संदीप फरार है।

दिल्ली में पेयजल की गुणवत्ता यूरोपीय मानकों से बेहतर : शेखावत

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में पेयजल की गुणवत्ता यूरोपीय मानकों से बेहतर है, जबकि मंगलवार को ही उनके कैबिनेट सहयोगी और केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने दिल्ली के पेयजल की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। एक कार्यक्रम से इतर शेखावत ने कहा, 'यह उनका (पासवान) निजी विचार होगा। कुछ महीने पहले हमने दिल्ली में 20 स्थानों के पानी के नमूनों की जांच की थी। सभी यूरोपीय मानकों से बेहतर थे।' शेखावत के इस बयान से दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को बल मिला है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह इस बयान के लिए शेखावत को धन्यवाद देते हैं। केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दिल्ली के लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के सभी प्रयास करेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच द्वारा आयोजित 'सर्कुलर इकोनॉमी ऑन प्लास्टिक वैस्ट' पर कांक्लेव में शेखावत ने कहा कि कचरा निस्तारण के लिए भारत को दो बाल्टी प्रणाली (टू बकट सिस्टम) अनिवार्य बनाने पर विचार करना चाहिए।

अभियान

दिल्ली-एनसीआर की हवा सांस लेने लायक बनी रहे, इसके लिए ईपीसीए ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की तैयारियों का जायजा लेना शुरू कर दिया है

दावों की हवा से प्रदूषण निकालेंगे ईपीसीए अध्यक्ष

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

प्रदूषण से जंग में दिल्ली सरकार भले सफलता के कितने दावे कर रही हो, लेकिन पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने इन सभी दावों की कलई खोलने की तैयारी कर ली है। ईपीसीए ने अपनी टीमें भेजकर दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रदूषण की स्थिति और वहां हो रहे नियम कायदों के उल्लंघन की वीडियोग्राफी भी करवा ली है। अब इस पर मुख्य सचिव सहित सभी जिला अधिकारियों, नगर निगम आयुक्तों और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से जवाब मांगा जाएगा।

गौरतलब है कि सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर की हवा सांस लेने लायक बनी रहे, इसके लिए ईपीसीए ने समय रहते दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की तैयारियों का जायजा लेना आरंभ कर दिया है। सभी जगह बैठकें हो रही हैं। वहीं ईपीसीए की टीमें हकीकत बयां करने वाली रिपोर्ट एवं वीडियोग्राफी भी कर रही हैं। इस दिशा में उत्तर प्रदेश और हरियाणा की बैठक पहले हो चुकी है और अब दिल्ली की बारी है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली की तैयारियों पर यह समीक्षा बैठक शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में होगी। इस बैठक में दिल्ली सरकार की ओर से मुख्य सचिव विजय कुमार देव, सभी राजस्व जिला अधिकारी, तीनों नगर निगमों के आयुक्तों और डीपीसीसी के अधिकारियों को तलब किया गया है। ईपीसीए की ओर से अध्यक्ष भूरेलाल और सदस्य सुनीता नारायण सहित उनकी टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहेंगे। ईपीसीए के मुताबिक उनकी टीमों ने दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में प्रदूषण की रोकथाम के लिए बनाए गए नियम कायदों का उल्लंघन होते हुए पाया है। चाहे वह निर्माण कार्य संबंधी गतिविधियां हों, चाहे औद्योगिक कचरे के निपटान का मामला, चाहे टूटी सड़कों से धूल उड़ने का मामला हो, चाहे वाहनों के धुआं छोड़ने और चाहे बिना छिड़काव के सड़कों पर सफाई का। पूर्वी और बाहरी दिल्ली क्षेत्र में सर्वाधिक प्रदूषण संबंधी गतिविधियां चलती पाई गई हैं।

> प्रदूषण से जंग में पीठ थपथपाने की नहीं, बल्कि गंभीरता से जुटने की जरूरत है। दिल्ली सरकार के तमाम अधिकारियों को यही समझाने की कोशिश रहेगी। यदि समय रहते कमियां सुधार ली जाएंगी तो आने वाले दिनों में स्थिति विकट नहीं होगी। इन कमियों को सुधारने के लिए सभी विभागों को समय भी दिया जाएगा और लगातार निगरानी एवं समीक्षा भी की जाएगी।
>
> -भूरेलाल, अध्यक्ष, ईपीसीए

धूल उड़ाने के लिए डीपीसीसी ने किए चालान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : ठंड के मौसम की दस्तक के साथ ही दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) भी सक्रिय हो गई है। यह सक्रियता ही है कि डीपीसीसी ने धूल उड़ाने वाले तमाम प्रोजेक्टों पर न केवल नजर रखना शुरू कर दिया है, बल्कि नोटिस और चालान भेजने भी चालू कर दिए हैं। इसी कड़ी में डीपीसीसी ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) सहित तीन अन्य प्रोजेक्टों पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने का भुगतान करने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक डीपीसीसी की सात टीमें विभिन्न हॉट स्पॉट और जाम संभावित चौराहों पर नजर रखे हुए हैं। अब तक टीमें 23 साइटों का निरीक्षण कर चुकी हैं और विभिन्न निर्माण कंपनियों व विभागों पर 45 लाख का जुर्माना लगा चुकी हैं। बताया जाता है कि सूरजमल विहार की गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कैंपस की कंस्ट्रक्शन साइट, विजय नगर में ग्रुप हाउसिंग प्रोजक्ट, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर सरकारी फ्लैट्स का निर्माण, जय सिंह मार्ग पर दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर बिल्डिंग, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर गवर्नमेंट प्रिंटिंग प्रेस के निर्माण स्थल पर भी धूल काफी उड़ रही थी। इन सभी साइटों पर कई खामियां भी पाई गईं।

32 साल पुराने मामले में 81 वर्षीय पूर्व आइएएस को पांच साल कैद

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

32 साल पुराने मामले में 81 वर्षीय पूर्व आइएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह आहलूवालिया को अवैध हथियार रखने का दोषी पाया गया है। अदालत ने पांच साल कारावास और डेढ़ लाख रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। अदालत ने टिप्पणी की कि दोषी अधिकारी ने जानबूझकर पूरे सरकारी तंत्र से खिलवाड़ किया। एक प्रशासनिक अधिकारी होने के नाते उसे कानून की मदद करनी चाहिए थी।

राउज एवेन्यू अदालत की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अनु अग्रवाल ने आहलूवालिया को उनकी अधिक उम्र व खराब सेहत के मद्देनजर पांच साल कैद व डेढ़ लाख रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। अदालत ने पाया कि आहलूवालिया ने फर्जी लाइसेंस के जरिये हथियार लिया था, जो अवैध है। सीबीआइ ने इस मामले में 31 अगस्त 1987 को आहलूवालिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उस समय वह नगालैंड में श्रम व रोजगार आयुक्त व वित्तीय सचिव के पद पर थे। उनके दिल्ली व कोहिमा के घरों से एक कारबाइन व एक विदेशी राइफल के साथ कुल पांच गन व 328 कारतूस बरामद किए गए थे। ये हथियार आय से अधिक संपत्ति मामले में हुई छापेमारी में सामने आए थे। जांच में पता चला कि आहलूवालिया के पास दिल्ली, ग्वालियर व चंडीगढ़ में काफी संपत्ति है, जिसमें एक वातानुकूलित सिनेमा घर भी शामिल था। सीबीआइ ने अदालत से कड़ी सजा की मांग करते हुए कहा था कि जिस समय अपराध हुआ, आहलूवालिया एक आइएएस अधिकारी थे और इस नाते देश के कानून की पालन करना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी। वहीं, आहलूवालिया के वकील ने अदालत से थोड़ी नरमी बरतने की मांग की। अदालत को बताया गया कि आहलूवालिया की उम्र 81 साल है और ऐसी बीमारी से पीड़ित हैं, जिसमें धूल के संपर्क में आना जानलेवा साबित हो सकता है।

24 राज्यों के आंगनबाड़ी केंद्रों में 3.5 करोड़ से ज्यादा बच्चों और महिलाओं को पोषाहार निगरानी सॉफ्टवेयर में पंजीकृत किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से यह जानकारी दी गई है।

एएसआइ रिपोर्ट पर सुन्नी वक्फ बोर्ड की आपत्ति पर कोर्ट ने उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा ▸ हाई कोर्ट में जब मौका था, तब क्यों नहीं जताई थी रिपोर्ट पर आपत्ति

माला दीक्षित, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या राम जन्मभूमि मामले में सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की रिपोर्ट पर की गई आपत्तियों पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि जब आपने हाई कोर्ट में रिपोर्ट को लेकर एएसआइ की टीम से कोई सवाल नहीं किया तो फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान कैसे विचार किया जा सकता है? कानून के मुताबिक आपके पास मौका था जिसका आपने लाभ नहीं उठाया। एएसआइ की रिपोर्ट विशेषज्ञ साक्ष्य है और कानून में स्वीकार किए जाने लायक है। कोर्ट की ओर से पूछे गए इन सवालों का सुन्नी वक्फ बोर्ड एवं अन्य गुरुवार को जवाब देंगे।

एएसआइ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर विवादित स्थल की खुदाई कर 22 अगस्त 2003 को हाई कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी थी। एएसआइ ने कहा है कि विवादित ढांचे के नीचे विशाल संरचना पाई गई है जो कि उत्तर भारत के मंदिरों से मेल खाती है। हाई कोर्ट ने एएसआइ से विवादित स्थल की खुदाई कर यह पता लगाने को कहा था कि वहां पहले कोई मंदिर था या नहीं और क्या मंदिर तोड़ कर उस जगह मस्जिद बनाई गई है? सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या मामले की रोजाना चल रही सुनवाई में बुधवार को सुन्नी वक्फ बोर्ड एवं अन्य की ओर से वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि रिपोर्ट में बहुत सी खामियां और विषमताएं हैं। इसे साक्ष्य में नहीं स्वीकारा जा सकता। इसे कमजोर साक्ष्य के रूप में माना जा सकता है। एएसआइ विज्ञान तो है लेकिन यह रसायन विज्ञान नहीं है जिसे परखा जा सके। यह एक राय की तरह है। रिपोर्ट का निष्कर्ष जो कि चैप्टर 10 है, किसने लिखा है यह भी स्पष्ट नहीं है क्योंकि उस पर किसी के हस्ताक्षर नहीं हैं न ही किसी का नाम दिया गया है। रिपोर्ट के निष्कर्ष में जो बात कही गई है वह मूल रिपोर्ट से भी आगे बढ़कर है। इस पर जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि जब रिपोर्ट के शुरू में हरी मांझी और बीआर मणी का नाम दिया गया है तो उन्हीं की रिपोर्ट समझी जाएगी। इसके बाद अरोड़ा ने खुदाई में मिले खंबों के आधार आदि पर भी सवाल उठाए। तभी मुख्य न्यायाधीश ने उनसे कहा कि एएसआइ को खुदाई कर रिपोर्ट देने का काम हाई कोर्ट ने सौंपा था। कानून के मुताबिक, एएसआइ कोर्ट कमिश्नर है और उसकी रिपोर्ट साक्ष्य के तौर पर स्वीकार होगी। कोर्ट ने कहा कि दीवानी संहिता के आदेश 26 नियम 10 के मुताबिक, कमिश्नर की रिपोर्ट पर पक्षकार उससे जिरह कर सकते हैं। आपके पास यह मौका था लेकिन आपने हाई कोर्ट में एएसआइ टीम के सदस्यों से जिरह नहीं की।

अरोड़ा ने कहा कि उनकी ओर से हाई कोर्ट में भी रिपोर्ट के खिलाफ आपत्तियां दाखिल की गईं थीं लेकिन हाई कोर्ट ने कहा था कि उस पर बाद में विचार करेंगे। हालांकि उनकी ओर से एएसआइ टीम के सदस्यों से जिरह नहीं की गई थी क्योंकि उन्हें लगता था कि इस तरह वे उनके गवाह मान लिए जाएंगे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आपने कानून ठीक से नहीं पढ़ा, कानून के मुताबिक एएसआइ टीम कोर्ट कमिश्नर है उनसे जिरह करने का आपको हक था। जब आपने वहां उनसे जिरह नहीं की तो सुप्रीम कोर्ट अपील में सुनवाई के दौरान इन आपत्तियों पर विचार नहीं कर सकता। वह रिपोर्ट साक्ष्य है। एएसआइ रिपोर्ट पर उठाई जा रही आपत्तियों के बारे में कोर्ट का स्पष्ट रुख देखकर मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि वह गुरुवार को इस बारे में कोर्ट को संतुष्ट करेंगी।

> कानून के मुताबिक आपके पास हाई कोर्ट में एएसआइ टीम से जिरह का मौका था वहां जिरह नहीं की तो अब अपील में सुप्रीम कोर्ट उस पर सुनवाई कैसे कर सकता है?
> **– मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई**

जहां रामजन्म हुआ, वहीं बनी थी मस्जिद : शिया वक्फ बोर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने बाबरी मस्जिद के पक्षकारों के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें भगवान राम का जन्म स्थान राम चबूतरा माना है। बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी ने कहा कि भगवान राम का जन्म वहीं हुआ था जहां 400 साल पहले मस्जिद रूपी इमारत बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि भगवान राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे, उनका जन्म त्रेता युग में लगभग 12 लाख साल पहले अयोध्या में हुआ था। दरअसल, सुन्नी वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में माना है कि विवादित स्थल पर बना राम चबूतरा ही भगवान राम का जन्मस्थान है। वसीम रिजवी ने बाबरी पक्षकारों के इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बाबर के हुक्म से मीर बाकी ने मंदिरों को तोड़कर भगवान राम व उनके मानने वालों को जान-बूझ कर अपमानित किया। मीर बाकी ने ही अयोध्या में राम जन्मभूमि के स्थान पर मस्जिद का निर्माण कराया था। उन्होंने कहा कि शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड सुप्रीम कोर्ट में इन्हीं तथ्यों पर आधारित अपना पक्ष रख रहा है।

विवादित ढांचे के नीचे मंदिर नहीं ईदगाह थी : सुन्नी वक्फ बोर्ड

माला दीक्षित, नई दिल्ली

▸ **मुस्लिम पक्ष ने कहा, राम चबूतरे को वह नहीं, हिंदू मानते हैं जन्मस्थान**

सुन्नी वक्फ बोर्ड ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि एएसआइ की खुदाई में ढांचे के नीचे मिले अवशेष मंदिर के नहीं हैं बल्कि ईदगाह के हैं। एएसआइ रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित ढांचे के नीचे विशाल संरचना थी जो मंदिरों से मेल खाती है। रिपोर्ट का यह निष्कर्ष हिंदुओं के दावे को मजूबत करता है। सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से पेश मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि कहीं भी नीचे खंडहर पाए जा सकते हैं। उन्हें मंदिर कैसे कहा जा सकता? इस पर जस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि कोर्ट के सामने सवाल यही है कि क्या वहां पहले मंदिर था और क्या मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाई गई थी?

अरोड़ा ने कहा कि वहां विशाल दीवार पाई गई है, वह पश्चिम दिशा में है। ईदगाह में पश्चिम की ओर दीवार होती है। वहां सिर्फ ईद और बकरीद के मौके पर मुस्लिम नमाज पढ़ते हैं। ईदगाह बस्ती (बसावट) से दूर होती है। इस दलील पर जस्टिस बोबडे ने टोकते हुए कहा कि वहां पर बस्ती के प्रमाण पाए गए हैं। इसका मतलब है कि वह ईदगाह नहीं थी। तभी जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि सुन्नी वक्फ बोर्ड ने तो अपने मुकदमे में कहीं नहीं कहा है कि ढांचे के नीचे इस्लामिक स्ट्रक्चर था, अब वह यह बात कैसे कह सकता है? अरोड़ा ने कहा कि उन्होंने 1961 में मुकदमा दाखिल किया था उस समय इस पर विवाद नहीं था कि वहां पहले क्या था। यह विवाद 1989 में रामलला के मुकदमे के बाद उठा है। 1528 से लेकर 1992 तक वहां मस्जिद थी।

अरोड़ा ने कहा कि वहां नीचे खंडहर जरूर मिले हैं लेकिन इस बात का कोई सुबूत नहीं है कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। इस पर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एएसआइ की रिपोर्ट यह कैसे बता सकती है कि मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाई गई थी या नहीं? वह तो सिर्फ यही बता सकती है कि नीचे अवशेष हैं। मंदिर तोड़ा गया या स्वयं पुराना होकर गिर गया यह नहीं बताया जा सकता। अरोड़ा ने कहा सोमनाथ के मामले में मंदिर तोड़ने के सुबूत थे। वैसे हो सकता है कि पहले वहां मंदिर या कुछ और रहा हो लेकिन जब वर्षों के लिए जगह को खाली छोड़ दी और पूजा बंद हो गई तो फिर बाद में वहां मंदिर का दावा नहीं किया जा सकता। जस्टिस बोबडे ने कहा कि हिंदुओं में मंदिर परित्यक्त नहीं छोड़े जाते, वहां जीर्णोद्धार का कान्सेप्ट है।

कोर्ट ने सुन्नी वक्फ बोर्ड से कहा है कि वह बताए कि मस्जिद बनने के बाद सबसे पहले कब हिंदुओं ने वहां अंदर घुसने का प्रयास किया और मुसलमानों ने उन्हें रोका। कुल कितने बार ऐसे प्रयास हुए। जस्टिस बोबडे के इस सवाल का जवाब जफरयाब जिलानी ने दिया। उन्होंने कहा कि 1858 में पहली बार एक सिख निहंग ने वहां पूजा करने की कोशिश की थी। जस्टिस बोबडे ने कहा कि 1528 में मस्जिद बनी और 1885 में मुकदमा दाखिल हुआ जिसमें हिंदुओं ने पूजा करने का हक मांगा था। ऐसे में कितनी बार हिंदुओं ने अंदर घुसने का प्रयास किया और मुसलमानों ने रोका? मुख्य न्यायाधीश ने मुस्लिम पक्ष से इस बारे में घटनाक्रम मांगा है।

मुस्लिम नहीं हिंदू मानते हैं राम चबूतरा को जन्मस्थान : मंगलवार को राम चबूतरा को जन्मस्थान मान चुके सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से बुधवार को जिलानी ने सफाई देते हुए कहा कि मुस्लिम राम चबूतरा को जन्मस्थान नहीं मानते। हिंदू ऐसा मानते हैं। कोर्ट के आदेश के कारण उन्होंने उन्हें वहां से नहीं निकाला। इस पर जस्टिस बोबडे ने कहा कि वह जिला अदालत के फैसले को स्वीकार करते हैं। जिलानी ने कहा हां। तभी जस्टिस अशोक भूषण ने जिलानी से कहा कि आपके गवाह कहते हैं कि जिसे हम बाबरी मस्जिद कहते हैं, उसे हिंदू जन्मस्थान कहते हैं।

न्यूज गैलरी

डीके शिवकुमार की जमानत अर्जी खारिज

नई दिल्ली : मनी लांड्रिंग के मामले में आरोपित कर्नाटक कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार की जमानत अर्जी को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत में खराब सेहत को लेकर रखी गई उनकी दलील भी काम नहीं आई। मामले की सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि शिवकुमार ने भले ही आयकर दिया है, लेकिन इससे उनकी संपत्ति बेदाग नहीं हुई है। इस अपराध की जड़ें बहुत गहरी हैं और इससे देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया है। इस तरह के मामले से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। वहीं, शिवकुमार की ओर से पक्ष रख रहे वकीलों का कहना था कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। बेवजह उन्हें जेल में रखा जा रहा है, जबकि उनके देश छोड़कर भागने का कोई खतरा नहीं है। ईडी की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने शिवकुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। जांच एजेंसी का दावा है कि शिवकुमार की करीब 800 करोड़ रुपये की संपत्ति का कोई हिसाब नहीं है। (जासं)

सीबीआइ को माल्या प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर खर्च की जानकारी नहीं देने की छूट

नई दिल्ली : केंद्रीय सूचना आयोग (सीआइसी) ने भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर हुए खर्च की जानकारी नहीं देने की सीबीआइ को छूट प्रदान कर दी है। सीआइसी ने इसे प्रशासनिक खर्च बताते हुए सूचना के अधिकार (आरटीआइ) कानून के दायरे से बाहर करार दिया है। पुणे के आरटीआइ कार्यकर्ता विहार धुर्वे की याचिका पर फैसला सुनाते हुए सूचना आयुक्त दिव्य प्रकाश सिन्हा ने कहा कि ये खर्च केंद्र सरकार ने माल्या को भारत वापस लाने के लिए किए थे। उन्होंने कहा कि आरटीआइ आवेदन में मांगी गई जानकारी प्रशासनिक कार्रवाई और विधिक खर्चों से संबंधित है जो किसी भी तरह भ्रष्टाचार के आरोपों और मानवाधिकार उल्लंघन से संबंधित नहीं हैं। सीबीआइ का दावा था कि माल्या के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच लंदन हाई कोर्ट में अहम पड़ाव पर है और ऐसे पड़ाव पर जानकारी देने से जांच बाधित होगी। बता दें कि आरटीआइ की धारा-24 सीबीआइ समेत सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को भ्रष्टाचार के मामलों को छोड़कर अन्य जानकारियां देने से छूट प्रदान करती है। हालांकि एक पूर्व सूचना आयुक्त ने इस फैसले से असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि सीबीआइ ने माल्या के खिलाफ दो एफआइआर दर्ज की थीं और जांच एजेंसी ने दोनों एफआइआर भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत दर्ज की थीं। लिहाजा भ्रष्टाचार के आरोपों वाला प्रावधान इस मामले में लागू होगा। (प्रेट्र)

नलिनी और कार्ति से मिले थे डील के दस्तावेज : चिदंबरम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि उन्हें आइएनएक्स मीडिया डील की मंजूरी से संबंधित दस्तावेज पत्नी नलिनी और बेटे कार्ति से प्राप्त हुए थे। क्योंकि संपत्ति कुर्क करने के एक मामले में नलिनी और कार्ति को जांच एजेंसी ने प्रतिवादी बनाया था। तब उन्होंने अपना पक्ष रखने के लिए जांच से संबंधित दस्तावेज प्राप्त किए थे।

हाई कोर्ट ने मंगलवार को चिदंबरम को डील की मंजूरी से जुड़े कुछ सरकारी दस्तावेजों को हासिल करने का स्रोत बताने का निर्देश दिया था। बुधवार को चिदंबरम की तरफ से शपथपत्र दायर कर यह जानकारी दी गई। उन्होंने अंतिम दलीलें भी दी। इसमें कहा गया कि उनके खिलाफ लगे धोखाधड़ी के आरोप गंभीर नहीं हैं। चिदंबरम की तरफ से पेश अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि जिस मामले में चिदंबरम को आरोपित बनाया गया है, उसमें अधिकतम सजा सात साल की है। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के मुताबिक जिस मामले में सात साल से ज्यादा सजा का प्रावधान न हो, उसमें आरोपित को गिरफ्तार कर रिमांड नहीं ले सकते, बशर्ते आरोप या अपराध गंभीर न हो। सिंघवी ने कहा कि चिदंबरम नियमित जमानत के हकदार हैं। अब शुक्रवार को अगली सुनवाई पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता अपनी दलीलें देंगे।

एकता, अखंडता के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार की शुरुआत

▸ **सरदार पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को की जाएगी पुरस्कार की घोषणा**

▸ **पुरस्कार के रूप में पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा**

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने भारत की एकता और अखंडता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार शुरू किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि पुरस्कार में पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। यह सम्मान विशेष स्थिति परिस्थिति को छोड़कर मरणोपरांत प्रदान नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि पुरस्कार के साथ किसी भी प्रकार की नकद राशि नहीं होगी। एक साल में तीन से अधिक पुरस्कार नहीं दिए जाएंगे। पुरस्कार की घोषणा राष्ट्रीय एकता दिवस, यानी सरदार पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को की जाएगी।

गृह मंत्रालय द्वारा सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार शुरू करने के संबंध में अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। पुरस्कार का मकसद राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बढ़ावा देने और मजबूत तथा अखण्ड भारत के मूल्य को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करना है। बयान में कहा गया है कि यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार राष्ट्रपति भवन में आयोजित पद्म पुरस्कार समारोह के साथ ही प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा एक पुरस्कार समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें मंत्रिमंडल सचिव, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, राष्ट्रपति के सचिव, गृह सचिव, सदस्य होंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए तीन-चार गणमान्य लोग भी समिति में शामिल होंगे। बयान के अनुसार भारत में स्थित संस्था या संगठन या कोई भी भारतीय नागरिक इस पुरस्कार के लिए विचारार्थ किसी व्यक्ति को नामित कर सकता है। व्यक्ति स्वयं को भी नामांकित कर सकते हैं। राज्य सरकारें, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन और मंत्रालय भी नामांकन भेज सकते हैं। नामांकन प्रति वर्ष आमंत्रित किए जाएंगे। आवेदनों को गृह मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से डिजाइन की गई वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करना होगा।

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार। प्रेट्र

आय मापदंड के आधार पर सरकार ने कोलेजियम की सिफारिश रोकी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने कुछ वकीलों को इलाहाबाद हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की सिफारिश रोक दी है। सरकार ने कहा है कि वकीलों की सालाना पेशेवर आय निर्धारित मापदंड से कम है।

बार से जिस प्रत्याशी को हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की जाती है, पांच साल के दौरान उसकी औसत सालाना आय सात लाख रुपये होनी चाहिए। हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के लिए उसी प्रत्याशी के नाम पर विचार किया जा सकता है।

फरवरी में कोलेजियम ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए कुछ वकीलों के नामों की सिफारिश की थी। कानून मंत्रालय ने पाया कि प्रत्याशियों में से 10 तय किए गए मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर (एमओपी) के अनुसार आय मापदंड को पूरा नहीं कर रहे हैं। एमओपी उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की प्रोन्नति और स्थानांतरण का मार्गदर्शन करने वाला दस्तावेज है। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने अब सिफारिशों को रोकने का फैसला लिया है।

स्थापित प्रक्रिया के अनुसार हाई कोर्ट कोलेजियम हाई कोर्ट न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने वाले प्रत्याशियों के नाम कानून मंत्रालय को भेजता है। खुफिया ब्यूरो की रिपोर्ट अटैच कर मंत्रालय सुप्रीम कोर्ट के पास भेज देता है।

सम्मान निधि के लिए राज्यों के मोहताज नहीं होंगे किसान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **पीएम-किसान पोर्टल पर सीधे कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन**

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने के लिए किसान अब राज्यों के मोहताज नहीं रहेंगे। केंद्र सरकार ने पीएम-किसान पोर्टल बना दिया है। कोई भी किसान अपने विस्तृत ब्यौरे का साथ इस पर रजिस्ट्रेशन करा सकता है। इसका सबसे ज्यादा लाभ पश्चिम बंगाल के लगभग एक करोड़ किसानों को मिल सकता है। राज्य सरकार ने अभी तक एक भी किसान का नाम इस योजना के लिए केंद्र के पास नहीं भेजा है।

पीएम-किसान योजना में हर किसान को साल में तीन किश्तों में 6000 रुपये की आर्थिक मदद मुहैया कराई जाती है। देश के ज्यादातर राज्यों के किसानों को इसका लाभ मिलने लगा है। लेकिन बंगाल की गैर भाजपा सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सार्वजनिक मंचों से इस योजना की आलोचना करती रही हैं। लिहाजा राज्य के किसानों की सूची केंद्र को नहीं भेजी जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने उन किसानों की सुविधा के लिए अलग पोर्टल बनाया है, जिससे किसान सीधे जुड़ सकते हैं। कृषि मंत्रालय के पीएम-किसान पोर्टल पर किसानों की सुविधा के हिसाब से प्रावधान किए गए हैं, जिसमें किसान अपनी जमीन का ब्योरा दर्ज कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। किसानों के आधार नंबर और अन्य दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें इसका लाभ दिया जा सकेगा। कृषि मंत्रालय ने इस बाबत राज्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर इसकी जानकारी भेज दी है।

संजय अग्रवाल फाइल फोटो

कृषि मंत्रालय के सचिव संजय अग्रवाल ने बताया 'इससे अन्य सभी राज्यों को भी काफी सहूलियत हो जाएगी। योजना में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी। पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद किसान खुद भी अपनी स्थिति जान सकते हैं।' अग्रवाल ने बताया कि बंगाल के 5000 से अधिक किसानों ने अपना आवेदन मंत्रालय को भेजा है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब इस पोर्टल पर इसे डाला जा सकता है।

एससी/एसटी एक्ट में संशोधन पर तीन अक्टूबर को सुनवाई

▸ **संशोधन के जरिए तत्काल गिरफ्तारी पर रोक के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को निरस्त किया गया था**

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह एससी/एसटी एक्ट में संशोधनों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर तीन अक्टूबर को सुनवाई करेगा। संशोधनों के जरिए कानून में तत्काल गिरफ्तारी के प्रावधानों को हल्का करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया गया था। जस्टिस अरुण मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह शीर्ष अदालत के 20 मार्च, 2018 के फैसले की समीक्षा की मांग वाली केंद्र सरकार की याचिका पर किसी पक्ष से लिखित प्रस्तुतियां स्वीकार नहीं करेगी।

शीर्ष अदालत ने 18 सितंबर को केंद्र सरकार की समीक्षा याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए संकेत दिया था कि वह कानून के प्रावधानों के मुताबिक समानता लाने के लिए कुछ खास निर्देश दे सकती है। अदालत ने सभी पक्षों से 20 सितंबर तक लिखित प्रस्तुतियां दायर करने को कहा था।

बुधवार को जब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन अधिनियम, 2018 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी, उसी दौरान एक वकील ने कहा कि वह केंद्र की समीक्षा याचिका पर संक्षिप्त लिखित प्रस्तुति जमा कराना चाहते हैं। इस पर अदालत ने कहा कि समीक्षा याचिका का मामला खत्म हो गया है। अन्य मसलों पर विचार किया जा सकता है।

इस साल जनवरी में शीर्ष अदालत ने संशोधनों पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था। इन संशोधनों के जरिए इस कानून के तहत मामला दर्ज होने के बाद आरोपित को अग्रिम जमानत नहीं दिए जाने के प्रावधान को दोबारा बहाल कर दिया गया था। पिछले साल नौ अगस्त को इससे संबंधित विधेयक को पारित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए 2018 में दिए अपने फैसले में कहा था कि इस कानून के तहत मामला दर्ज होने पर तत्काल कोई गिरफ्तारी नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन हुए थे।

आतंकवाद से मुकाबले को भारत के साथ सहयोग बढ़ाएगा सऊदी अरब

नई दिल्ली, प्रेट्र : अपने तेल संयंत्रों पर ड्रोन और मिसाइल हमले के करीब दो हफ्ते बाद सऊदी अरब ने कहा कि वह आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। इसमें आतंकी नेटवर्क तक धन की पहुंच रोकना और सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है।

सऊदी राजदूत डॉ. सऊद बिन मुहम्मद अल सती ने कहा कि भारत और उनका देश आतंकवाद से लड़ाई में एक दूसरे से घनिष्ठ सहयोग कर रहे हैं। अल सती ने खास बातचीत में कहा, 'सऊदी अरब और भारत आतंकवाद से लड़ने में घनिष्ठ रूप से एक दूसरे का सहयोग कर रहे हैं। इसमें सूचनाओं और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान शामिल है।' पिछले दो वर्षों में दोनों देशों ने प्रत्यर्पण संधि सहित सुरक्षा के क्षेत्र में कई समझौते किए हैं। उन्होंने कहा, 'सऊदी अरब आतंकवाद, उसे धन पहुंचाने और चरमपंथ के खिलाफ वैश्विक अभियान की अगुआई कर रहा है। हम आइएस का मुकाबला करने के लिए 68 देशों के मजबूत वैश्विक गठबंधन के संस्थापक सदस्य हैं।' अल सती ने कहा कि सऊदी अरब एक घनिष्ठ दोस्त और रणनीतिक साझेदार के रूप में भारत को महत्व देता है।

युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए 'ध्रुव' का होगा उदय

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

▸ **रूस के 'सीरियस' की तर्ज पर स्कूली बच्चों के लिए बनेगा उत्कृष्ट सेंटर**

▸ **अगले महीने से शुरू होगा ट्रायल, पहली खेप में 60 बच्चों को मिलेगा प्रशिक्षण**

युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए रूस के 'सीरियस' शैक्षणिक केंद्र की तर्ज पर भारत भी 'ध्रुव' के नाम से एक उत्कृष्ट संस्थान तैयार करेगा। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े देश के प्रतिभाशाली बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। अगले महीने से इसका ट्रायल होगा। इसके लिए बच्चों के चयन का काम शुरू हो गया है।

प्रतिभाशाली बच्चों को निखारने की यह कवायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जून, 2018 के रूस दौरे के बाद से ही शुरू हो गई थी। प्रधानमंत्री रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ सीरियस सेंटर को देखने गए थे। जहां युवाओं की शोध और नवाचार के साथ उनकी रूचि के क्षेत्रों में निखारने के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था थी। स्कूली बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए देश में अटल टिंकरिंग लैब जैसी कुछ नई पहल शुरू की गई है। जहां बच्चों में नवाचार को लेकर रुझान बढ़ाने की सभी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक भारत में भी सीरियस जैसा ही उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान तैयार किया जाएगा। यहां विज्ञान, कला, संगीत जैसे सभी क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभाशाली बच्चों की प्रतिभा निखारी जाएगी। इनमें नौवीं से बारहवीं तक बच्चे शामिल होंगे। इनका चयन देश में बच्चों की प्रतिभा को परखने के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं से होगा। ट्रायल के तौर अगले महीने शुरू होने जा रहे इस खास प्रशिक्षण में देश भर के कुल 60 बच्चे शामिल होंगे। प्रशिक्षण 15 दिनों का होगा। बच्चों को तीन दिन इसरो में रखा जाएगा। जहां वह वैज्ञानिकों के साथ ही पूरा समय बिताएंगे और उनके काम-काज को देखेंगे। इसके बाद उन्हें दिल्ली में रखा जाएगा। विज्ञान से जुड़े बच्चों को आईआईटी दिल्ली में, जबकि कला, संगीत जैसे बच्चों को भारतीय कला केंद्र में रखा जाएगा। जहां उन्हें हर दिन अलग-अलग क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों से रूबरू कराया जाएगा।

आरओ पर पर्यावरण मंत्रालय के रवैये पर भड़का एनजीटी, लगाई फटकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : आरओ प्यूरीफायर पर पाबंदी के संबंध में अधिसूचना जारी करने में देरी पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पर्यावरण व वन मंत्रालय को फटकार लगाई है। एनजीटी ने उन क्षेत्रों में आरओ के इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश दिया है, जहां प्रति लीटर पानी में टोटल डिजाल्व्ड सोलिड्स (टीडीएस) की मात्रा 500 मिलीग्राम से कम हो। एनजीटी के अध्यक्ष जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने मंत्रालय द्वारा आठ महीने की मोहलत मांगने की दलील को अतार्किक बताया। पीठ ने कहा कि इस मामले में देरी करना जनहित में नहीं है। अधिकरण ने कहा कि उसका आदेश विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर आधारित था। इस समिति में मंत्रालय के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के मुताबिक पहले से जारी निर्देश को देखते हुए मंत्रालय अब अधिसूचना जारी कर सकता है और इसमें न सिर्फ घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग में बल्कि औद्योगिक प्रक्रिया में भी आरओ से निकलने वाले खराब पानी के मसले को भी शामिल किया जा सकता है।

एनजीटी ने केंद्रीय भूजल प्राधिकरण से भी एक हफ्ते के भीतर भूजल की उपलब्धता पर डाटा देने को कहा है। साथ ही यह भी कहा कि ऐसा नहीं करने पर प्राधिकरण के सदस्य सचिव को एक लाख रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। अधिकरण ने प्राधिकरण के सदस्य सचिव और मंत्रालय के संबंधित संयुक्त सचिव को अनुपालन रिपोर्ट के साथ चार नवंबर को अगली सुनवाई के दिन व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

उच्च शिक्षा आयोग व एनआरएफ का गठन जल्द

बढ़े कदम

मसौदा तैयार, अक्टूबर में कभी भी कैबिनेट की मिल सकती है मंजूरी, यूजीसी और एआइसीटीई की जगह लेगा उच्च शिक्षा आयोग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूती देने के लिए प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के गठन को सरकार जल्द ही अपनी मंजूरी दे सकती है। फिलहाल दोनों के गठन से जुड़ी सभी जरूरी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अगले महीने अक्टूबर में इसे कभी भी कैबिनेट के सामने रखने की तैयारी है। इसके बाद शीतकालीन सत्र में इसे संसद की मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इन दोनों के गठन की मंजूरी को अपने सौ दिन के कार्यक्रम में शामिल किया था। मंत्रालय ने पिछले दिनों इसकी समीक्षा भी की। जिसमें भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एसईसीआइ) और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) के गठन की सारी तैयारी पूरी होने की जानकारी दी गई। खासबात यह है कि भारतीय उच्च शिक्षा आयोग के गठन के साथ यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) और एआइसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। साथ ही प्रस्तावित आयोग की जवाबदेही अब सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर मजबूत बनाने को लेकर होगी, जबकि वित्तीय मदद देने का काम मंत्रालय के जिम्मे होगा। इसके दायरे में तकनीकी सहित पूरी उच्च शिक्षा होगी। मौजूदा समय में उच्च शिक्षा अलग-अलग एजेंसियों द्वारा संचालित होती है। एनआरएफ का फोकस शोध को एकीकृत रूप से बढ़ावा देने को लेकर होगा। मौजूदा समय में सरकार के कई मंत्रालयों में अपने-अपने स्तर पर शोध से जुड़ी गतिविधियां संचालित होती हैं। ऐसे में फाउंडेशन बनने के बाद सभी मंत्रालय के शोध से जुड़ी राशि इसके दायरे में आ जाएगी। साथ ही वह शोध पर निगरानी भी रख सकेगा।

इसी बीच मंत्रालय ने एचईसीआइ और एनआरएफ के गठन को लेकर राज्यों से साथ-साथ सभी मंत्रालयों से सुझाव लिए हैं। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, दोनों प्रस्तावों को लेकर ड्राफ्ट फाइनल हो चुका है। सरकार ने यूजीसी और एआइसीटीई की जगह भारतीय उच्च शिक्षा आयोग बनाने की घोषणा 2018 में ही की थी। हालांकि उस समय रायशुमारी सहित दूसरी प्रक्रियाओं में देरी के चलते इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका था।

प्रतीकात्मक फोटो

एनआरएफ प्रमुख की भूमिका निभा सकते हैं पीएम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, शोध को बढ़ावा और सही दिशा देने के लिए प्रस्तावित नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) से प्रधानमंत्री भी जुड़ सकते हैं। वह इसके प्रमुख की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे भी इसे अलग-अलग मंत्रालयों में संचालित होने वाली शोध से जुड़ी गतिविधियों को एकीकृत रूप से संचालित करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके गठन के बाद सभी मंत्रालयों के शोध से जुड़ा बजट इसके दायरे में आ जाएगा। इसमें शोधकर्ताओं के साथ-साथ वैज्ञानिक और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित लोग भी शामिल होंगे।

FREE
IAS COACHING
ONLY FOR DELHI RESIDENCE
9350933144
9958589406
Flat No.-22, Rajendra Park, Old Rajinder Nagar
Near Rajendra Place Metro Station Gate-3, New Delhi-60

57.93 फीसद वोट मिले थे 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरियाणा में। इनेलो का वोट प्रतिशत 1.9, जबकि कांग्रेस व अन्य का क्रमश: 28.48 व 11.69 फीसद रहा था।

27.6 फीसद वोट मिले थे 2019 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा को। शिवसेना को 23.3, कांग्रेस को 16.3, एनसीपी को 15.5 और अन्य को 17.3 फीसद वोट मिले थे।

इनेलो का वादा–सारा कर्ज होगा माफ, बेटियों को मिलेगा पांच लाख का शगुन

- ताऊ देवीलाल की जयंती पर इनेलो का चुनावी शंखनाद लगाई वादों की झड़ी
- इनेलो प्रमुख ओम प्रकाश चौटाला और अभय चौटाला ने दिखाई नए हरियाणा की तस्वीर
- उद्योगों में हरियाणा के 75 फीसद युवाओं को मिलेगा रोजगार

अनुराग अग्रवाल, कैथल

हरियाणा के प्रमुख विपक्षी दल रहे इनेलो ने ताऊ देवीलाल की जयंती पर चुनावी शंखनाद किया। चार बार सूबे के मुख्यमंत्री रहे चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और विपक्ष के पूर्व नेता अभय सिंह चौटाला ने भाजपा-कांग्रेस पर हमलावर होते हुए प्रदेश की जनता से कई वादे किए और नए हरियाणा की तस्वीर दिखाई। इनेलो ने सत्ता में आने पर प्रत्येक किसान, दुकानदार और कामगार व्यक्तियों के तमाम कर्जे माफ करने का बड़ा एलान किया। साथ ही हर बेटी को विवाह में पांच लाख रुपये का शगुन देने का वादा किया। किसानों को ट्यूबवेल के लिए बिजली मुफ्त देने और हरियाणा के युवाओं को प्रदेश में स्थापित उद्योगों व संस्थानों में 75 फीसद रोजगार देने की भी बात कही।

कैथल में बुधवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की 106वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान दिवस रैली में ओम प्रकाश चौटाला और अभय चौटाला ने भाजपा को उसके पिछले वादों के लिए कठघरे में खड़ा किया। दोनों ने हरियाणा में हुई तीन बार हिंसा के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। जाट आरक्षण आंदोलन, डेरा हिंसा और करौंथा आश्रम के संचालक रामपाल की गिरफ्तारी के दौरान बिगड़े हालात का जिक्र करते हुए ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि इतने बेगुनाह लोगों की जान कभी नहीं गई। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश का भाईचारा खराब किया और उसे सत्ता में लाने वाले डेरा प्रेमियों को भी बख्शा नहीं गया।

खुश नहीं हैं देश-प्रदेश के किसान : पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने विदेश से काला धन नहीं ला पाने और मोदी सरकार के 100 दिन के कार्यकाल पर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में किसान खुशहाल नहीं हैं। प्रदेश में इनेलो की सरकार बनने पर किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी के प्रयास किए जाएंगे और साथ ही उन्हें कर्ज के जंजाल से हमेशा के लिए मुक्ति दिलाई जाएगी।

पांच साल का कार्यकाल बेहद विवादास्पद : विपक्ष के पूर्व नेता अभय सिंह चौटाला ने प्रदेश की खराब हालत के लिए कांग्रेस और भाजपा को दोषी ठहराया। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जन आशीर्वाद यात्रा पर भी सवाल उठाए। अभय ने कहा कि भाजपा सरकार का पांच साल का कार्यकाल बेहद विवादास्पद रहा है।

हरियाणा के कैथल में ताऊ देवीलाल की 106वीं जयंती पर आयोजित सम्मान रैली में इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला व अभय चौटाला का स्वागत करते कार्यकर्ता व पार्टी नेता। जागरण

टिकटों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण, युवाओं को दी जाएगी प्राथमिकता

इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला ने पार्टी प्रत्याशियों की पहली सूची दो अक्टूबर को जारी करने का एलान किया है। उन्होंने कहा कि 33 फीसद टिकट महिलाओं को दिए जाएंगे और युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। प्रत्याशियों की लिस्ट ऊपर से बनकर नहीं आएगी। कार्यकर्ता खुद उम्मीदवारों का चयन करेंगे। यदि कोई प्रत्याशी गरीब होगा तो पार्टी की ओर से आर्थिक मदद की जाएगी।

परिवार के विवाद पर किसी ने नहीं बोला एक भी शब्द

इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला और अभय सिंह चौटाला ने सम्मान समारोह में अपने परिवार के विवाद पर एक शब्द भी नहीं बोला। दोनों का फोकस कार्यकर्ताओं में जोश भरने पर रहा। इनेलो महिला विंग की प्रांतीय महासचिव सुनैना चौटाला ने जरूर मंच से कहा कि जितने भी लोग पार्टी छोड़ कर गए, उनका एड्रेस इनेलो ही रहेगा। समय आता है और चला जाता है, लेकिन ओम प्रकाश चौटाला ने जिन लोगों को फर्श से अर्श पर पहुंचाया, उनको मंथन की जरूरत है।

चौटाला ने जनता से ये किए वादे

- सरकारी नौकरियों की परीक्षा व इंटरव्यू के लिए बसों में मुफ्त सफर
- उद्योगों में हरियाणा के 75 फीसद युवाओं को रोजगार
- सरकारी नौकरी के लिए पांच किलोमीटर के दायरे में परीक्षा केंद्र
- हर वर्ग के किसानों का कर्ज माफ
- हर परिवार में नौकरी
- 15 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता
- बेटियों को मुफ्त उच्च शिक्षा
- बुजुर्गों को 3000 रुपये मासिक पेंशन
- घर का बिजली बिल आधा
- पूर्व फौजियों को 200 गज में मकान
- ट्रैक्टर के लिए सरकारी खजाने से दी जाएगी रजिस्ट्रेशन फीस
- किसानों के लिए स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू
- सरसों, ज्वार–ग्वार और बाजरे की सरकारी खरीद

शाह का फर्जी पीए पुलिस गिरफ्त से दूर

जागरण संवाददाता, चरखी दादरी : हरियाणा के चरखी दादरी में भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशन शर्मा को विधानसभा का टिकट दिलाने का झांसा देकर ठगी का प्रयास करने के आरोपित अभिषेक त्रिपाठी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। बिहार के सिवान निवासी अभिषेक ने दो दिन के रिमांड के दौरान कुबूल किया कि उसका किसी राजनैतिक दल से कोई संबंध नहीं है। वह अपने एक साथी संदीप के साथ मिलकर पार्टी के उच्च पदाधिकारियों का नाम लेकर रुपये ऐंठने का काम करता था। उधर, अभिषेक का साथी संदीप अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। अभिषेक ने उसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी पीए बनाकर भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशन से मिलवाया था। फर्जी पीए ने खुद का नाम संदीप राणा बताया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चल पाएगा कि उसका असली नाम संदीप राणा है या कुछ और।

भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशन शर्मा ने बीते 21 सितंबर को चरखी दादरी थाने में केस दर्ज कराया था कि अभिषेक से उनकी मुलाकात लोकसभा चुनाव 2019 से पहले अमित शाह की दादरी रैली के दौरान हुई थी। तब उसने उन्हें हरियाणा विधानसभा के चुनाव में दादरी विधानसभा क्षेत्र का टिकट दिलाने का प्रलोभन दिया था। कुछ दिन पूर्व अभिषेक ने शर्मा को दिल्ली बुलाया और एक होटल में एक व्यक्ति से मिलाते हुए परिचय कराया कि यह अमित शाह के पीए संदीप राणा हैं। दोनों ने उनसे विधानसभा क्षेत्र का टिकट दिलाने के लिए दस लाख रुपये मांगे। चूंकि भाजपा नेता रामकिशन पहले से शाह के असली पीए को जानते थे तो उन्होंने वापस लौटने के बाद दादरी थाने में पुलिस को शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस अभिषेक को गिरफ्तार करने में कामयाब रही।

ईडी की एफआइआर पर बोले पवार दिल्ली तख्त के सामने नहीं झुकेंगे

दो टूक ▸ राकांपा प्रमुख का मराठा कार्ड, कहा–शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र झुकना नहीं जानता

मनी लांड्रिंग मामले में कल एजेंसी के दफ्तर जाएंगे

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

शरद पवार फाइल

चुनावी मौसम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए मामले को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष शरद पवार ने मराठा कार्ड खेलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा है कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र है। इसे दिल्ली के तख्त के सामने झुकना नहीं आता।

ईडी ने 25 हजार करोड़ रुपये के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) घोटाले में मराठा छत्रप शरद पवार एवं उनके भतीजे अजीत पवार सहित कई और नेताओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। 27 सितंबर को पवार को ईडी के सामने पेश होना है।

पवार पर मामला दर्ज होने की घटना ने सूबे में सियासत गर्मा दी है। राकांपा कार्यकर्ता जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। पवार के गृह क्षेत्र बारामती में पवार समर्थकों ने बुधवार को बंद का आह्वान किया। खुद शरद पवार भी चुनावी मौसम में इस मौके को गंवाना नहीं चाहते। उन्होंने इस घटना को सियासी रंग देते हुए मराठा कार्ड खेलना शुरू कर दिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज के समय का इतिहास याद दिलाने की कोशिश करते हुए उन्होंने कहा है कि यह शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र है। इसने दिल्ली के तख्त के सामने झुकना नहीं सीखा है। हम 27 सितंबर को ईडी की मेहमान नवाजी स्वीकार करने जाएंगे। हालांकि, ईडी की तरफ से आए बयान में कहा गया है कि 27 सितंबर को शरद पवार की कोई जांच नहीं होनी है।

बता दें कि महाराष्ट्र में दो दिन पहले ही विधानसभा चुनाव घोषित हुए हैं। 21 अक्तूबर को मतदान होना है। पिछले कुछ माह से कांग्रेस-राकांपा के कई नेता भाजपा और शिवसेना का दामन थाम चुके हैं। यहां तक कि छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उदयनराजे भोसले भी भाजपा में आ चुके हैं, जबकि अब तक शरद पवार को मराठों का निर्विवाद नेता माना जाता रहा है। अब उनके विरुद्ध ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामले ने उन्हें सहानुभूति बटोरने का मौका दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैं राज्य सहकारी बैंक का डायरेक्टर या सदस्य कभी नहीं रहा। जिस दौरान की जांच हो रही है, उस समय बैंक के संचालक मंडल में किसी एक दल के नहीं, बल्कि सभी दलों के सदस्य थे। राज्य सहकारी बैंक एक महत्वपूर्ण बैंक है। इसका गठन लोगों की मदद के लिए किया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान मुझे राज्यभर का दौरा करना है। मैं अदृश्य नहीं रहूंगा। ईडी जब बुलाएगी, मैं उसके कार्यालय में हाजिर रहकर उसके अधिकारियों के सवालों का जवाब दूंगा।

बचाव की मुद्रा में फड़नवीस और ठाकरे : पवार के इस पैंतरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को भी सफाई देने की मुद्रा में ला दिया है। फड़नवीस को कहना पड़ा है कि सहकारी बैंक घोटाले के मामले में कार्रवाई राजनीतिक उद्देश्य से नहीं हो रही है। इस मामले का राज्य सरकार से कोई मतलब नहीं है। उच्च न्यायालय के आदेश पर ही ये कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसमें जो लोग दोषी हैं, उन पर कार्रवाई होगी।

बता दें कि राज्य की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की शिकायत के आधार पर मुंबई पुलिस ने पिछले महीने ही एक केस दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने भी शरद पवार और अजीत पवार सहित कई नेताओं पर मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया है। इससे पहले एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एससी धर्माधिकारी एवं न्यायमूर्ति एसके शिंदे की पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि आरोपितों के खिलाफ विश्वसनीय साक्ष्य हैं। हाई कोर्ट के ही निर्देश पर पुलिस द्वारा दर्ज मामले के अनुसार, एक जनवरी, 2007 से 31 मार्च, 2017 के बीच महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक में हुए घोटाले के कारण सरकारी खजाने को कथित तौर पर 25 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पवार के बचाव में भाजपा नेता खडसे

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे ने बैंक घोटाले में शरद पवार का बचाव किया है। खडसे ने बुधवार को दावा कि जब वह नेता प्रतिपक्ष रहते हुए इस मामले पर निगरानी रख रहे थे, उस समय एफआइआर में कभी भी पवार के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। फड़नवीस सरकार में मंत्री रह चुके खडसे का यह बयान राकांपा के लिए संजीवनी का काम कर सकता है, जो पवार के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बता रही है। वहीं, कांग्रेस नेता विजय वड्डेटीवार ने भी ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि फड़नवीस सरकार के भ्रष्ट मंत्रियों के खिलाफ जांच होनी चाहिए।

हरियाणा चुनाव समिति के पैनल से शाह नहीं हुए संतुष्ट

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

अमित शाह फाइल

हरियाणा विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए सकारात्मक माहौल होने के बावजूद पार्टी हाईकमान प्रत्याशी चयन में पूरी सतर्कता बरतना चाहता है। यही कारण रहा कि हरियाणा चुनाव समिति में तैयार किए गए पार्टी प्रत्याशियों के पैनल राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की कसौटी पर खरे नहीं उतरे और उन्होंने सीएम सहित प्रदेश पदाधिकारियों को होमवर्क देते हुए एक बार फिर बैठक करने का आदेश दिया। बुधवार दोपहर 12.30 बजे शुरू हुई बैठक महज दो घंटे में खत्म हो गई। इस बैठक से निकले पदाधिकारियों के चेहरे साफ बता रहे थे कि पार्टी हाईकमान प्रत्याशियों के चयन में अपनाई गई प्रक्रिया से ज्यादा खुश नहीं था। दोपहर की बैठक में शाह से मिले होमवर्क के आधार पर एक बार फिर पैनल तैयार करके प्रदेश पदाधिकारी सायं सात बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे। यहां यह बैठक करीब 7.30 बजे शुरू हो गई। दोनों बैठकों में अमित शाह के अलावा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अनिल जैन, चुनाव प्रभारी नरेंद्र सिंह तोमर, सह प्रभारी भूपेंद्र सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश भट्ट मौजूद रहे।

सूत्र बताते हैं कि बैठक में शाह ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों के परिजनों से लेकर मेयर, जिला परिषद चेयरमैन और उनके परिजनों को भी टिकट नहीं दिया जाएगा। हालांकि, शाह ने यह भी साफ किया कि प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्रों में टिकट चयन करते समय संबंधित सांसदों की संस्तुति का ध्यान भी प्रमुखता से रखा जाए। सांसदों की संस्तुति चुनाव समिति ने पहले भी ली हुई है, लेकिन पार्टी हाईकमान के इस आदेश के बाद कि किसी नेता के परिजन को टिकट नहीं दी जाएगी, प्रत्याशियों के पैनलों के समीकरण बदल गए हैं। प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला ने दिन की बैठक खत्म होने पर यह भी बताया था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सभी 90 सीटों पर चर्चा पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद जब भी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी, प्रत्याशियों की सूची का अनुमोदन किया जाएगा। इसके बाद संभवतः उसी दिन इसकी घोषणा कर दी जाएगी। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश चुनाव समिति द्वारा तैयार किए गए पैनल में प्रत्याशियों के चयन पूर्व निर्धारित मापदंड के अनुपालन में हुई चूक पर भी प्रदेश के नेताओं को दोबारा मशक्कत करनी पड़ रही है। पार्टी के पूर्व कार्यकर्ताओं और पार्टी के प्रति उनके समर्पण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

गुजरात में पाला बदल सकते हैं कांग्रेस के दो और विधायक

▸ क्षत्रिय विधायकों की सरकार से बढ़ रही नजदीकियों ने अटकलों के बाजार को किया गर्म

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

गुजरात विधानसभा की छह सीटों पर उप चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लग सकता है। पार्टी के दो विधायकों की सरकार से बढ़ती करीबी ने इन अटकलों को जन्म दिया है।

कांग्रेस के दो क्षत्रिय विधायकों अबडासा से प्रद्युम्न सिंह जाडेजा व गांधीनगर उत्तर से सीजे चावड़ा ने सोमवार को आयुष्मान भारत दिवस समारोह में शिरकत की। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय था, क्योंकि वर्षों बाद कांग्रेस के किसी विधायक ने सरकार के कार्यक्रम में शिरकत की थी। राजनीतिक गलियारे में अटकलों का बाजार तब और गर्म हो गया जब विधायक जाडेजा ने कच्छ के समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए सरकार का आभार जताया। इसमें विधायक के साथ मुख्यमंत्री विजय रूपाणी व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की तस्वीर भी छपी है। हालांकि, जाडेजा भाजपा में शामिल होने की संभावना से इन्कार करते हुए कहते हैं कि अपने क्षेत्र में काम कराने के लिए सरकार के साथ बेहतर रिश्ते जरूरी हैं।

जाडेजा लंबे समय से राज्य सरकार के कामकाज की प्रशंसा करते रहे हैं। गत राज्यसभा चुनाव के दौरान भी उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें थीं। जाडेजा व चावड़ा कभी राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस के पूर्व नेता एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के करीबी माने जाते थे, लेकिन वाघेला के पार्टी छोड़ने के बाद भी वे कांग्रेस में बने रहे। अब दोनों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें जोरों पर हैं। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से सत्ता से दूर कांग्रेस के एक-एक करके कई विधायक पिछले पांच वर्षों से पाला बदलते हुए सत्तारूढ़ भाजपा का दामन थाम चुके हैं।

भाजपा ने न प्रभारी बनाया न जिम्मेदारी लेने वाला कोई

झाबुआ उप चुनाव

नईदुनिया, भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव-2018 के बाद पहला 'असली' उप चुनाव झाबुआ विधानसभा सीट पर होने जा रहा है। यहां कमलनाथ सरकार की लोकप्रियता की परीक्षा होगी तो भाजपा आदिवासियों के बीच खोई हुई प्रतिष्ठा वापस पाने के लिए जी तोड़ प्रयास करेगी। हालांकि, अभी तक यहां भाजपा ने अब तक न तो किसी को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है और न ही कोई बड़ा नेता वहां की जिम्मेदारी लेने को तैयार है। मात्र एक दिन का कार्यकर्ता सम्मेलन कर सारे नेताओं ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ दिया। भाजपा के नेता अलग-अलग धड़ों में बंटे नजर आ रहे हैं। जाहिर है कि भाजपा में अब तक प्रत्याशी चयन को लेकर भी गंभीरता से काम नहीं किया गया है।

कैलाश का इलाका, शिवराज ने बनाई दूरी : मालवा का आदिवासी इलाका झाबुआ मूलरूप से भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के प्रभाव वाला क्षेत्र है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मालवांचल की सारी जिम्मेदारी विजयवर्गीय को सौंपी थी पर अब तक विजयवर्गीय ने झाबुआ उप चुनाव को लेकर कोई रुचि नहीं दिखाई है। वह वैसे भी प्रदेश की राजनीति में ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। उनका पूरा ध्यान बंगाल पर केंद्रित है। वहीं, दूसरे नेता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी झाबुआ से दूरी बनाई हुई है। चौहान मात्र एक बार कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी नेताओं के साथ झाबुआ गए थे, लेकिन चुनाव घोषित होने के बाद वे झाबुआ नहीं गए। गौरतलब है कि 2016 में जब झाबुआ लोकसभा का उप चुनाव हुआ था तो सारी कमान चौहान ने संभाली थी।

> झाबुआ में भाजपा का बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक गतिविधियां लगातार आयोजित की जा रही हैं। एक कार्यकर्ता सम्मेलन भी हो चुका है। चुनाव के दौरान भाजपा पूरी ताकत से कांग्रेस को पटखनी देगी। जल्द ही प्रत्याशी की घोषणा के साथ चुनावी कार्यक्रम होंगे।
> – रजनीश अग्रवाल, प्रवक्ता, मप्र भाजपा

कांतिलाल भूरिया बने कांग्रेस के प्रत्याशी

नईदुनिया, भोपाल : कांग्रेस ने झाबुआ उप चुनाव के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। वे लंबे समय से टिकट पाने के लिए प्रदेश नेतृत्व पर दबाव बनाए हुए थे। मंगलवार की रात को भी उन्होंने टिकट के लिए मुख्यमंत्री व पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ भोपाल में बैठक की थी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव मुकुल वासनिक ने बुधवार की रात मध्य प्रदेश के झाबुआ और ओडिशा के बिजेपुर विधानसभा उप चुनाव के प्रत्याशियों की घोषणा की है। गौरतलब है कि भूरिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी थे, लेकिन वे भाजपा प्रत्याशी गुमान सिंह डामोर से हार गए थे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव 2018 में झाबुआ विधानसभा सीट से भूरिया के बेटे डॉ. विक्रांत भूरिया को गुमानसिंह डामोर ने हराया था। डामोर ने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था।

हरियाणा की चुनावी राजनीति का केंद्र बनी रही दिल्ली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को दिल्ली सूबे की राजनीति का केंद्र बनी रही। भाजपा, कांग्रेस और जननायक जनता पार्टी के नेताओं का जमावड़ा दिल्ली में रहा। भाजपा के प्रमुख नेताओं की बैठक पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के साथ हुई तो कांग्रेस नेताओं के बीच दिनभर समन्वय और चुनाव प्रचार अभियान की तैयारियों का सिलसिला चलता रहा। कांग्रेस नेता और विधायक कुलदीप बिश्नोई पार्टी की प्रदेश इकाई में बदलाव के बाद पहली बार पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिले। इस दौरान दोनों के बीच टिकट बंटवारे को लेकर भी चर्चा हुई।

योगेश्वर दत्त भाजपा से लड़ सकते हैं चुनाव : प्रसिद्ध पहलवान योगेश्वर दत्त भी भाजपा से चुनाव लड़ सकते हैं। योगेश्वर दत्त ने बुधवार सुबह हरियाणा भवन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुभाष बराला से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद योगेश्वर ने सिर्फ यही कहा कि अगले एक-दो दिन में वह यह साफ कर देंगे कि राजनीति में आएंगे या नहीं। सूत्रों के अनुसार, बराला से मुलाकात के दौरान योगेश्वर दत्त ने जानकारी भी दी कि वह खेल कोटे से मिले डीएसपी पद से भी त्यागपत्र दे रहे हैं। त्यागपत्र मंजूर होने के साथ ही वह भाजपा में शामिल हो जाएंगे। योगेश्वर दत्त के अलावा बराला से सुबह पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता कैलाशो सैनी ने भी मुलाकात की। इसके बाद बराला ने उन्हें भाजपा में विधिवत रूप से शामिल किया। कैलाशो सैनी कुरुक्षेत्र जिला की राजनीति में सक्रिय रहती हैं और प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति की सदस्य भी थीं।

बिगड़ती बात

सीटों के बंटवारे के लिए न बैठक हुई न विमर्श, लेकिन सीटें बंट गईं, हम और वीआइपी की अनदेखी की गई

बिहार में महागठबंधन फिर आइसीयू में

- उप चुनाव में सीट बंटवारे पर अलग हुए सभी के रास्ते
- हम और वीआइपी की दावेदारी दरकिनार कर राजद और कांग्रेस ने बांट लीं सीटें

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में पांच दलों का महागठबंधन आखिरी सांसें गिनने लगा है। उप चुनाव में सीट बंटवारे के मुद्दे पर घटक दलों के बीच न बैठक हो सकी, न विमर्श हुआ, लेकिन सीटें बंट गईं। हम के जीतनराम मांझी और वीआइपी के मुकेश सहनी की दावेदारी को दरकिनार कर राजद और कांग्रेस ने अपने तरीके से चार और दो के अनुपात में सीटें बांट लीं। अब साथी दल आर-पार करने पर उतारू हैं। अगर कोई सर्वमान्य हल नहीं निकला तो महागठबंधन की कहानी खत्म होना तय है। सियासी जंग का आगाज राजद की ओर से उस वक्त हुआ, जब पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने विधानसभा की नाथ नगर और बेलहर सीटों पर राजद प्रत्याशियों को सिंबल दे दिया। सूचना मिलते ही जीतनराम मांझी और वीआइपी के मुकेश सहनी भड़क गए। अलग-अलग प्रेस कांफ्रेंस करके दोनों ने राजद पर दबाव बनाना चाहा, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। शाम होते-होते सारे दबावों को दरकिनार करते हुए राजद ने सिमरी बख्तियारपुर और दरौंदा सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित कर दिए। जीतनराम मांझी ने नाथनगर से अपना प्रत्याशी उतार दिया।

अभी तक तेजस्वी यादव के साथ साये की तरह घूमते आ रहे मुकेश सहनी ने भी मांझी का समर्थन कर दिया और कहा कि भागीदारी नहीं मिली तो नाव डूब जाएगी। सहनी ने यह भी कह दिया कि वह राजद प्रत्याशियों के खिलाफ कांग्रेस, रालोसपा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रत्याशियों का समर्थन करेंगे। साथी दलों के तेवर का राजद पर कोई असर नहीं पड़ा। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने कहा कि मांझी कब क्या करेंगे भगवान जाने। वह अपने दम पर लड़ना चाहते हैं तो लड़कर देख ही लें। कोई उन्हें कैसे रोक सकता है।

समझौते के आसार नहीं

बिहार महागठबंधन में घमासान वैसे समय में शुरू हुआ है, जब राजद के प्रमुख नेता तेजस्वी यादव पटना से बाहर हैं। बिहार में झंझट शुरू होने से एक दिन पहले वह झारखंड में भाजपा के खिलाफ महागठबंधन बनाने का दावा कर रहे थे। संकल्प यात्राएं निकाल रहे थे। जब झंझट शुरू हो गया तो वह पटना लौटकर दोबारा बाहर निकल गए। जाहिर है, नेता प्रतिपक्ष ने घटक दलों के साथ बातचीत की कोई संभावना नहीं छोड़ी।

कांग्रेस को दीं दो सीटें

सूत्रों का दावा है कि राजद ने कांग्रेस के लिए दो सीटें छोड़ दी हैं। समस्तीपुर लोकसभा और किशनगंज विधानसभा सीट। दोनों पहले से कांग्रेस के पास हैं। समस्तीपुर सीट पर आम चुनाव में कांग्रेस के अशोक कुमार लड़े थे, लेकिन लोजपा के रामचंद्र पासवान से हार गए थे। किशनगंज सीट से कांग्रेस के डॉ. जावेद विधायक थे, जो अब सांसद बन गए हैं। राजद ने विधानसभा की नाथ नगर, सिमरी बख्तियारपुर, बेलहर और दरौंदा सीटें अपने पर रख लीं।

हुड्डा और सैलजा ने आपसी सहमति से तैयार की कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची

▸ पहले चरण में 29 को जारी हो सकती है 40 प्रत्याशियों की लिस्ट

बिजेंद्र बंसल, नई दिल्ली

टिकट की टिकटिक

हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के प्रमुख नेता बुधवार को दिल्ली में रहे। भाजपा नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के साथ प्रत्याशियों को लेकर चर्चा की तो कांग्रेस के नेताओं ने भी गुरुवार को होने वाली चुनाव समिति की बैठक से पहले टिकट के लिए आवेदन करने वाले प्रमुख टिकटार्थियों के पैनल बनाए। सूत्रों के अनुसार, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पूर्व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव समिति में अपने समर्थकों को टिकट दिलवाने के लिए करीब 40 सीट पर सिंगल नाम ही तय किए हैं। इस सूची पर हुड्डा ने प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा से भी चर्चा कर ली है। दोनों नेता पहले चुनाव प्रचार अभियान समिति की बैठक में मिले इसके बाद इनकी अलग भी मुलाकात हुई। हुड्डा और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई की भी दिल्ली में मुलाकात हुई। सूत्र बताते हैं कि कुमारी सैलजा ने हुड्डा से स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेते हुए ही अपने पैनल बनाएं, ताकि चुनाव समिति की बैठक में कोई विरोध न हो। कुलदीप बिश्नोई ने अपनी जनहित कांग्रेस पार्टी का कांग्रेस में विलय किया था इसलिए सैलजा चाहती हैं कि उनसे उनके समर्थकों के टिकट पर भी अलग से चर्चा की जाए। चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस गुरुवार को करीब 40 प्रत्याशियों के नाम तय कर लेगी और उम्मीद है कि 29 सितंबर को ही इनकी घोषणा कर दी जाएगी। इनमें ज्यादातर वे नाम होंगे जो वर्तमान विधायक हैं और 2009 व 2005 में विधायक रह चुके हैं।

अन्य प्रदेशों के नेता होंगे स्टार प्रचारक : कांग्रेस चुनाव प्रचार अभियान समिति की बैठक भी बुधवार नई दिल्ली में पार्टी के वाररूम कहे जाने वाले 15 गुरुद्वारा रकाबगंज रोड स्थित कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता कैप्टन अजय सिंह यादव ने की। इसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर और पार्टी विधायक दल की पूर्व नेता किरण चौधरी के अलावा लगभग सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया। हुड्डा और कुमारी सैलजा भी बैठक में शामिल रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरेगी। पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उप मुख्यमंत्रियों को भी स्टार प्रचारक के रूप में प्रदेश में बुलाया जाएगा। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पालयट को विशेष तौर पर चुनाव प्रचार के लिए बुलाया जाएगा। इसके अलावा राज बब्बर, नगमा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पूर्व सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया व अन्य बड़े नेता भी प्रचार में उतरेंगे।

15 करोड़ डॉलर की आर्थिक मदद (बेहद आसान शर्तों पर कर्ज) देने का एलान किया है मोदी ने एशिया प्रशांत क्षेत्र के 12 देशों को। इन देशों के प्रमुखों के साथ बैठक में उन्होंने इन देशों को अलग से 10-10 लाख डॉलर का अनुदान भी देने की घोषणा की।

पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में फिर छेड़ा कश्मीर का राग

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान ने कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झूठ बोलने का अपना एजेंडा जारी रखा है। इसी कड़ी में पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान की ओर से कानूनी मामला बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को पत्र लिखा है।

विदेश कार्यालय ने बुधवार को एक पत्र भेजकर अनर्गल प्रलाप करते हुए पांच अगस्त को भारत के जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने को अवैध, एकपक्षीय और बलपूर्वक किया कृत्य करार दिया है।

कश्मीर पर भारत के कदम का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में पाकिस्तान हर वैश्विक मंच पर मात खाता रहा है, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। जबकि भारत ने यह साफ कर दिया है कि जम्मू और कश्मीर से भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 हटाना उसका आंतरिक मामला है। साथ ही पाकिस्तान को यह असलियत अब स्वीकार कर लेनी चाहिए और भारत के खिलाफ माहौल

▶ पाक विदेश मंत्री कुरैशी ने कानूनी मामला बनाने को संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद को पत्र लिखा

बनाने की कोशिशों से बाज आना चाहिए। कुरैशी ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र अध्यक्ष वासिले नेबेंजिया को लिखे अपने पत्र में कहा कि भारत की इस कार्रवाई का मकसद कश्मीर में डेमोग्राफिक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में जनमत-संग्रह कराने की परिकल्पना को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अनेक प्रस्तावों के जरिए धराशायी कर दिया जाए। ताकि कश्मीरी लोगों की पाकिस्तान या भारत से जुड़ने की इच्छा को खारिज किया जा सके।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस पत्र में पाकिस्तान ने कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष सनसनीखेज बनाने की कोशिश की है। इसके साथ ही जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर समग्र स्थिति सामने रखी है।

मोदी 'ग्लोबल गोलकीपर' अवार्ड से सम्मानित

विशेष संवाददाता, न्यूयॉर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन' ने 'ग्लोबल गोलकीपर' अवार्ड से सम्मानित किया है। उन्हें यह सम्मान मोदी सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' के लिए दिया गया है।

न्यूयार्क में आयोजित पुरस्कार समारोह में इसे भारत की जनता का सम्मान बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केवल संकल्प का प्रतीक है। अगर 39 फीसद से बढ़कर आज स्वच्छता 100 फीसद तक पहुंच गई है तो इसलिए क्योंकि देश की 130 करोड़ जनता ने इसे अपना अभियान बनाया। लोगों ने अपनी कमाई, अपनी पेंशन इसमें झोंक दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महात्मा गांधी के 150वें जन्मदिवस के वर्ष में यह पुरस्कार मिलना उनके लिए व्यक्तिगत रूप से और भी महत्व रखता है। जब 130 करोड़ लोग एक संकल्प लेते हैं तो किसी भी चुनौती को मात दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत जैसा अभियान दुनिया के किसी भी देश में नहीं चलाया गया है। इसी का नतीजा है कि पूरे देश में पांच सालों में 11 करोड़ सार्वजनिक शौचालय बनवाए गए हैं।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में पीएम नरेंद्र मोदी को 'स्वच्छ भारत अभियान' के लिए बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने 'ग्लोबल गोलकीपर' अवार्ड से नवाजा गया। उन्हें यह अवार्ड बिल गेट्स ने प्रदान किया। प्रेट्र

बिल गेट्स बोले-स्वच्छता जरूरी है : अंतरराष्ट्रीय एनजीओ गेट्स फाउंडेशन ने जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाने वालों को सम्मानित किया। इस क्रम में प्रधानमंत्री मोदी सबसे बड़ा चेहरा थे। खुले में शौच के लिए बदनाम रहे भारत को पिछले पांच साल में स्वच्छता के मापदंड पर ऊपर लाने का श्रेय मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान को जाता है। खुद बिल गेट्स ने प्रधानमंत्री मोदी को अवार्ड देने से पहले स्वच्छता को जरूरी बताते हुए भारत में आए बदलाव को अभूतपूर्व करार दिया। दूसरे दिन भी गेट्स ने स्वास्थ्य के मामले में भारत में हो रहे बदलाव की ओर इशारा किया। हालांकि बहुत कुछ किए जाने की जरूरत बताई।

पायल जांगिड़ को चेंजमेकर अवार्ड : अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन के इस मंच से राजस्थान में बाल विवाह के खिलाफ अभियान छेड़ने वाली किशोरी पायल जांगिड़ को भी 'चेंजमेकर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें बच्चों को बाल मजदूरी और बाल विवाह से बचाने के लिए दिया गया है। जांगिड़ 'बचपन बचाओ' आंदोलन से जुड़ी हैं। एनजीओ के ट्विटर एकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जांगिड़ ने बताया कि जयपुर से सौ किलोमीटर दूर हिंसला गांव की लड़कियां किन-किन चुनौतियों का सामना करती हैं। लड़कियों को बाहर जाने और पढ़ने नहीं दिया जाता। साथ ही उनकी जल्दी शादी कर दी जाती है। कई अन्य देशों के भी कई लोगों को गोलकीपर अवार्ड दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी को अब तक मिले हैं ये अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

- ऑर्डर ऑफ अब्दुलअजीज अल सैश (सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान-अप्रैल 2016)
- स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी आमिर अमानुल्लाह खान (अफगानिस्तान का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार-जून 2016)
- ग्रांड कॉलर पुरस्कार (विदेशी मेहमानों के लिए फलस्तीन का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार-फरवरी, 2018)
- सियोल शांति पुरस्कार (दक्षिण कोरिया-अक्टूबर, 2018)
- निशान इज्जुद्दीन (मालदीव का सर्वोच्च सम्मान- जून, 2019)
- फिलिप कोटलर पुरस्कार (केलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-जनवरी, 2019)
- चैंपियन ऑफ द अर्थ (संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा पर्यावरण सम्मान-सितंबर 2018)
- सेंट एंड्रयू पुरस्कार (रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान-अप्रैल 2019)
- द किंग हमद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां (बहरीन का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान-अगस्त, 2019)

पाक से बात कर सकते हैं, टेररिस्तान से नहीं : जयशंकर

दो टूक ▶ कहा-पड़ोसी मुल्क ने कश्मीर मसले से निपटने के लिए आतंकवाद का पूरा उद्योग स्थापित किया हुआ है

पाकिस्तान को सता रहा है 70 साल का 'निवेश' बेकार हो जाने का डर

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान से बात करने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन टेररिस्तान से बात करने में समस्या है।

सांस्कृतिक संगठन 'एशिया सोसायटी' को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत ने जब अनुच्छेद-370 हटाने और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने का फैसला लिया तो पाकिस्तान और चीन ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने कूटनीतिक रिश्तों को डाउनग्रेड कर दिया और भारतीय उच्चायुक्त को भी निष्कासित कर दिया। चीन ने भी कश्मीर के हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित पक्षों को संयम और सावधानी बरतने के लिए कहा था। खास तौर पर ऐसी कार्रवाई से बचने के लिए कहा था जो एकपक्षीय तौर पर यथास्थिति में बदलाव करती हो और तनाव बढ़ाती हो।

जयशंकर ने जोर देकर कहा, 'हम हमारी वर्तमान सीमाओं के दायरे में ही इसका पुनर्गठन कर रहे हैं। जाहिर है इस पर पाकिस्तान से प्रतिक्रिया आई और चीन से भी प्रतिक्रिया आई। ये दोनों बिल्कुल अलग प्रतिक्रियाएं थीं। मेरा मानना है कि पाकिस्तान ऐसा देश है जिसने वास्तव में कश्मीर मसले से निपटने के लिए आतंकवाद का पूरा उद्योग स्थापित किया हुआ है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ कश्मीर के लिए नहीं है बल्कि उन्होंने इसे भारत के लिए स्थापित किया है।' इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मुंबई पर आतंकी हमला हुआ था और मुंबई शहर कश्मीर का हिस्सा नहीं है। इसलिए अगर पाकिस्तानी आतंकी उन राज्यों और क्षेत्रों को निशाना बना सकते हैं जो कश्मीर से काफी दूर हैं तो हमें मानना पड़ेगा कि समस्या काफी बड़ी है। पाकिस्तान को अब लगता है कि अनुच्छेद-370 हटाने की नीति अगर सफल हो गई तो उसका 70 साल का 'निवेश' बेकार हो जाएगा। लिहाजा उसकी प्रतिक्रिया उसके गुस्से और हताशा का नतीजा है। जयशंकर ने कहा कि यह कश्मीर का मामला नहीं है बल्कि उससे बड़ा मसला है और पाकिस्तान को यह स्वीकार करना होगा कि उन्होंने अपने लिए जो मॉडल बनाया था वह अब काम का नहीं रहा। वर्तमान दिन और दौर में आप आतंकवाद का इस्तेमाल करके सरकारी नीति को नहीं चला सकते। मुझे लगता है कि यही प्रमुख मसला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के इतर कजाखिस्तान के विदेश मंत्री मुख्तार तिलेयुबर्दी से मुलाकात की। एएनआइ

विदेश मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में वर्षों तक विकास और अवसरों के अभाव ने परायेपन की भावना विकसित की, परायेपन की भावना ने अलगाववाद के बीज बाए और अलगाववाद का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए किया गया। जब उनसे पूछा गया कि कश्मीर पर वार्ता के लिए पूर्वशर्त के रूप में पाकिस्तान को क्या करना चाहिए? जयशंकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम इसे गलत समझ रहे हैं। सबसे पहले तो पाकिस्तान को अपने भले के लिए कुछ करना पड़ेगा और अगर वह यह करेगा तो वह भारत के साथ सामान्य पड़ोसी जैसे रिश्ते बना पाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि यह ऐसा भी नहीं है कि भारत और पाकिस्तान हर अन्य मुद्दे पर सहमत हों और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते हों और कश्मीर का मसला भी हो। विदेश मंत्री ने कहा कि वास्तव में समस्या मानसिकता की है। पाकिस्तान में जब भी सरकार बदलती है तो वे कहते हैं कि हम नए हैं और पूर्ववर्तियों से हमारा कोई लेनादेना नहीं है। वे पूरा दोष पूर्व की सरकारों पर मढ़ देते हैं। दूसरा वे कहते हैं, 'राष्ट्र के तौर पर हमारा इससे कोई लेनादेना नहीं है, ये सब अमेरिका का किया-धरा है। अमेरिकियों ने ही हमें अफगान जिहाद करके बुरी आदतें सिखाईं। जब तक आप लोग नहीं आए थे, हम अच्छे लोग थे।'

चीन को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद उन्होंने जम्मू-कश्मीर के हालात को गलत समझा। जयशंकर ने कहा, 'अब, मुझे नहीं पता उन्हें क्यों लगता है कि इसका उन पर प्रभाव पड़ा है।' उन्होंने कहा कि इस संवैधानिक बदलाव के कुछ दिनों बाद वह बीजिंग गए थे और उन्हें बताया कि जहां तक उनका संबंध है, कुछ भी नहीं बदला है। भारत की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वास्तविक नियंत्रण रेखा नहीं बदली है। यही सब बातें थीं जो हमने उनसे की थीं।

पर्यावरण पर पश्चिमी देशों से बेहतर कर रहा भारत: पर्यावरण को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि इस मसले पर भारत में लोगों के व्यवहार में परिवर्तन आया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं को हासिल करने की दिशा में भारत कई पश्चिमी देशों से कहीं बेहतर कर रहा है।

प्रशांत महासागर में भारत की प्रभाव जमाने की कोशिश

आशुतोष झा, न्यूयॉर्क

यह तो तय है कि आने वाले वर्षों तक वैश्विक कूटनीति की दिशा तय करने में हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र की भूमिका बहुत अहम होगी। भारत भी धीरे-धीरे इस क्षेत्र को लेकर चल रही कूटनीति में शामिल होने लगा है। अब भारत ने प्रशांत महासागर क्षेत्र के छोटे-छोटे देशों को पहली बार साधने की कोशिश की है। इस क्रम में यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशांत क्षेत्र के 12 देशों के प्रमुखों के साथ हुई बैठक एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम साबित होगा। इस बैठक में मोदी ने इन देशों को 15 करोड़ डॉलर की आर्थिक मदद (बेहद आसान शर्तों पर कर्ज) देने का एलान किया है। साथ ही इन सभी देशों को अलग से 10-10 लाख डॉलर का अनुदान भी देने की घोषणा की है।

इस बैठक में फिजी, किरीबाती, मार्शल आइजलैंड्स, माइक्रोनेशिया, नौरू, पलाउ, पापुआ न्यू गिनी, सामोआ, सोलोमोन आइलैंड्स, टोंगा, तिवालू और वानाआतू शामिल हुए हैं। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि यह बैठक भारत की 'लुक ईस्ट नीति' के विस्तार का ही हिस्सा है। भारत पहले इस क्षेत्र के देशों के साथ अपने रिश्तों को नया आयाम देने के लिए 'इंडिया-पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन' नाम से एक संगठन का निर्माण कर चुका है। इसकी दो बैठकें भी पहले हुई हैं। लेकिन इस बैठक की गंभीरता का पता इस तथ्य से लगता है कि पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के बेहद व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद इसके आयोजन को हरी झंडी दिखाई। मंगलवार देर शाम हुई इस बैठक पीएम मोदी ने भारत की यह इच्छा प्रकट की। इन सभी देशों के साथ रिश्तों को प्रगाढ़ करने के लिए तैयार है। मोदी ने इस सभी देशों के विकास में तकनीकी व अन्य सहयोग देने का प्रस्ताव किया जिसे कई देशों ने स्वीकार भी किया। इस सहयोग में अधिकारियों को प्रशिक्षण देना, इन देशों के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को भारत लाकर उन्हें प्रशिक्षित करने और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी हर तरह की मदद देने का एलान किया। मोदी ने एक विशेष कार्यक्रम की भी घोषणा की जिसके तहत इन देशों के प्रमुख व्यक्ति भारत आसानी से आ सकेंगे और यहां प्रशिक्षण आदि हासिल कर सकेंगे।

सनद रहे कि जब से दक्षिण चीन सागर का विवाद सामने आया है, तभी से प्रशांत महासागर में स्थित छोटे-छोटे देशों की अहमियत बढ़ गई है। एक ओर अमेरिका की तरफ से इन देशों को कई तरह की आर्थिक मदद दी जा रही है तो चीन भी इन्हें लुभाने की कोशिश में है। चीन सरकार लगातार इन देशों के प्रमुखों के साथ अलग-अलग मंचों पर बैठक कर रही है। इन देशों के आर्थिक, रणनीतिक व राजनीतिक महत्व को हर बड़ी शक्ति स्वीकार कर रही है। भारत ने वर्ष 2014 से ही इन देशों पर खास तवज्जो देना शुरू किया है। इनमें से कई बेहद छोटे देश हैं लेकिन इनके पास हाइड्रोकार्बन का बड़ा भंडार भी है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो भारत आगे चल कर इनसे गैस भी खरीद सकता है।

बघेल ने इमरान को दिखाया आईना कहा-कांग्रेस पीएम मोदी के साथ

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के अमेरिका में दिए बयान का जवाब ट्विटर पर दिया है। उन्होंने लिखा है कि देश के बाहर प्रधानमंत्री का प्रत्येक कदम देश का कदम होता है। कांग्रेस पार्टी उनके साथ है। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन की बात कही है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए पर दिए बयान को लेकर भाजपा के निशाने पर आए मुख्यमंत्री बघेल ने बुधवार को दिल्ली जाने से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पर सोशल मीडिया पर हमला बोला। उन्होंने लिखा, इमरान खान की क्या हैसियत, जो हमारे देश के आंतरिक मामलों में बोलें? वह अपना देश संभालें। हम अपने प्रधानमंत्री की नीतियों से सहमत-असहमत होंगे, चर्चा करेंगे, सवाल उठाएंगे, उनसे जवाब मांगेंगे। लेकिन, देश के बाहर उनके हर कदम का कांग्रेस पार्टी समर्थन करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने लिया था निशाने पर, तो भूपेश ने किया पलटवार: भूपेश ने गांधी पर एक कार्यशाला में कहा था कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की जानकारी के बगैर ही केंद्र शासित राज्य बना दिया गया। इस पर पिछले दिनों छत्तीसगढ़ आए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा था कि जो राहुल गांधी बोलेंगे वही इधर के मुख्यमंत्री बोलेंगे। मैंने संसद में भी बोला था कि कांग्रेस जो भाषा बोल रही है, वही भाषा पाकिस्तान बोल रहा है।

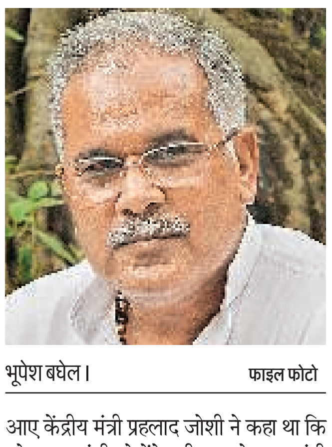

भूपेश बघेल। फाइल फोटो

अनुच्छेद 370 का स्वयं डॉ. भीमराम आंबेडकर ने भी विरोध किया था। थोड़ा संविधान निकालकर मुख्यमंत्री को पढ़ना चाहिए। केंद्रीय मंत्री के इस बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए। मैंने किस संदर्भ में अपनी बात कही थी, उन्हें सोच-समझकर अपनी बात कहनी चाहिए थी।

थरूर ने नेहरू पर फिर खेला नया दांव

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे को कमतर आंकने की कोशिश लगातार दूसरे दिन भी जारी रखी। बुधवार को उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरु अकेले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिनका स्वागत एयरपोर्ट पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने किया था। जबकि ऐसे ही एक दावे के साथ एक दिन पहले ही शशि थरूर देश के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू और इंदिरा गांधी का फोटो गलत कैप्शन के साथ जारी कर विवादों में घिर चुके हैं।

ट्विटर पर हुई उनकी किरकिरी के बाद बुधवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने नेहरू के रूस के फोटो को अमेरिका का बताने के विवाद के कुछ ही घंटों के बाद एक नया ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू अकेले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति ने एयरपोर्ट पर आकर रिसीव किया था। ऐसा दो बार हो चुका है। नेहरू को अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस ट्रूमैन ने 1949 में और राष्ट्रपति जॉन एफ.केनेडी ने 1961 में रिसीव किया था।

उल्लेखनीय है कि हाउडी मोदी कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक प्रवासी भारतीय आने पर विगत मंगलवार को थरूर ने नेहरू की लोकप्रियता का हवाला देते हुए उनकी नवंबर 1949 की एक फोटो पोस्ट की थी जिस पर उन्होंने अमेरिका में नेहरू के भव्य स्वागत का फोटो बताया था।

मोदी ने गांधी के योगदान से यूएन को रूबरू कराया

न्यूयार्क, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत की ओर से आयोजित किए गए कार्यक्रम में महात्मा गांधी को लेकर अपने विचार साझा किए। इस मौके पर उन्होंने विश्व के नेताओं की मौजूदगी में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय में गांधी सोलर पार्क का भी उद्घाटन किया।

संयुक्त राष्ट्र में गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी स्मृति में एक डाक टिकट भी जारी किया। समकालीन विश्व में गांधी की प्रासंगिकता विषय पर मोदी ने कहा, 'यह मंच इस बात का उदाहरण है कि गांधी भारत से थे, लेकिन वह सिर्फ भारत के नहीं थे।' उन्होंने कहा कि जो लोग कभी भी गांधी जी से नहीं मिले, वह भी गांधी जी के जीवन से बेहद प्रभावित हैं। फिर चाहे वह मार्टिन लूथर किंग जूनियर हो या नेलसन मंडेला, उनके विश्वास की नींव गांधी जी के विचारों से ही पड़ी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र का अर्थ इतने तक ही सीमित है कि लोग अपने पसंद की सरकार चुनेंगे और सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम करेगी। लेकिन गांधी ने एक ऐसा समाज बनाने का संकल्प लिया जो सरकार पर आश्रित नहीं है। उन्होंने लोकतंत्र की असली ताकत बताई। उन्होंने जनता को सिखाया कि आत्मनिर्भर कैसे बनें और सरकारों पर निर्भर न रहें। मोदी ने कहा कि सबको लगता है कि गांधी परिवर्तन लेकर आए, लेकिन यह कहना सही होगा कि लोगों की अंदर की ताकत को जगाया है ताकि लोग खुद ही बदलाव ला सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों में उनकी सरकार ने जनता की भागीदारी बढ़ा दी है। फिर चाहे वह स्वच्छ भारत अभियान हो या डिजिटल इंडिया हो। लोग अब खुद ही बढ़ चढ़ कर इन अभियानों को आगे ले जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि गांधी जी ने अपने जीवन से किसी को भी प्रभावित करने की कोशिश नहीं की। लेकिन उनका जीवन खुद ही लोगों की प्रेरणा का स्रोत बन गया। आज हम उस युग में जी रहे हैं जिसमें लोगों को इम्प्रेस करने की कोशिश होती है। लेकिन वह लोगों को कैसे प्रेरित करें, इस पर बल देते थे। चाहे पर्यावरण परिवर्तन का मसला हो या आतंकवाद, भ्रष्टाचार या सार्वजनिक जीवन में स्वार्थी होने का मुद्दा हो, गांधी जी के विचार मार्गदर्शन करते हैं।

इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंटोनियो गुतारेस और कई राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्ष मौजूद थे।

- **पीएम ने किया संयुक्त राष्ट्र में गांधी सोलर पार्क का उद्घाटन, डाक टिकट भी जारी किया**
- **कहा- यह मंच इस बात का उदाहरण है कि महात्मा गांधी भारत से थे, लेकिन वह सिर्फ भारत के नहीं थे**
- **मार्टिन लूथर किंग जूनियर से लेकर नेलसन मंडेला जैसे लोग भी उनके विचारों से प्रभावित थे**
- **गांधी जी ने एक ऐसा समाज बनाने का संकल्प लिया जो सरकार पर आश्रित नहीं है**

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के दौरान पृथ्वी को निरूपित करती एक लाइट बॉल पर हाथ रखकर सोलर पार्क का उद्घाटन करते सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सून लूंग, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन व अन्य। एपी

जर्मनी में बैठे केजेडएफ आतंकी बग्गा का भाई गुरदेव गिरफ्तार

नवीन राजपूत, अमृतसर

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के छठे खतरनाक आतंकी गुरदेव को भी पुलिस की खुफिया शाखा ने जिला होशियारपुर के टांडा से गिरफ्तार कर लिया है। गुरदेव खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के जर्मनी में बैठे आतंकी गुरमीत सिंह बग्गा का भाई है। वह टांडा के गांव झज्जा का रहने वाला है। हालाकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है, परंतु सूत्र बताते हैं कि गुरदेव से भी पहले पकड़े गए आतंकियों के साथ रखकर पूछताछ की जा रही है।

गुरदेव के खिलाफ पहले भी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर कई मामले दर्ज हैं। वह पुलिस को चकमा देकर थाइलैंड फरार हो गया था। वहां वेश बदल कर रह रहा था। भारत सरकार के प्रयासों से थाइलैंड सरकार ने गुरदेव सिंह को डिपोर्ट कर दिया, जिसके बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसे फताहपुर जेल भेजा गया जहां पहले से बंद आतंकी मान सिंह से उसकी मुलाकात हुई। जेल में दोनों और करीब आए।

गुरदेव सिंह उर्फ प्रायर्टी, जो हमेशा इसी वेशभूषा में रहता था। जागरण

सूत्रों के अनुसार जेल में मान सिंह के पास फोन था। गुरदेव ने उसी फोन पर मान की बात जर्मनी में बैठे अपने भाई आतंकी गुरमीत सिंह बग्गा से करवा दी। बग्गा की पाकिस्तान में आइएसआइ की शरण में बैठे रंजीत सिंह उर्फ नीटा से काफी नजदीकियां हैं। इसी दौरान मारपीट के केस में जेल में आया आकाशदीप सिंह भी मान सिंह से मिल चुका था और पाकिस्तान से हथियार लाने की पृष्ठभूमि भी तैयार हो चुकी थी। जेल से छूटने के बाद गुरदेव फिर आतंकी गतिविधियों में शामिल हो गया। पुलिस की खुफिया शाखा आतंकियों आकाशदीप सिंह, बलवंत सिंह उर्फ बाबा उर्फ निहंग, हरभजन सिंह, बलबीर सिंह, गुरदेव सिंह और प्रोडक्शन वारंट पर लिए गए मान सिंह से गहन पूछताछ कर रही है। दो सितंबर को जम्मू के कठुआ जिले में पकड़े गए तीन कश्मीरी आतंकियों के साथ इस मामले को जोड़कर देखा जाने लगा है।

हथियारों के ज्यादा भार से क्रैश हुआ ड्रोन

नवीन राजपूत, अमृतसर

केजेडएफ (खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स) के आतंकियों की निशानदेही पर बरामद किया गया अधजला ड्रोन हथियारों का ज्यादा भार न सहने के कारण क्रैश हो गया था। पकड़े गए आतंकियों से पूछताछ में सामने आया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ द्वारा भेजे गए हथियारों का वजन ज्यादा होने के कारण चीन निर्मित ड्रोन क्रैश हो गया था। पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान समर्थक रंजीत सिंह नीटा ने तत्काल आकाशदीप सिंह को वाट्सएप कॉल कर इसे नष्ट करने के निर्देश दिए थे। वह नहीं चाहता था कि यह ड्रोन बीएसएफ या भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगे।

पंजाब पुलिस की खुफिया शाखा के एक अधिकारी के अनुसार प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि ड्रोन पर 15 किलो से ज्यादा वजन लाद दिया गया। यह उसकी क्षमता (10 किलोग्राम) से ज्यादा था। इस कारण ड्रोन की मोटर में एकाएक आग लग गई और वह भारतीय सीमा के अंदर झब्बाल के साथ लगते क्षेत्र में गिर गया। जब ड्रोन पाकिस्तान नहीं लौटा तो आइएसआइ एजेंट ने इसकी जानकारी रंजीत सिंह नीटा को दी। नीटा ने आकाशदीप को हथियारों की कन्साइनमेंट लेने और ड्रोन को नष्ट करने के निर्देश दिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'फादर ऑफ द नेशन' बयान पर सियासी घमासान

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'फादर ऑफ द नेशन' कहे जाने पर देश में सियासी घमासान मच गया है। कांग्रेस से लेकर वामदलों ने ट्रंप के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्रंप के बयान को महात्मा गांधी का अपमान बताया है तो एआइएमआइएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने ट्रंप को जाहिल तक बता दिया है।

जयराम रमेश ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह पर भी निशाना साधा। सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर कहा था कि जो खुद को भारतीय नहीं मानता होगा उसी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'फादर ऑफ द नेशन' वाले ट्रंप के बयान पर गर्व नहीं हो रहा होगा। रमेश ने कहा, 'हां, मुझे इस 'प्रशंसा' पर निश्चित रूप से ही गर्व नहीं हो रहा है। मैं समझता हूं कि यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है।' उन्होंने आगे कहा, 'तो मेरे मित्र डॉ. जितेंद्र सिंह, क्या आप मुझे गैर भारतीय के रूप में देखोगे? ऐसा ही करो अगर यही आपका मापदंड है।'

आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के अध्यक्ष ओवैसी ने कहा कि ट्रंप को भारत के इतिहास का कुछ पता नहीं है। गांधी से मोदी की तुलना नहीं की जा सकती। देश के लिए कुर्बानियां देने वाले गांधी ने यह खिताब कमाया है। ओवैसी ने मोदी की तुलना अमेरिकी गायक एल्विस प्रेस्ली से करना ठीक माना। उन्होंने कहा कि प्रेस्ली भी अच्छे गायक थे और भीड़ जुटा लेते थे। प्रधानमंत्री भी अच्छा भाषण देते हैं और भीड़ जमा कर लेते हैं।

▶ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान को महात्मा गांधी का अपमान बताया

▶ ओवैसी ने ट्रंप को जाहिल कहा, प्रेस्ली से मोदी की तुलना को ठीक बताया

भाकपा महासचिव ने ट्रंप के बयान को महज भाषणबाजी बताया

भाकपा महासचिव डी. राजा ने कहा कि ट्रंप का बयान कोरा बयानबाजी है और उसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। राजा ने कहा कि ट्रंप इस तरह की अतिशयोक्तिपूर्ण बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। यह इस देश के लोगों को फैसला करना है कि वह किसी का सम्मान करते हैं और किसे 'फादर ऑफ द नेशन' बुलाते हैं। यह खिताब पहले से ही महात्मा गांधी को मिला हुआ है। भाकपा नेता ने जितेंद्र सिंह के बयान को भी बेतुका बताया। भाकपा नेता अतुल कुमार अंजान ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ईश्वर का शुक्र है कि ट्रंप ने मोदी की तुलना मार्टिन लूथर किंग से नहीं की।

24 सितंबर तक 9,00,239 यात्री केदारनाथ पहुंच चुके हैं। अभी धाम के कपाट बंद होने में लगभग एक माह का समय शेष है। बीते वर्ष पूरे यात्रा सीजन में 7.32 लाख यात्री ही बाबा के दर्शनों को पहुंचे थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 26 सितंबर 2019

वादी में सियासी गतिविधियां जल्द शुरू करने की कोशिश में केंद्र

नवीन नवाज, श्रीनगर

- ट्रैक टू रणनीति, सियासी दलों से संवाद बढ़ाने की कवायद
- दूसरी व तीसरी पंक्ति के नेताओं से भी चल रही बात

जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन के बाद से वादी में ठप पड़ी सियासी गतिविधियों को तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। राजनीतिक दलों से संवाद की प्रक्रिया में तेजी लाने की कोशिश चल रही है।

दिग्गज नेताओं के साथ ही दूसरी व तीसरी पंक्ति के नेताओं से भी संपर्क साधा गया है। कुछ नेताओं को हिरासत से मुक्त भी किया गया है। केंद्र की इस मुहिम को राज्य का सियासी माहौल सामान्य बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इसका असर भी दिखा है। बड़े नेता अभी हिचक रहे हैं, लेकिन अन्य नेता काफी उत्सुक दिख रहे हैं।

जानकारों के मुताबिक केंद्र सरकार की तरफ से डॉ. फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती व सज्जाद गनी लोन सरीखे नेताओं से संपर्क साधा गया है। दूसरे स्तर पर इनके करीबियों व दूसरी पंक्ति के वरिष्ठ नेताओं से संवाद प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। यह नहीं पता चल पाया है कि केंद्र ने इन नेताओं को क्या आश्वासन दिया है, पर सूत्रों की मानें तो उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और भाजपा के करीबी कहे जाने वाले सज्जाद गनी लोन ने अभी कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है।

बताया जा रहा है कि ये नेता कुछ मुद्दों पर आकर ठहर जा रहे हैं और बात आगे नहीं बढ़ पा रही। जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत बंदी पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने गत 16 सितंबर को केंद्र के कुछ तथाकथित प्रतिनिधियों से मुलाकात से इन्कार कर दिया था। वह कुछ बिंदुओं पर नाराज बताए जा रहे हैं। उमर अब्दुल्ला भी सभी नेताओं की रिहाई और अन्य शर्तों पर बात करना चाहते हैं। महबूबा को मनाने के लिए उनसे मिलने पूर्व पुलिस अधिकारी और पीडीपी संरक्षक मुजफ्फर हुसैन बेग की पत्नी सफीना बेग को भेजा गया था लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई। इसके अलावा अन्य सियासी दलों से भी संवाद किया जा रहा है।

कुछ नए व पुराने नेताओं से बात आगे बढ़ी : संबंधित सूत्रों के अनुसार केंद्र का नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और पीपुल्स कांफ्रेंस के दूसरी पंक्ति के नेताओं से भी संवाद हुआ है। इनमें नेकां सांसद मोहम्मद अकबर लोन व हसनैन मसूदी के अलावा पूर्व सांसद मोहम्मद शफी उड़ी, पीडीपी के पूर्व सांसद मुजफ्फर हुसैन बेग व पीडीपी से अलग हुए पूर्व वित्तमंत्री डा. हसीब द्राबु व पूर्व शिक्षामंत्री अल्ताफ बुखारी के अलावा कुछ बुद्धिजीवी शामिल हैं। बताया जाता है कि माहौल बेहतर बनाने को पीडीपी और नेकां के चार नेताओं को हिरासत से मुक्त किया गया है।

पीपुल्स कांफ्रेंस के दो युवा नेताओं ने भी सज्जाद लोन के अलावा पार्टी के अन्य नेताओं और एक मजहबी नेता के साथ बदले परिवेश में नए सिरे से गतिविधियों को शुरू करने पर जोर दिया हैं। इन लोगों से बातचीत के आधार पर केंद्र सरकार जल्द ही वादी में राजनीतिक गतिविधियों की बहाली की उम्मीद कर रही है।

29 को लेह पहुंचेंगे विदेश राज्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, जम्मू : जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद भाजपा के जन जागरण अभियान ने जोर पकड़ लिया है। विदेश राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह लेह में 29 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेने आएंगे। रैली करने के बाद वह दिल्ली लौट जाएंगे। जम्मू संभाग में जन जागरण अभियान के तहत इस समय केंद्रीय मंत्रियों के दौरे जारी हैं।

बुधवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय व सशक्तीकरण राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहीं, कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने रामबन जिले में भाजपा की जन जागरण रैली में हिस्सा लिया। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में किसानों को होने वाले फायदों के साथ उन्हें सशक्त बनाने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों के बारे में बताया।

जम्मू के बाद अब लद्दाख में भी भाजपा की रैलियां जोर पकड़ेंगी। लेह में 29 सितंबर की जन जागरण रैली के अगले दिन कारगिल व श्रीनगर में भी भाजपा की जन जागरण रैलियां आयोजित होनी है। प्रदेश भाजपा महासचिव व लद्दाख के प्रभारी युद्धवीर सेठी 27 सितंबर से लेह जिले में डेरा डाल लेंगे। कारगिल व श्रीनगर में होने वाली रैलियों में हिस्सा लेने के लिए आ रहे मोदी सरकार के प्रतिनिधियों के नाम अभी फाइनल नहीं हो पाए हैं। वहीं, जम्मू दौरे पर आए केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर राजौरी में जन जागरण रैली को संबोधित करेंगे।

कश्मीर में हमले के लिए पाक सेना ने अफगान लड़ाकों को किया भर्ती

नई दिल्ली, एएनआइ : पाकिस्तान के हुक्मरान और वहां की फौज कश्मीर में नापाक हरकतों की साजिश रचने से बाज नहीं आ रही। पाकिस्तान की फौज ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए बड़ी साजिश रची है। इसके लिए लगभग उसने 60 अफगान लड़ाकों को भर्ती किया है, जिन्हें सीमा पार भेजा जाना है। खुफिया सूचनाओं के बाद सुरक्षा बलों को अत्यधिक सतर्क कर दिया गया है।

खुफिया सूचनाओं के मुताबिक अफगानिस्तान में सक्रिय विभिन्न आतंकी गुटों के 40 से 60 लड़ाकों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आइएसआइ) ने कश्मीर में हमले के लिए भर्ती किया है। इन आतंकियों के पास अत्याधुनिक हथियार हैं। एएनआइ को मिले दस्तावेजों से पता चलता है कि इन लड़ाकों में से कई आत्मघाती जैकेट या हथियारों के साथ सुरक्षा बलों को निशाना बनाएंगे। अफगानिस्तान में ट्रेनिंग देने के बाद इन आतंकियों को पाकिस्तान के खैबर पख्तुनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी फौज को सौंपा जाना था। अलर्ट के मुताबिक इन आतंकियों को 21 सितंबर तक ही खैबर पख्तुनख्वा प्रांत निकल जाना था। उसके बाद एक से दो दिन के भीतर छोटे-छोटे समूहों में इन्हें जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करना था। उच्च पदस्थ सूत्रों ने दावा किया कि अगस्त के तीसरे हफ्ते में पाकिस्तान के बहावलपुर में हुई बैठक में अफगान आतंकियों को भर्ती करने का फैसला किया गया था। खुफिया जानकारी के इस बैठक में कश्मीर में हमले को लेकर चर्चा की गई। इस जानकारी के बाद जम्मू-कश्मीर तैनात सुरक्षा बलों को विदेशी आतंकियों की घुसपैठ को लेकर सावधान कर दिया गया है। संदिग्धों से संबंधित सूचनाओं को भी आपस में साझा करने को कहा गया है। जम्मू-कश्मीर और उसके आस-पास के वायुसेना अड्डों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है।

जम्मू के सैन्य इलाके में संदिग्ध हालत में मिला युवक

जासं, जम्मू : जम्मू शहर के सैन्य इलाके में सेना की वर्दी में झाड़ियों में घुसे एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान 33 वर्षीय कुलदीप कुमार के रूप में हुई है जो ऊधमपुर के रौन दोमेल का रहने वाला है। एसपी सिटी साउथ विनय शर्मा ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि युवक भांग के नशे में था और झाड़ियों में घुसकर भांग के पत्ते तोड़ रहा था। उसके पास कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। पुलिस आपराधिक रिकार्ड के बारे में जानकारी ली है।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून पर शीर्ष अधिकारियों में चर्चा

नई दिल्ली, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने राज्य पुनर्गठन अधिनियम और इसको लागू करने संबंधी विभिन्न पहलुओं पर गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बुधवार को चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि जब यह दो केंद्र शासित प्रदेश 31 अक्टूबर को अस्तित्व में आएंगे तब इस कानून को किस तरह से लागू किया जाएगा, इस पर चर्चा हुई।

जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव बीवी आर सुब्रह्मण्यम और प्रधान सचिव रोहित कंसल ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को लागू करने के संबंध में अतिरिक्त सचिव (जम्मू कश्मीर संभाग) ज्ञानेश कुमार के साथ दो घंटे बातचीत की। बीतें दिनों में शीर्ष अधिकारियों के बीच हुई यह लगातार दूसरी बैठक थी। बैठक में इन दो केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कर्मचारियों एवं अधिकारियों का आवंटन और सपंत्तियों का बंटवारा जैसे दो अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। कानून के मुताबिक जम्मू-कश्मीर कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवा के अधिकारी इन दो नए बनने वाले केंद्र शासित प्रदेशों में सेवाएं देना जारी रखेंगे जबकि इन सेवाओं के तहत चुने जाने वाले नए अभ्यर्थियों को अरुणाचल गोवा मिजोरम एंड यूनियन टेरीटरीज (एजीएमयूटी) कैडर आवंटित किया जाएगा।

जैश के आतंकी हमले की आशंका के बीच कश्मीर पहुंचे अजीत डोभाल

अहम दौरा ▸ सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था पर लिया फीडबैक

दो दिन के दौरे पर हैं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, लगातार रख रहे हालात पर नजर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

अजीत डोभाल। फाइल

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद मंडरा रहे जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी हमले के खतरे को देख बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल करीब एक माह बाद फिर श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने सुरक्षा व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था पर फीडबैक लिया।

संबंधित अधिकारियों के मुताबिक वह दो दिन के दौरे पर हैं जिसकी समय अवधि बढ़ भी सकती है। डोभाल का यह दौरा जैश के कश्मीर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में हमले की रची जा रही साजिश के मद्देनजर अहम माना जा रहा है।

पुलिस, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ बैठक : संबंधित अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने श्रीनगर पहुंचने के बाद पुलिस, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और अर्धसैनिक बलों के साथ बैठक कर मौजूदा कानून व्यवस्था पर फीडबैक लिया है। उन्होंने नागरिक प्रशासन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों से भी अलग-अलग मुलाकात की है। श्रीनगर से बाहर कश्मीर अन्य शहरों व कस्बों में डोभाल के दौरे के बारे में अधिकारियों ने कहा कि अभी तक ऐसी कोई योजना नहीं है।

कश्मीर से लेकर सीमा तक नजर रखे हैं : राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार राज्य की स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। वह रोजाना राज्य के हालात पर दिल्ली स्थित संबंधित अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त करते हुए वादी के भीतरी इलाकों से लेकर नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा एजेंसियों के बीच घनिष्ठ समन्वय को सुनिश्चित बनाए हैं।

राजनीतिज्ञों की रिहाई, हालात पर करेंगे मंथन : संबंधित अधिकारियों ने बताया कि डोभाल कश्मीर दौरे के दौरान मौजूदा हालात, हिरासत में लिए राजनीतिक लोगों की रिहाई और जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्य में बांटने की योजना को निर्विघ्न रूप से अमल में लाने की रणनीति पर अलग-अलग बैठकों में विचार विमर्श करेंगे।

बीते माह दो माह के दौरान डोभाल का यह कश्मीर में दूसरा दौरा है। पांच अगस्त को केंद्र ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाने के बाद इसे दो केंद्र शासित राज्यों में बांटा गया है। जम्मू कश्मीर व लद्दाख 31 अक्टूबर को दो अलग-अलग केंद्र शासित राज्यों के रूप में अस्तित्व में आ जाएंगे। सरकारी योजनाओं के सुगम क्रियान्वयन के लिए आगे की रणनीति पर भी मंथन होगा।

370 हटने के बाद 11 दिन तक डटे रहे थे

डोभाल 370 हटने के बाद लगातार 11 दिन तक कश्मीर में डेरा डाले रहे थे। उन्होंने श्रीनगर डाउन-टाऊन के अलावा अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां व बारामुला के विभिन्न हिस्सों का औचक दौरा करते हुए लोगों व कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने में तैनात सुरक्षाकर्मियों से मुलाकात की थी।

पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री पर राजनाथ ने कहा, सुरक्षा बल पूरी तरह से हैं तैयार

चेन्नई, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी शिविरों से निपटने के लिए भारतीय सुरक्षा बल पूरी तरह से तैयार हैं। इससे दो दिनों पहले सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि पाकिस्तान ने बालाकोट में आतंकी शिविर को फिर से सक्रिय कर दिया है। सेना प्रमुख के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में रक्षा मंत्री ने बुधवार को यह टिप्पणी की।

तटरक्षक निगरानी पोत वाराह के कमीशन सेरेमनी के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एएनआइ

राजनाथ ने संवाददाताओं से कहा, 'चिंता नहीं करें, हमारे सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार हैं।' जनरल रावत ने सोमवार को कहा था कि पाकिस्तान ने बालाकोट आतंकी शिविर को हाल ही में फिर से सक्रिय कर दिया है। करीब 500 घुसपैठिए भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार बैठे हैं।

इसी साल कश्मीर के पुलवामा जिले में पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के एक आत्मघाती हमलावर के धमाके में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया था। उसके बाद से दोनों देशों में तनाव पैदा हो गया।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह द्वारा गृह मंत्रालय से मांगी गई मदद पर पूछे गए सवाल के जवाब में रक्षा मंत्री ने कहा कि जहां तक देश की सुरक्षा का सवाल है, सशस्त्र बल के पास ऐसी किसी भी चुनौती को विफल करने की क्षमता है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा हथियार एवं गोलाबारूद गिराए जाने पर मदद मांगी है। मंगलवार को किए गए ट्वीट में मुख्यमंत्री ने कहा है, 'अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने के बाद हाल ही में पाकिस्तानी ड्रोन ने हथियार और गोलाबारूद गिराए हैं। यह पाकिस्तान का घिनौना खेल है। अमित शाह जी इस ड्रोन समस्या के शीघ्र समाधान का आग्रह है।'

रक्षा मंत्री ने आइसीजीएस वाराह को कमीशन किया : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को तटरक्षक निगरानी पोत वाराह को औपचारिक रूप से कमीशन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक पोत तटरक्षक के लिए बहुद्देश्यीय बनने जा रहा है। इसके पास एचएएल द्वारा स्वदेशी विकसित एएलएच हेलीकॉप्टर संचालित करने की क्षमता है।

पाकिस्तान की भाषा बोल रहे आजाद जैसे नेता : गुर्जर

राज्य ब्यूरो, जम्मू

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर को लूटने के दिन गए

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि अब जम्मू कश्मीर को लूटने के दिन खत्म हो गए हैं। राज्य के लोगों के सशक्त होने के दिन आए हैं। गुलाम नबी आजाद और उनके जैसे नेता कश्मीरियों के हिमायती नहीं हैं। आजाद पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रदेश भाजपा के कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए गुर्जर ने बुधवार शाम कहा कि गुलाम नबी आजाद झूठ बोल रहे हैं। जम्मू कश्मीर में व्यापार ठप नहीं हुआ है। गांधी, मुफ्ती व अब्दुल्ला परिवारों ने केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड को लोगों तक नहीं पहुंचने दिया। ये परिवार नहीं चाहते कि हालात सुधरें और आम परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो। गुर्जर ने कहा कि अनुच्छेद 370 खत्म होने से पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एक देश, एक संविधान का सपना साकार हुआ है। जो 70 साल में नहीं हुआ, मोदी सरकार ने 70 दिन में कर दिखाया। अब कश्मीर के अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को भी राजनीतिक आरक्षण मिलेगा। क्षेत्र के युवाओं को ऐसी छह छात्रवृत्तियां मिलेंगी, जो अनुच्छेद 370 के कारण नहीं मिल रही थीं।

इससे पहले कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गुर्जर ने कहा कि मोदी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को समर्पित है। सारी योजनाएं आम लोगों को सशक्त बनाने पर केंद्रित हैं।

'कश्मीर में लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं'

राज्य ब्यूरो, जम्मू

कांग्रेस महासचिव और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद का कहना है कि जितनी मायूसी और निराशा कश्मीर घाटी में है उतनी ही जम्मू और जम्मू संभाग में है। प्रशासन का जितना आतंक जम्मू कश्मीर में है, उतना दुनिया में कहीं नहीं देखा। यहां लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट की अनुमति पर राज्य का छह दिवसीय दौरा पूरा कर दिल्ली जाते समय आजाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गांधीनगर स्थित अपने सरकारी आवास के बाहर पत्रकारों के सवालों पर आजाद ने कहा कि आज मेरा छठा दिन है। मैंने चार दिन कश्मीर और दो दिन जम्मू में बिताए हैं। इसके बारे में पूरी जानकारी एक-दो दिन में दे दूंगा। जितनी मायूसी और निराशा मैंने कश्मीर घाटी में देखी है, उतनी ही निराशा जम्मू संभाग और जम्मू में भी है। सत्ताधारी पार्टी के एक-दो सौ लोगों को छोड़कर कोई खुश नहीं है। जम्मू का कारोबार कश्मीर पर निर्भर था। छोटे दुकानदार, करियाना वाला हो या ट्रांसपोर्टर या फिर गाड़ी या बस वाला। निराशा इतनी है कि कुछ लोगों ने तो कहा कि वे खुदकशी कर लेंगे। प्रशासन का इतना आतंक मैंने दुनिया में कहीं नहीं देखा। लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। जब जम्मू कश्मीर में कानून बदला तो उसके साथ-साथ लोकतंत्र भी बदल गया। बात करने से आदमी डरता है। वह देखता है कि कहीं कैमरा फिक्स तो नहीं है, कहीं मुखबिरी तो नहीं हो रही। बोलने की आजादी नहीं है, अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है, आंदोलन की आजादी नहीं है। सामान्य रूप से अगर आदमी बिजली और पानी की बात करता है तो उसे कहते हैं कि हिंदुस्तान की कौन सी जेल में जाओगे।

आजाद ने बुधवार को भी जम्मू में विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कश्मीर में श्रीनगर, बारामुला और अनंतनाग का दौरा कर लोगों के मसलों को सुना था। आजाद गत मंगलवार को जम्मू पहुंचे थे।

दिल्ली लौटने से पहले जम्मू में पत्रकारों से बातचीत करते राज्यसभा में विपक्ष के नेता व जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद। जागरण

आरोपित ने सुनाई मनगढ़ंत कहानी

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

आरोपित हाकिम ने पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए मनगढ़ंत कहानी भी सुनाई। कहा, उसे सपना आया था कि इनका संहार कर दो, इसलिए उसने ऐसा किया। वहीं कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि दबंगों ने दुष्कर्म की कोशिश की, बच्चों ने विरोध किया तो उनकी हत्या कर दी।

पिता बोले- दो साल से रख रहे थे रंजिश : अविनाश के पिता मनोज ने पुलिस को बताया कि दो साल पहले उसने गांव में झोपड़ी बनाने के लिए सड़क किनारे पेड़ से लकड़ी काटी थी। उस समय हाकिम और रामेश्वर ने गाली-गलौज की थी। वह आरोपितों के खेतों पर काम भी करता है। केवल 50 रुपये मजदूरी देने का विरोध करने पर भी आरोपित धमकाते थे।

ग्राम भावखेड़ी में लाठियों से पीट-पीटकर दो मासूमों की हत्या कर दी गई। हत्या का केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जहां तक दुष्कर्म की बात है तो ऐसी कोई वारदात नहीं हुई है।

-राजेश सिंह चंदेल, एसपी, शिवपुरी

सुबह ही छात्रा के घर पहुंची एसआइटी

बुधवार सुबह एसआइटी की महिला अधिकारी छात्रा के घर पहुंच गईं। गिरफ्तार कर ले जाने लगीं तो छात्रा के परिजनों ने विरोध किया।

कहा कि दो घंटे का वक्त दें मगर, महिला अधिकारी ने अनसुना किया तो झड़प होने लगी। हालांकि, टीम छात्रा को गिरफ्तार कर चौक कोतवाली ले गई, जहां से मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

एसीजेएम कोर्ट में पेश किया : एसआइटी छात्रा को लेकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ओमवीर सिंह की कोर्ट में पहुंची, लेकिन उनके अवकाश पर होने के कारण एसीजेएम विनीत कुमार पांडेय की कोर्ट में पेश किया गया।

उन्होंने छात्रा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दे दिया। छात्रा को जिला जेल में दाखिल करा दिया गया।

आजम की गिरफ्तारी पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : मौलाना जौहर अली विश्वविद्यालय रामपुर के कुलाधिपति सांसद आजम खां को इलाहाबाद हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने रामपुर के अजीमनगर थाने में 27 किसानों द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर के तहत गिरफ्तारी पर रोक लगा दिया है। साथ ही पूर्व सांसद जयाप्रदा व किसानों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने राज्य सरकार व जयाप्रदा सहित अन्य विपक्षियों से याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका पर अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान की पीठ ने आजम खां व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता रवि किरण जैन, अधिवक्ता कमरुल हसन सिद्दीकी व सफदर काजमी ने बहस की। सफदर काजमी ने बताया कि विश्वविद्यालय की जमीन को लेकर किसानों ने एफआइआर दर्ज कराई है। किसानों ने आजम खां पर जबरन जमीन लिखवाने व कब्जा करने का आरोप लगाया है। जयाप्रदा पर किसानों को उकसाकर एफआइआर दर्ज करवाने का आरोप लगाया गया है।

अहमद पटेल की याचिका पर 15 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

- राज्यसभा चुनाव के संबंध में हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह 15 अक्टूबर को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल की याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में पटेल ने 2017 के राज्यसभा चुनाव के संबंध में गुजरात हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की है। बता दें कि प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार बलवंतसिंह राजपूत ने पटेल के चुनाव को हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ के समक्ष यह मामला बुधवार को सुनवाई के लिए आया। सुनवाई के दौरान राजपूत के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में हाई कोर्ट के समक्ष साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। इस पर पीठ ने कहा, हम मामले की सुनवाई करेंगे। पटेल के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि इस मामले में साक्ष्य दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और हाई कोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए मामले को सूचीबद्ध कर लिया है। राजपूत के वकील ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट में पहले से चल रही कार्यवाही पर रोक नहीं लगनी चाहिए और शीर्ष अदालत ने पहले भी कहा था कि सुनवाई जारी रहेगी। वकील ने कहा कि सुनवाई पर रोक लगाने के बजाय अदालत यह कह सकती है इस संबंध में उच्च न्यायालय का जो भी आदेश होगा, वह सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका के नतीजे पर निर्भर करेगा।

पीठ ने कहा कि वह 15 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई करेगी और तब तक सुनवाई टालने के लिए दोनों पक्ष उच्च न्यायालय से अनुरोध करें। पटेल ने हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है कि जिसमें उन्होंने राजपूत की याचिका पर सवाल उठाया था, लेकिन उनकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने हाई कोर्ट के 26 अक्टूबर, 2018 के उस आदेश में हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया था।

चिन्मयानंद को लेकर कांग्रेस ने उप्र सरकार पर बोला हमला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चिन्मयानंद मामले को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने रिपोर्ट में अब तक दुष्कर्म के आरोपों को शामिल नहीं करने को लेकर सवाल भी उठाए।

कांग्रेस प्रवक्ता राजीव त्यागी ने कहा, सरकार को बताना चाहिए कि सरकार की चिन्मयानंद के साथ क्या साठगांठ है? उन पर लगे आरोपों को क्यों खत्म करने की कोशिश की जा रही है। त्यागी बुधवार को कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक तरफ दुष्कर्म पीड़िता को गिरफ्तार कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, दूसरी तरफ चिन्मयानंद अस्पताल के एसी कमरे में आराम कर रहे हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि चिन्मयानंद पर पहले भी दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगे हैं, लेकिन हर बार उन्हें बचाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि उसकी ऐसी क्या मजबूरी है, जिसके चलते चिन्मयानंद को दुष्कर्म के आरोपों से बचाने की कोशिश की जा रही है।

चुनाव कानून के एक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती

- भाजपा नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कहा, सांसदों-विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने से बचाता है प्रावधान
- याचिकाकर्ता का कहना है कि वहीं अगर कोई नौकरशाह दोषी ठहराया जाता है तो उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाता है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिका दायर की गई जिसमें चुनाव कानून के एक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। इस प्रावधान के मुताबिक दो वर्ष से ज्यादा की सजा प्राप्त सांसदों- विधायकों को अयोग्य ठहरा दिया जाता है। याचिका में कहा गया है कि यह 'मनमाना' है क्योंकि दोषी पाए जाने पर नौकरशाहों को बर्खास्त कर दिया जाता है।

भाजपा नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 (3) 'निरर्थक और असंवैधानिक' है क्योंकि यह अपराधी विधायकों- सांसदों को अयोग्य ठहराए जाने से बचाती है। वहीं अगर कोई नौकरशाह दोषी ठहराया जाता है तो उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाता है या जबरन सेवानिवृत्ति दे दी जाती है। याचिका में कहा गया है, 'अगर किसी नौकरशाह को दोषी ठहराया जाता है और उसे महज दो दिन कैद की सजा दी जाती है तो भी उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया जाता है। लेकिन जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 (3) सांसदों -विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने से बचाती है... इसलिए यह मनमाना, अतार्किक और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।'

याचिका में कहा गया है, 'वर्तमान में 159 सांसदों (29 फीसदी) ने बलात्कार, हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों सहित गंभीर आपराधिक मामले अपने खिलाफ घोषित किए हैं।' इसमें कहा गया है कि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद 542 निर्वाचित उम्मीदवारों में से 112 (21 फीसदी) ने खुद के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे।

झारखंड में तीन जिला जज निलंबित

राज्य ब्यूरो, रांची : प्रतिकूल गोपनीय रिपोर्ट मिलने के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने रांची फैमिली कोर्ट के जज समेत राज्य के तीन जिला जजों को निलंबित कर दिया है। निलंबित किए गए न्यायाधीशों में हजारीबाग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार सिंह, गुमला के जिला जज संदीप श्रीवास्तव और रांची फैमिली कोर्ट के जज नलिन कुमार शामिल हैं।

जनमत मुद्दा

क्या प्लास्टिक के इस्तेमाल से परहेज किए बिना हम स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं। मोबाइल से मैसेज भी कर सकते हैं। MUDDA लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें।

10 अक्टूबर को बंद होंगे हेमकुंड साहिब और लोकपाल मंदिर के कपाट। इस बार अब तक 2.68 लाख श्रद्धालु टेक चुके हैं यहां मत्था। 2013 की आपदा के बाद हेमकुंड पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की है यह सबसे बड़ी संख्या।

शैलेष गुप्त चुने गए आइएनएस के प्रेसीडेंट

शैलेष गुप्त।

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जागरण प्रकाशन लिमिटेड के निदेशक शैलेष गुप्त को वर्ष 2019-20 के लिए इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आइएनएस) का प्रेसीडेंट चुना गया है। प्रेसीडेंट पद के लिए उनका नामांकन अंग्रेजी दैनिक मिड डे से हुआ है। उल्लेखनीय है कि मिड डे जागरण समूह का सहयोगी प्रतिष्ठान है। गुप्त को बुधवार को बेंगलुरु में हुई आइएनएस की 80वीं वार्षिक बैठक में इस पद के लिए चुना गया। वह मलयाला मनोरमा के जयंत मेमन मैथ्यू का स्थान लेंगे।

आइएनएस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि एल आदिमूलम को डिप्टी प्रेसीडेंट, आनंद बाजार पत्रिका के डीडी पुरकायस्थ को वाइस प्रेसीडेंट और संडे स्टेट्समैन के नरेश मोहन को वर्ष 2019-20 के लिए मानद कोषाध्यक्ष चुना गया है। आइएनएस की एक्जीक्यूटिव कमेटी में 41 सदस्य हैं, जिनमें दैनिक जागरण के महेंद्र मोहन गुप्त और संजय गुप्त शामिल हैं। मैरी पॉल आइएनएस की सेक्रेटरी जनरल हैं।

मध्य प्रदेश में मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

चिंताजनक ▸ नियमित उड़ान भरने के 30 मिनट बाद हुआ हादसा

नईदुनिया, भिंड

मध्य प्रदेश में ग्वालियर के महाराजपुरा वायुसेना एयरबेस से उड़ान भरने के लगभग 30 मिनट बाद वायुसेना का विमान मिग-21 (टाइप 69) भिंड जिले के आलौरी गांव के चौधरी का पुरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जलता हुआ विमान खेत में गिर गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। विमान उड़ा रहे स्क्वाड्रन लीडर शिवानंद और साथ में सवार ग्रुप कैप्टन वायएस नेगी ने जलते विमान से पैराशूट से कूदकर जान बचाई। शिवानंद को प्रशिक्षण दे रहे वायएस नेगी 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हुए हवाई हमले के प्रमुख योजनाकारों में से एक थे। बहादुरी के लिए उन्हें हाल ही में भारत सरकार द्वारा युद्ध सेवा पदक भी दिया गया है।

इस प्रशिक्षण विमान ने बुधवार सुबह 9:30 बजे वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी थी। विमान लक्ष्य से कुछ ही दूरी पर था कि तभी अचानक उसमें धुआं उठा और आग लग गई। दोनों अधिकारी पैराशूट की मदद से बच निकले। हादसे की सूचना मिलते ही वायुसेना का हेलिकॉप्टर चौधरी का पुरा गांव में पहुंचा। वायुसेना के दोनों अधिकारियों को राहत दल ने ग्वालियर के मुरार में सेना के अस्पताल में भर्ती कराया है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

मध्य प्रदेश के भिंड जिले के गोहद गांव में बुधवार को खेत में गिरा मिग-21 का मलबा। नईदुनिया

ग्रुप कैप्टन वाईएस नेगी, स्क्वाड्रन लीडर शिवानंद का वायुसेना स्टेशन से संपर्क टूट गया। इसके बाद से ही वह खतरे को भांप चुके थे, इसीलिए उन्होंने विमान से कूदने से पहले पहले उसे खेतों की ओर गिराने की कोशिश की। विमान जिस स्थान पर गिरा वह भिंड और ग्वालियर जिले का सीमावर्ती इलाका है। हादसे वाली जगह से कुछ ही दूरी पर सरसपुरा, खुदूपुरा गांव है। खेत से कुछ दूरी पर चौधरी का पुरा गांव का रिहायशी इलाका है। विमान अगर यहां गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

गुजरात के पूर्व आइपीएस अधिकारी भट्ट के खिलाफ होगी धोखाधड़ी की जांच

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : गुजरात के बर्खास्त आइपीएस अधिकारी संजीव भट्ट पर अब क्राउड फंडिंग के जरिये धोखाधड़ी का आरोप लगा है। स्थानीय अदालत ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। हिरासत में मौत के मामले में आजीवन कारावास की सजा पा चुके भट्ट फिलहाल राजस्थान के वकील के खिलाफ फर्जी नारकोटिक्स का मुकदमा दर्ज करने के केस में पालनपुर जेल में बंद हैं।

गांधीनगर निवासी अमित सोलंकी की ओर से अहमदाबाद मेट्रोपोलिटन कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि भट्ट के फेसबुक व ट्विटर हैंडल के जरिये इंडियंस फाइट फॉर जस्टिस नाम से एक अभियान चलाया गया। इसमें भट्ट को न्याय दिलाने के लिए आर्थिक मदद की अपील की गई थी। सोलंकी का दावा है कि उन्होंने भट्ट के खाते में 11 हजार रुपये जमा कराए। जब भट्ट पर चल रहे मुकदमों की जानकारी हुई तो उन्हें लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। दरअसल, इंडियंस फाइट फॉर जस्टिस के जरिये करीब डेढ़ करोड़ रुपये इकट्ठा किए जाने थे। यह रकम भट्ट के मुकदमों की पैरवी, उनके परिवार की सुरक्षा व खर्च, महानगरपालिका की ओर से तोड़े गए उनके मकान के हिस्से के निर्माण आदि पर खर्च होनी थी।

सोलंकी का कहना है कि भट्ट ने सुप्रीम कोर्ट में खुद को वर्ष 2002 के दंगों का गवाह बताया था। इसलिए उन्हें सुरक्षा दी गई थी। बाद में 60 अन्य लोगों के साथ उनकी सुरक्षा भी हटा ली गई थी। भट्ट को हिरासत में मौत के मामले में सजा हुई है तथा राजस्थान के एक वकील के खिलाफ नारकोटिक्स का फर्जी केस बनाने के मामले में वह पालनपुर जेल में बंद हैं।

मुंबई में आज से शुरू होगा जागरण फिल्म फेस्टिवल

जेएनएन, नई दिल्ली

दुनिया के सबसे बड़े घुमंतू फिल्म फेस्टिवल, जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) का कारवां मुंबई पहुंच गया है। मुंबई में गुरुवार को जागरण फिल्म फेस्टिवल के अंतिम पड़ाव का शुभारंभ होगा जो 29 सितंबर तक चलेगा। 17 शहरों में सफल आयोजन के बाद मुंबई में गुरुवार शाम सात बजे बॉलीवुड के दिग्गजों की उपस्थिति में जागरण फिल्म फेस्टिवल का शुभारंभ होगा। इसके पहले सुबह 11.25 बजे से फिल्मों का प्रदर्शन शुरू हो जाएगा।

मुंबई में आयोजित जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान कई देशी-विदेशी फिल्मों का प्रीमियर भी होगा। देश में फिल्म संस्कृति के विकास के लिए 18 शहरों में आयोजित होने वाले जेएफएफ के आखिरी चरण के अंतिम दिन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया जाएगा। इस समारोह में सम्मानित होने वाले कलाकारों को तय करने के लिए विशिष्ट जूरी का गठन किया गया है। मशहूर फिल्म निर्देशक फरहा खान, केतन मेहता, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर निखिल अडवाणी और अभिनेत्री दीया मिर्जा समेत फिल्म से जुड़ी कई नामचीन हस्तियां जूरी में शामिल की गई हैं।

बेस्ट फीचर फिल्म अवार्ड की जूरी में ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबलि के प्रोड्यूसर एस. यारलगड्डा, फराह खान और केतन

29 सितंबर तक चलेगा समारोह, 17 शहरों में हो चुका है सफल आयोजन

मेहता शामिल हैं। शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में बेस्ट फिल्म का चुनाव करने की जिम्मेदारी अभिनेत्री दीया मिर्जा, प्रोड्यूसर-निर्देशक निखिल आडवाणी और लेखक-निर्देशक समीर सक्सेना की है।

जेएफएफ के दौरान फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन, अर्जुन कपूर, मशहूर निर्देशक करण जौहर और आज के दौर के सबसे चर्चित अभिनेताओं में से एक विकी कौशल से बातचीत का सत्र भी होगा। जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान सिनेमा समिट का आयोजन भी किया जा रहा है। इस समिट में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े तमाम दिग्गज शामिल हो रहे हैं। इसमें आशुतोष गोवारीकर, रितेश सिधवाणी, नितेश तिवारी, साजिद नाडियाडवाला के अलावा कई निर्माता निर्देशक शामिल होंगे। सिनेमा समिट में फिल्मों के लेखन, निर्माण, वितरण आदि पर चर्चा होती है।

उन्नाव कांड : पीड़िता को मिली एम्स से छुट्टी, वकील अब भी आइसीयू में

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, जबकि उनके वकील का अब भी आइसीयू में इलाज चल रहा है। एम्स ट्रॉमा सेंटर प्रशासन ने बताया कि पीड़िता को 19 सितंबर को छुट्टी दे दी गई थी, जिसके बाद वह एम्स में बनी धर्मशाला में रह रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार उनको लखनऊ में रखने की पूरी व्यवस्था नहीं कर पाई है, इसलिए कोर्ट के आदेश पर उन्हें एक सप्ताह और यहां धर्मशाला में रखा जाएगा।

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता और उनके वकील को 5 अगस्त को लखनऊ से एयर एंबुलेंस से दिल्ली लाकर एम्स के ट्रॉमा सेंटर में आइसीयू में भर्ती किया गया था। पीड़िता को जबड़े, पसलियों और दायें पैर में फ्रैक्चर था, जिसकी सर्जरी की गई। उनके खून में एक विशेष प्रकार के जीवाणु का संक्रमण था, जो आमतौर पर मल में पाया जाता है। इस संक्रमण के कारण एंटीबायोटिक दवाएं असर नहीं कर रही थीं। उस समय इलाज के लिए एडवांस स्टेज की दवाओं की जरूरत पड़ी थी। एम्स में इलाज के दौरान पीड़िता को निमोनिया भी हो गया था। ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव हो रहा था। उनके गले में ट्रैकियोस्टोमी भी की गई थी, जिसके कारण वह बोल पाने की स्थिति में नहीं थीं। इलाज के लिए क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट, पल्मोनरी मेडिसिन, आर्थोपेडिक और ट्रॉमा सर्जन की टीम बनाई गई थी। 29 अगस्त को उनकी हालत में सुधार होने के बाद उन्हें आइसीयू से प्राइवेट वार्ड में स्थानांतरित किया गया था। पीड़िता के वकील को दिमाग में गंभीर चोट आई थी। उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उन्हें अब भी आइसीयू में एडवांस लाइफ सपोर्ट पर रखा गया है। उनके इलाज के लिए भी एम्स ने कई डॉक्टरों की टीम बनाई है।

हथियार विशेषज्ञ का हुआ बयान दर्ज: उन्नाव कांड पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में बुधवार को तीस हजारी कोर्ट में सुनवाई हुई। उत्तर प्रदेश में तैनात एक हथियार विशेषज्ञ ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। अदालत ने गुरुवार को दो गवाहों को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया है।

पीड़िता के पिता के खिलाफ 3 अप्रैल 2018 को शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस हिरासत में अत्यधिक पिटाई के कारण उनकी मौत हो गई थी। बाद में सीबीआइ के पास मामले की जांच आई थी। हिरासत में हत्या और अवैध हथियार रखने के झूठे केस को तीस हजारी अदालत ने एक कर आरोप तय किए थे। इस मामले में विधायक कुलदीप सेंगर और पुलिसकर्मियों सहित कुल 11 आरोपित हैं।

कोर्ट ने एपल से मांगी वारदात वाले दिन विधायक की लोकेशन: उन्नाव कांड पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में बुधवार को तीस हजारी कोर्ट ने एपल कंपनी को पत्र लिखकर आरोपित विधायक कुलदीप सेंगर की वारदात के दिन की लोकेशन की जानकारी मांगी है। उत्तर प्रदेश में तैनात एक हथियार विशेषज्ञ ने अदालत में अपने बयान भी दर्ज कराए। अदालत ने गुरुवार को दो गवाहों को बयान दर्ज करने के लिए कोर्ट में बुलाया है।

सीबीआइ को सड़क हादसे में जांच के लिए 15 दिन का समय और मिला

नई दिल्ली, एएनआइ: उन्नाव के दुष्कर्म कांड की पीड़िता और उसके परिजनों के सड़क हादसे में जीवित बचने के मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को और 15 दिनों की मोहलत दे दी है।

जस्टिस दीपक गुप्ता व जस्टिस अनिरुद्ध बोस की खंडपीठ के समक्ष बुधवार को सीबीआइ की ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने हादसे में घायल हुई पीड़िता के वकील का बयान दर्ज नहीं होने का हवाला देकर मामले की जांच के लिए कुछ और समय मांगा। उन्होंने बताया कि पीड़िता के वकील महेंद्र सिंह उसी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे और वह अब भी होश में नहीं आए हैं। इसलिए उनका बयान दर्ज नहीं हो सका है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ को इस मामले में जांच को पूरा करने के लिए दो हफ्ते का अतिरिक्त समय दिया था।

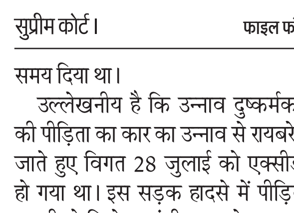

सुप्रीम कोर्ट। फाइल फोटो

उल्लेखनीय है कि उन्नाव दुष्कर्मकांड की पीड़िता का कार का उन्नाव से रायबरेली जाते हुए विगत 28 जुलाई को एक्सीडेंट हो गया था। इस सड़क हादसे में पीड़िता, उनकी दो रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गईं थीं। इसके अलावा, कार में बैठे पीड़िता के वकील महेंद्र सिंह को भी गंभीर चोटें आई थीं। गंभीर रूप से घायल पीड़िता को लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके बाद उसे इलाज के लिए दिल्ली के एम्स अस्पताल में शिफ्ट किया गया था।

विगत मंगलवार को एक स्थानीय अदालत ने प्रशासन को निर्देश दिया कि वह पीड़िता के परिवार को दिल्ली के एम्स में स्थित जयप्रकाश नारायण ट्रामा सेंटर के हास्टल में कुछ समय के लिए रहने की जगह दे दें। अदालत को जानकारी दी गई थी कि उन्नाव की दुष्कर्म पीड़िता को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। विगत 11 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर पीड़िता का बयान दर्ज करने के लिए एम्स में एक अस्थाई अदालत बनाने का निर्देश दिया गया था। इससे पहले, दिल्ली की एक अदालत ने उन्नाव दुष्कर्म मामले में बर्खास्त किए गए विधायक कुलदीप सिंह सेंगर के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया था।

राकेश अस्थाना के खिलाफ जांच करने वाले सीबीआइ अधिकारी ने मांगा वीआरएस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की जांच करने वाले एजेंसी के अधिकारी सतीश डागर ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के लिए आवेदन किया है। सीबीआइ प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि एजेंसी में एसपी सतीश डागर ने निजी आधार पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है। सूत्रों ने बताया कि डागर ने यह आवेदन पिछले महीने दाखिल किया था।

मालूम हो कि सीबीआइ ने पिछले साल 15 अक्टूबर को अस्थाना के खिलाफ एफआइआर दर्ज की थी। उन पर एक आरोपित से राहत देने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप था। तत्कालीन सीबीआइ निदेशक आलोक वर्मा और अस्थाना द्वारा एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद पिछले साल 23 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने मध्यरात्रि में दोनों को जबरन छुट्टी पर भेज दिया था। उसी रात ओडिशा कैडर के 1986 बैच के आइपीएस अधिकारी एम. नागेश्वर राव को केंद्र ने एजेंसी का अंतरिम निदेशक नियुक्त किया था। नागेश्वर राव ने ही डागर को अस्थाना के खिलाफ जांच में डीआइजी तरुण गौबा और संयुक्त निदेशक वी. मुरुगेसन के साथ शामिल किया था।

दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए अमिताभ बच्चन ने जताया आभार

मुंबई, प्रेट्र : वर्ष 2018 का दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने की घोषणा पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हृदय से आभार व्यक्त किया है। सिनेमाजगत में अपने उल्लेखनीय योगदान के पचास साल पूरे कर चुके बिग बी ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया।

बुधवार को प्रशंसकों से अपनी खुशी जाहिर करते हुए अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया, 'जवाब देने में शब्दों की कमी महसूस हो रही है।...मैं कृतज्ञ हूं और हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।'

इससे पहले, मंगलवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने बॉलीवुड के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को दादा साहब फाल्के पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

भारतीय सिनेमा के पितामह ढूंढीराज गोविंद फाल्के ने इस अवार्ड की स्थापना वर्ष 1969 में की थी। इसी साल बच्चन ने अपनी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी में यादगार भूमिका निभाकर फिल्म उद्योग में पदार्पण किया था। भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान के तहत विजेता को पुरस्कार स्वरूप एक स्वर्ण कमल, एक शॉल और नकद दस लाख रुपये बतौर पुरस्कार दिए जाएंगे।

अमिताभ बच्चन। फाइल फोटो

फिल्मी हस्तियों की शुभकामनाएं : अमिताभ बच्चन को फिल्म निर्देशक सुजीत सिरकर, आने वाली फिल्म गुलाबो-सिताबों में उनके साथ काम करने वाले आयुष्मान खुराना ने भी अमिताभ बच्चन को बधाई दी। दक्षिण के सुपर स्टार ममूटी ने बधाई देते हुए कहा कि आपको यह सम्मान पहले मिल जाना चाहिए था, लेकिन फिर भी यह जानकर बेहद खुशी हो रही है कि आपको दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

इंस्पेक्टर विजय को मुंबई पुलिस की बधाई : मुंबई पुलिस ने फिल्मी पर्दे के 'इंस्पेक्टर विजय' के किरदार से अभिभूत होकर फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन को दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई दी है। मुंबई पुलिस के आधिकारिक ट्विटर एकाउंट से ट्वीट किया गया, 'सीनियर बच्चन के दादा साहेब पुरस्कार के लिए चुने जाने पर धाइयां इंस्पेक्टर विजय।' पुलिस की सोशल मीडिया टीम ने इस बधाई संदेश के साथ ही 1973 की प्रकाश मेहरा की एक्शन फिल्म 'जंजीर' की एक फोटो भी साझा की जो उनकी पहली हिट फिल्म थी। इस फिल्म में अमिताभ ने ईमानदार इंस्पेक्टर विजय का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में इस नाम से इंस्पेक्टर की भूमिका निभाई थी।

कर्नाटक सरकार ने आइएमए से जुड़ी करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की

बेंगलुरु, प्रेट्र: निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कर्नाटक सरकार ने इस्लामिक बैंकिंग और हलाला निवेश फर्मों से जुड़ी आइ मॉनिटरी एडवाइजरी की करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। साथ ही सरकार ने कुछ कंपनियों द्वारा बेंगलुरु ग्रामीण जिले में इसी तरह की धोखाधड़ी करने के मामले में सीआइडी जांच का आदेश दिया है। सभी जिलों के उपायुक्तों को तीन महीनों में ऐसी संदिग्ध कंपनियों के बारे में रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

राजस्व मंत्री आर अशोक ने बताया कि सरकार ने कर्नाटक प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट ऑफ डिपॉजिटर इन फाइनेंशियल इस्टेबिलिशमेंट एक्ट, 2004 के तहत कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की है। सरकार द्वारा जो भी संपत्तियों को जब्त किया गया है, उनमें 17 बेंगलुरु में हैं, जिनका बाजार मूल्य 21.73 करोड़ है। 8.86 करोड़ के ड्राफ्ट, 91.57 लाख के जेवरात जब्त भी जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 2.85 करोड़ की नकदी भी जब्त की गई है। यह मामला कुछ महीने पहले तब प्रकाश में आया था जब कंपनी का संस्थापक और प्रबंध निदेशक मंसूर खान एक वीडियो मैसेज छोड़कर देश से भाग गया था।

एचसीएस ज्यूडिशियल पेपर लीक मामले में जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को निर्देश दिया है कि वह एचसीएस (हरियाणा सिविल सर्विस) ज्यूडिशियल परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच जल्दी पूरी करे, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण मामला है। इस केस का फैसला जल्दी होना चाहिए। इससे पहले बुधवार को एसआइटी ने जांच रिपोर्ट पेश करते हुए हाई कोर्ट को बताया कि केस ट्रायल में चार्ज तय होने बाकी हैं। इसी के साथ हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जनवरी तक स्थगित कर दी।

बता दें कि इस मामले में हाई कोर्ट की फुल बेंच ने ही रजिस्ट्रार (रिक्रूटमेंट) बलविंदर शर्मा और सुनीता के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर एसआइटी से जांच के आदेश दिए थे। साथ ही बलविंदर शर्मा को निलंबित कर दिया गया था। इस मामले में हाई कोर्ट ने यूटी पुलिस के एसपी (क्राइम एंड इंवेस्टिगेशन) की अगुआई में एक जांच टीम बनाई थी।

109 पदों के लिए मांगे थे आवेदन : पंचकूला के पिंजौर निवासी सुमन ने अपने वकील मंजीत सिंह के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए बताया था कि हरियाणा सरकार ने 20 मार्च 2017 को 109 एचसीएस ज्यूडिशियल पदों के लिए आवेदन मांगे थे। इसके लिए याची ने भी आवेदन किया था। परीक्षा की तैयारी के लिए उसने एक कोचिंग सेंटर ज्वाइन किया था। इस दौरान उसकी दोस्ती सुशीला से हो गई। एक दिन उसने सुशीला से लेक्चर से जुड़ी ऑडियो क्लिप मांगी। मगर जो ऑडियो क्लिप उसने भेजी, उसमें सुशीला किसी अन्य लड़की से उक्त पद पर नियुक्ति के लिए डेढ़ करोड़ मांग रही थी। जब उसने इस बारे में सुशीला से पूछा तो उसने वह ऑडियो क्लिप डिलीट कर दी। याची ने जब जोर देकर पूछा तो उसने पेपर मिलने की बात कही। याची को यकीन नहीं हुआ कि इस स्तर का पेपर लीक हो सकता है लेकिन उसने सच्चाई जानने के लिए पेपर लेने में रुचि दिखाई। इस दौरान सुशीला ने याची को 6 सवाल भी बताए जो परीक्षा में आने थे। बाद में शक होने पर याची से संपर्क ही नहीं किया गया। 16 जुलाई को हुई परीक्षा में जब याची को प्रश्नपत्र मिला वह हैरान रह गई, क्योंकि जो प्रश्न सुशीला ने उसे बताए थे वे क्रम संख्या 9 17, 18, 27 व 111 पर मौजूद थे।

हवाईअड्डों के निजीकरण के विरोध में एएआइ कर्मी भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली, एएनआइ : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) के कर्मचारियों ने हवाईअड्डों के निजीकरण के विरोध में बुधवार से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। एएआइ का संयुक्त मंच दूसरे संगठनों के साथ 27 सितंबर तक अपना आंदोलन जारी रखेगा। केंद्र ने लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, मेंगलुरु, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी के हवाईअड्डों के निजीकरण की घोषणा की थी।

विमानपत्तन प्राधिकरण कर्मचारी संघ (एएईयू) के महासचिव बलराज सिंह अहलावत ने कहा, 'हमने भूख हड़ताल के जरिये सरकार को हवाईअड्डों के निजीकरण के विरोध का संदेश दिया है। एएआइ के अधीन सभी हवाईअड्डे मुनाफे में हैं और हम पेशेवर तरीके से इनके संचालन में सक्षम हैं। हमें संयुक्त मंच और सभी एएआइ कर्मचारियों का समर्थन हासिल है। हम सरकार से आग्रह करेंगे कि वह हवाईअड्डों के निजीकरण का आदेश वापस ले।' भारतीय विमानपत्तन कामगार संघ (आइएकेयू) के अध्यक्ष हरेंद्र तिवारी ने कहा, भूख हड़ताल से भी अगर सरकार नहीं मानती है तो हम 15 नवंबर को सम्मेलन का आयोजन करेंगे।'

संयुक्त प्रदर्शन

त्रिपक्षीय अभ्यास पर चीन के सामरिक हलकों की रहेगी विशेष निगाह, भारत, जापान और अमेरिका की नौसेनाएं ले रही हैं हिस्सा

मालाबार सैन्य अभ्यास का आज होगा आगाज

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारत, अमेरिका और जापान के बीच होने वाले मालाबार सैन्य अभ्यास का आगाज जापान के ससेबो शहर के समीप पश्चिमी प्रशांत महासागर में गुरुवार से होगा। पूर्वी चीन सागर के समीप होने वाले इस त्रिपक्षीय अभ्यास पर चीन के सामरिक हलकों की विशेष निगाह है। जापान के समुद्री क्षेत्र में होने वाले इस नौ दिवसीय युद्धाभ्यास में तीनों ही देश अपनी सामरिक और सैन्य साझेदारी का संयुक्त प्रदर्शन करेंगे। इस त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास से आपसी सहयोग को मजबूती तो मिलेगी ही साथ ही साझा मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर तालमेल को भी बढ़ावा मिलेगा। यह अभ्यास पनडुब्बी नाशक युद्ध पर जोर देगा।

दुनिया की सबसे बड़ी ब्लू वाटर नेवी और दो बड़ी नौसेनाओं के बीच यह अभ्यास अपने आप में बड़ा रणनीतिक कदम भी दिखाई देता है। लगातार हिंद महासागर में बढ़ती मुश्किलें, चीन और पाक जैसे पड़ोसियों से हो रहे विवाद के बीच नौसेना को लगातार सक्रिय रखने की चुनौतियों में ऐसे अभ्यास काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। असल में मालाबार नौसैनिक अभ्यास की सामरिक हलकों में विशेष अहमियत मानी जाती है। चीन मानता है कि मालाबार अभ्यास के तहत तीन देश उसके खिलाफ सैन्य लामबंदी कर रहे हैं। वहीं, इस अभ्यास के जरिये भारतीय नौसेना यह सामरिक संदेश देने की कोशिश करेगी कि वह केवल हिंद महासागर तक ही अपने को सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि उसकी क्षमता दक्षिण चीन सागर के पार प्रशांत महासागर तक पहुंचने की भी है।

नौसेनाएं युद्धपोत, टोही व लड़ाकू विमान उतारेंगी : इस साझा अभ्यास में तीनों देशों की नौसेनाओं के अग्रणी युद्धपोत और नौसैनिक टोही व लड़ाकू विमान भाग लेंगे। मालाबार-2019 के इस त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास में भारतीय नौसेना अपने आधुनिकतम स्वदेशी युद्धपोत गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आइएनएस सहयाद्री और पनडुब्बी नाशक पोत कार्वेट आइएनएस किलटन के अलावा लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले समुद्र टोही विमान पी-8-आइ को भी उतार रही है। अमेरिकी नौसेना लास एंजिलिस वर्ग की हमलावर पनडुब्बी यूएसएस मैककैंबेल और टोही विमान पी-8-ए को उतारेगी। जापान ने भी समुद्री आत्मरक्षा बल के नाम से ज्ञात अपने इजुमो वर्ग के हेलीकाप्टर, विध्वंसक पोत जेएस कागा और गाइडेड मिसाइल जेएस समीदारे तथा पी-1 लंबी दूरी के समुद्र टोही विमान को अभ्यास में उतारने का फैसला किया है। इस अभ्यास में सतह, उप-सतह और वायु क्षेत्रों में जटिल सामुद्रिक ऑपरेशन शामिल होंगे तथा पनडुब्बी-रोधी युद्ध, विमान-रोधी और पनडुब्बी-रोधी फायरिंग, मैरीटाइम इंटर्डिक्शन ऑपरेशंस (एमआइओ) पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

नौसेनाओं को हासिल होते हैं कई अनुभव : इस तरह के क्षेत्रों में युद्धाभ्यास से नौसेना को प्रायोगिक तौर पर लड़ाई में आने वाली दिक्कतों का अंदाजा हो पाता है। 'रियल टाइम अटैक स्ट्रेटजी' में भी नौसेना को फायदा होता है। नौसैनिकों को वास्तविक अनुभव मिलता है, जिसका फायदा वे युद्ध की स्थिति में उठा पाते हैं। नौसेना को वैश्विक स्तर पर भी खुद की स्थिति का पता चलता है। इस तरह के अभ्यास का लक्ष्य कई बार शक्ति प्रदर्शन भी होता है। ऐसा कर एक देश दूसरे देश को अपनी ताकत का अहसास कराते हुए डर पैदा करना चाहता है।

मशहूर तेलुगु हास्य कलाकार वेणु माधव का निधन

हैदराबाद, प्रेट्र : मशहूर तेलुगु हास्य कलाकार वेणु माधव का मंगलवार की रात निधन हो गया। उन्होंने छत्रपति, सई आदि सैकड़ों फिल्मों में यादगार भूमिका निभाई। वह 51 साल के थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी, अभिनेता व जनसेना पार्टी के संस्थापक पवन कुमार ने उनके निधन पर दुख जताया है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि माधव तेदेपा व उसके संस्थापक एनटी रामाराव के पसंदीदा कलाकार थे। माधव कई बीमारियों से जूझ रहे थे। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और मंगलवार रात 12:21 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। माधव मिमिक्री भी करते थे। उन्होंने फिल्म संप्रदायम से अपने करियर की शुरुआत की। वह 600 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके थे।

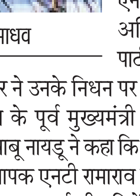

वेणु माधव

धनबाद में दो नाबालिग बहनों से स्कूल परिसर में सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, धनबाद

- आधा दर्जन युवकों ने बंद स्कूल में की हैवानियत, मंगलवार रात हुई घटना
- परिचित ने धोखे से बुलाकर साथियों संग दिया घटना को अंजाम

झारखंड के धनबाद में मंगलवार रात दो नाबालिग सगी बहनों के साथ आधा दर्जन युवकों ने एक सरकारी स्कूल परिसर में सामूहिक दुष्कर्म किया। इस दौरान लहूलुहान हुई इन दोनों किशोरी को सभी हैवान स्कूल में ही छोड़कर फरार हो गए। बदहवास दोनों बहनें किसी तरह घर पहुंचीं, जिसके बाद परिजनों ने बुधवार की सुबह पुलिस को सूचना दी। दोनों ही बहनें दूसरों के घरों में काम करती हैं। जबकि उनके पिता साइकिल में बर्तन लेकर फेरी किया करते हैं। पीड़िता दोनों बहनों में छोटी मानसिक रूप से कमजोर है। मेडिकल जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट में दोनों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की पुष्टि हुई है।

इस संबंध में बताया गया कि मंगलवार शाम केंदुआ से काम कर नाबालिग बहनें घर लौट रही थीं। इसी बीच उसके परिचित आकाश ने उन्हें फोन कर जरूरी काम की बात कहकर अपने पास बुलाया। फिर दोनों आकाश से मिलने पहुंचीं तब तक शाम के सात बज चुके थे। जिसके बाद आकाश ने उन्हें एक सरकारी स्कूल में लेकर गया जहां पहले से उसके चार-पांच साथी छिपे हुए थे। परिचित आकाश उनके साथ जबरदस्ती करने लगा। अचानक स्कूल में छिपे सभी साथी बाहर निकल आए। जिसके बाद दोनों बहनों को कब्जे में लेकर बारी-बारी दुष्कर्म किया।

बुधवार को परिजनों के साथ केंदुआडीह थाने पहुंची दोनों बहनों ने मामले शिकायत पुलिस की। जिसके बाद पीड़िता के बयान पर दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही दोनों बहनों की मेडिकल जांच कराई जा रही है। पुलिस फरार आरोपितों की धरपकड़ की कोशिश में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 26 सितंबर 2019

दैनिक जागरण
कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता

पाकिस्तान की फजीहत

आखिरकार पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान को इस सच का सामना करना ही पड़ा कि उन्हें कश्मीर मसले पर दुनिया का समर्थन हासिल नहीं हो सका। वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रति अपनी नाखुशी तो जाहिर कर रहे हैं, लेकिन यह समझने से इन्कार कर रहे हैं कि इसके लिए वही जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान की समस्या केवल यही नहीं कि उसने यह मुगालता पाल लिया कि कश्मीर उसका हिस्सा बनकर रहेगा, बल्कि यह भी है कि उसने अपने लोगों को भी यह घुट्टी पिला दी कि वह छल-बल से इस भारतीय भू-भाग को हासिल करके रहेगा। अगर वह अपना भला चाहता है कि यह मुगालता छोड़े कि वह कश्मीर को हासिल कर सकता है या फिर आतंक के बल पर भारत को डरा-धमका सकता है। उसे यह समझ आए तो बेहतर कि वह गैर जिम्मेदार देश की तरह व्यवहार कर रहा है और अपनी पस्त अर्थव्यवस्था के कारण विफल राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। अपनी इस हालत के लिए वह किसी अन्य को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। आखिर यह वही था जिसने दुनिया भर के आतंकी संगठनों को अपने यहां खुशी-खुशी पनाह दी और आतंकवाद को नीतिगत तौर पर अपनाया। एक सच्चाई यह भी है कि उसने आतंकवाद से लड़ने के नाम पर दुनिया की आंखों में धूल झोंकी। वह यह काम अभी भी कर रहा है और इसी कारण उसकी धरती से भारत में आतंकियों की घुसपैठ थम नहीं रही।

आखिर पाकिस्तान ने यह कैसे समझ लिया कि भारत जिस हिस्से को अपना अटूट अंग बताता है वहां से संबंधित नियम-कानूनों में परिवर्तन नहीं कर सकता? क्या अनुच्छेद 370 पाकिस्तान से पूछकर तैयार किया गया था? यदि नहीं तो फिर उसके हटाए जाने पर उसने आसमान सिर पर क्यों उठाया? अच्छा हो कि पाकिस्तान सरकार और साथ ही वहां का समाज इस पर चिंतन-मनन करे कि आखिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं उसकी मानवाधिकार परिषद में उसे अहमियत क्यों नहीं मिली? निःसंदेह इसलिए नहीं कि दुनिया बदल गई है, बल्कि इसलिए कि दुनिया उसके कश्मीर राग से आजिज आ चुकी है और उसे यह समझ नहीं आ रहा कि पाकिस्तान कश्मीर को लेकर इतना परेशान क्यों है? विश्व समुदाय इसे लेकर भी चकित है कि बलूचों, सिंधियों, शियाओं, पख्तूनों समेत अल्पसंख्यकों का दमन करने वाला पाकिस्तान कश्मीरियों की चिंता में क्यों दुबला हुआ जा रहा है? समझना कठिन है कि इमरान खान किस मुंह से यह उम्मीद कर रहे हैं कि दुनिया उनकी ओर ध्यान दे? उन्हें पता होना चाहिए कि उन्होंने यह स्वीकार कर अपनी फजीहत ही कराई है कि उनकी सेना अल-कायदा और ऐसे ही अन्य आतंकी संगठनों को प्रशिक्षण देने का काम किया करती थी।

दुर्गापूजा पर मंदी की मार

पिछले वर्ष तक आसानी से बंगाल के दुर्गा पूजा आयोजकों को बड़े-बड़े कारपोरेट प्रायोजक मिल जाते थे। जिससे पूजा का बजट दिलखोल कर बढ़ाने में कोई दिक्कत नहीं आती थी। परंतु इस बार पूजा आयोजकों को कॉरपोरेट प्रायोजकों को जुटाने में दिन-रात एक करना पड़ रहा है। हर वर्ष पूजा से पहले ही पंडालों के आसपास विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन वाले बोर्ड लग जाते हैं, लेकिन इस बार नजारा कुछ और ही है। सड़क किनारे बांस के फ्रेम सुने पड़े हैं। मंदी के कारण कंपनियां पूजा विज्ञापनों पर खर्च करने से कतरा रही हैं या फिर बहुत कम कर रही हैं। ऑटोमोबाइल एवं रियल एस्टेट से पूजा कमेटियों को सबसे ज्यादा विज्ञापन मिलते हैं। एक आउटरडोर विज्ञापन एजेंसी के मुताबिक जो कंपनियां पहले पूजा विज्ञापनों पर 60 लाख रुपये तक खर्च कर रही थीं, वह इस बार 10 लाख रुपये भी खर्च करना नहीं चाह रहीं। पूजा आयोजकों का कहना है कि हमें हर साल आयोजन से जुड़े विभिन्न खर्च में कटौती करनी पड़ रही है, क्योंकि कंपनियां विज्ञापन पर खर्च करने को तैयार नहीं हैं। विज्ञापन ही हमारी फंडिंग का मुख्य स्रोत है। हम कॉरपोरेट घरानों और प्रायोजकों से फंडिंग के लिए अनुरोध कर रहे हैं, पर उनसे उस तरह से प्रतिक्रिया नहीं मिल रही, क्योंकि बाजार की हालत अच्छी नहीं है। दुर्गापूजा पूरी तरह से कंपनियों से मिलने वाले विज्ञापनों पर निर्भर करती है। बाजार की खराब हालत के कारण इस बार हम समस्या में पड़ गए हैं।' कॉलेज स्क्वायर सार्वजनीन दुर्गापूजा कमेटी ने भी चिंता जताई है। पूजा कमेटी के महासचिव विकास मजुमदार ने कहा-'विज्ञापन कम मिलने का हमारी पूजा की फंडिंग पर व्यापक असर पड़ रहा है। पूजा पंडाल का निर्माण चल रहा है, जिसे हम रोक नहीं सकते। हमें इस बार क्लब सर्किल से फंड जुटाना पड़ रहा है।' यही नहीं महानगर के मुंशीगंज में मुसलमानों की मदद से पिछले 70 वर्षों से हो रही दुर्गा पूजा पर भी तंगी हालत से संकट मंडरा रहा है। इस वर्ष पूजा समिति पिछले साल का आधा बजट भी नहीं जुटा पाई है। इस इलाके में हिंदू परिवार अल्पसंख्यक हैं। अधिकांश मुस्लिम युवा ही बढ़-चढ़कर दुर्गा पूजा का आयोजन करते हैं। उन्हें डर है कि कहीं यह अनोखी परंपरा आने वाले समय में खत्म ही न हो जाए। दुर्गा पूजा समिति के कोषाध्यक्ष अब्दुल अलीम कहते हैं, सरकार की ओर से 25 हजार रुपये मिला हैं, लेकिन यह काफी नहीं है।

अपनी ही नजरों में गिरता पाकिस्तान

शंकर शरण

पाकिस्तानी नेताओं की हायतौबा दिखाती है कि भारत से अपनी अलग और ऊंची पहचान बनाने का उनका सपना चकनाचूर हो चुका है

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान समेत कई अन्य पाकिस्तानी नेता यह मान रहे हैं कि अब दुनिया में उन्हें कोई नहीं पूछ रहा। हर कहीं उन पर संदेह किया जाता है। उन्हें आतंकवाद को प्रश्रय देने वाला देश समझा जाता है। अब मुस्लिम देश भी पाकिस्तान के साथ नहीं हैं और दूर भागते हैं। अब तो गुलाम कश्मीर में भी 'कश्मीर बनेगा हिंदुस्तान' जैसे नारों के साथ इमरान खान के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा। पाकिस्तान की यह विडंबना विचारणीय है। उसके नेता सार्वजनिक मंचों से अपनी दुर्गति पर रो रहे हैं। ऐसा वे सहानुभूति पाने के लिए नहीं कर रहे, क्योंकि उन्हें मालूम है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावुकता से नहीं, ठोस हितों से चलती है। मुस्लिम देश भी अपनी-अपनी जरूरत अनुसार बोलते रहे हैं। यदि पहले कई बार उन्होंने उम्मत की बात की तो उसमें उनकी शासकीय मजबूरियां भी थीं। अब तो वह बात ही छोड़ी जा रही है। पाकिस्तान का कश्मीर पर अकेला पड़ना उसी का संकेत है। दो पीढ़ी पहले भारत के भी कुछ मुस्लिम नेता पाकिस्तान को अपना आदर्श, मार्गदर्शक आदि बताते थे। अब वे उलट गए हैं या फिर मौन हैं। इसलिए विचार करना चाहिए कि कभी भारत का ही एक हिस्सा आज इतना गिर कैसे गया? यह यकायक नहीं हुआ है। प्रसिद्ध विद्वान नीरद सी चौधरी ने शुरू में ही कह दिया था कि पाकिस्तान एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने अपनी चर्चित पुस्तक 'कांटिनेंट ऑफ सर्सी' में कहा था कि पाकिस्तान 'एक विनष्ट उद्देश्य के लिए लड़ते रहने पर विवश है, अन्यथा वह नष्ट हो जाएगा।' यह उद्देश्य विनष्ट इसलिए है कि अब कोई देश पूरी दुनिया पर इस्लामी राज कायम करने का लक्ष्य नहीं रखता और न ही अपना पूरा कामकाज शरीयत कानूनों से चलाता है, किंतु यदि पाकिस्तान इस्लाम से मुंह मोड़ ले तो उसकी जनता अपने सहज भारतीय समाज के प्रति गुरुत्वाकर्षण शक्ति से स्वतः खिंच जाएगी। इस्लाम की अपनी केंद्रीय पहचान हटाते ही यह अस्वाभाविक विलगाव जाता रहेगा। अतः पाक को अपना अस्तित्व बचाने के लिए इस्लाम की जद्दोजहद करना जरूरी है।

सर वीएस नायपॉल ने पाकिस्तान भ्रमण के दौरान वही पाया जो नीरद सी चौधरी ने उसके बारे में लिखा था। अपनी प्रसिद्ध पुस्तकों 'अमंग द बिलीवर्स' और 'बियोंड बिलीफ' में नायपॉल ने पाकिस्तानी विडंबना को प्रत्यक्ष रूप से पेश किया। उनका आकलन इस अर्थ में भी प्रमाणिक है कि उन्होंने तीन और मुस्लिम देशों की इसी तरह विस्तृत पड़ताल कर तुलनात्मक अवलोकन किया था। वस्तुतः अनेक पाकिस्तानी लेखकों ने भी समय-समय पर सचाई महसूस की है। प्रसिद्ध पत्रकार और फ्राइडे टाइम्स के संपादक नजम सेठी ने दो दशक पहले कहा था, 'पचास वर्ष बाद भी पाकिस्तानी यह तय नहीं कर पाए हैं कि एक राष्ट्र के रूप में वे कौन हैं, किसमें विश्वास रखते हैं और किस दिशा में जाना चाहते हैं? क्या हम दक्षिण एशिया के अंग हैं या मध्य पूर्व के? क्या हम सऊदी अरब या ईरान जैसे कट्टर इस्लामी हैं या जॉर्डन और मिस्र जैसे उदार मुस्लिम राज्य? यदि दोनों में से कोई हमारे लिए ठीक नहीं तो हम क्या हैं? इस्लाम की कौन सी व्याख्या हम स्वीकार करें? कायदे आजम जिन्ना और अल्लामा इकबाल की अलग-अलग व्याख्याएं थीं। फिर जमाते इस्लामी, सिपह-ए-सहाबा, जमात-ए-उलेमा-ए-इस्लाम और अन्य इस्लामी पार्टियों की मुख्तलिफ इस्लामी धारा जिसे वे तेज करते रहते हैं। इस पर कोई सहमति नहीं है। इतना तनाव, हिंसा और उलझन है कि इसने पाकिस्तान को गंभीर चोट पहुंचानी शुरू कर दी है। इसने पहचान के संकट का रूप ले लिया है।'

अवधेश राजपूत

इन शब्दों में पाकिस्तान की हारी हुई लड़ाई लड़ते रहने की ही करुण कहानी थी, किंतु यह बात तत्कालीन पाकिस्तान सरकार को इतनी नागवार लगी कि सेठी को कैद कर लिया गया। तब पाकिस्तान में कोई सैनिक या तालिबानी सत्ता नहीं, बल्कि नवाज शरीफ की निर्वाचित सरकार थी। सभी प्रसंग वही विडंबना दिखाते हैं जो अपने जन्म से ही पाकिस्तान के गले पड़ी हुई है। वह अपने लोगों की विवेकशील आवाज सुनकर भी असहज होने लगता है। डरता है कि उसके अस्तित्व को खतरा न हो जाए, पर क्या यह पाकिस्तान को खतरा है या इस्लामी मतवाद को? इसका उत्तर आज नहीं तो कल पाकिस्तानी लोग ढूंढ लेंगे, लेकिन अभी वहां नेताओं की हायतौबा दिखाती है कि भारत से अपनी अलग और ऊंची पहचान बनाने का उनका सपना बुरी तरह चकनाचूर हो चुका है। भारत और पाकिस्तान में बाकी सब चीजें समान हैं, सिवाय एक मजहबी पहचान के। ऐसे में इस तार्किक निष्कर्ष से कैसे बचा जा सकता है कि किस चीज ने उन्हें बेचारा बना दिया और अपनी ही नजरों में गिरा दिया? उन्होंने अपनी मूल धरती, उसकी गौरवशाली संस्कृति, इतिहास, धर्म, साहित्य और समाज से घृणा करने को अपनी टेक बना लिया। अपनी संतानों को बताया कि भारत न केवल काफिर, हीन हिंदू देश है, बल्कि स्थाई रूप से शत्रु-देश है। जबकि भारत ने कभी पाकिस्तान पर हमला नहीं किया उलटे पाक ने ही चार बार हमला किया। हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी। वह पिछले तीन दशकों से जिहादी आतंकियों का इस्तेमाल कर भारत को 'हजार घाव देने' वाला परोक्ष और कुटिल युद्ध चला रहा है।

भारतीय सभ्यता की महान विरासत से दूर होकर खुद को नीचा दिखाने की योजना उसने स्वयं बनाई थी। किसी ने उसे इसके लिए मजबूर नहीं किया था। अरब के मुस्लिम देशों ने भी नहीं। यदि पाक आज खिन्न और हताश है तो उसे कौन रास्ता दिखा सकता है? क्या इसमें भारत की कोई भूमिका हो सकती है? यह सच है कि सभी अपना रास्ता स्वयं ढूंढते हैं, मगर सहानुभूति रखने वाले मदद तो करते ही हैं। फिर पाकिस्तान तो हाल तक पूर्णतः भारत ही था। कुछ समय से वह वितृष्ण 'एनआरआइ' देश जैसा है। यानी ऐसे भारतीय, जो भारत में नहीं रहते। उन्हें भारत एक ही संदेश दे सकता है जो इसका राष्ट्रीय ध्येय-वाक्य भी हैः सत्यमेव जयते। पाकिस्तान सत्य और असत्य का विवेकशील परीक्षण करे। जो भी चीज असत्य लगे, उसका त्याग करे। भारत से घृणा ही अंततः उसके लिए आत्महीनता में बदल गई है। इस सत्य पर आत्मचिंतन करना पाक के लिए अपरिहार्य हो चुका है। विशेषकर मुस्लिम देशों की बदलती हुई स्थिति में, जो इस्लामी जिद को चुपचाप त्याग करते हुए दूसरों के साथ सहज सामंजस्यपूर्ण नीति बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। यह अनायास भी हो रहा है और सोचा-समझा भी। दोनों प्रक्रियाएं चल रही हैं। जैसा बेल्जियन भारतविद् कोएनराड एल्स्ट ने अभी कहा, 'मुस्लिम दुनिया बाहर संख्यात्मक/संस्थानिक विस्तार और अंदर इस्लाम से मोहभंग से बढ़ते खालीपन के बीच प्रतियोगिता से गुजर रही है।' पाकिस्तानी नेताओं के बयान इस मोहभंग का भी संकेत है। इसलिए भी भारत के लोगों को उनसे सही संवाद करना चाहिए।

(लेखक राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

अपेक्षाएं पूरी करने की चुनौती

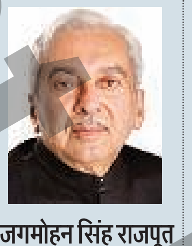

जगमोहन सिंह राजपूत

पुलिस व्यवस्था के अलावा अदालतों और अस्पतालों की बदहाली जनता की चिंताओं में सबसे आगे है

बात चाहे अनुच्छेद 370 और 35-ए के खात्मे की हो या कॉरपोरेट टैक्स में कटौती कर अर्थव्यवस्था को गति देने की, इन फैसलों से यही पता चलता है कि मोदी सरकार निर्णय लेने की क्षमता और जोखिम उठाने का साहस रखती है। वह लोगों की समस्याओं से जूझने का साहस और संवेदना भी दिखा चुकी है। जनता को और क्या चाहिए? पिछले पांच वर्षों में देश में कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं जिन्होंने अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचकर उनमें आशा और विश्वास की नई चेतना जागृत कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच से सहमत या असहमत होने की स्वायत्तता प्रजातंत्र में सभी को है, लेकिन रसोई गैस, शौचालय, बैंक खाते, आयुष्मान योजना के महत्व को खासकर उनके सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष को समझ पाना उन लोगों के लिए कठिन है, जिनके घरों में शौचालय, बैंक खाते, रसोई गैस आदि सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। यह वर्ग आठ करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिलने, 36 करोड़ बैंक खाते खुलने, शौचालयों के 'वाकई' में बन जाने से हतप्रभ है और वैचारिक श्रेष्ठता में अपने को बहुत पीछे छुटता पा रहा है। आलीशान महलों में पले-बढ़े, सभी सुविधाओं में आकंठ डूबे, जनता से कटे और कंप्यूटर पर बैठकर चुनाव की रणनीति बनवाने वाले नेता उस नए आत्मविश्वास तथा 'उपलब्धि' का अनुमान भी नहीं लगा सके जो घर में एक शौचालय बन जाने से परिवार की महिलाओं को मिला। जो परिवार केरोसिन नहीं प्राप्त कर पाता था, उसके घर में बिजली आना या केवल एक बल्ब का लग जाना जीवनपर्यंत उसे खुशी देगा। यूरिया के लिए दर-दर भटकाने वाला किसान नीम लेपित यूरिया पाकर जो राहत महसूस करता है उसे वही जानता है। गाय को महत्व देकर और 50 करोड़ पशुओं के लिए टीकाकरण प्रारंभ कर किसानों का दिल जीता जा सकता है, इसे सब नहीं समझ पाएंगे। देश के लोगों की इस प्रकार की आवश्यकताओं को वही व्यक्ति समझ सकता है जो प्रधानमंत्री बनने से पहले देश के लोगों के बीच में रह चुका हो। इसीलिए लोगों को घर-घर नल से पानी पहुंचाने और प्लास्टिक से मुक्ति दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयत्नों के सफल होने पर भी विश्वास है। मोदी सामान्यजन की आवश्यकताओं से इसलिए परिचित हैं, क्योंकि वह उन्हें स्वयं झेल चुके हैं।

विचारधाराओं के बंधन से मुक्त हर व्यक्ति जानता है कि 2014 के बाद लागू की गई कई योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव जन-जन और घर-घर तक पड़ा है। आज लोगों का अपनी सरकार के प्रति दृष्टिकोण बदला है। विश्वास बढ़ा है। राजनीति में जनता द्वारा हाशिये पर पहुंचा दिए गए लोग बुझे मन से भले ही यह कहने का प्रयत्न करते हैं कि हमने भी तो निर्मल भारत, मनरेगा जैसी योजनाएं चलाई थीं, मगर तब और अब का अंतर लोग गांव-गांव में जानते हैं। पहले मनरेगा में काम करने जाने वाला अपनी आंखें नीची करके काम पर जाता था, उसके बरक्स अब घर में रसोई गैस, बैंक खाता, शौचालय व्यक्ति और परिवार को नई पहचान दे रहे हैं। वे इनके बारे में सिर उठाकर बात कर रहे हैं।

अनेक शिक्षा संस्थाओं से मिले अनुभव के आधार पर यह विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है कि जो अच्छा कार्य करते हैं, उनसे ही और अच्छा करने की अपेक्षा लोग करते हैं। नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने देश के हर वर्ग के लोगों से अपनत्व कायम कर लिया है। उस पढ़ी-लिखी लड़की की मनोदशा का अनुमान लगाइए जिसके सिर पर अब कभी तीन तलाक या हलाला की तलवार लटकी नहीं होगी। आज हर मुस्लिम महिला तीन तलाक के अवसान से प्रसन्न है।

आज देश भर में गांव-चौपाल पर लोग नरेंद्र मोदी से जो निकटता महसूस कर रहे हैं उसे उनके साथ बैठकर और उनकी चर्चाएं सुनकर ही समझा जा सकता है। उनकी आलोचना करने वाले इन तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे। इसीलिए भारत की जनता की मनोदशा को समझ पाना उनके लिए असंभव है। इन चर्चाओं में उन कमियों की भी चर्चा होती है जो लोगों की अपेक्षाओं में अब तक 'मोदी के राज्य' में दूर हो जानी चाहिए थीं, लेकिन नहीं हो पाई हैं। इनमें सबसे पहले आती है पुलिस व्यवस्था, जिसकी साख लगातार नीचे जा रही है। पुलिस के अलावा कोर्ट, कचहरी, अस्पतालों की बदहाली ग्रामीण भारत में ही नहीं, लगभग हर वर्ग में जनता की चिंताओं में सबसे आगे हैं। भ्रष्टाचार की जिस मुहिम को अब तेजी दी जा रही है वह लोगों में आशा का नया संचार उत्पन्न कर रही है। सामान्य व्यक्ति जिसके पास न साधन हैं, न शिक्षा है, न सिफारिश है वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध हर कार्रवाई को बड़े ध्यान से देख रहा है। यदि मोदी सरकार ऊंचे स्तर पर इसमें सफल होगी तो उसका प्रभाव नीचे के स्तर तक आएगा, तब संभवतः आम व्यक्ति भी राहत की सांस ले सकेगा।

आज जब गांधी जी की डेढ़ सौवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी हो रही है तब इस पर ध्यान देना बेहद आवश्यक है कि गांधी जी के नाम पर राजनीति करने वालों ने उनके सिद्धांतों को किस तरह निर्लज्जता से तोड़ा-मरोड़ा? इसका एक ताजा उदाहरण अभी उत्तर प्रदेश से और उसके बाद कई अन्य राज्यों से भी उजागर हुआ, जहां 'गरीब' मंत्रियों का इनकम टैक्स सरकारी खजाने से भरा जाता रहा, परंतु कोई भी मंत्री या मुख्यमंत्री इससे विचलित नहीं हुआ। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे बंद करने का आश्वासन दिया है। नेता और जनता के बीच की दूरी तथा संवेदनशीलता का यह ज्वलंत तथा अत्यंत शर्मनाक उदाहरण है। इसमें राष्ट्र से माफी कौन मांगेगा? कोई नहीं, क्योंकि इसका लाभ सभी ने अपने-अपने मौके पर उठाया है।

कुल मिलाकर इस समय देश में शीर्ष सत्ता नेतृत्व पर जनता का विश्वास है, लोग वहां अपने प्रति संवेदनशीलता देखते और पाते हैं। इस कारण उनकी अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। यह विश्वास भी बढ़ा है कि युवा राजनेता सेवा और समर्पण का मार्ग अपनाएंगे और पुराने नेता अपने मार्ग का आवश्यक सुधार करेंगे। मोदी सरकार के सामने लोगों की ये अपेक्षाएं पूरी करने की चुनौती है।

(लेखक एनसीईआरटी के निदेशक रह चुके हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

निवेदन

किसी भी व्यक्ति से कुछ कहने, बोलने या कुछ लेने, मांगने के लिए निवेदन करना मानव स्वभाव की सुंदर आदत कही जाती है। इससे मनुष्य के स्वभाव की विनम्रता, शिष्टाचार, अनुशासन की परख हो जाती है। इस संसार में सभी प्राणी कहीं-न-कहीं एक-दूसरे से संबद्ध हैं। अतः हमें प्रत्येक कार्य के लिए दूसरों की जरूरत अनिवार्य रूप से पड़ती है। इसके लिए जरूरतमंद व्यक्ति अगर दूसरे व्यक्ति से निवेदन करता है तो वह कार्य सहजता से पूरा हो जाता है। उस निवेदन से किसी का भी दिल दुखी नहीं होता है, लेकिन इस प्रक्रिया के विपरीत उदंडतापूर्वक किसी से कुछ कहा या जबरन मांगा जाए तो उस व्यक्ति का दिल बहुत दुखी होता है। आपस में प्रेम के बजाय द्वंद्व उत्पन्न होता है और कार्य की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

निवेदन में आदर भाव है, विनती है, अनुरोध है। निवेदन द्वारा व्यक्ति शत्रु का भी दिल जीत लेता है। किसी भी व्यक्ति से सहयोग लेने के लिए अगर निवेदन किया जाए तो अनजान व्यक्ति भी हृदय से प्रसन्न होकर सहायता प्रदान करने में कभी भी हिचकता नहीं है। निवेदन करना शिष्टाचार का प्रमुख गुण है। यही हमारी भारतीय संस्कृति की प्राचीन समय से चलती आ रही सकारात्मक सोच, चिंतन, परंपरा रही है, जो मनुष्य के अंदर महानता के गुण को बढ़ाने के लिए प्रमुख आधार का कार्य करती है। किसी से जब कोई व्यक्ति निवेदन करता है तो उसका मन प्रसन्नता से झूम उठता है और वह दिल खोलकर उसकी बात सुनता है। वह अपने जरूरी कार्य को छोड़कर भी उसकी सहायता करने के लिए खड़ा हो जाता है।

निवेदन आत्मिक दुहाई का भाव है। जिसमें कार्य की सहायता के लिए काफी लालसा भरी मांग छुपी रहती है। भगवान से सभी निवेदन करते हुए हाथ जोड़कर कहते हैं, विनती सुन लो हे भगवान! हम सब बालक हैं नादान। सामने वाले को श्रेष्ठ मान कर्ता उन्हें निवेदन कर आदर, सम्मान प्रदान करता है। यह मनुष्य का महान लक्षण है, जो उन्हें अवश्य ही श्रेष्ठता प्रदान करता है।

मुकेश ऋषि

दावानल की बढ़ती घटनाएं

सुधीर कुमार

पृथ्वी पर जीवन को खुशहाल बनाए रखने का एकमात्र उपाय पौधारोपण पर जोर देने तथा जंगलों के संरक्षण से जुड़ा है

ब्राजील के अमेजन जंगलों में लगी आग पर अभी ठीक से काबू भी नहीं पाया जा सका था कि इधर इंडोनेशिया के जंगलों में आग लगने की खबरें आ रही हैं। इंडोनेशिया के बोर्नियो, जावा और सुमात्रा के जंगलों में लगी आग से उत्पन्न धुएं ने हजार किलोमीटर दूर स्थित मलेशिया और सिंगापुर जैसे पड़ोसी देशों को भी हांफने को मजबूर कर दिया है! वातावरण में प्रदूषक तत्वों के घुलने से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। दमघोंटू हवा लोगों को बीमार कर रही है। एहतियातन हवाई सेवा तथा स्कूल-कॉलेज कुछ दिनों के लिए बंद किए गए हैं!

इंडोनेशिया के जंगलों में आग लगी की घटनाएं लगभग प्रत्येक वर्ष घटित होती हैं, लेकिन इस बार उसका दायरा कहीं अधिक व्यापक है। दो दशक पहले 1997-1998 में वहां के जंगलों में ऐसी ही भयानक आग लगी थी, जिस पर 'ऑपरेशन हेज' के जरिए ही काबू पाया जा सका था। मौजूदा समय में वहां जो आग लगी है, उसकी वजह झूम की खेती के लिए जंगल के कुछ हिस्सों की सफाई के दौरान लगाई गई आग बताई जा रही है, जिसके बाद आग जंगल में फैलती चली गई। वहां की पुलिस ने इसके आरोप में ढाई सौ लोगों को गिरफ्तार किया है। सोचने वाली बात है कि जिस जंगल के विकास में वर्षों लग जाते हैं, उसे एक गलती की वजह से राख बनने में पलभर का भी समय नहीं लगता! ऐसे समय में जब दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का संकट मंडरा रहा है, तब दावानल की इन घटनाओं ने पूरी दुनिया को स्तब्ध और परेशान कर दिया है। जंगलों में आग लगना पूरे विश्व के लिए बड़े खतरे का संकेत है।

जंगल की आग पेड़-पौधों एवं जीव-जंतुओं की बड़ी संख्या को अपने आगोश में ले लेती है। इससे जैव-विविधता का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। वहीं वनों पर आश्रित आबादी की आजीविका पर भी खतरा मंडराने लगता है। जंगल की आग से निकलने वाला धुआं आसपास के वातावरण को जानलेवा बना देता है। आमतौर पर जंगल में आग ग्लोबल वार्मिंग की वजह से लगती है, लेकिन कई बार यह मानवीय कारस्तानियों की वजह से भी घटित होती है। बड़े पैमाने पर जंगलों का सफाया होने से सूखा तथा बाढ़ की समस्या, ग्लोबल वार्मिंग तथा प्राकृतिक असंतुलन के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। कल-कारखाने बड़े पैमाने पर क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैसों को उत्सर्जित कर रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ पेड़-पौधों की संख्या में कमी आने के कारण उनका अवशोषण नहीं हो पा रहा है। ऐसी गैसें वायुमंडल का औसत ताप बढ़ाती हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग का सूचक है।

जंगल पृथ्वी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक समय धरती का अधिकांश हिस्सा वनों से आच्छादित था, किंतु आज इसका आकार दिन-ब-दिन सिमटता जा रहा है। मानसून चक्र को बनाए रखने, मृदा अपरदन को रोकने, जैव-विविधता को संजोए रखने और दैनिक उपभोग की दर्जनाधिक उपदानों की सुलभ प्राप्ति के लिए जंगलों का होना बेहद जरूरी है। हमें इनकी रक्षा करनी चाहिए।

(लेखक बीएचयू में अध्येता हैं)

मेलबाक्स

एक चेहरे पे कई चेहरे

ए सूर्यप्रकाश ने अपने आलेख 'बेनकाब हुए कश्मीरी नेता' में कश्मीरी नेताओं के दोहरे चरित्र को बखूबी उजागर किया है। शेख अब्दुल्ला के बारे में तो कहा जाता है कि वह श्रीनगर में सांप्रदायिक, जम्मू में सेक्युलर और दिल्ली में राष्ट्रवादी तो न्यूयॉर्क में राष्ट्र-विरोधी बन जाते थे। 1951 में संयुक्त राष्ट्र में उन्होंने अपने राष्ट्रद्रोही चेहरे का खूब परिचय दिया था। वह वहां कश्मीर के भारत में विलय के बारे में दुनिया को समझाने गए थे, पर अमेरिकी प्रतिनिधि ऑस्टिन से मिलकर आजाद कश्मीर के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश करने लगे। फिर 1953 में भारत में अमेरिकी राजदूत ए स्टीवेंसन से मिले। लंबी चली इस वार्ता ने पंडित नेहरू को भी शेख के बारे में शंकाओं से भर दिया। इसके बाद एक विदेशी अखबार ने कश्मीर को अलग देश बता नक्शा भी प्रकाशित किया। शेख ने श्रीनगर में कहा कि समय आ रहा है जब वह भारत को अलविदा कह देंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत कश्मीर के मामलों में टांग अड़ाना बंद करे। अंततः उन्हें गिरफ्तार किया गया। एक चेहरे पर कई मुखौटे धारण करने का यह तरीका फारूक अब्दुल्ला को भी बेहद पसंद है। संभल के कल्कि मंदिर में वह हर वर्ष आंखों में आंसू भरकर राम के भजन गाते हैं, लेकिन अन्यत्र राम के वजूद पर प्रश्न उठाते हैं। समय-समय पर अपनी वतन-परस्ती के दावे करते हैं, लेकिन 1990 में 70 आतंकियों को रिहाकर राज्य को अपने हाल पर छोड़कर वह लंदन चले गए थे। वह जेकेएलएफ के संस्थापकों में से एक हैं, लेकिन दिल्ली में लगातार जेके (जम्मू-कश्मीर) को भारत का अभिन्न अंग बताते हैं। वास्तव में बक्शी गुलाम मोहम्मद जैसे कुछ नेताओं को छोड़ दें तो तमाम कश्मीरी नेता कई मुखौटों वाली शख्सियत रखते हैं। मोदी के समय में ही यह मुमकिन हो सका है कि इन नेताओं से इनकी कैफियत तलब की जाने लगी है।

अजय मित्तल, मेरठ

अमिताभ का सम्मान

अमिताभ बच्चन को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार पहले ही मिल जाना चाहिए था। कोई बात नहीं, देर आए दुरुस्त आए। वह सदी के महानायक हैं। सत्तर के दशक में एंग्री यंगमैन से लेकर कॉमेडी, गंभीर चरित्र कलाकार की भूमिकाओं में उन्होंने साबित कर दिया कि उनका कोई सानी नहीं है। यह उनकी ही प्रतिभा का कमाल है कि उनके लिए ही आज लेखक रोल लिखते हैं और आज जब एक नई पीढ़ी जैसे कि आयुष्मान खुराना और विकी कौशल जैसे अभिनेता सिनेमा पर राज कर रहे हैं, तब आज भी अमिताभ बच्चन उनको टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने अपने जीवन में बहुत उतार चढ़ाव भी देखे हैं। उनकी शालीनता और सादगी बहुत अनोखी है। फिल्मों में शिखर पर पहुंचने के बाद भी वह जिस तरीके से प्रतियोगी को सहज कर देते हैं वह अतुलनीय है।

बाल गोविंद, नोएडा

परेशान करने वाली परीक्षा

हरियाणा में इन दिनों लिपिकों के चयन के लिए एचएसएससी द्वारा परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। ये परीक्षाएं अभ्यर्थियों के गृह जिलों में न करा कर लगभग 200 से 300 किलोमीटर दूरी के जिलों में परीक्षा केंद्रों पर करवाई जा रही हैं। परीक्षाओं की पवित्रता बचाए रखना अच्छी बात है, लेकिन क्या इतनी दूरी पर बेरोजगार युवक-युवतियों को भेजकर उन्हें परेशान करना उचित है? परीक्षा वाले दिनों में बसें अथवा अन्य साधन मिलना भी मुश्किल हो जाता है। जो यातायात के साधन मिलते भी हैं उनमें इतनी भीड़ रहती है कि खड़े होने की जगह तक नहीं रहती है। कितने ही परीक्षार्थियों को जान से हाथ धोना पड़ता है और बहुत से परीक्षा से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में सरकार द्वारा उन बेरोजगार युवाओं पर मानसिक और आर्थिक दंड के समान यह नियम लगाना किसी अत्याचार से कम नहीं है। यदि सरकार को उनके गृह जिलों में शांति और पवित्रता से परीक्षा संचालन संभव नहीं लगता है तो उनके गृह जिलों के पास वाले जिलों में ही प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाना चाहिए। ऐसा करने से दिव्यांगजन, गर्भवती महिलाएं एवं उन सभी को आर्थिक और मानसिक फायदा होगा जो दूर जिलों में परीक्षा देने जाते हैं। सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करके यह व्यवस्था अतिशीघ्र लागू करके पर विचार करना चाहिए।

आचार्य राम कुमार बघेल शिक्षक, पलवल

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

50 राज्य हैं अमेरिका में और इन राज्यों के मतदाता इलेक्टर को चुनते हैं। ये इलेक्टर यहां राष्ट्रपति पद के किसी न किसी उम्मीदवार के समर्थक होते हैं। इनसे ही इलेक्टोरल कॉलेज बनता है, जिसमें 538 सदस्य होते हैं।

आजकल

हाउडी मोदी से मजबूत हुई ट्रंप की सियासी जमीन

सुशील कुमार सिंह
निदेशक, वाईएस रिसर्च फाउंडेशन ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन

बीते कुछ वर्षों में भारत की वैश्विक फलक पर उभरती स्थिति इस कदर मजबूत हुई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे शक्तिशाली नेता भी भारतीय नेतृत्व के मोहताज हो गए से लगते हैं। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में आयोजित हाउडी मोदी कार्यक्रम का ताना-बाना भले ही भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द बुना गया था, पर इसके अनेक निहितार्थों में एक यह भी रहा है कि इसके जरिये ट्रंप ने अमेरिका में रहने वाले अनिवासी भारतीय मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश की है। अगले वर्ष अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर यह कार्यक्रम अधिक चर्चित रहा जिसकी महत्ता इससे भी बढ़ गई कि मोदी ने सभा में मौजूद लोगों से ट्रंप का परिचय करवाया

अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में बीते 22 सितंबर जब दिन के करीब 11 बज रहे थे तो भारत में रात हो रही थी। पूरी दुनिया की नजर एक ऐसे कार्यक्रम पर थी जहां से एक सर्वाधिक बड़े तो दूसरे सबसे पुराने लोकतंत्र के मुखिया का एक साथ और एक मंच पर संयुक्त गूंज होनी थी। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक श्रोता और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक वक्ता की भूमिका में बने रहे। मोदी ने जिस तरह एनआरजी स्टेडियम में उपस्थित 50 हजार से अधिक प्रवासी भारतीयों के बीच ट्रंप का परिचय दिया उससे यही लगा मानो मोदी नहीं, ट्रंप अमेरिका में अतिथि हैं और वे किसी चुनाव प्रचार में संबोधन देने आए हों। रोचक यह भी था कि मोदी ने कहा कि वर्ष 2017 में ट्रंप ने अपने परिवार से मिलाया था, आज मैं अपने परिवार से आपको मिलाता हूं। वाकई प्रवासी भारतीयों पर मोदी के इस कथन का बहुत गहरा असर हुआ होगा।

गौरतलब है कि ह्यूस्टन में भारी तादाद में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। इसके अलावा डलास भी टैक्सास की प्रमुख जगह है जहां प्रवासी भारतीय बहुतायत में हैं। टॉप 10 शहरों में शामिल ये शहर अमेरिका में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के लोगों के लिए जाने जाते हैं। मोदी के संबोधन के लिए टैक्सास को चुने जाने के लिए यह एक बड़ी वजह है। शुरुआत में अंग्रेजी और बाद में धाराप्रवाह हिंदी में मोदी का संबोधन चलता रहा और ट्रंप इसका लुत्फ लेते रहे। मोदी का अमेरिका में जिस ढंग का प्रभाव दिखा उससे साफ है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध अन्य देशों से काफी अलग हैं। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के समय भी मोदी के संवाद और संबंध कहीं अधिक गहरे थे। अबकी बार, ट्रंप सरकार का नारा हाउडी मोदी कार्यक्रम के दौरान ह्यूस्टन में जब गूंजा तब यह बात भी स्पष्ट हो गई कि एक बार फिर व्हाइट हाउस का रास्ता ट्रंप मोदी के सहारे समतल करने की फिराक में हैं। गौरतलब है कि 2016 के नवंबर माह में जब अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप चुने गए थे तब भारतीय मूल के अधिकांश लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी से चुनाव लड़ रहीं हिलेरी क्लिंटन को वोट दिया था। देखा जाए तो ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी से आते हैं और भारतीय मूल के लोगों पर इस पार्टी की छाप उतनी सकारात्मक नहीं रही है।

अमेरिका में अगले साल नवंबर में फिर चुनाव होने हैं और ट्रंप एक बार फिर व्हाइट हाउस का सपना संजोए हुए हैं। नेशनल एशियन अमेरिकन सर्वे से इस बात का खुलासा हो चुका है कि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने 2016 के चुनाव में ट्रंप के खिलाफ मतदान किया था। ऐसे में ट्रंप अपनी सियासी जमीन की मजबूती के लिए इन्हें अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश में लगे हैं। इसके लिए मोदी के संबोधन से बेहतर शायद ही कोई बात हो सकती थी। ह्यूस्टन में ट्रंप के साथ खड़े मोदी और मोदी के साथ खड़े ट्रंप के कई अर्थ हैं जिसमें से एक अर्थ डोनाल्ड ट्रंप के लिए व्हाइट हाउस का मार्ग प्रशस्त करना भी है। संभव है कि भारतीय मूल के लोग आगामी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के लिए ट्रंप कार्ड सिद्ध हो सकते हैं और यह बात ट्रंप से बेहतर शायद ही कोई जानता हो।

डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2017 से अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया कई चरणों से गुजरती है जिसमें पहले चरण में प्राइमरी चुनाव होते हैं, फिर कॉकस, बाद में नेशनल कन्वेंशन आदि से गुजरता हुआ यह इलेक्टोरल कॉलेज तक पहुंचता है। अमेरिका में 50 राज्य हैं और इन राज्यों के मतदाता इलेक्टर का चुनाव करते हैं। ये इलेक्टर राष्ट्रपति पद के किसी न किसी उम्मीदवार के समर्थक होते हैं। इन्हीं से एक इलेक्टोरल कॉलेज बनता है जिसमें कुल 538 सदस्य होते हैं। जब इनका चुनाव हो जाता है तो आम जनता की चुनाव में भागीदारी खत्म हो जाती है और इनके जरिये राष्ट्रपति चुना जाता है जिसके लिए 270 इलेक्टोरल मत जरूरी होते हैं। वर्ष 2016 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और हिलेरी क्लिंटन के बीच कांटे की टक्कर रही, मगर जीत ट्रंप के हाथ आई। व्यक्तित्व के मामले में विवादित ट्रंप 2020 में एक बार फिर व्हाइट हाउस का रास्ता तय करने के लिए भारतीय मूल के लोगों पर दृष्टि गड़ाए हुए हैं। हाउडी मोदी कार्यक्रम इस दिशा में कहीं अधिक फायदे का सौदा हो सकता है। वैसे प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका में कोई यह पहला संबोधन नहीं था और न ही दुनिया में। मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने पहली बार प्रवासी भारतीयों को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर में संबोधित किया था। उसके बाद यह क्रम जारी रहा। सिडनी, टोरंटो, दुबई, लंदन, सिलिकॉन वैली और जोहेनिसबर्ग और पेरिस समेत बहरीन तक के संबोधनों की गणना की जाए तो यह संख्या 15 होती है, पर एनआरजी स्टेडियम में संबोधन के कुछ अलग मायने हैं।

मोदी का भाषण सुनकर एक बार तो ऐसा भी लगा जैसे वह किसी चुनावी रैली को संबोधित करने आए हों और डोनाल्ड ट्रंप की स्थिति भी किसी उम्मीदवार की तरह लगी। मोदी का यह बयान कि अबकी बार ट्रंप सरकार दोनों देशों के लिए विवाद का मुद्दा हो सकता है। विरोधी भारत के प्रधानमंत्री के बयान को इस आधार पर मुद्दा बना रहे हैं कि यह दोनों देशों की संप्रभुता और लोकतंत्र में दखलंदाजी है। किसी देश में कौन राष्ट्रपति होगा यह तय करने का अधिकार शायद मोदी को नहीं है, मगर भारत के जिस रसूख को अमेरिका स्वीकार करता है और जिस तरह भारतीय मूल के लोग चुनावी तस्वीर बदल सकते हैं उसे देखते हुए यह सब हुआ है। हालांकि अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों पर हाउडी मोदी का क्या असर हुआ है यह तो चुनाव के बाद पता चलेगा।

वर्ष 2016 में अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव विवादों से अछूता नहीं था। इस चुनाव में रूस के दखल पर आरोप लग चुका है। हालांकि व्हाइट हाउस इसे सिरे से नकार चुका है। सोवियत संघ के विभाजन के बाद अमेरिका का झुकाव भारत की ओर हुआ, पर संबंधों में गर्माहट बिल क्लिंटन के समय आई। सीनियर और जूनियर जॉर्ज डब्ल्यू बुश के शासनकाल में संबंध बुरे नहीं थे, पर बहुत अच्छे भी नहीं थे जिनका संबंध रिपब्लिकन पार्टी से था। ट्रंप भी उसी पार्टी से हैं और भारत से संबंध अच्छे हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि हमारे संबंध अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा से भी बहुत अच्छे थे।

इमरान का अपमान, मोदी का सम्मान

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके रणनीतिकारों व सलाहकारों को क्या कहा जाए जिससे उन्हें पता चले कि आपका भारत विरोधी राग चीन को छोड़कर कोई सुनने वाला नहीं। अमेरिका जाने से पहले इमरान ने घोषणा की थी कि मैं दुनिया के नेताओं को बताऊंगा कि कश्मीर के क्या हालात हैं। वो बता भी रहे हैं, पर कौन किस तरह सुन रहा है यह ज्यादा महत्व का विषय है। दुनिया के प्रमुख नेता जान चुके हैं कि पाक के पास कश्मीर को छोड़ कोई एजेंडा नहीं। अपने विकास या दुनिया के कल्याण के लिए पाक के पास कोई सोच है नहीं। उनकी दशा देखिए। जब वे न्यूयॉर्क में उतरे तो उनकी आवभगत के लिए कोई स्थानीय अधिकारी तक नहीं था। कालीन का किस्सा तो जगजाहिर हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की स्थायी प्रतिनिधि मलीहा लोदी हवाई अड्डे पर कुछ अधिकारियों को लेकर आई थीं। लेकिन मोदी के आगमन पर क्या हुआ इसे सबने देखा।

इमरान खान और ट्रंप की मुलाकात ऐसी थी कि आज पाकिस्तानी ही कह रहे हैं कि इससे अच्छा तो मुलाकात ही नहीं होती। पाकिस्तान मीडिया में इस पर बहस चल रही है कि अब हमारे पास रास्ता क्या है? इमरान ने जब भारत की शिकायत की तो ट्रंप ने स्पष्ट कहा, 'मैं पाकिस्तान की मदद कर सकता हूं, लेकिन तभी जब नरेंद्र मोदी भी तैयार हों।' ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि पहले के अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पाकिस्तान पर विश्वास नहीं था। उन्होंने आपके साथ जो व्यवहार किया वो ठीक ही किया, क्योंकि पाकिस्तान से अमेरिका को केवल धोखा मिला है।

जब एक पत्रकार ने कश्मीर पर प्रश्न में पाकिस्तान की वकालत की तो ट्रंप ने इमरान से पूछ दिया कि यह पाक प्रतिनिधिमंडल का सदस्य है क्या? एक अन्य पाकिस्तानी पत्रकार ने कश्मीर में मानवाधिकार के हनन, वहां भोजन-दवा की कमी जैसी बातें करते हुए पूछा कि अमेरिका क्या करेगा तो फिर ट्रंप ने इमरान से पूछा कि ऐसे पत्रकार कहां से लाते हैं आप? इमरान झेंप गए। डोनाल्ड ट्रंप वैसे भी पाक के प्रति कभी उदार नहीं थे। किंतु तालिबान से बातचीत कर अफगानिस्तान से निकल भागने की जल्दी में उन्होंने उसे महत्व देना शुरू किया था। अब आगे उनका क्या रवैया होगा कहना कठिन है, लेकिन इतना साफ है कि उनका झुकाव भारत की तरफ होगा। ट्रंप ने पहले भी कहा था कि पाकिस्तान ने धोखा देकर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों से 33 अरब डॉलर ले लिया। इमरान से मुलाकात में भी उन्होंने यह भी दोहराया कि जिन राष्ट्रपतियों ने आपकी सहायता रोकी वो आपकी असलियत जान चुके थे और उन्होंने ठीक ही किया। इससे ज्यादा लताड़ किसी देश के प्रधानमंत्री के लिए क्या हो सकती है। इमरान उनके सामने सहमे बैठे थे। एक साक्षात्कार में इमरान से पूछा गया कि ओसामा बिन लादेन वहां छिपा हुआ था तो पाकिस्तान को कैसे पता नहीं चला? कई कड़े प्रश्न उनसे पूछे गए। ऐसा लगा मानो उनका इंटरव्यू नहीं इंटेरोगेशन हो रहा है। इमरान को स्वीकार करना पड़ा कि लादेन के होने का सेना और आइएसआइ को पता था।

पता नहीं इमरान क्यों इस तरह के खुलासे बार-बार कर रहे हैं। पहले भी वे इस तरह की बातें कह चुके हैं, लेकिन यह आधा सच है। आधा सच यह है कि उसी का लाभ उठाकर पाकिस्तान ने आतंकवाद का एक पूरा ढांचा खड़ा कर लिया। पंजाब से कश्मीर तक उसी ढांचे के कारण आतंकवाद की इतनी घटनाएं हुईं। वे यह भी नहीं स्वीकारते कि अफगानिस्तान से बाहर आतंकवाद को रोकने के लिए पाकिस्तान ने कुछ नहीं किया, जबकि उनकी सेना और आइएसआइ को ज्यादातर बड़े हमलों का पता था। चाहे वह 11 सितंबर 2001 का अमेरिका पर हमला हो या 26 नवंबर 2008 का मुंबई हमला। अगर पाकिस्तान की ओर से इन्हें मदद नहीं मिलती तो ये इतने हमले कभी नहीं होते। जब आप झूठ बोलेंगे तो आपकी समस्याएं बढ़ेंगी ही। यही हो रहा है। इमरान का दुर्भाग्य यह है कि निराशा के साथ अपमान व झिड़की तक मिल रही है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी का जलवा है कि भारत के साथ 71 द्विपक्षीय कार्यक्रम हैं जिनमें से 40 में वे स्वयं शामिल होंगे।

खरी-खरी

स्वाद में ही है सच्चा स्वर्ग!

सुधीर कुमार चौधरी

कतिपय ज्ञानीजन सोशल मीडिया पर ज्ञान बांटते फिरते हैं कि सेहत और स्वाद में वही संबंध है, जो प्रकाश और अंधकार में होता है। सेहत की चिंता में स्वाद को मारने वाले ऐसे ज्ञानी वास्तव में जुबान के दुश्मन हैं। वे यह नहीं जानते कि जुबान है तो ही जहान है। स्वाद जीवन की सबसे बड़ी दौलत है। इस दौलत को ठुकराना कहां की बुद्धिमत्ता है!

हम भारत के लोग 'फिट इंडिया' के बजाय 'फिट जुबान' पर ज्यादा भरोसा रखते हैं। स्वाद सलामत तो संसार चकाचक। लोग इन दिनों शरीर की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं। मगर जुबान भी तो शरीर का ही हिस्सा है। इसकी देखभाल भी तो जरूरी है। जुबान के उदास रहते शेष शरीर कैसे प्रसन्न हो सकता है? छक कर खाने का आनंद स्वर्ग के आनंद को भी मात करता है। कितने अबोध हैं वे लोग, जो जीने के लिए खाते हैं। भला ऐसा जीना भी कोई जीना है! असली मजा तो खाने के लिए जीने में है। स्वाद के बगैर चार दिन की जिंदगी अधूरी है।

खौलते तेल की कढ़ाई में तैरती कमसिन कचौड़ी और पानी बहाती जुबान के बीच की दूरी समाप्त करने में ही जीवन का सार निहित है। तीखी चटनी में डूबे स्मार्ट समोसों का स्वाद चांद पर पहुंचने से ज्यादा आनंद प्रदान करता है। यदि चाशनी में तैरती गरमा-गरम जलेबी के स्वाद के जलजले का आनंद नहीं लिया तो जीवन निस्सार है। करामाती पोहे के बगैर जीना तो सचमुच धिक्कार है। पोहे के प्रभामंडल से दूरी बनाकर जीना जीवन का सरासर अपमान है। पंचामृत सी पवित्र पेटिस को पेट में डाले बगैर जीवन अधूरा है।

छोले-भटूरे में वास्तव में एक जीवन दर्शन समाहित है। दही बड़े का स्वाद परम सत्य के निकट ले जाता है। पानी-पूरी ब्रह्मज्ञान से सीधा कनेक्शन जोड़ती है। लड्डू-बर्फियों के स्वाद से तो सीधा परलोक सुधर जाता है। खीर-पूड़ी छक कर खाए बगैर मुक्ति नहीं मिलती। इनके स्वाद से वंचित प्राणी अगले जन्म में कौवा बनता है!

यह ध्रुव सत्य है कि स्वाद की गंगा में डुबकी लगाए बगैर मोक्ष नहीं प्राप्त होता है। अंकुरित नाश्ता और फीका भोजन करने वाले लोग स्वाद की महिमा क्या जानें। रूखा-सूखा खाकर जीना जीवन का घोर दुरुपयोग है। शरीर तो नश्वर है। इसकी चिंता में क्या घुलना? स्वाद अमर है। इस अमरत्व को प्राप्त करना ही जीवन का परम लक्ष्य होना चाहिए। बोलो भाइयो, बहनो... होना चइये कि नई होना चइये!

ट्वीट-ट्वीट

अरविंद केजरीवाल कह रहे कि दिल्ली में एनआरसी लागू हुआ तो सबसे पहले मनोज तिवारी दिल्ली से बाहर हो जाएंगे। बात समझ नहीं आई। एनआरसी में नाम न हो तो सीधा देश से बाहर होगा कोई या राज्य निकाला होगा? और अगर तिवारी जी दिल्ली के बाहर से हैं तो केजरीवाल जी भी हरियाणा से हैं। वह भी बाहर होंगे?

सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

पिछले कई दिनों से सीए छात्र अपने हकों के लिए आवाज उठा रहे हैं। मांग सिर्फ इतनी है कि उनके पेपर की चेकिंग में हुई गलतियों की रीचेकिंग की जाए। मैं खुद सीए होकर बच्चों की मेहनत को समझता हूं और मानता हूं कि उनकी मेहनत व भविष्य से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

राघव चड्ढा@raghav_chadha

भारतीय मीडियाकर्मी ट्रंप से चीन, वैश्वीकरण, आव्रजन के अलावा भारत-अमेरिका से जुड़े दर्जन भर मसलों पर सवाल कर सकते थे, पर अफसोस कि हम इमरान-पाकिस्तान में ही उलझे रहे। बेहद निराशाजनक।

सदानंद धूमे@dhume

झारखंड डायरी

सेवा के बदले जनता से मांग रहे आशीर्वाद

प्रदीप शुक्ला
स्थानीय संपादक, झारखंड

चेहरा भी रघुवर होंगे और बहुमत मिलने पर कमान भी उन्हीं के हाथ में रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के इस एलान के बाद सभी संशय खत्म हो गए हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास जोहार जन आशीर्वाद यात्रा के जरिये राज्य को मथने निकल चुके हैं, वहीं महागठबंधन को लेकर विपक्षी दल अभी भी एक-दूसरे को 'तौल' ही रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस के रुख में कुछ बदलाव जरूर आया है, लेकिन सीटों के बंटवारे का पेंच इतनी आसानी से सुलझने वाला नहीं है।

जैसे लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर आखिर तक विपक्षी खेमा आपस में सिर-फुटौव्वल करता रहा था, अगर आसन्न विधानसभा चुनाव में भी वही स्थिति रही तो बेशक महागठबंधन बन जाए, लेकिन उनके लिए स्थितियां आसान रहने वाली नहीं हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र के साथ झारखंड में चुनाव की संभावनाएं फिलहाल क्षीण नजर आ रही हैं। राज्य में अभी मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है, जो 12 अक्टूबर को खत्म होगा। सरकार की भी अभी तक जो तैयारी है, उससे लग रहा है कि अक्टूबर के मध्य अथवा आखिर में ही अब अधिसूचना जारी होगी। यह विपक्षी दलों के लिए थोड़ी राहत की बात हो सकती है। जो वक्त मिल रहा है उसमें वह अपने मतभेद खत्म कर एक सशक्त महागठबंधन बनाकर मैदान में आ सकते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने बीते सप्ताह राज्य में जोहार जन आशीर्वाद यात्रा के जरिये जब पार्टी के चुनावी अभियान का श्रीगणेश किया तो उन्होंने मुख्यमंत्री रघुवर दास के कामकाज की जमकर प्रशंसा तो की ही, साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि हरियाणा, महाराष्ट्र में जिस तरह मौजूदा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पार्टी चुनाव में जा रही है, वैसे ही झारखंड में रघुवर दास के पास कमान रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कोई संशय नहीं है। रघुवर दास ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से शाबाशी मिलने के बाद पूरे उत्साह से प्रचार अभियान की कमान थाम ली है। उनका पहला पड़ाव संताल परगना रहा है, जो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। संताल परगना में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने उलटफेर करने में कामयाबी भी पाई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष शिबू सोरेन की परंपरागत दुमका लोकसभा सीट अब उनके हाथ से निकल चुकी है। भाजपा इससे उत्साहित है और इस बार संताल की 18 में से ज्यादा से ज्यादा विधानसभा सीटों पर परचम लहराने की रणनीति तैयार कर मैदान में उतरी है। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस सुदूर इलाके में लगातार 24 सितंबर तक कैंप करते हुए अनेक जनसभाओं को संबोधित किया। एक दिन के विश्राम के बाद अब कोल्हान प्रमंडल का रुख करने की तैयारी है। 26 सितंबर यानी आज से एक अक्टूबर तक मुख्यमंत्री जन आशीर्वाद यात्रा कोल्हान में होगी जो बहरागोड़ा से शुरू होकर एक अक्टूबर को चक्रधरपुर में सभा व रोड शो के साथ समाप्त हो जाएगी। यह इलाका भी भाजपा के लिए चुनौतियों भरा है। कोल्हान प्रमंडल के तीन जिलों में से दो जिलों में झारखंड मुक्ति मोर्चा का अच्छा प्रभाव है। पश्चिमी सिंहभूम जिले से पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा एक सीट भी फतह नहीं कर पाई थी।

लोकसभा चुनाव में भी सिंहभूम संसदीय सीट पर भाजपा को हार हाथ लगी। यह स्थिति तब हुई जब यहां से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुआ खुद चुनाव लड़ रहे थे। रणनीतिक तौर पर संताल परगना और कोल्हान प्रमंडल भाजपा के लिए अपेक्षाकृत कठिन हैं और पूर्ण बहुमत के साथ जीत का लक्ष्य हासिल करने के लिए इन इलाकों में पैठ बढ़ानी जरूरी है। इस बार भाजपा 65 से अधिक सीटें जीतने का संकल्प लेकर मैदान में उतरी है। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव के परिणाम पर नजर डालें तो 65 से ज्यादा सीटें जीतना उतना आसान भी नहीं है। तब भाजपा की झोली में 37 सीटें आई थी। चुनाव के बाद दल बदलकर भाजपा के खेमे में आए झारखंड विकास मोर्चा के छह विधायकों ने बहुमत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। पिछले विधानसभा चुनाव में विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव मैदान में नहीं उतरे थे। इस दफा स्थिति बदली होगी। विपक्षी दल बेशक अभी एक-दूसरे पर वार-प्रतिवार कर रहे हों, लेकिन इस हकीकत से सभी भलीभांति वाकिफ हैं कि बिना एकजुट हुए भाजपा से मुकाबला करना बहुत मुश्किल है। यही एक कारण उन्हें महागठबंधन बनाने पर मजबूर करेगा, बेशक चुनाव बाद फिर वह बिखर जाएं।

फिलहाल इनके बीच सीटों के बंटवारे पर पेंच है। संताल परगना और कोल्हान प्रमंडल में भाजपा की बढ़ी गतिविधियों के मद्देनजर झारखंड मुक्ति मोर्चा सतर्क है। ये दोनों इलाके ही झामुमो की असली ताकत हैं। भाजपा के अभियान से पहले ही हेमंत सोरेन जिला मुख्यालयों में रैलियां कर चुके हैं।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या रिषभ पंत के स्थान पर किसी अन्य विकेटकीपर को मौका दिया जाना चाहिए?

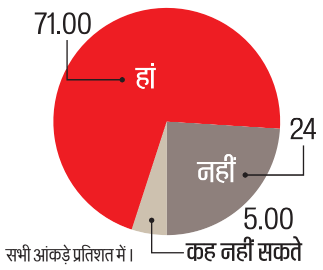

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या सोशल मीडिया का दुरुपयोग रोकने के लिए सरकार को कानून बनाना चाहिए?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

दादा साहब फालके सा ऊंचा सम्मान,
पाने वाला भी कहां कम है भला महान।
कम है भला महान बड़ा अद्भुत अभिनेता,
वह प्रयाग का पूत और बच्चन का बेटा!
दिया बहुत कुछ और बहुत का लिए इरादा,
बने हुए हैं आज अमित जी सबके दादा।

– ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

भारतीय अस्मिता की पहचान है रामलीला

पंकज चतुर्वेदी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत में रामकथा के रूप में रामलीला का मंचन सदियों से होता आ रहा है। भारतीय अस्मिता की एक बड़ी पहचान के रूप में इसकी महत्ता आज भी कायम है। एशिया के कई अन्य देशों में भी प्रत्येक वर्ष रामलीला का मंचन होता है

देश की राजधानी दिल्ली में नवरात्र के दौरान लगभग एक हजार स्थानों पर रामलीला आयोजित की जाती है। हालांकि रामलीला का मंचन सदियों पहले से होता आ रहा है, लेकिन डिजिटल दौर में इसका प्राचीन स्वरूप कहीं-न-कहीं प्रभावित हो रहा है। यदि हम बात करें पुराने रामलीला आयोजनों की तो दिल्ली के अलावा भी देश के अनेक हिस्सों में ऐसे स्थान हैं जहां की रामलीला मशहूर है।

बनारस के रामनगर की रामलीला को अपने तरह का विलक्षण नाट्य मंचन कहा जाता है। रामनगर में वर्ष 1783 में रामलीला की शुरुआत काशी नरेश उदित नारायण सिंह ने की थी। यहां पर बनाए गए स्टेज देखने योग्य होते हैं। रामनगर की रामलीला की खास बात यह है कि इसके प्रधान पात्र एक ही परिवार के होते हैं। उनके परिवार के सदस्य पीढ़ी दर पीढ़ी रामलीला में अपनी भूमिका अदा करते आ रहे हैं। यहां आज भी न तो चमचमाती रोशनी वाले लट्टू होते हैं, और न ही ध्वनिविस्तारक यंत्र, कोई सजा-धजा मंच या चमक-दमक वाली ड्रेस भी नहीं होती। खुला मंच और दूर-दूर तक फैले एक दर्जन कच्चे-पक्के मंच व झोपड़े। इनमें से कोई अयोध्या तो कोई लंका तो कोई अशोक वाटिका हो जाता है। परंपरानुसार काशी नरेश हाथी पर आते हैं और उसी के बाद रामलीला प्रारंभ होती है। इस मंचन का आधार रामचरितमानस है, सो दर्शक भी अपने साथ पाटी पर रख कर रामचरितमानस लाते हैं व साथ-साथ पाठ करते हैं।

प्रयागराज यानी इलाहाबाद में तो कई रामलीलाएं एक साथ होती हैं, और सभी का अपना इतिहास है। लेकिन वहां की रामलीला मंचन पर टीवी की रामलीलाओं का प्रभाव सर्वाधिक हुआ और अब चुटिले संवाद, चमकीले सेट और चटकीले वस्त्र आदि का दिखावा यहां बढ़ गया है। यहां सौ से अधिक स्थानों पर रामलीला होती है। कहीं रावण इलेक्ट्रॉनिक चेहरे से आवाज निकालता, आंखे दिखाता है तो कहीं हनुमान को लिफ्ट से ऊपर उठा कर हवा में उड़ाया जाता है। करोड़ों का बजट, फिर भी भीड़ जुटाने को नर्तकियों का सहारा लिया जाता है। यहां रामलीला शुरू होने से एक दिन पहले कर्ण-अश्व की आकर्षक शोभायात्रा निकाली जाती है।

सरकारी रिकार्ड के मुताबिक 19वीं सदी की शुरुआत में प्रयागराज में चार स्थानों पर रामलीला का मंचन होता था। एक अंग्रेज अधिकारी फैनी पार्क्स ने अपने संस्मरण में वर्ष 1829 में फौजियों द्वारा चेथम लाइन्स में संचालित व अभिनीत रामलीला का उल्लेख किया है। मुगल बादशाह अकबर ने भगवत गोसाईं को कमोरिन नाथ महादेव के पास की भूमि रामलीला के लिए दान में दी थी जिस पर वर्षों रामलीला होती रही थी। पथरचट्टी यानी बेनीराम की रामलीला की शुरुआत वर्ष 1799 में कही जाती है जिसे अंग्रेज शासक खुल कर मदद करते थे। श्रीराम की जन्म स्थली अयोध्या की रामलीला बेहद विशिष्ट है जिसमें कत्थक नृत्य में पारंगत कलाकार एकल व सामूहिक नृत्य और पारंपरिक ताल, धुन, टप्पों के आधार पर संपूर्ण रामलीला को एक विशाल मंच पर प्रस्तुत करते हैं।

तुलसीदास से जुड़े स्थल चित्रकूट में रामलीला का मंचन फरवरी के अंतिम सप्ताह में सिर्फ पांच दिनों के लिए ही होता है। यहां गीत-संगीत-अभिनय को और सशक्त बनाने के लिए समय के साथ आए तकनीकी उपकरणों का खुल कर इस्तेमाल होता है।

जब देश-दुनिया की रामलीलाओं का विमर्श हो तो गढ़वाल व कुमाऊं की रामभक्ति के रंग को याद करना अनिवार्य है। अभी कुछ दशक पहले तक वहां सड़कें थी नहीं, बिजली व संचार के साधन भी नहीं, ऐसे में लोगों के आपस में मेल-जोल, मनोरंजन और अपनी कला-प्रतिभा के प्रदर्शन का सबसे प्रामाणिक मंच रामलीलाएं ही थी। यहां की रामलीला की खासियत है, संवादों में छंद और रागनियों का प्रयोग। इनमें चौपाई, दोहा, गजल, लावणी, सोरठा जैसी विधाओं के वैविध्य का प्रयोग होता है। कुमाऊं में पहली रामलीला 1860 में अल्मोड़ा नगर में हुई जिसका श्रेय तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर देवीदत्त जोशी को जाता है। बाद में नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में क्रमशः वर्ष 1880, 1890 और 1902 में रामलीला नाटक का मंचन प्रारंभ हुआ। मध्य प्रदेश में होशंगाबाद, जबलपुर, इंदौर और छतरपुर में रामलीलाओं का इतिहास एक सदी पुराना है। इन सभी में स्थानीय बोलियों-बुंदेली, मालवी आदि का पुट स्पष्ट दिखता है।

एशिया के कई अन्य देशों- मलेशिया, इंडोनेशिया, नेपाल, थाईलैंड आदि में उनकी अपनी परंपराओं के अनुसार सदियों से रामलीला मंचन होता रहा है। फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अब अमेरिका में भी रामलीला का मंचन होता है। इंडोनेशिया और मलेशिया में मुखौटा रामलीला का प्रचलन है। दक्षिण-पूर्व एशिया के इतिहास में कुछ ऐसे प्रमाण मिलते हैं जिससे ज्ञात होता है कि इस क्षेत्र में प्राचीन काल से ही रामलीला का प्रचलन था। जावा के सम्राट वलितुंग के एक शिलालेख में एक समारोह का विवरण है जिसके अनुसार सिजालुक ने एक बार नृत्य और गीत के साथ रामायण का मनोरंजक प्रदर्शन किया। म्यांमार के राजभवन में थाई कलाकारों द्वारा रामलीला का प्रदर्शन होने का उल्लेख मिलता है। कंबोडिया में रामलीला का अभिनय 'ल्खोनखोल' के माध्यम के होता है। 'ल्खोन' का इंडोनेशियाई भाषा में नाटक और कंबोडिया की भाषा में 'खोल' का अर्थ बंदर होता है। कंबोडिया के राजभवन में रामायण के प्रमुख प्रसंगों का अभिनय होता था।

शेडो ड्रामा के जरिये मलेशिया के वेयांग का विशिष्ट स्थान है। वेयांग का अर्थ छाया है। इसके अंतर्गत सफेद पर्दे पर रोशनी डाली जाती है और बीच में चमड़े की विशाल पुतलियों को कौशलता के साथ नचाते हुए उसकी छाया से राम कथा को देखा जाता है।

2018 जनवरी से लेकर अब तक सैनिकों ने सियाचिन में स्वच्छता अभियान चलाकर 130 लाख टन कचरा साफ किया है। इसमें 40 टन अपशिष्ट पदार्थ सड़ने-गलने योग्य, जबकि 41.45 टन धातु अपशिष्ट पदार्थ मौजूद था।

आदिवासी बेटियों को क्रिकेट चैंपियन बना रहा यह कोच

अपने नि:शुल्क क्रिकेट कोचिंग कैंप में आदिवासी बेटियों के संग कोच श्रीराम दुबे। जागरण

राजीव शुक्ला, धनबाद

जागरण विशेष

- **संसाधनों की कमी के बावजूद लिख रहे सफलता की नित नई कहानी, खुद अभावों में जीते हैं, लेकिन कैंप के लिए जुटाते हैं सभी वस्तुएं**
- **सात लड़कियों ने झारखंड स्टेट क्रिकेट टीम में परचम फहरा कर गुरु का नाम किया रोशन**

झारखंड के सिंदरी में पूर्व क्रिकेटर श्रीराम दुबे आदिवासी बेटियों को क्रिकेट चैंपियन बनाने में जुटे हैं। उनके निःशुल्क कोचिंग कैंप से निकलीं सात लड़कियां झारखंड स्टेट की विभिन्न आयु वर्ग की टीमों में प्रतिभा दिखा रही हैं, जबकि 11 लड़कियां धनबाद जिला टीम में हैं।

श्रीराम के कोचिंग कैंप में 50 से अधिक लड़कियां प्रशिक्षण ले रही हैं। इनमें से 30 आदिवासी हैं। 2017 में कैंप की दुर्गा कुमारी मुर्मू ने झारखंड अंडर-23 क्रिकेट टीम की कप्तानी कर नाम रोशन किया। श्रीराम कहते हैं, 'पिछड़े आदिवासी क्षेत्र के बेहद गरीब परिवारों की ये बेटियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकें, यही मेरा मकसद है और सच्ची गुरु दक्षिणा भी यही होगी।' बेटियों को चैंपियन बनाने के उनके जुनून को इसी से समझा जा सकता है कि खुद अभावों से जूझते हुए भी वह कैंप के संचालन में हर माह आने वाले हजारों रुपये के खर्च को चंदा जुटाकर पूरा करते हैं।

निजी स्कूल में खेल शिक्षक के रूप में कार्यरत श्रीराम ने बताया, 'सिंदरी के आसपास कई आदिवासी गांव हैं। शुरू से देखा कि गरीबी के कारण आदिवासियों का जीवन संघर्षमय है। तमन्ना थी कि इनके लिए कुछ कर सकूं तो जीवन सार्थक हो जाएगा। इस बीच बीपीएड (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) की डिग्री ले ली थी। अच्छा क्रिकेट खिलाड़ी था। इस कारण विनोबा भावे विश्वविद्यालय में क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया। फिर एक दिन विचार आया कि यहां की लड़कियों को अच्छा क्रिकेटर बना कर इनकी कुछ मदद कर सकता हूं। तभी क्रिकेट के खेल के जरिये आदिवासी बेटियों की किस्मत चमकाने की ठान ली। जानता था कि ये लड़कियां दौड़ में तेज होती हैं और अच्छे मार्गदर्शन से इन्हें अच्छा खिलाड़ी बनाया जा सकता है। हम गांव-गांव गए। बेटियों को क्रिकेट खेलने को प्रेरित किया। आठ साल पहले 2011 में बलियापुर हवाई पट्टी मैदान में निःशुल्क क्रिकेट कोचिंग कैंप शुरू किया। तब आधा दर्जन लड़कियां आईं। आज यहां 50 से अधिक लड़कियां हैं।'

श्रीराम ने कैंप में बच्चियों को रोज पांच घंटे अभ्यास कराना शुरू किया। 2013 में कैंप की पहली लड़की रोमा कुमारी महतो झारखंड अंडर-19 के लिए चयनित हुई। 2014 में दुर्गा का स्टेट अंडर-19 टीम में चयन हुआ। आज कैंप की सात लड़कियां स्टेट टीम में खेल रही हैं। श्रीराम बताते है, 'आदिवासी लड़कियों ने मुझे पहचान दी है। इन्हें राह मिल जाए तो वे मंजिल तक पहुंचकर ही दम लेती हैं। कैंप की रोमा कुमारी महतो 2016 से, दुर्गा 2017 से और सुनीता 2018 से झारखंड सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। सुनीता, लक्ष्मी मुर्मू, मीरा महतो अंडर-19 स्टेट टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अंडर-16 स्टेट टीम में अनीता माजी, किरण कुमारी और लक्ष्मी मुर्मू खेली हैं। इन सातों के अलावा उर्मिला सोरेन, पुष्पा कुमारी, सीमा हेंब्रम और पूनम जिला टीम में हैं।'

श्रीराम दुबे के पिता नंदा दुबे सिंदरी खाद कारखाने के रिटायर कर्मी हैं। खुद की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में श्रीराम कैंप के संचालन के लिए अपने कुछ साथियों और टाटा की टीएसआरडीएस संस्था की मदद लेते हैं।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

ई-रिक्शा की बदौलत फैला रहे साक्षरता का उजियारा

बंगाल के सिलीगुड़ी में गरीब परिवारों के बच्चों को 19 वर्षों से नि:शुल्क शिक्षा मुहैया करा रहे हैं लेक बहादुर

अशोक झा, सिलीगुड़ी

सुशिक्षित समाज

असली शिक्षा तो वही है जो किरदार में झलकती है। शिक्षकों का तो कार्य ही छात्रों को शिक्षित करना है, लेकिन जब कोई आम व्यक्ति ऐसा काम करे तो निश्चित ही उसका किरदार विशिष्ट बन उठता है। बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी शिव कटवाल उर्फ लेक बहादुर कुछ इसी तरह का किरदार जी रहे हैं। वह चलाते तो हैं टोटो (ई-रिक्शा), लेकिन पिछले 19 सालों से शिक्षा से वंचित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर समाज में साक्षरता का उजियारा भी फैला रहे हैं।

लेक बहादुर बच्चों के बीच मास्टर सर के नाम से मशहूर हैं। वह कहते हैं कि मन में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो मुश्किलें भी आसान हो जाती हैं। चंपासारी में वर्ष 1985 में जन्मे शिव कटवाल ने बताया कि सिलीगुड़ी के मिलनमोड़ कराईबाड़ी में डॉक्टर आइबी थापा स्कूल से उन्होंने 9वीं तक की पढ़ाई पूरी की। पारिवारिक स्थिति खराब होने के कारण पढ़ाई छोड़नी पड़ी। नौकरी के लिए बेंगलुरु गए। शिक्षा ज्यादा नहीं होने के कारण वहां एक होटल में सब्जी-तरकारी काटने और बर्तन धोने का काम मिला। भाषाई जटिलता और शिक्षा कम होने के कारण प्रतिदिन प्रताड़ित होना पड़ता। वहां से दो माह में ही लौट आया। कुछ बेहतर करने की सोच ही रहा था कि पास के चाय बागान गुलमुहर गुलमा के निकट चार-पांच बच्चों को भटकते देखा। मन में आया कि हो न हो मेरी तरह यह भी बड़े होकर दर-ब-दर की ठोकरें खाएंगे। तभी उन्हें अच्छी शिक्षा देने का संकल्प किया।

सिलीगुड़ी में बच्चों को स्वच्छता अभियान पर बाहर ले जाते मास्टर सर। जागरण

ई-रिक्शा चलाकर शिक्षा केंद्र का संचालन करने वाले शिव कटवाल। जागरण

शिव ने बताया, कराईबाड़ी मिलनमोड़, सिलीगुड़ी के एक क्लब घर में वर्ष 2000 में सात बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। कुछ दिनों बाद इस पाठशाला का नाम खुशी शिक्षा केंद्र रख दिया। बच्चों की लगन देखकर क्षेत्र के लोगों को हमारी कार्यक्षमता पर विश्वास होने लगा। इस तरह कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा मुहैया हो गई। शिव को सरकारी या गैरसरकारी संस्थाओं से इस काम में कोई भी मदद नहीं मिली और न ही उन्होंने इसके लिए प्रयास किया। वह कहते हैं, खुशी शिक्षा केंद्र को चलाने के लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने रिक्शा चलाना शुरू कर दिया। उससे जो आमदनी होती, बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने लगा। फिलहाल इस पाठशाला में आठवीं तक के 37 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहां के बच्चों को मार्शल आर्ट, जूडो, कराटे की शिक्षा देने के लिए शिक्षक रामचंद्र क्षेत्री को नियुक्त किया गया है। कई बच्चों को जूडो में मेडल भी मिले हैं।

लेक बहादुर चाहते हैं कि इस तरह के शिक्षा केंद्र शहर के हर मुहल्ले में खुलें ताकि जरूरतमंद बच्चे शिक्षा से वंचित न रह जाएं। शिव का प्रयास रहता है कि वह खुशी शिक्षा केंद्र में अध्ययनरत बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकें। लिहाजा, बच्चों को खेलकूद के साथ ही व्यक्तित्व और आचरण का पाठ भी पढ़ाया जाता है। उसके बाद किताबी शिक्षा में उन्हें निपुण किया जाता है। बच्चों को प्रत्येक वर्ष वृद्धाश्रम, अनाथालय भी ले जाते हैं, ताकि वे समाज का दुख समझ सकें। खुशियों की पाठशाला को अब समाज के लोगों का भी सहयोग मिलने लगा है। नवराज शर्मा, सरिता क्षेत्री, उद्धव शर्मा, मिलन रुचाल, मनोज साह, दीपक नीयोपानी और रामचंद्र विकास पौडयाल जैसे कुछ लोग साथ जुड़ गए हैं। बच्चों की यूनीफार्म, कापी-किताब और अन्य वस्तुओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सभी मिलजुल कर प्रयास करते हैं।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

झारखंड में बिना खदान करोड़ों के अभ्रक का खनन

ताक पर नियम ▸ कोडरमा-गिरिडीह क्षेत्र में बंद पड़ी हैं अभ्रक की 800 खदानें, इसके बावजूद हो रहा 300 करोड़ का कारोबार

तहकीकात

चीन, जापान, अमेरिका, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और खाड़ी देशों में हो रही सप्लाई

अनूप कुमार, कोडरमा

क्या आपको विश्वास होगा कि बिना खदान के भी खनन हो सकता है, लेकिन झारखंड में ऐसा हो रहा है। दरअसल, यहां बंद पड़ी 800 खदानों से अवैध तरीके से अभ्रक निकाला जा रहा है। थोड़ा-बहुत भी नहीं, इतना कि सालभर में करीब 300 करोड़ से ज्यादा का इसका कारोबार है। इसकी सप्लाई चीन, जापान, अमेरिका, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और खाड़ी देशों में धड़ल्ले से की जा रही है।

झारखंड के कोडरमा, गिरिडीह और इनसे सटे बिहार के नवादा जिले में माइका (अभ्रक) की लगभग 800 छोटी-बड़ी खदानें थीं। 1980 में वन सुरक्षा अधिनियम लागू होने के बाद जंगली क्षेत्र और बाद में अन्य कारणों से जंगल के बाहर की खदानें बंद कर दी गईं। बावजूद इसके देश-दुनिया में झारखंड से अभ्रक की सप्लाई जारी है। इस बारे में जब पड़ताल की गई तो पता चला कि खदानें तो अब भी बंद हैं, मगर खनन जारी है। अब इन सभी खदानों में अवैध खनन हो रहा है। धंधा इतना बेरोकटोक चल रहा है कि प्रतिवर्ष यहां से दो लाख टन माइका का निर्यात विदेश में होता है। इसका सालाना टर्नओवर 300 करोड़ रुपये तक का है। चूंकि कारोबार पूरी तरह अवैध तरीके से किया जा रहा है, इस कारण सरकार को न खनन रॉयल्टी मिलती है और न सेस व कस्टम ड्यूटी। पड़ताल करने पर पता चला कि पहले इस कारोबार पर नक्सलियों का कब्जा था। नक्सली कमजोर पड़े तो माफिया-अफसर गठजोड़ इस धंधे पर काबिज हो गया है।

कोडरमा की एक बंद खदान के ढेर से माइका (अभ्रक) स्क्रैप चुनते बच्चे। जागरण

चीन है सबसे बड़ा खरीदार : पूरे विश्व में कोडरमा के मॉस्को व्हाइट रूबी माइका की डिमांड है, जो कोडरमा, गिरिडीह व बिहार के नवादा जिले में पाया जाता है। अभी इस इलाके में उत्पादित माइका का 60 फीसद माल चीन जाता है। इसके अलावा जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया और अमेरिका समेत कई खाड़ी देश भी इसके खरीदार हैं।

तेल कुओं तक में होता है उपयोग : अभ्रक का सबसे ज्यादा उपयोग पिगमेंट (वर्णक) बनाने में होता है, जो कार पेंट में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा इसका उपयोग इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इलेक्ट्रोड के रूप में होता है। सौंदर्य प्रसाधन में भी इसका कुछ उपयोग होता है। तेल कुओं की ड्रीलिंग में भी इसके पाउडर का उपयोग होता है।

झुमरी तलैया के एक माइका गोदाम में माइका (अभ्रक) की कटिंग करता मजदूर। जागरण

सरकार माइका उद्योग को पुनर्जीवित करने की हर संभावना पर विचार कर रही है। विभाग की योजना कुछ माइका ब्लॉक की नीलामी करने की है। वन भूमि से बाहर की कुछ खदानों की लीज पर देने की प्रक्रिया चल रही है।
-मिहिर सलकर, खनन पदाधिकारी, कोडरमा

माइका स्क्रैप के सहारे कारोबार : माइका के अवैध कारोबार को वैधानिक मान्यता देने लिए इसके कारोबारियों ने माइका स्क्रैप का सहारा लिया है, जिसे स्थानीय बोलचाल की भाषा में ढिबरा कहते हैं। तर्क दिया जाता है कि खदानों के बाहर पूर्व में खनन के दौरान जमा हुए कचरे के ढेर से स्थानीय मजदूर माइका के छोटे-छोटे टुकड़े चुनकर लाते हैं। इसी ढिबरा का कारोबार हो रहा है। इस तरह के माइका स्क्रैप का कारोबार कानूनन वैध है और इस तरह के माइक (दो इंच से छोटे टुकड़े) पर कोई टैक्स भी लागू नहीं होता है।

सरकार बना सकती है कानून : 2017 से पहले माइका मेजर मिनरल में आता था। 2017 के बाद केंद्र सरकार ने कई खनिजों के साथ इसको भी माइनर मिनरल में शामिल कर दिया। अब इसके व्यापार के संबंध में राज्य सरकार कानून बना सकती है, लेकिन अभी तक उसने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। जंगल की खदानों को लीज पर देने के लिए इलाके को गैर अधिसूचित क्षेत्र घोषित किए जाने समेत नियमों में भी कुछ बदलाव भी करने होंगे।

दो साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से लैस होंगे सेना के हथियार

जागरण संवाददाता, हिसार

- **नीति आयोग, रिचर्स इंस्टीट्यूट और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां सिविल के साथ डिफेंस में भी तैयार करेंगी एआइ मॉडल के हथियार**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के माध्यम से कार्यों को आसान बनाने का काम कई कंपनियां कर रही हैं। गूगल मैप हो या एलेक्सा वॉयस, इन सभी में इस तकनीक का प्रयोग किया गया है, जो लोगों के एक कमांड देने पर रास्ते से लेकर टीवी देखने तक को आसान बनाती हैं। अब डिफेंस सेक्टर में भी सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का प्रयोग करने जा रही है। अगले दो वर्षों में सैनिकों के पास ऐसे हथियार मिलेंगे जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से लैस होंगे। इसके लिए सेना, नीति आयोग और देश के कई बड़े तकनीकी शिक्षण संस्थानों से एक्सपर्ट रोडमैप तैयार कर रहे हैं। अपने इसी विजन को बताने के लिए बुधवार को हिसार के आर्मी कैंट में सप्त शक्ति द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें सेना की साउथ वेस्टर्न कमांड से आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आलोक सिंह क्लेर उपस्थित रहे।

सेना मैकेनाइज्ड वार के लिए खुद को कर रही तैयार : चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से अक्सर सीमा पर तनाव की स्थिति बनी रहती है। चीन तो लगातार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह फैसला एक चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए सेना नीति आयोग, रिसर्च इंस्टीट्यूट और प्राइवेट सेक्टर के साथ काम करेगी। इसमें नीति आयोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए रास्ता तैयार करने में जुट गया है, तो रिसर्च इंस्टीट्यूट और इंडस्ट्री तकनीक पर काम करेंगी और इस सब काम में सेना अपनी जरूरतों को एक्सपर्ट के साथ साझा करेगी। इन सभी के गठजोड़ से दो से तीन वर्ष में ऐसे हथियार तैयार होंगे जिनसे सटीक निशाना लगाना, दुश्मन और मित्र की पहचान, सर्विलांस क्षमता जैसे कई छोटे बड़े कार्य हो सकें। जिन कार्यों के लिए सेना को दुश्मन के इलाके में दाखिल होने जैसे जोखिम उठाना पड़ता है, वह भी कम किया जा सके। इसके साथ ही युद्ध जैसे हालातों में कैजुअलटी को कम किया जा सके। दरअसल सेना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से खुद को मैकेनाइज्ड वार के लिए तैयार कर रही है।

हिसार में आर्मी कैंट में एआइ पर आधारित टैंक भीष्म को दिखाते सैन्य अफसर। जागरण

बढ़ रहा है एआइ का क्षेत्र : एआइ तकनीक से तात्पर्य है कि ऐसे कंप्यूटर कंट्रोल्ड रोबोट या सॉफ्टवेयर बनाना जो इंसानों की तरह सोच कर किसी समस्या का हल निकाल सकें। यह तकनीक कई कार्यों में मौजूदा समय में इंसान के कार्यों को आसान भी बना रही है। अब सेना के कार्यों में इसका प्रयोग किया जाना है। इसमें डिफेंस की मदद करने वाले ऐसे कई स्टार्टअप को केंद्र सरकार बढ़ावा दे रही है।

स्ट्रीट लाइट की रोशनी को नियंत्रित करने के लिए नई तकनीक विकसित

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- **सीएसआइआर-सीएमइआरआइ, दुर्गापुर के वैज्ञानिकों को मिली सफलता**
- **स्ट्रीट लाइट की समस्या से निजात व 60 फीसद तक ऊर्जा की होगी बचत**

बंगाल के दुर्गापुर स्थित सीएसआइआर-सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमइआरआइ) के वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक विकसित की है, जिससे स्ट्रीट लाइट की रोशनी को नियंत्रित किया जा सकेगा। इससे स्ट्रीट लाइटों में होने वाली बेवजह ऊर्जा की खपत को रोकने से 60 फीसद तक ऊर्जा की बचत होगी। संस्थान की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि इस नई तकनीक का नाम 'स्मार्ट डिमेबल एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग प्रौद्योगिकी' है।

सीएसआइआर-सीएमइआरआइ के निदेशक प्रोफेसर हरीश हिरानी ने कहा कि इस प्रौद्योगिकी की प्रमुख विशेषता यह है कि जब कोई पैदल यात्री, साइकिल या वाहन सड़क से गुजरेगा या किसी की मौजूदगी रहेगी तो स्वचालित रूप से स्ट्रीट लाइट की रोशनी को यह बढ़ाएगा। वहीं, यात्री या वाहनों के गुजरने के बाद स्ट्रीट लाइट की रोशनी वापस कम हो जाएगी। इससे ऊर्जा की काफी बचत होगी। यह प्रौद्योगिकी उन्नत गति वाले सेंसरों के संयोजन में काम करता है। यानी जैसे ही स्ट्रीट लाइट युक्त सड़क से कोई यात्री या वाहन गुजरेगा तो यह तकनीक रोशनी की चमक को धीरे-धीरे बढ़ाएगा है ताकि पैदल चलने वालों या साइकिल या कारों को पर्याप्त रोशनी मिल सके। इसके अलावा इसकी खासियत है कि यह स्वचालित रूप से शाम होते ही स्ट्रीट लाइट चालू करता है और सुबह में अपने आप बंद हो जाता है।

पारंपरिक एलईडी आधारित स्ट्रीट लाइट से बेहतर

प्रोफेसर हिरानी ने बताया कि इस तकनीक को पहले ही सीएसआइआर-सीएमइआरआइ की आवासीय कॉलोनी में 50 एलईडी आधारित स्ट्रीट लाइटों को ऊर्जा कुशल स्मार्ट लाइट में परिवर्तित करके प्रयोग किया गया। परीक्षण में देखा गया है कि पारंपरिक एलईडी आधारित स्ट्रीट लाइट की तुलना में इससे 60 फीसद तक ऊर्जा की बचत संभव है। प्रोफेसर हिरानी ने बताया कि इस तकनीक में दोषपूर्ण स्ट्रीट लाइटों को स्वचालित रूप से पहचानने और रखरखाव के काम से जुड़े इंजीनियर को एसएमएस के माध्यम से अलर्ट करने की भी सुविधा है।

संदीप बने गिनीज बुक के कवर पेज पर छपने वाले पहले भारतीय

मोगा के संदीप सिंह कैला बास्केटबॉल घुमाने पर मिले प्रमाणपत्र दिखाते हुए। जागरण

सत्येन ओझा/यश नौहरिया, मोगा

पंजाब के मोगा के गांव बड्डूवाल के संदीप सिंह कैला गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के 64 साल के इतिहास में पहले ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने बास्केटबॉल घुमाने का विश्व रिकॉर्ड बनाकर कवर पेज पर स्थान हासिल किया है। वॉलीबॉल के खिलाड़ी संदीप अब तक मुंह में टूथब्रश रखकर उस पर बॉस्केट बॉल घुमाने के चार विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। अब वह एनबीए (अमेरिका की प्रसिद्ध प्रोफेशनल बास्केटबॉल लीग) में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। एक साथ चार बॉस्केट बॉल घुमाने में महारत हासिल कर चुके संदीप अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, हंगरी, नेपाल व मेक्सिको में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं।

वर्तमान में एबॉट्सफोर्ड (ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा) में रह रहे संदीप ने बताया कि वह वॉलीबॉल खेलते हैं। जब वह मैदान से बाहर खाली बैठे होते थे तो अंगुली पर वॉलीबॉल घुमाते रहते थे। 2015 में उन्होंने डेविड कैन का एक वीडियो देखा, जिसमें वह 33 सेकंड तक बास्केटबॉल को अंगुली पर नचाते रहे। उससे वह बहुत प्रेरित हुए। इसके बाद उन्होंने भी बास्केटबॉल को घुमाना शुरू कर दिया। फिर 2016 में मुंह में टूथब्रश रखकर उस पर बास्केटबॉल घुमाने लगे। अगस्त 2017 में वह एबॉट्सफोर्ड आ गए। यहां दिसंबर 2017 में मुंह में टूथब्रश रखकर उस पर बास्केटबॉल को 60.50 सेकंड तक घुमाया और इस तरह सबसे लंबे समय तक बास्केटबॉल घुमाने का रिकॉर्ड बन गया।

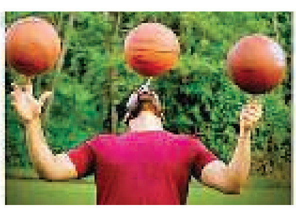

मोगा के संदीप सिंह कैला बॉस्केटबाल घुमाने का करतब दिखाते हुए। जागरण

इनके रिकॉर्ड तोड़े

- **फरवरी 2012 में टॉम कॉनमैन कॉनर्स (ब्रिटेन) का 13.5 सेकंड का रिकॉर्ड**
- **14 नवंबर, 2012 को माइकल कोप्प (जर्मनी) का 26.078 सेकंड का रिकॉर्ड**
- **निकेलोडियन के 'गेट योर स्किल्स ऑन' के सेट पर एंड्रयू विडिंग (ब्रिटेन) का 28.454 सेकंड**
- **27 जनवरी, 2014 को सीसीटीवी के सेट पर थानेश्वर गुरगाई (नेपाल) का 40.12 सेकंड**
- **7 दिसंबर, 2015 को सतना, मध्य प्रदेश में दीपांशु मिश्रा (भारत) का 42.92 सेकंड का रिकॉर्ड**
- **7 अप्रैल, 2017 को मुंबई, भारत में मोहनीश निकम (भारत) का 46.16 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा**

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक 2020 संस्करण में उनका फोटो कवर पर दिया गया है। वह फ्रंट कवर पर आने वाले पहले भारतीय बने हैं।

रखें ध्यान

शिमला के अस्पताल में चिकित्सा विभाग के सर्वेक्षण में आया सामने, नवजात शिशुओं के दांतों की देखभाल के प्रति जागरूक नहीं लोग

बोतल से दूध पिलाने से सड़ रहे बच्चों के दांत

रामेश्वरी ठाकुर, शिमला

नवजात शिशुओं को बोतल के बजाय चम्मच से दूध पिलाना चाहिए। दरअसल, लंबे समय तक बच्चों के मुंह में दूध की बोतल रखने से उनके दांत सड़ने शुरू हो जाते हैं। इस कारण उनके दूध वाले दांत समय से पहले ही टूट जाते हैं। नए दांत आने में समय लगता है और इससे बच्चों का पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है। हिमाचल में करीब 70 फीसद बच्चों के दूध के दांत खराब हो रहे हैं। यह जानकारी डेंटल कॉलेज शिमला के दंत चिकित्सा विभाग के सर्वेक्षण में सामने आई है।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एक ही स्थिति : यह सर्वेक्षण छह साल पहले शुरू हुआ था। इसके अनुसार, ग्रामीण सहित शहरी इलाकों में अभिभावक नवजात शिशुओं के दांतों की देखभाल के प्रति जागरूक नहीं हैं। कामकाजी महिलाएं अधिकतर दो से तीन महीने के नवजात को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। कई बार रात को दूध की बोतल मुंह में रखकर बच्चे को सुला देती हैं। ग्रामीण इलाकों की कई महिलाएं भी ऐसा करती हैं। ऐसा करना बच्चे के स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है।

कामकाजी महिलाएं दो से तीन महीने के नवजात को बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। प्रतीकात्मक

अंगुली से साफ करें जबड़ा : विभागाध्यक्ष डॉ. विनय भारद्वाज ने बताया कि बच्चे के जन्म से ही उसके मुंह का ख्याल रखना शुरू कर देना चाहिए। दांतों के ऊपर व नीचे के जबड़ों में नर्म कपड़े को अंगुली में लपेटकर साफ करना चाहिए। जन्म के छह माह के बाद बच्चों के दांत निकलना शुरू हो जाते हैं। उस दौरान दांतों की सफाई नर्म ब्रश व पानी के साथ शुरू कर देनी चाहिए। जन्म के बाद सात साल तक अभिभावक अपनी निगरानी में बच्चों से ब्रश करवाएं। नर्म टूथब्रश पर मटर के दाने के बराबर टूथपेस्ट लगाकर तीन मिनट तक ब्रश कराना चाहिए। साथ ही समय-समय पर उनके दांतों की जांच भी करवानी चाहिए, ताकि किसी समस्या को शुरू में ही पकड़ा जा सके।

ऐसे करें दांतों की देखभाल

- **दिन में दो बार ब्रश करवाएं।**
- **रेशेदार फल व सब्जियों का अधिक सेवन करवाएं।**
- **छह महीने में एक बार प्रशिक्षित चिकित्सक से चेकअप करवाएं।**
- **चिपचिपे खाद्य पदार्थ दांतों की सतह से आसानी से साफ नहीं होते हैं। खाने के छोटे कण दांतों में फंसकर एसिड बनाते हैं। यह एसिड दांतों की कठोर परत को खत्म कर सड़न पैदा करता है। इसलिए कुछ भी खाने के बाद बच्चों से कुल्ला अवश्य करवाना चाहिए।**

दैनिक जागरण

सबरंग

साहित्य के...

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 26 सितंबर, 2019

सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com

https://www.facebook.com/jagransabrang/

अब पहले से साहित्यिक माहौल की कमी खलती है

दिल्ली मेरी यादें

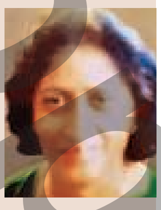

डॉ कमल कुमार को हाल ही में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का अवंतीबाई साहित्य सम्मान मिला है। 1967 में दिल्ली आईं और तकरीबन 33 साल दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन किया। डॉ कमल स्त्री विमर्श की वरिष्ठ लेखिका हैं। इन्हें साहित्यकार सम्मान, हिंदी अकादमी दिल्ली, साहित्य भूषण सम्मान, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान सहित कई सम्मान मिल चुके हैं।

मैं दिल्ली में पैदा तो नहीं हुई लेकिन एक लड़की के जीवन की दूसरी इनिंग यानी शादी के बाद वाले जीवन की शुरुआत यहीं से हुई। पहले ग्रीन पार्क में रहती थी। पति पत्रकार थे इसलिए बाद में प्रेस एंक्लेव साकेत में आ गए। वहां आसपास रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह, कृष्णदत्त पालीवाल जैसे साहित्यकारों के बीच रहने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ। हालांकि यह अवसर ग्रीन पार्क वाले घर पर भी मिलता था।

बहरहाल चूंकि मैं पंजाब यूनिवर्सिटी से थी इसलिए दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षिका के लिए किसी भी कॉलेज में मुझे मौका ही नहीं मिलता था। लेकिन मैं हर कॉलेज में साक्षात्कार देने जरूर जाया करती थी। डॉ नगेंद्र इस चीज को नोटिस कर रहे थे। वो कहते थे कि ये लड़की सभी जगह इंटरव्यू देने जाती है। कुछ दिन बाद मुझे सबसे पहले जानकी देवी कॉलेज में एक शिक्षिका के छुट्टी पर जाने के कारण तीन महीने के लिए पढ़ाने का मौका मिला। उसके बाद भी मेरा साक्षात्कार देने का सिलसिला जारी रहा। फिर एक साथ कई कॉलेज में अवसर मिला। लेकिन डॉ नगेंद्र ने मुझे फोन करके सलाह दी कि जीसस एंड मैरी कॉलेज में ही ज्वाइन करूं। उन दिनों तो मुझे उनकी यह बात समझ नहीं आई और सोच रही कि इस कॉलेज में तो हिंदी के लिए खास अवसर भी नहीं होगा। लेकिन उन्होंने मेरे भले के लिए ऐसी सलाह दी थी। बाकी कॉलेज में हिंदी विभाग बहुत बड़ा था। जीसस एंड मैरी में मैं तीसरे नंबर पर थी। मेरे लिए वहां ज्यादा अवसर था। लेकिन लोग मेरा मजाक उड़ाते थे कि उस कॉलेज में क्या हिंदी, अंग्रेजी में पढ़ाओगी? एक वक्त आया मैंने इसी कॉलेज में हिंदी ऑनर्स की शुरुआत की। वो भी चुनौतियों के बीच। अच्छी बात यह थी कि विश्वविद्यालय के उस समय के हिंदी शिक्षकों का मुझे पूरा सहयोग मिला। मैंने 1975 में वहां हिंदी ऑनर्स की शुरुआत तो कर दी लेकिन पहले बैच में सिर्फ एकाध ही बच्चे आए। वजह थी कॉलेज की अंग्रेजी वाली छवि। कॉलेज की प्रिंसिपल भी भड़कने लगीं यदि यही हाल रहा तो हिंदी ऑनर्स को बंद कर दिया जाएगा। मैं जिद पर अड़ी रही। इस कॉलेज में हिंदी ऑनर्स की पढ़ाई भी होती है इसके लिए एक विज्ञापन निकलवाया। धीरे-धीरे वहां छात्रों की संख्या बढ़ने लगी। कुछ साल बाद स्थिति यह हो गई कि अंग्रेजी और हिंदी विभाग मिलकर साहित्य मंच के आयोजन करने लगे। हमारे कॉलेज की मैगजीन निकलती थी जिसकी मैं संपादक थी और अंग्रेजी वाली शिक्षिका सह-संपादक थीं।

मैं कॉलेज में पढ़ाने के साथ ही दूरदर्शन का एक साहित्य पत्रिका प्रोग्राम आता था उसे भी किया करती थी। उस दौरान मुझे जैनेंद्र कुमार, भीष्म सहानी, निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, केदारनाथ सभी के साक्षात्कार करने का अवसर मिला। उस आयोजन के लिए एक दिन के 25-30 रुपये मिलते थे, लेकिन मेरे लिए यह ऐसा अवसर था जब बड़े साहित्यकारों से सीखने का अवसर भी मिल रहा था। एक और रोचक किस्सा दिल्ली विवि में पीएचडी के समय का बताती हूं। मेरी पीएचडी सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय पर है। मैं उनसे पढ़ने के लिए उनके घर चाणक्यपुरी पहुंच जाया करती थी। पहली बार जब उनके पास पहुंची थी तो वे पौधों की गुड़ाई कर रहे थे। मैं देखकर हैरान हुई और कहा कि आप यह सब क्यों कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि रचनाकार को हर चीज में रचना तलाशनी चाहिए। फिर उन्होंने मुझे अपना घर दिखाया। सोफा दिखाया और बताया कि इसे उन्होंने खुद तैयार किया है। अज्ञेय थे ही ऐसे। उनकी चप्पल भी टूट जाती थी तो उसे खुद ही जोड़ते थे मोची के पास नहीं जाते थे। उन दिनों फोटोस्टेट की भी सुविधा नहीं थी। उन्होंने मुझे अपनी सारी किताबें पढ़ने के लिए यह कहकर दीं कि बाद में लौटा देना। अब ऐसे शिक्षक और मार्गदर्शक कम ही देखने को मिलेंगे। पहले एक और खास बात हुआ करती थी पुस्तक विमोचन में सभी बड़े साहित्यकार आ जाया करते थे वह यह नहीं देखते थे कि नया लेखक है या उसकी पहली किताब है। दिल्ली विवि से ही एमफिल के दौरान अजित कुमार द्वारा प्रेरित किए जाने पर मैंने अपनी कविताओं का संकलन कर सन्मार्ग प्रकाशक से किताब प्रकाशित कराई तो उसके विमोचन में सभी बड़े साहित्यकार आए थे। अब की दिल्ली में पहले वाले साहित्यिक माहौल की सबसे ज्यादा कमी खलती है।

-मनु त्यागी से बातचीत पर आधारित

बातचीत

साहित्य की धरोहर और आज के लेखन का मिजाज। लेखक और लेखन की जिज्ञासा। रचना का आकार और शहर के लिए लेखक का प्यार। दिल्ली के हालात से निकली कहानियों बुतखाना और शाल्मली देकर हिंदी अकादमी सम्मान से नवाजी जा चुकी लेखिका नासिरा शर्मा ने हिंदी और उर्दू साहित्य में नए आयाम रचने का कमाल दिखाया। यह सब कहानियों के ढांचों को शोध और अध्ययन के जरिए हकीकत के रंगों से जीवंत करने से ही संभव हो सका। किस तरह से लेखन की दिशा, लेखकों की सोच और प्रकाशकों के उद्देश्यों में बदलाव आया है, दिल्ली के विकास की लौ ने किस तरह से तारीखी गलियों में और अंधेरा कर दिया है, इन सभी मुद्दों पर **प्रियंका दुबे मेहता** ने वरिष्ठ लेखिका **नासिरा शर्मा** से बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश :

नासिरा शर्मा

सभी लेखक बन जाएंगे तो पाठक कौन होगा

• साहित्यिक बहुआयामी प्रतिभा का निखार आपकी लेखनी में कैसे आया? खुदको इसके लिए किस तरह तैयार किया?

लिखने के लिए कभी तैयार होने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि चीजें आपको विचलित करती हैं। आकर्षित करती हैं। भाव-विभोर करती हैं। आपके मन की रचनात्मकता तक पहुंचती हैं और आप खुद ही तैयार हो जाते हैं। मेरे लेखन को एक दिशा मिली और अलग ही अंदाज मिला इसकी सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण वजह रही मेरी जिंदगी के शुरुआती दिनों की दो महत्वपूर्ण यात्राएं। शादी के बाद तीन साल लंदन और उसके बाद ईरान। वहां जाकर एक तरह से दिमाग खुला, दुनिया को एक बड़े कैनवस पर देखा। बहुत कुछ सीखा। इसके बाद दिल्ली आई तो जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय वजूद में आ रहा था। पथरीली राहों को हरियाली की तरफ बढ़ते देखा। उस दौरान प्रकृति को जीने और खुद में यात्रा करने का बहुत मौका मिला। 28 साल तक आम जिंदगी के आकर्षणों से दूर प्रकृति की गोद में मेरी लेखनी खुद-ब-खुद फलती-फूलती चली गई।

• उर्दू के बाद आपकी कलम हिंदी की ओर घूम गई?

मैं इलाहाबाद (प्रयागराज) से हूं। हिंदी और उर्दू दोनों ही भाषाएं पढ़ती थी लेकिन उर्दू की शिक्षक अकबर इलाहाबादी की रिश्तेदार थी। उनकी बातों में कटाक्ष व्यंग्य बहुत रहता था। ऐसे में हमेशा टकराव रहता था, वहीं हिंदी की शिक्षिका सौम्य और मिलनसार थीं तो शिक्षक की मोहब्बत में हिंदी की तरफ बह गए। वैसे भी संपादक, गीतकार और शायरों के परिवार से आती हूं। सात आठ साल की थी तभी पिता जी गुजर गए। मां ने बहुत प्रेरणा दी। वे शिक्षा को जमीन जायदाद और दौलत से ऊपर मानते हुए तमाम बाधाओं के सामने किले की तरह अडिग रहीं। आज आपके सामने उसी मां का सितारा नासिरा है।

• आपकी किताबों में दिल्ली खासी नजर आती है?

दरअसल आप जहां रहते हैं, उस शहर को जिस तरह से जीने लगते हैं। उसका एहसास आपकी रचनाओं में आ ही जाता है। उसका चेहरा, उस शहर का अक्स...उसकी बातें कहानियों में झलकने लगती हैं। यूं तो कलम से मेरी बचपन में ही दोस्ती हो गई थी लेकिन लेखन की सही शुरुआत कहूं तो वो इस बहुरूपी शहर दिल्ली में ही हुई। दिल्ली की भागती-दौड़ती चकाचौंध भरी दुनिया में आने के बाद कलम इस दुनिया को अपने में बद्ध करने को और उत्सुक हो उठी थी। पहली कहानी 'बुतखाना' उसी का परिणाम थी जो कमलेश्वर जी के संपादन में छपी थी। मैं इलाहाबाद (प्रयागराज) का खुलूस, लंदन का अनुशासन, तौर-तरीके और इंसानियत देखने के बाद दिल्ली आई थी। यहां की दुनिया अलग मिजाज में नजर आती है। उसी अनुभव की कहानी 'बुतखाना' बन जाती है। 'शाल्मली' भी दिल्ली की महिला अधिकारी की कहानी है जिसे पुरस्कार मिले और उस पर सीरियल भी बना। यह कहानी दिल्ली की एक सचेत औरत की है। एक महिला अफसर कैसे सोचती है, उसका शौहर उसे कैसे भुनाना चाहता है।

• क्या वजह है कि आपकी कहानियों में दर्द और संवेदना सीधा पाठक के दिल में उतर जाती है?

कहानियों में संवेदनाओं का होना तो जरूरी है ही लेकिन जब तक उसमें शोध नहीं होगा तो उस कहानी या रचना को आप संवार नहीं पाओगे। बस मैं शोध से ही रचनाओं के बीज को संवारने की, सींचने की कोशिश करती हूं। मेरी किताब 'सवीना के चालीस चोर' में दिल्ली के दस्तकारों की कहानियां हैं। मैं इसे लिखते समय खूब घूमी थी। मुझे याद आता है कि पतंग बनाने वालों की कहानी लिखते समय दिल्ली के तमाम इलाकों में जाकर उनके घर तलाशती थी। किसी विषय पर कहानी लिखते समय इतिहास, हालात और पृष्ठभूमि की जानकारी बहुत जरूरी होती है। संवेदना के ढांचे में हकीकत के रंग भरने से ही कोई बात सहजता से पाठक के मन में उतरती चली जाती है। उसकी अपनी सी बन जाती है।

• दिल्ली में लंबे अर्से से रह रही हैं तो बहुत कुछ बदलते, संवरते देखा होगा?

कहानी संग्रह 'चांद तारों की शतरंज' हिंदी अकादमी के कृति सम्मान से नवाजी गई थी। मैंने इसे हिंदुस्तान की पचासवीं सालगिरह को भेंट किया था। इस किताब में यही है कि हम आगे तो जा रहे हैं लेकिन पीछे बहुत कुछ छूट रहा है। हमारे दस्तकार बहुत तकलीफ में हैं। दिल्ली की तामीर में उसकी तारीखी जगहों को उस धरोहर को हम भूल गए हैं। एक तरफ की दिल्ली में चमक है तो दूसरी तरफ की दिल्ली फीकी सी उदास सी नजर आती है। अन्य देश अपनी पुरानी और ऐतिहासिक जगहों और बुनियादी जड़ों को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं। दुबई में मैं 'जीरो रोड' लिख रही थी। एक पुराना मोहल्ला था जहां से दुबई ने अपनी जिंदगी शुरू की थी। वहां के राजा के बेटे को शेख ने बताया कि उस मोहल्ले का नवनिर्माण किया जा रहा है तो उन्होंने कहा कि यह तुम्हारी तारीखी का हिस्सा है। उसकी बुनियाद संजोते हुए उसे खूबसूरती दी जानी चाहिए, और वहां ऐसा ही किया गया। कनॉट प्लेस को हमने हसीन बना लिया, बुलट बना ली, पुल बना लिए लेकिन उसकी बुनियादी जगहों को ऐसे ही छोड़ दिया है।

• दिल्ली के साहित्यिक नगरी के पहलू पर कुछ बताइए?

हां, ये तो है दिल्ली साहित्यिक नगरी तो है। सारे अच्छे प्रकाशक यहां हैं। बड़ी-बड़ी साहित्यिक गोष्ठी होती है। लेखन की जिंदगी की तलाश में युवा भी आते हैं। और वे उसी तरह से सक्रीय हैं जैसे अपने वक्त में हम हुआ करते थे बस फर्क सिर्फ इतना है कि वे चूजी नहीं हैं, हम चूजी रहे हैं। मुझे अफसोस यह है कि सारा ध्यान दिल्ली के लेखकों पर ही है, अन्य प्रांतों के बहुत अच्छे लेखकों को तवज्जो और मौका नहीं मिल पाता।

• यादों की परतों पर बहुत कुछ दिल्ली से भी संजोया होगा, जिसे अक्सर याद करती होंगी?

आज की दिल्ली में दिखावा बहुत बढ़ गया है। पहले कनॉट प्लेस में एक से एक अच्छी किताबें मिल जाती थीं। रीगल के सामने कई दुकान हुआ करते थे, वहां दीवार से चिपक कर खड़े होना, यहां की खुली सड़कों पर चहलकदमी आज की दिल्ली में संभव नहीं है। आज किताबों की जगह कपड़ों ने ले ली है। रास्ते बदल गए हैं। वही चीजें नहीं रहीं जो आपको जिंदगी से भरती हैं। नीरसता में रंग भरती वह फलों और सब्जियों की रेहड़ियां, कुछ भी तो नहीं रहा दिल्ली की मस्तमौला फिजा में। बस जो पहला है वही सब आज भी सहजता से सजा हुआ है और अच्छी सी अनुभूति देता है।

• देखने में आता है कि अच्छा लेखक प्रकाशन तक नहीं पहुंच पाता, अच्छे साहित्य को पुनर्जीवित करने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

हालांकि मुझे कभी प्रकाशकों की परेशानी नहीं हुई। मेरी चीजें बहुत कम लौटी हैं लेकिन यहां अच्छे लेखक बहुत परेशान होते हैं। एक वर्ष में एक बड़ा सेमिनार करवाया जाना चाहिए। एक ऐसे मंच पर सबको एकत्र किया जाना चाहिए जहां कि प्रकाशक का नजरिया लेखक समझे और प्रकाशक लेखकों की परेशानियों को, उनकी उम्मीदों, उनकी इच्छाओं को समझें ताकि प्रकाशकों और अच्छे लेखकों के बीच की खाई को पाटा जा सके।

• आपने आलोचना भी की हैं, आज के दौर में आलोचना का अंदाज कैसे बदला है और आप इसे कैसे देखती हैं?

मैंने आलोचना अपनी मर्जी से की हैं, पैसों के लिए नहीं। पहले प्रकाशक अच्छी किताबों पर फोकस करने में गर्व महसूस करते थे। आज के प्रकाशक व्यक्तिगत संबंधों और पैसों से गोष्ठी के फेर में पड़ गए हैं। साहित्य को स्वयं इससे जुड़े लोगों ने ही खराब किया है। हम बंटे-बिखरे हैं, हम अपना जज्बा बेचने में नहीं झिझकते, नकल करने में नहीं ठिठकते। यह चीजें कमजोरी देती हैं।

• आपको क्या लगता है कि बड़े लेखकों की आलोचना ही साहित्यकार पाठकों तक पहुंचा सकती है?

मेरे बारे में कभी किसी बड़े आलोचक ने कुछ नहीं लिखा। नामवर सिंह, नित्यानंद जी, निर्मला जैन ने तारीफ जरूर की लेकिन कभी कलम नहीं उठाई। बावजूद इसके, सबसे ज्यादा किताबें मेरे पर लिखी गई हैं। तो मैं कहूंगी कि अच्छे लेखन और पाठक का नाता किसी आलोचना का मोहताज नहीं होता। लेखक के लेखन की खूबसूरती ही उसे लोगों से जोड़ती है।

• आज के साहित्य जगत में किस तरह का बदलाव देखती हैं?

पहले लेखक को अपनी किताबों का परिचय खुद नहीं लिखना होता था। उस समय लेखक के व्यक्तित्व और उसके लेखन की खूबियों को निचोड़कर एक गहरा परिचय लिखा जाता था। उसे देखकर बहुत खुशी मिलती थी। आज के दौर में कहानी भी लिखें और परिचय भी। प्रकाशक और संपादकों की बात करें तो आज उनमें वह गहराई नहीं रही। नई पीढ़ी तकनीकी ज्ञान के गुरूर में यह भूल जाती है कि तकनीक का ज्ञान अच्छे लेखन की कसौटी नहीं है। लेखक संवेदना से जुड़ी यात्राएं करता है। अब एक लेखक की तरह जीना, एक लेखक की तरह सोचना धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। यह एक बड़ी विडंबना है। एक किताब छपवाकर गोष्ठी करने से साहित्य आगे नहीं बढ़ रहा है। यह सब चीजें अच्छे लेखन की शत्रु हैं। दिक्कत यह है कि हर दूसरा आदमी यहां लेखक है, पाठक कोई नहीं है।

साहित्यिक धरोहर

ज्ञान की 'प्रज्ञा'

इस सप्ताह से दिल्ली की उन संस्थाओं के बारे में जानकारी देने का प्रयास करेंगे जिन संस्थाओं ने दिल्ली के साहित्य जगत को अपनी गतिविधियों से समृद्ध किया। इस श्रृंखला की शुरुआत दिल्ली की एक संस्था प्रज्ञा संगोष्ठी से कर रहे हैं।

प्रज्ञा संगोष्ठी की स्थापना 1965 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों ने मिलकर की थी। इसके संस्थापक थे हंसराज कॉलेज से जुड़े डॉ सुखवीर सिंह, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के महेश मिश्र, हिन्दू कॉलेज के सुरेश ऋतुपर्ण और किरोड़ीमल कॉलेज के छात्र रामकुमार। इसके अलावा भी कुछ उत्साही छात्र इस संस्था की स्थापना में सक्रिय भूमिका में थे। इन सभी छात्रों की साहित्य में रुचि थी और उन्हें लगता था कि दिल्ली विश्वविद्यालय में साहित्यिक रुचि वाले छात्रों का कोई साझा मंच नहीं है, लिहाजा उन्होंने एक दिन प्रज्ञा संगोष्ठी के नाम से एक संस्था का गठन किया। उस वक्त दिल्ली विवि में वामपंथ की साहित्यिक धारा बड़े वेग से बहा करती थी और वो अपनी विचारधारा से इतर लेखकों या छात्रों को किसी प्रकार का समर्थन नहीं करते थे। प्रज्ञा संगोष्ठी की स्थापना की एक वजह ये उपेक्षा भी थी। प्रज्ञा संगोष्ठी की बैठकें दिल्ली विश्वविद्यालय के अलग-अलग कॉलेजों में होती थीं। इसका कोई तय एजेंडा नहीं होता था। सभी छात्र जुटते थे और अपनी कविताएं और रचनाएं एक दूसरे को सुनाते थे। हर महीने इस संस्था की एक गोष्ठी हुआ करती थी।

इस संस्था के पास नियमित आय का कोई साधन नहीं था इसलिए ज्यादातर समय इसके संस्थापकों को ही चाय-पानी का इंतजाम करना पड़ता था। या कई बार कॉलेज की साहित्य सभा इनकी गोष्ठियों से जुड़ जाती थीं तो वो चाय-पानी का इंतजाम कर देती थीं। इस संस्था के संस्थापकों में से एक सुरेश ऋतुपर्ण के मुताबिक जब संस्था शुरू हुई थी तो इसकी आरंभिक गोष्ठियों का खर्चा 15-20 रुपये हुआ करता था क्योंकि उस वक्त दो आने में एक समोसा मिलता था और एक आने की चाय आती थी। गोष्ठियों में मशहूर कवि अजित कुमार, आलोचक विश्वनाथ त्रिपाठी और कवि रामदरश मिश्र के अलावा प्रेम जनमेजय और प्रताप सहगल आदि नियमित आया करते थे।

संस्था का पहला कविता संग्रह दिविक : प्रज्ञा संगोष्ठी नाम की इस संस्था ने उस वक्त एक अभिनव प्रयोग की शुरुआत की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय कविताअब्द जिसका अर्थ होता था दिल्ली विश्वविद्यालय कविता वर्ष। इसके प्रथम अक्षरों को लेकर दिविक-1 नाम से एक कविता संग्रह का प्रकाशन हुआ। इस संग्रह का प्रकाशन संभवतः 1969 के अंत में या 1970 के शुरुआती महीनों में हुआ था। इसका विमोचन दिल्ली विश्वविद्यालय के टैगोर हॉल में हुआ था। हिंदी विभाग के उस वक्त के अध्यक्ष डॉ नगेन्द्र ने तब राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के अलावा शमशेर बहादुर सिंह को भी आमंत्रित किया था और वो आए भी थे। उस वक्त शमशेर एक उर्दू शब्दकोश पर काम कर रहे थे और उसी इमारत में बैठते थे। दिविक-1 में एक नवोदित कवि रमेश शर्मा की कविताएं भी छपी थीं जिन्होंने अपना नाम ही दिविक रमेश रख लिया था और इस वक्त हिंदी के मशहूर बाल साहित्यकार और कवि हैं। बाद में जब डॉ नगेन्द्र हिंदी विभाग से पद मुक्त हुए तो सावित्री सिन्हा ने हिंदी विभाग का काम-काज संभाला। तब इन उत्साही छात्रों ने एक और संग्रह मुट्ठियों में बंद आकार के नाम से एक और संकलन छापा था। उस वक्त सावित्री सिन्हा ने ऋषभ चरण जैन एवं संतति के मालिक दिग्दर्शन चरण जैन को बुलाकर छात्रों के इस संग्रह को छापने का अनुरोध किया था, खुद इसकी भूमिका भी लिखी थी। बाद में डॉ सुखवीर सिंह ने दिविक-2 का प्रकाशन भी किया था।

अनंत विजय

तेरा गांधी, मेरा गांधी इसका गांधी, किसका गांधी !

कह कर रहूंगा

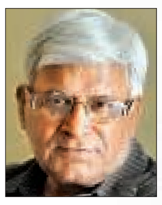

प्रेम जनमेजय
वरिष्ठ व्यंग्यकार

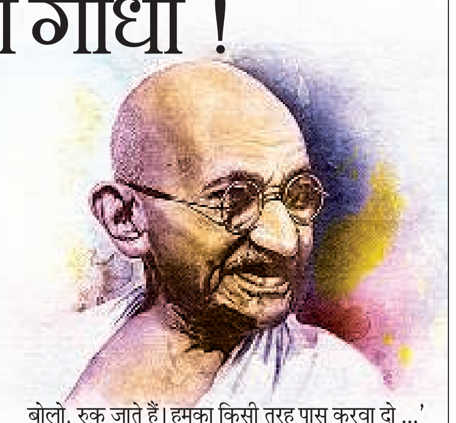

मैं बीच चौराहे पर बैठा था। मेरे साथ गांधी जी भी चौराहे पर थे। जहां गांधी, वहां देश। देश भी चौराहे पर था। इसे आप देश का गांधी चौराहा भी कह सकते हैं। मैं जिंदा था और किसी उजबक-सा आती-जाती भीड़ को देख रहा था। गांधी जी मूर्तिवान थे और भीड़ में से कुछ उजबक उन्हें देख रहे थे। और देश..! 70 वर्षीय देश को जो करना चाहिए वही कर रहा था। या कह सकते हैं जो करवाया जा रहा वह कर रहा था। 70 की उम्र होती ही ऐसी है। मैं देश की आजादी के डेढ़ वर्ष बाद पैदा हुआ हूं, और गांधी जी को पैदा हुए डेढ़ सौ वर्ष होने वाले हैं। अभी दो अक्टूबर दूर है इसलिए चौराहे पर साफ-सफाई कम थी और सजावट, विरोधी पार्टी-सी, खिसियाई हुई थी। मूर्ति पर बाढ़ का असर नहीं पड़ा था अतः धुलनी शेष थी।

देखा एक मार्ग से पांडेय जी आ रहे हैं। शेयर बाजार के सेंसेक्स-सी तेजी में थे। चेहरा आर्थिक मंदी में मिली राहत-सा प्रसन्न था। मुझे देख मेरे पास आए, हाउडी किया और बोले, सब बढ़िया हो गया।'

मैंने पाकिस्तानी स्वर में पूछा-क्या बढ़िया हो गया?'

पांडेय जी अनुच्छेद 370 के हटने की प्रसन्नता वाले स्वर में चहके-गांधी जी पर सेमिनार का बड़ा बजट अप्रूव हो गया। बड़े-बड़े लोगों को बुलाउंगा और बड़े हॉल में गांधी जी पर बड़ा सेमिनार करवाउंगा। बड़े लोग हवाई जहाज से आएंगे, बढ़िया होटल में ठहरेंगे। जल्दी में हूं फिर मिलता हूं...देखता हूं... तुझे भी शायद बुलाऊं ... विराट आयेजन होगा।' पांडेय जी ने मेरी ओर चुनावी आश्वासन-सा टुकड़ा फेंका। मुझे आज तक माता के विराट जगरातों के निमंत्रण मिले थे... गांधी पर विराट आयोजन...।

पांडेय जी सेमिनार प्रस्ताव के मार्ग से आए थे और विराट आयोजन की ओर चल दिए। मैं वहीं का वहीं चौराहे पर था। तभी देखा राधेलाल जी बगल में गांधी के विचारों की किताबों के बंडल से लदे आ रहे हैं। बोझ से इतने दबे थे कि ढेंचू भी नहीं बोल पा रहे थे। मैंने पूछा, अरे ! पूरी लाइब्रेरी लिए कहां जा रहे हैं?'

गांधीवादी तोता बोला -कम्पीटिशनवा की तैयारी कर रहे हैं, न। गांधी पर बहुत कुछ पूछा जाने वाला है। बहुत कुछ रटना है। टाइमों नहीं है। कुछ जुगाड़ जमा सकते हो तो बोलो, रुक जाते हैं। हमका किसी तरह पास करवा दो ...' मैंने कहा, आप तो जानते हैं राधेलाल जी कि मैं...'

हम खूब जानते हैं आपको मास्टर जी ! आप तो गांधी के सिद्धांत ही पढ़ा सकते हो...चलते हैं।'

तोता जी चले गए और देशसेवा मार्ग से सेवक जी आ गए। सेवक जी शाम को स्कॉचमय होते हैं, इस समय खादीमय हो रहे थे। दो अक्टूबर को हाथ भी नहीं लगाते। सब सेवक उन जैसे नहीं हैं। कुछ ने तो गांधी जी के आदर्श पर चलते पूरी तरह अपनी शराब बंदी कर ली है, पर सत्ता का नशा नहीं त्यागा जाता। गांधी जी ने बहुत मार्ग बताए हैं, चलने के लिए। सब पर चलना कोई जरूरी है? अब गांधी जी ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी भंग कर दी जाए...अब पार्टी भंग हो जाएगी तो हमारी देशसेवा का क्या होगा? प्रजातंत्र बर्बाद नहीं हो जाएगा! दो मिनट मौन जैसा, सादगीपूर्ण गांधी होना बहुत है। 150 वीं पर भी हो लेंगे। हर देशसेवक अपनी पसंद के गांधी की महक से स्वयं को महका रहा है। गांधी जी का सत्य एक था पर गांधीवादियों के सत्य अनेक हैं। गांधीवादी अनेक हैं पर अनुयायी इक्का-दुक्का हैं। गांधी वोट-भिक्षा का साधन बन रहे हैं। ब्लैक कैट से घिरे सेवक जी ने मुझ गरीब की ओर हाथ हिलाया और मुस्कुराए जैसे बरसों से जानते हों। इससे पहले कि मैं उनके अभिवादन का उत्तर देता वे तेज कदम 150 वाले राजमार्ग की ओर चल दिए।

चौराहे के चौथे मार्ग पर कुछ कुछ वीरानगी थी। उत्सुकतावश मैं उठा और उधर चल दिया। वहां जर्जर पड़ा आश्रम-सा मिला। जर्जर से आश्रम में जर्जर मनुष्य-से दिख रहे थे। वे न तो गांधीवादी थे और न गांधी के अनुयायी। इन अज्ञानियों को गांधी का ज्ञान भी न था, 150 वर्षीय उत्सव का ज्ञान कैसे होता! पर वे जी गांधी-सा जीवन रहे थे। वे अपना पखाना खुद साफ कर रहे थे। वे केवल लंगोटी जैसा कुछ पहने थे। वहां इक्का-दुक्का बकरी भी मिमिया रही थीं। वे आजादी से पहले के गांधी को, बिना जाने, जी रहे थे और आजाद हिंदुस्तान के वोटर थे।

बचपन की पोटली देख 'जॉली' हो जाएंगे

काम की दुकान

बिल्लू, पिंकी, चाचा चौधरी, रमन, नागराज, साबू, राका इन नामों को पढ़कर कार्टून के किरदारों की तस्वीरें जरूर आंखों के सामने तैर गई होंगी। रंग-बिरंगे आकर्षक कार्टून और उनके दिलचस्प किस्से ऐसे होते थे कि बच्चे ही नहीं, बड़े भी इन कॉमिक्स को आनंद के साथ पढ़ा करते थे। लेकिन टीवी और सोशल मीडिया के आ जाने से कॉमिक्स जैसे बीते जमाने की बात हो गई। अगर आप बचपन की उन यादों को एक बार फिर तरोताजा करना चाहते हैं, इन सारे किरदारों को फिर से सचित्र पढ़ना चाहते हैं तो जॉली मैगजीन कॉर्नर जा सकते हैं। गाजियाबाद के चौपला बाजार स्थित तेली वाली गली के मोड़ पर कॉमिक्स की यह एकमात्र दुकान है, जिसने इन सभी पात्रों को आज भी जिंदा रखा है। जॉली मैगजीन कॉर्नर पर पुराने लेखकों के उपन्यास, धार्मिक किताबें या अंग्रेजी-हिंदी साहित्य से संबंधित किताबें सब इस एक छोटी सी दुकान में मौजूद हैं।

अखबार से मैगजीन तक का सफर : बंटवारे के बाद जगजीत सिंह जॉली पाकिस्तान के रावलपिंडी से गाजियाबाद में आकर बस गए। 1951 में उन्होंने जॉली मैगजीन कॉर्नर की शुरुआत की। तब वह साइकिल से दिल्ली जाते थे और वहां से अखबार लाकर दुकान पर बेचते थे।

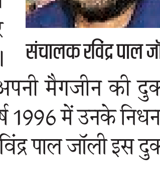

संचालक रविंद्र पाल जॉली

धीरे-धीरे उन्होंने अपनी मैगजीन की दुकान स्थापित कर ली। वर्ष 1996 में उनके निधन के बाद से उनके बेटे रविंद्र पाल जॉली इस दुकान को संभाल रहे हैं।

खत्म हो गया कॉमिक्स पढ़ने का शौक : एक समय था जब बच्चे और बड़े कॉमिक्स व उपन्यास पढ़ने के शौकीन थे। कॉमिक्स व उपन्यास मनोरंजन के बेहतरीन साधन माने जाते थे। लेकिन, जैसे-जैसे समय बदला और इंटरनेट, मोबाइल व कंप्यूटर का जमाना आया लोग किताबों को भूलते चले गए। आज इन्हें पढ़ने वालों की संख्या बहुत कम रह गई है। रविंद्र जॉली कहते हैं एक समय था जब जॉली मैगजीन कॉर्नर पर किताब खरीदने वालों की लाइन लगा करती थी। क्या आम क्या खास सभी कतारबद्ध रहते थे। लेकिन अब पहले के मुकाबले बिक्री में काफी गिरावट आई है।

25 साल में आया बदलाव : जॉली बताते हैं कि आज से 25-30 साल पहले तक लोग मनोरंजनात्मक किताब पढ़ना आधिक पसंद करते थे लेकिन वर्तमान में मनोरंजन के कई साधन आए गए हैं, इसलिए ऐसी किताबों की मांग धीरे-धीरे कम हो गई। अब लोग सूचनापरक, धार्मिक व प्रेरणादायक किताबों की मांग अधिक करते हैं। वर्तमान में जॉली मैगजीन कॉर्नर पर 10 हजार से अधिक किताबें हैं।

तमाम तरह की किताबें उपलब्ध : कहने को तो जॉली बुक कॉर्नर काफी छोटा है। लेकिन, इसकी विशेषताओं की बात करें तो वैरायटी अनेक हैं। बच्चों की पसंदीदा कॉमिक्स से लेकर, जासूसी उपन्यास, हिंदी-अंग्रेजी उपन्यास, धार्मिक किताबें और ग्रंथ सब यहां उपलब्ध है। जिन पुरानी किताबों को आप ढूंढकर थक गए हों, वह किताब भी यहां सहज उपलब्ध है। एक बार यदि किताब नहीं भी मिलती है तो वह आपको कुछ ही दिनों में मंगा कर उपलब्ध करा दी जाती है।

ऐसे पहुंचे : गाजियाबाद चौपला बाजार से तेली वाली गली की तरफ मुड़ते ही जॉली मैगजीन कॉर्नर पहुंचा जा सकता है।

-आशुतोष गुप्ता

चौपला के तेली वाली गली स्थित जॉली मैगजीन कॉर्नर। जागरण

एडीबी ने भारत का विकास दर अनुमान घटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का विकास दर अनुमान 7.2 परसेंट से घटाकर 6.5 परसेंट कर दिया है। हालांकि बैंक ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय इकोनॉमी चीन से तेज वृद्धि करेगी। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी की विकास दर पांच परसेंट रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मैन्यूफैक्चरिंग में कमी, बैंकों और फाइनेंशियल संस्थाओं द्वारा दिए जाने वाले कर्ज में गिरावट और ग्रामीण इकोनॉमी में संकट के चलते बीते कुछ समय से भारत की विकास दर कम रही है।

सरकार पीएमसी बैंक की स्थिति पर नजर रखे हुए है। वह किसी भी ग्राहक को किसी तरह की दिक्कत नहीं होने देगी।

— अनुराग ठाकुर, वित्त राज्यमंत्री

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डॉलर	क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल)
38,593.52	11,440.20	₹ 39,182	₹ 48,815	₹ 71.04	$ 62.09
▼ 503.62	▼ 148	▲ ₹ 162	▲ ₹ 95	▲ ₹ 0.03	

सबसे आगे ▸ कॉरपोरेट टैक्स घटने का फायदा ग्राहकों को देने वाली पहली कार कंपनी बनी

मारुति सुजुकी ने कारों के दाम घटाए

11 प्रमुख मॉडलों की कीमतों में कंपनी ने 5,000 रुपये की कटौती की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड पहली बड़ी कंपनी बन गई है, जिसने सरकार की तरफ से कॉरपोरेट टैक्स घटाने का फायदा सीधे ग्राहकों को दिया है। भारतीय कार बाजार में 49 फीसद हिस्सेदारी रखने वाली इस कंपनी ने अपने 11 प्रमुख मॉडलों की कीमतों में 5,000 रुपये की कटौती का एलान किया है।

कंपनी का मानना है कि पहले से ही मिल रहे डिस्काउंट और अब नई कटौती के बाद त्योहारी सीजन में ग्राहकों में मारुति सुजुकी की गाड़ियों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। कॉरपोरेट टैक्स घटने का असर कंपनी की 30 सितंबर को लांच होने वाली नई कार की कीमतों में भी दिखाई देगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी के मुताबिक इस महीने शोरूम में कारों के बारे में होने वाली पूछताछ काफी बढ़ी है, जो त्योहारी सीजन में मांग में इजाफा होने का संकेत है।

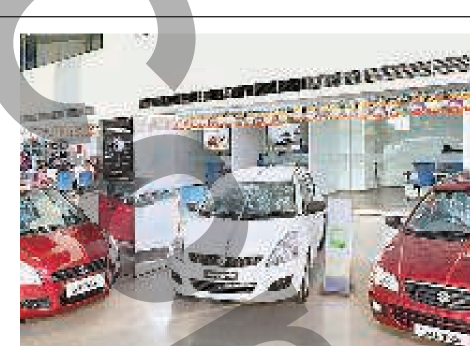

यह छूट पहले से दिए जा रहे ऑफर के अतिरिक्त होगी। फाइल फोटो

इन मॉडलों के दाम घटे

ऑल्टो 800, ऑल्टो के-10, सिलेरियो, इग्निस, विटारा ब्रेजा और एस-क्रॉस के सभी मॉडल के अलावा स्विफ्ट, बालेनो, डिजायर और टूर-एस के डीजल वैरिएंट के दाम घटे

कंपनी ने कहा है कि ऑल्टो 800, ऑल्टो के-10, सिलेरियो, इग्निस, विटारा ब्रेजा और एस-क्रॉस के सभी मॉडल के अलावा स्विफ्ट, बालेनो, डिजायर और टूर-एस के डीजल वैरिएंट की कीमतों में 5,000 रुपये की कटौती की गई है। नई कीमत बुधवार से लागू हो गई है। कंपनी ने साफ किया है कि यह कटौती अन्य छूटों के अतिरिक्त होगी। इनमें से कुछ बीएस 6-मानकों का पालन करने वाले मॉडल भी हैं।

हाल ही में मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा था कि कारों के दाम और संचालन की लागत में खासा इजाफा हुआ है। इसलिए मध्यम वर्ग कार खरीदने से पीछे हट रहा है, जो उद्योग में मंदी के पीछे एक बड़ी वजह है।

अगले सप्ताह लांच होगी नई इलांट्रा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : अग्रणी कार कंपनी ह्युंडई मोटर इंडिया ने 'न्यू 2019 इलांट्रा' का पहला लुक जारी कर दिया है। कंपनी इस वाहन को भारत में तीन अक्टूबर को लांच करने वाली है। इसकी बुकिंग बुधवार से शुरू हो गई है। नई कार का फ्रंट हेक्सागोनल ग्रिल के साथ है, जो प्रीमियम सिडान की इमेज देता है।

इस बीच, कंपनी ने अपने ग्राहकों और डीलरों के लिए सरकारी क्षेत्र के अग्रणी कर्जदाता बैंक ऑफ बड़ौदा को पसंदीदा फाइनेंसर बनाने संबंधी एक करार किया है। इसके तहत बीओबी कंपनी के ग्राहकों और डीलरों को हर तरह की वित्तीय सुविधा मुहैया कराएगा। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि डीलरों को वित्तीय मदद बैंक के मौजूदा कार्यक्रमों के अनुरूप ही मुहैया कराई जाएगी। बीओबी ने कहा कि ऑटो लोन के क्षेत्र में संभावनाओं की कमी नहीं है।

सबसे अमीर भारतीय का मुकेश अंबानी का रुतबा लगातार आठवें वर्ष बरकरार

मुंबई, एएनआइ : रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मालिक और दुनिया के शीर्ष उद्योगपतियों में शुमार मुकेश अंबानी ने सबसे अमीर भारतीय का अपना रुतबा बरकरार रखा है। आइआइएफएल वेल्थ-हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में मुकेश अंबानी 3.8 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे ऊपर हैं। यह लगातार आठवां वर्ष है, जब मुकेश अंबानी पहले पायदान पर काबिज हुए हैं। वहीं उनके छोटे भाई अनिल अंबानी को 953 धनकुबेरों की लिस्ट में कोई स्थान नहीं मिला है।

लंदन में रह रहा एसपी हिंदूजा परिवार 1.8 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। वहीं विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी 1.17 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सूची में चौथा स्थान आर्सेलर मित्तल के सीईओ लक्ष्मी निवास मित्तल को दिया गया है। मित्तल की कुल संपत्ति 1.07 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। अडानी ग्रुप के मुखिया गौतम अडानी 94,500 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पांचवे स्थान पर हैं।

आइआइएफएल की वेल्थ-हुरुन इंडिया रिच लिस्ट, 2019 में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। 2018 में यह संख्या 831 थी, जो इस वर्ष बढ़कर 953 हो गई है। लेकिन अमेरिकी डॉलर में संपत्ति आंकने पर अरबपतियों की संख्या 141 से घटकर 138 हो गई है। इस सूची के टॉप 25 लोगों की संपत्ति भारतीय जीडीपी के 10 परसेंट के बराबर है। वहीं अगर सभी 953 लोगों की सम्मिलित संपत्ति की बात करें तो यह जीडीपी के 27 परसेंट के बराबर है।

▸ अनिल अंबानी को नहीं मिल सकी सूची में जगह

▸ इस वर्ष 1,000 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले लोगों की संख्या बढ़ी

फाइल फोटो

इस सूची के टॉप टेन में उदय कोटक 94,100 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ छठे स्थान पर हैं। जबकि सायरस एस पूनावाला 88,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं और इस सूची में सातवें पायदान पर काबिज हैं। सायरस पालोनजी मिस्त्री 76,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ आठवें स्थान पर हैं। वहीं शपूर पालोनजी को नौवें और दिलीप सांघवी को 10वें स्थान पर जगह दी गई है। सूची के हिसाब से सबसे ज्यादा अरबपति मुंबई में हैं।

बात पते की

53 फीसद ऐसे नाम हैं, जिन्हें संपत्ति विरासत में मिली है

246 दिग्गजों के साथ सूची में मुंबई पहले स्थान पर है

175 अरबपतियों के साथ दूसरे स्थान पर दिल्ली बरकरार है

35 परसेंट इजाफा ही हुआ है मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु को मिलाकर नए अरबपतियों में

अफवाहों पर नहीं दें ध्यान, कोई बैंक नहीं हो रहा बंद : आरबीआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सरकारी तंत्र मंदी के साथ-साथ मंदी से जुड़ी अफवाहों से लड़ने में भी जुट गया है। सोशल मीडिया पर देश के नौ सरकारी बैंकों के बंद होने के अफवाह के वायरल होने को बेहद गंभीरता से लिया गया है। बुधवार को आरबीआइ और वित्त मंत्रालय ने अपने अपने स्तर पर इस तरह की अफवाहों को एक सिरे से खारिज किया है और देश की जनता को आश्वस्त किया है कि कोई भी बैंक बंद नहीं होने जा रहा। सरकारी क्षेत्र के कई बैंकों ने भी अपनी तरफ से जागरूकता अभियान चलाया है। सरकार का मानना है कि कुछ अराजक तत्वों ने मंगलवार को आरबीआइ की तरफ से एक शहरी सहकारी बैंक के संचालन को सीमित करने के फैसले का गलत फायदा उठाते हुए देश के वित्तीय क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की कोशिश की है।

वित्त सचिव राजीव कुमार ने सबसे पहले बुधवार दोपहर में इस बारे में ट्वीट किया कि, 'सोशल मीडिया पर बहुत ही गलत समाचार का प्रसार किया जा रहा है कि आरबीआइ कुछ बैंकों को बंद करने जा रहा है। सरकारी बैंकों को बंद करने का कोई सवाल नहीं है। असलियत में सरकार इन बैंकों को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इनमें सुधार लागू किया जा रहा है और इन्हें अतिरिक्त फंड दिए जा रहे है।' इसके कुछ ही देर बाद भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से भी इसी तरह की सूचना जारी की गई। सोशल मीडिया पर जिन बैंकों के बंद होने की अफवाह चल रही है उनमें कई ऐसे बैंक है जिन्हें हाल ही मे सरकार ने विलय कर एक बड़े बैंक में तब्दील करने का फैसला किया था।

▸ मंदी के साथ अफवाहों से लड़ने में जुटा वित्त मंत्रालय व आरबीआइ

▸ सोशल मीडिया पर वायरल हुई नौ सरकारी बैंकों के बंद होने की अफवाह

प्रतीकात्मक

त्योहारों में टीवी बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही सैमसंग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नवीनतम टेक्नोलॉजी और टेलीविजन के कई नए मॉडलों के साथ सैमसंग इंडिया इस त्योहारी सीजन में टेलीविजन बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के इरादे से उतर रही है। कंपनी का इरादा क्यूलेड टीवी के बाजार में अपनी हिस्सेदारी को 60 परसेंट तक पहुंचाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कंपनी ने व्यापक रणनीति बनाई है। इसमें त्योहारों के मौके पर दिए जाने वाले ऑफर के साथ-साथ मार्केटिंग के जरिये छोटे और मझोले शहरों में अपनी पैठ बढ़ाना है।

सालाना 25 परसेंट की रफ्तार से बढ़ रहे घरेलू स्मार्ट टीवी बाजार में सैमसंग दो कदम आगे चल रही है। कंपनी 40 परसेंट की दर से इस बाजार में ग्रोथ कर रही है। सैमसंग इंडिया के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजू पुल्लन ने दैनिक जागरण के साथ बातचीत में कहा कि इस त्योहारी सीजन में कंपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। कंपनी का पूरा ध्यान ग्राहकों को बेहतर टेक्नोलॉजी के प्रोडक्ट देना है। साथ ही त्योहारों के मौके पर विशेष ऑफर के जरिये

प्रतीकात्मक

ग्राहकों को पुराने टीवी से नए में अपग्रेड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पुल्लन ने बताया कि सैमसंग ने त्योहारों से पहले टेलीविजन के जो नए मॉडल उतारे हैं, उनमें चार मॉडल 8-के टेक्नोलॉजी वाले हैं। इसके अतिरिक्त यूएचडी टेलीविजन की केटेगरी में भी कंपनी ने दो नई सीरीज बाजार में उतारी है। साथ ही स्मार्ट टीवी सीरीज में 32 इंच के आकार का एक नया एआइ मॉडल भी उतारा है। पुल्लन ने कहा कि अब कंपनी के पास हर प्रकार के ग्राहक के लिए टेलीविजन के मॉडल हैं। कंपनी के टेलीविजन की रेंज 32 इंच (14,990 रुपये) से लेकर 98 इंच के (60 लाख रुपये) तक के टेलीविजन की हो गई है।

बाजार हिस्सेदारी का जिक्र करते हुए पुल्लन ने कहा कि क्यूलेड टीवी की मांग बाजार में बनी हुई है। इस वर्ष जनवरी में क्यूलेड टीवी बाजार में सैमसंग की हिस्सेदारी 41 परसेंट थी जो जुलाई में बढ़कर 49 परसेंट हो गई। इसी तरह यूएचडी टीवी में हिस्सेदारी 33.7 परसेंट से बढ़कर जुलाई में 38.6 परसेंट हो गई है। उन्होंने बताया कि 55 इंच और उससे अधिक आकार वाले टेलीविजन की ग्रोथ अन्य के मुकाबले अधिक है।

कंपनी ने इन त्योहारों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अपने रिटेल नेटवर्क पर भी खासा जोर दिया है। ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए ऐसा किया गया है। कंपनी आगरा, लुधियाना देहरादून, जम्मू, जालंधर, इंदौर, वाराणसी, पटना और रांची जैसे छोटे और मझोले शहरों पर खास ध्यान दे रही है। पुल्लन ने बताया कि इन बाजारों में बड़े आकार के स्मार्ट टीवी की मांग बढ़ रही है। आने वाले दिनों में इन्हीं शहरों से ग्रोथ आने की उम्मीदें सबसे अधिक होंगी।

यात्रियों को पांच लाख तक का मुफ्त बीमा देगी उबर

नई दिल्ली, प्रेट्र : मोबाइल एप आधारित कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अपने ग्राहकों को मुफ्त बीमा कवर देने की घोषणा की है। उबर सेवा के माध्यम से यात्रा के दौरान किसी तरह की दुर्घटना में मौत होने या स्थायी तौर पर विकलांग होने पर पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। अस्पताल में भर्ती होने पर दो लाख रुपये तक की सहायता और ओपीडी की स्थिति में 50,000 तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उबर ने अपने कार यात्रियों की बीमा के लिए भारती एक्सा के साथ करार किया है। इसके अलावा ऑटो और बाइक यात्रियों की बीमा के लिए टाटा एआइजी के साथ समझौता किया है। उबर भारत के 40 शहरों में अपनी सेवा प्रदान कर रही है।

भारत और दक्षिण एशिया में उबर के हैड (राइड) पवन वैश ने कहा कि यात्रियों के साथ कंपनी के नजदीकी रिश्ते हैं और हमारा मकसद उन्हें सुरक्षित यात्रा का एहसास कराना है। वैश ने कहा कि हम अपने ड्राइवर को पहले से बीमा कवर दे रहे हैं और अब यात्रियों को भी बीमा का लाभ देने जा रहे हैं। हालांकि अभी तक बहुत ही कम दुर्घटनाएं हुई हैं, लेकिन हम अपने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं। गौरतलब है कि उबर की प्रतिस्पर्धी ओला भी अपने ग्राहकों को बीमा कवर देती है, लेकिन वह इसके लिए दो रुपये अतिरिक्त वसूलती है।

▸ बीमा कवर के लिए नहीं ली जाएगी कोई अतिरिक्त राशि

▸ यात्रा के दौरान दुर्घटना होने पर पांच लाख रुपये तक की सहायता

प्रतीकात्मक

ऐसे करें क्लेम : ऐसी किसी स्थिति में उबर एप के 'पास्ट ट्रिप' सेक्शन में जाएं और 'आइ वाज इन्वाल्व्ड इन एन एक्सीडेंट' यानी मेरे साथ हादसा हुआ था विकल्प को चुनें। इसके बाद उबर की सहायता टीम आवेदक से संपर्क करेगी और उसे मेडिकल क्लेम दिलाने में सहायता करेगी।

रबी बोआई के लिए फर्टिलाइजर की ज्यादा मांग का अनुमान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मानसून की अच्छी बारिश और मिट्टी में पर्याप्त नमी के चलते रबी सीजन की फसलों की बोआई जहां पहले शुरू हो सकती है, वहीं रकबा में भी वृद्धि का अनुमान है। इसके मद्देनजर रबी सीजन में फर्टिलाइजर की मांग अधिक होने की संभावना है। फर्टिलाइजर उद्योग ने आगामी सीजन की खेती की जरूरतों को भांपकर ही खाद की आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर ली है।

पिछले सप्ताह राजधानी दिल्ली में राज्यों के कृषि मंत्रियों व सचिवों की बुलाई बैठक में रबी सीजन की तैयारियों पर लंबी चर्चा हुई। सभी राज्यों से रबी फसलों की खेती के बारे में उनकी जरूरतें मांगी गई थी। हालांकि रबी सीजन की तैयारी बैठक में डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) खाद की मांग 51.6 लाख टन रहने का का अनुमान किया गया है। डीएपी की यह मांग पिछले साल के इसी सीजन में 46 लाख टन थी। फर्टिलाइजर कंपनियों ने मांग में इस बढ़ोतरी को भांपकर ही 50 लाख टन से अधिक एनपीके मिश्रित खाद का स्टॉक कर रखा है, जो पिछले साल के रबी सीजन की मांग के मुकाबले तकरीबन 17 फीसद अधिक है। यानी इस बार किसी भी तरह से किसानों को फर्टिलाइजर की किल्लत नहीं झेलनी पड़ेगी।

▸ बोआई के लिए डीएपी व मिश्रित खाद की होगी अधिक जरूरत

▸ खरीफ सीजन के पहले तीन महीने में खाद की मांग में रही कमी

प्रतीकात्मक

मानसून सीजन में जुलाई से लेकर लगातार सितंबर के आखिर तक हो रही बारिश के मद्देनजर फर्टिलाइजर कंपनियों ने खाद का पर्याप्त स्टॉक कर लिया है। उनका मानना है कि सरकारी आकलन के मुकाबले मांग के अधिक रहने की संभावना है। इस साल खेती के लिए सभी तरह के फर्टिलाइजर में दो से तीन फीसद की वृद्धि हो सकती है। लेकिन एक बात उल्लेखनीय है कि चालू खरीफ सीजन में पिछले साल के इसी सीजन के मुकाबले खाद की मांग में अनपेक्षित कमी दर्ज की गई है।

रबी तैयारी बैठक में कृषि राज्यमंत्री परसोतम रुपाला ने खरीफ सीजन के दौरान कई राज्यों से यूरिया की कमी का उल्लेख करते हुए राज्यों को रबी सीजन की तैयारी को पुख्ता बनाने की हिदायत दी थी। उन्होंने कहा कि सीजन शुरू होने से पहले ही खाद व बीजों की आपूर्ति राज्यों के निर्धारित केंद्रों तक पहुंचा दी जानी चाहिए। बोआई के दौरान समय से पहले आपूर्ति सुनिश्चित कर देना ही आपूर्ति में किसी तरह की बाधा से बचने का सबसे अच्छा तरीका है।

सचिन बंसल ने संभाला सीआरआइडीएस के सीईओ का पद

मुंबई, प्रेट्र : फ्लिपकार्ट से निकलने के करीब एक वर्ष बाद उसके सह-संस्थापक सचिन बंसल किसी कंपनी के साथ पूर्णकालिक भूमिका में उतरे हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान मुख्य रूप से छोटी-छोटी कंपनियों और स्टार्ट-अप्स में निवेशक रहे बंसल अब माइक्रोफाइनेंस कंपनी सीआरआइडीएस के साथ सीईओ के रूप में नई शुरुआत करने जा रहे हैं। बंसल ने इस कंपनी में 739 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हालांकि उन्होंने कितनी हिस्सेदारी खरीदी है, इस बात का पता नहीं चला है। पिछले वर्ष जब अमेरिकी रिटेल दिग्गज वालमार्ट ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में अधिकांश हिस्सेदारी खरीद ली थी, तब सचिन बंसल एक अरब डॉलर की अपनी हिस्सेदारी बेचकर बाहर हो गए थे।

सीआरआइडीएस के संस्थापक आनंद राव और समित शेट्टी कंपनी से जुड़े रहेंगे। सचिन बंसल के कंपनी से जुड़ने पर प्रतिक्रिया देते हुए आनंद राव ने कहा कि कंपनी को बसंल के तकनीकी अनुभव का लाभ मिलेगा। सीआरआइडीएस कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सक्रिय है। कंपनी दोपहिया वाहनों, हाउसिंग, छोटे व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में कर्ज देती है।

मोबाइल का आयात से अधिक हुआ निर्यात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारत अब मोबाइल फोन हैंडसेट का निर्यातक बन गया है। वित्त वर्ष 2019-20 में मोबाइल हैंडसेट का निर्यात आठ गुना बढ़कर 11,200 करोड़ रुपये मूल्य का हो गया, जो आयात की तुलना में अधिक है। यह पहली बार है जब किसी साल भारत का मोबाइल फोन हैंडसेट निर्यात, आयात के मुकाबले अधिक रहा है।

इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आइसीईए) के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई दौरान मोबाइल फोन हैंडसेट निर्यात 7,000 करोड़ रुपये के करीब रहा। माना जा रहा है कि चालू वित्त वर्ष में यह 25,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को छू जाएगा।

आइसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू का कहना है कि मोबाइल हैंडसेट मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग का शानदार प्रदर्शन जारी है। वित्त वर्ष 2017-18 के मुकाबले 2018-19 में मोबाइल हैंडसेट के निर्यात में 800 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2018-19 में मोबाइल आयात 10,000 करोड़ रुपये मूल्य का था जबकि निर्यात 11,200 करोड़ रुपये रहा। यह सुनहरे भविष्य के लिए छोटी, लेकिन दमदार शुरुआत है। यह देश के लिए भी अच्छा है।

आइसीईए ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 में भारत में कुल 29 करोड़ मोबाइल फोन हैंडसेट का उत्पादन हुआ, जिनका मूल्य 1.81 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2014-15 में मात्र 5.8 करोड़ मोबाइल हैंडसेट का उत्पादन हुआ था जिसका मूल्य 18,900 करोड़ रुपये था। उस समय निर्यात लगभग शून्य था क्योंकि नोकिया का प्लांट बंद हो चुका था

ऐसे बढ़ा निर्यात

सरकार ने अगस्त 2014 में डिजिटल इंडिया रोडमैप जारी किया था जिसमें 2020 तक नेट जीरो इंपोर्ट का लक्ष्य रखा था। मोबाइल हैंडसेट के क्षेत्र में ही सरकार ने 2025 तक 100 करोड़ हैंडसेट बनाने का लक्ष्य रखा है। उस समय उनका मूल्य लगभग 13 लाख करोड़ रुपये होगा। बताया जाता है कि 100 करोड़ मोबाइल हैंडसेट के इस लक्ष्य में से 60 करोड़ मोबाइल हैंडसेट का निर्यात किया जाएगा और इनका मूल्य लगभग सात लाख करोड़ रुपये होगा।

मोहिंद्रू ने कहा कि 2014-15 में देश में मोबाइल हैंडसेट की 80 प्रतिशत मांग आयात से पूरी हो रही थी जबकि 2018-19 में यह आंकड़ा घटकर छह प्रतिशत के स्तर पर आ गया। इसलिए यह क्षेत्र मोबाइल हैंडसेट के आयात को शून्य करने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

▸ वित्त वर्ष 2018-19 में मोबाइल फोन के निर्यात में हुई आठ गुना वृद्धि

▸ 11,200 करोड़ रुपये मूल्य के हैंडसेट का हुआ निर्यात पिछले वित्त वर्ष

डिजिटल इंडिया का रोडमैप जारी होने के बाद आई तेजी। प्रतीकात्मक

सुस्ती

बैंक और ऑटो स्टॉक्स में देखी गई बड़ी गिरावट, दुनियाभर के शेयर बाजारों में रहा नकारात्मक रुख

प्रॉफिट बुकिंग और विदेशी दबाव में टूटे घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, प्रेट्र : पिछले सत्र में लगभग सपाट रहने के बाद बुधवार को प्रॉफिट बुकिंग, ग्लोबल स्लोडाउन और भौगोलिक-राजनीतिक चिंताओं के कारण प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 503.62 अंक यानी 1.29 परसेंट गिरकर 38,593.52 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के निफ्टी में 148 अंकों यानी 1.28 परसेंट की गिरावट देखी गई। दिन के कारोबार में निफ्टी 11,440.20 के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स में एसबीआइ, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, यस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आइटीसी, वेदांता, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील और एलएंडटी के शेयर दबाव में दिखे। इन कंपनियों के शेयर 7.37 परसेंट तक गिर गए। दूसरी ओर पावर ग्रिड, टीसीएस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, आरआइएल, टेक महिंद्रा के शेयरों में तेजी दर्ज की गई। दिन के कारोबार में इन कंपनियों के शेयरों में 4.39 परसेंट तक की वृद्धि दर्ज की गई।

जानकारों के मुताबिक अमेरिका में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच ग्लोबल स्तर पर निवेशकों में नकारात्मक धारणा देखी गई। इसके अलावा चीन को लेकर यूएन में ट्रंप द्वारा की गई टिप्पणी का संदेश भी निवेशकों के लिए हतोत्साहित करने वाला रहा। इसके चलते भारत सहित पूरी दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। बुधवार को डेमोक्रेट नेता नैंसी पेलोसी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आधिकारिक महाभियोग लाने की घोषणा कर दी। ट्रंप पर शक्तियों का गलत प्रयोग करने का आरोप है। एशिया के अन्य बाजारों में हैंगसेंग, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स, निक्केई और कोस्पी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में एक परसेंट की गिरावट दर्ज की गई।

एशिया के सभी प्रमुख बाजारों में रही सुस्ती, यूरोप के बाजार भी निचले स्तर पर खुले। प्रतीकात्मक

गिरावट के चार प्रमुख कारण

अमेरिकी राजनीतिक उठापटक – अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग जांच शुरु कर दी गई है। इसका असर पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर देखा गया भारत भी इसका अपवाद नहीं रहा।

प्रॉफिट बुकिंग – टैक्स सुधारों की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजारों में आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया था इसके कारण बुधवार को प्रॉफिट बुकिंग भी जमकर हुई।

ट्रेड वार – ट्रंप ने एक बार फिर चीन पर व्यापार को लेकर गलत नीतियां अपनाने का आरोप लगाया है। इससे ट्रेड वार के खात्मे की उम्मीदों को धक्का लगा है।

एडीबी का अनुमान – एशियन डेवलपमेंट बैंक यानी एडीबी ने 2019-20 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को सात परसेंट से घटाकर 6.5 परसेंट कर दिया है। इससे निवेशकों में हताशा देखी गई।

निवेशकों की संपत्ति 1.84 लाख करोड़ रुपये घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र : बुधवार को प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में 1.84 लाख करोड़ की कमी दर्ज की गई। दिन के कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स लगभग 504 अंक गिरकर 38,593.52 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में यह 586 अंक तक गिर गया था। शेयरों में तेज बिक्री के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,84,483.79 करोड़ रुपये घटकर 1,46,88,763.39 करोड़ रुपये रह गया। एलकेपी सिक्युरिटीज के रिसर्च हैड एस रंगनाथन के मुताबिक अमेरिका में राजनीतिक उठापटक का मार्केट पर सीधा असर दिखाई पड़ा है। दिन के कारोबार में सेंसेक्स में बैंक और ऑटो समेत 24 कंपनियों के शेयर 7.37 परसेंट तक गिर गए।

सोना-चांदी में मामूली सुधार

नई दिल्ली, प्रेट्र : डॉलर के मुकाबले रुपये के टूटने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमोडिटी भाव में सुधार का असर बुधवार को सोना-चांदी के भाव पर देखने में आया। दिन के कारोबार में सोना 162 रुपये के उछाल के साथ 39,182 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुच गया। चांदी के भाव में भी मजबूती देखी जा रही थी। बुधवार को नई दिल्ली में चांदी 95 रुपये के उछाल के साथ 48,815 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

एचडीएफसी सिक्युरिटीज में पीसीजी के एडवाइजरी हैड देवर्ष वकील का कहना था कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी के भाव में मजबूती और डॉलर के मुकाबले रुपये के टूटने के चलते घरेलू सराफा बाजार में इन बहुमूल्य धातुओं के भाव में बढ़ोतरी देखी गई। न्यूयॉर्क में सोना बढ़त के साथ 1,531.52 डॉलर, जबकि चांदी भी उछाल के साथ 18.62 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर थे।

80 वर्ष पूर्व द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यहूदी अधिकारी बांबे जियोनिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख अवराम शोहेत को लिखा गया महात्मा गांधी का एक पत्र सामने आया है। एक सितंबर 1939 को लिखे पत्र में बापू ने यहूदी नव वर्ष की शुभकामना देते हुए पीड़ितों के कल्याण की कामना की थी।

16 साल की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा को मिला राइट लाइवलीहुड अवार्ड

स्टॉकहोम, एएफपी : जलवायु परिवर्तन के मसले पर अपने भाषण से दुनिया को झकझोरने वाली 16 साल की पर्यावरण कार्यकता ग्रेटा थनबर्ग को स्वीडन के द राइट लाइवलीहुड अवार्ड के लिए चुना गया है। 1980 में स्वीडिश-जर्मन समाजसेवक जैकब वोन वेक्सकुल द्वारा स्थापित इस पुरस्कार को वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। ग्रेटा के साथ ब्राजील के डेवी कोपेनावा, चीन की महिला अधिकार कार्यकर्ता वकील गुओ जियानमी और पश्चिमी सहारा की मानवाधिकार कार्यकर्ता अमिनातौ हैदर को भी यह पुरस्कार मिलेगा। इन सभी को द राइट लाइवलीहुड फाउंडेशन की ओर से एक लाख तीन हजार डॉलर (करीब 73 लाख रुपये) की इनामी राशि दी जाएगी।

विजेताओं की घोषणा करते हुए फाउंडेशन ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन पर दृढ़ता से अपनी बात रखने और इस समस्या पर कदम उठाकर विश्व को प्रेरित करने के लिए ग्रेटा को यह सम्मान दिया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन से बचने का उनका संकल्प लाखों लोगों को प्रेरित कर रहा है।' ग्रेटा ने बीते सोमवार को संयुक्त

स्वीडन की 16 साल की पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग की फाइल फोटो। एपी

राष्ट्र (यूएन) में जलवायु सम्मेलन के दौरान अपने भाषण से सबको स्तब्ध कर दिया था। उन्होंने दुनियाभर के नेताओं पर उनका बचपन छीनने और जलवायु परिवर्तन पर कुछ नहीं करने का आरोप लगाया था। स्वीडन की संसद के सामने धरना देते हुए उन्होंने पिछले साल अगस्त से ग्लोबल क्लाइमेट मूवमेंट 'फ्राइडेज फॉर फ्यूचर' की शुरुआत की थी। उनसे प्रेरित होकर बीते शुक्रवार को 150 देशों के चालीस लाख से ज्यादा लोग 'ग्लोबल क्लाइमेट स्ट्राइक' में शामिल हुए।

नेताओं के भाषणों और बहस की पड़ताल नहीं करेगा फेसबुक

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक नेताओं के भाषण और राजनीतिक बहस की पड़ताल नहीं करेगा। उसका कहना है कि फेक न्यूज और फर्जी जानकारियों पर लगाम कसने के लिए जो भी कदम उठाए जा रहे हैं वह नेताओं पर लागू नहीं होते। फेसबुक के वाइस प्रेसीडेंट निक क्लेग ने मंगलवार को अटलांटिक फेस्टिवल के दौरान कहा, 'कंपनी नहीं मानती कि राजनीतिक बहस की जांच करना और नेताओं के भाषणों को उनके श्रोताओं तक पहुंचने से रोकना उचित है।'

वर्ष 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूसी दखल के आरोप लगने के बाद से फेसबुक फेक न्यूज पर लगाम कसने में जुटा है। लेकिन नए नियमों से नेताओं को बाहर रखना कंपनी के लिए विवाद खड़ा सकता है। कंपनी पहले ही यूजर्स की निजता के उल्लंघन और डाटा चोरी के आरोपों का

- कहा, नेताओं के भाषण को श्रोताओं तक पहुंचने से रोकना अनुचित
- फेक न्यूज पर लगाम के लिए उठाए जा रहे कदम नेताओं पर लागू नहीं

फेसबुक का लोगो।

सामना कर रही है। क्लेग का कहना है कि नेताओं के बयान की पड़ताल नहीं करने से संबंधित नीति एक साल पुरानी है और कंपनी की साइट पर इसकी जानकारी भी मौजूद है। उन्होंने कहा, 'अब से नेताओं के भाषण को न्यूज कंटेंट माना जाएगा। उनकी पड़ताल नहीं कराई जाएगी। यदि नेता कोई ऐसा फोटो, वीडियो या लिंक पोस्ट करते हैं, जिसे निरीक्षकों की टीम पहले ही फर्जी कंटेंट के रूप में चिह्नित कर चुकी है तो उन पर कार्रवाई होगी। उनका विज्ञापनों में भी इस्तेमाल नहीं होगा।'

तीस हजार भर्तियां करेगी कंपनी

क्लेग ने यह भी बताया कि भड़काऊ और फर्जी कंटेंट पर नकेल कसने के लिए कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक में निवेश के साथ तीस हजार लोगों की नियुक्ति भी करेगी। स्टैंडफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 की तुलना में फेसबुक पर अब फेक न्यूज में दो-तिहाई की कमी आई है।

इमरान का दावा, ट्रंप ने ईरान मामले में मध्यस्थता को कहा

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने खोली पोल, कहा- मैंने नहीं, खुद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने की थी पेशकश

संयुक्त राष्ट्र, एएफपी : पाकिस्तान के बड़बोले प्रधानमंत्री इमरान खान के एक और दावे की पोल खुल गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद मंगलवार को उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने ईरान के साथ तनाव कम करने के लिए उन्हें मध्यस्थता करने को कहा है। इस पर ट्रंप का हालांकि कहना है कि यह पेशकश इमरान ने ही की थी। अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है।

इमरान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र से इतर सोमवार को ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी से मुलाकात की थी। इससे पहले वह सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान से भी मिले थे। इमरान ने दावा किया कि क्राउन प्रिंस ने भी उन्हें मध्यस्थता के लिए कहा था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से कहा, 'ट्रंप ने मुझसे पूछा था कि क्या हम तनाव कम कर सकते हैं? क्या कोई अन्य समझौता कर सकते हैं? ट्रंप से मुलाकात के तुरंत बाद मैंने राष्ट्रपति रूहानी से बात की थी। मैं अभी इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता। सिवाय इसके कि हम मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं।'

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, 'वे मध्यस्थता करना चाहते हैं। यह यकीनन अच्छा सुझाव है, लेकिन अभी हम इस पर राजी नहीं हुए हैं।' ईरान मामले में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मध्यस्थ बनने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'वह भी हमसे बात कर रहे हैं। कई और लोग भी इस बारे में चर्चा कर रहे हैं।' इमरान की मध्यस्थता के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसा नहीं कहा। वास्तव में उन्होंने मुझसे पूछा था। उन्हें लगा कि मुलाकात करना अच्छा रहेगा क्योंकि हम न्यूयॉर्क में हैं।' सऊदी अरब के दो तेल संयंत्रों पर ड्रोन हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव गहरा गया है। अमेरिका और सऊदी अरब ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था।

ईरान-सऊदी से अच्छे संबंध : पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ ही ईरान के साथ भी अपने अच्छे संबंध बनाए हुए हैं। जबकि सऊदी और ईरान के बीच गहरे मतभेद हैं।

इमरान खान। फाइल

तालिबान को समझाने का प्रयास करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि उनका मुल्क तालिबान को यह समझाने का प्रयास करेगा कि वह अफगान सरकार से सीधी वार्ता करे। अफगानिस्तान में 18 साल से जारी खूनी संघर्ष खत्म करने के प्रयास में अमेरिका ने तालिबान से वार्ता की थी। इसमें तालिबान के विरोध के चलते अफगान सरकार को शामिल नहीं किया गया था। ट्रंप ने यह वार्ता रद कर दी थी।

ट्रंप पर महाभियोग चलाने की तैयारी शुरू

बढ़ा संकट ▶ डेमोक्रेट सांसदों के बहुमत वाले निचले सदन की स्पीकर ने की घोषणा

बिडेन को बदनाम करने के लिए यूक्रेन के नेता की मदद लेने का आरोप

वाशिंगटन, रायटर : विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर महाभियोग चलाने की तैयारी में जुट गए हैं। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने मंगलवार को ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए जांच शुरू करने का एलान किया। इस सदन में डेमोक्रेट सांसदों का बहुमत है। ट्रंप पर आरोप लगाया गया है कि वह अगले साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अपने संभावित डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन को बदनाम करने के लिए विदेशी मदद ले रहे हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को फोन किया था।

डेमोक्रेट सांसदों के साथ बैठक के बाद स्पीकर पेलोसी ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के कृत्य से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर हुई है। यह अमेरिकी संविधान का उल्लंघन है। राष्ट्रपति की जवाबदेही तय होनी चाहिए। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।' डेमोक्रेट नेता पेलोसी से उनकी पार्टी के सांसद पहले भी ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन वह इससे इन्कार करती रही हैं। ट्रंप और यूक्रेन के नेता के बीच फोन पर हुई बातचीत सामने आने के बाद उनका मन बदल गया है। मीडिया में ऐसी खबरें आई हैं कि ट्रंप ने गत 25 जुलाई को फोन कर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर बिडेन और उनके बेटे हंटर के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में जांच शुरू करने के लिए दबाव बनाया था। हंटर ने यूक्रेन में एक गैस कंपनी के लिए काम किया था।

ट्रंप ने इसे राष्ट्रपति का उत्पीड़न बताया : ट्रंप ने आरोपों से इन्कार करते हुए महाभियोग के लिए जांच शुरू किए जाने को राष्ट्रपति का उत्पीड़न करार दिया है। उन्होंने यह वादा भी किया कि वह कॉल डिटेल जारी करेंगे। ट्रंप ने हालांकि माना कि उन्होंने फोन पर बिडेन के बारे में चर्चा की थी। लेकिन उन्होंने इस बात से इन्कार किया है कि यूक्रेन को 40 करोड़ डॉलर की अमेरिकी मदद के बदले जेलेंस्की से जांच शुरू करने को कहा।

रिपब्लिकन बोले, राजनीति कर रहीं पेलोसी : ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने पेलोसी पर आरोप लगाया है कि वह राजनीति कर रही हैं। संसद के उच्च सदन सीनेट में रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल ने कहा कि जल्दबाजी में यह निर्णय लिया गया। इसके लिए फोन कॉल का पूरा ब्योरा सामने आने का इंतजार किया जाना चाहिए था। सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी बहुमत में है।

दो रिपब्लिकन ने भी दिया समर्थन : ट्रंप पर महाभियोग चलाने के प्रयास का प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के दो सांसदों जो वाल्श और बिल वेल्ड ने भी समर्थन किया है।

क्या है महाभियोग की प्रक्रिया : अमेरिकी व्यवस्था में महाभियोग चलाने की तीन प्रक्रिया हैं। पहला संसद आरोपों की जांच कराती है। यह जांच सदन की न्याय मामलों की समिति द्वारा कराई जाती है। दूसरा, प्रतिनिधि सभा में साधारण बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित कराकर आरोप तय किए जाते हैं। तीसरा, सीनेट में महाभियोग चलाया जा सकता है।

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए जांच शुरू करने का एलान किया। रायटर

..तब चौथे राष्ट्रपति बनेंगे ट्रंप

ट्रंप के खिलाफ अगर महाभियोग चलता है तो वह अमेरिकी इतिहास में महाभियोग का सामना करने वाले चौथे राष्ट्रपति बन जाएंगे। इससे पहले राष्ट्रपति पद पर रहते हुए एंड्रयू जॉनसन और बिल क्लिंटन पर महाभियोग चला था, लेकिन वे सीनेट द्वारा बरी कर दिए गए थे। एक अन्य राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने महाभियोग पर मतदान से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

चीन में घर पाने के लिए रिश्तेदारों ने आपस में की 23 शादियां, तलाक लिया

बीजिंग, एएफपी : चीन में सरकारी योजना के तहत घर पाने के लिए एक ही परिवार के 11 सदस्यों ने महीनेभर में आपस में 23 शादियां कीं और तलाक लिया। सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, झेजियांग प्रांत में सरकार की ओर से विकास परियोजना चलाई जा रही थी। इसके तहत अधिकारियों ने उस क्षेत्र में लोगों को 40 वर्ग मीटर का अपार्टमेंट देने की घोषणा की थी, जहां पुराने मकानों को ध्वस्त किया गया था। परियोजना का लाभ उठाने के लिए इस परिवार के सदस्यों ने फर्जी शादियां कीं और फिर तलाक ले लिया।

अखबार के मुताबिक, संदिग्ध परिवार की जालसाजी तब शुरू हुई जब पैन नाम के व्यक्ति ने अपनी पूर्व पत्नी शी से शादी की। शी का नाम उस ग्रामीण इलाके की नागरिक के तौर पर पंजीकृत था, जहां घर मिल रहे थे। यह दस्तावेज घर लेने के लिए जरूरी था इसलिए दोनों ने छह मार्च को शादी की। शी को जब आवासीय कागज मिल गए तो दोनों ने छह दिन में तलाक ले लिया। पैन सरकारी योजना का और लाभ उठाना चाहता था। इसके लिए उसने अपनी भाभी से शादी की और तलाक लिया। फिर 15 दिन के भीतर ही भाभी की बहन से शादी कर तलाक ले लिया। उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इसी तरह आपस में शादी की और तलाक लिया। उधर, शी ने भी अपने एक और पूर्व पति से शादी कर ली।

परवेज मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह मामले की रोजाना होगी सुनवाई

- पाकिस्तान की विशेष अदालत में 2013 से लंबित है मामला

इस्लामाबाद, आइएएनएस : पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ के खिलाफ चल रहे देशद्रोह मामले की अब रोजाना सुनवाई होगी। यह निर्णय विशेष अदालत ने लिया है, जहां यह मामला दिसंबर, 2013 से लंबित है। नवंबर, 2007 में देश पर आपातकाल थोपने के आरोप में 2013 में तत्कालीन नवाज शरीफ सरकार ने मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में घिरते देख इलाज के बहाने मुशर्रफ 18 मार्च, 2016 को दुबई चले गए थे। तब से वह पाकिस्तान नहीं लौटे।

डॉन अखबार के अनुसार, विशेष अदालत के जज नजर अकबर और शाहिद करीम ने मंगलवार को देशद्रोह मामले की सुनवाई दोबारा शुरू की। इस दौरान कानून मंत्रालय की ओर से नियुक्त किए गए बचाव पक्ष के वकील राजा बशीर ने कोर्ट में आवेदन देकर मुशर्रफ से मुलाकात की अनुमति मांगी ताकि मामले में उनके पक्ष को रखा जा सके। अदालत ने कहा कि बयान दर्ज कराने के लिए भगोड़े आरोपित को कई बार समन भेजा जा चुका है। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई आठ अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले गत 12 जून को मुशर्रफ ने एक अर्जी देकर चिकित्सा आधार पर मामले की सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया था। अदालत ने यह अर्जी खारिज करते हुए मामले की सुनवाई मुशर्रफ की गैरमौजूदगी में ही पूरी करने का निर्णय लिया था।

हांगकांग में दंगे के आरोपित युवाओं की कोर्ट में पेशी

हांगकांग, रायटर : हांगकांग में बुधवार को दंगा करने के दर्जनों आरोपी युवाओं को कोर्ट में पेश किया गया। इन पर लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन के दौरान चीन के मुख्य प्रतिनिधि के कार्यालय के नजदीक तोड़फोड़ और आगजनी करने का आरोप है।

घटना 28 जुलाई की है जब हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मुख्य प्रतिनिधि के कार्यालय पर पहुंचकर वहां तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस से उनका टकराव हुआ और पुलिस ने आंसू गैस के गोले, रबर बुलेट और स्पंज ग्रेनेड फेंककर उन्हें काबू में किया। इससे पहले 21 जुलाई को इन प्रदर्शनकारियों ने मुख्य प्रतिनिधि के कार्यालय के नजदीक की दीवारों पर नारों से रंग दिया था और नारेबाजी की थी।

तब उन्होंने कार्यालय परिसर में पेंट बम भी फेंके थे जिससे वहां का रंग-रोगन बिगड़ गया था और कुछ शीशे भी टूट गए थे। अभियोजन पक्ष ने इन मामलों में सुबूत के तौर पर 35 घंटों का वीडियो पेश किया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को करने का फैसला किया है। मामले में आरोपित 44 युवाओं को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

बेटे को दुलारा...

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन मर्केल दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं। बुधवार को केपटाउन में डेसमंड एंड लेह टूटू फाउंडेशन में हैरी और मेघन के बेटे आर्ची को दुलारते आर्कबिशप और समाजसेवी डेसमंड टूटू। रायटर

पाक में भूकंप से मरने वालों की संख्या 37 हुई

- मलबे में अभी भी कई लोग फंसे हैं, घायलों की संख्या हुई 452
- अस्पतालों में भर्ती करीब 100 घायलों की हालत नाजुक है

इस्लामाबाद, प्रेट्र : गुलाम कश्मीर में मंगलवार को आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है। घायलों की संख्या 452 बताई गई है। अधिकारियों ने बचाव अभियान तेज कर दिया है। ध्वस्त हो गए भवनों के मलबे में कई लोग फंसे हुए हैं।

मंगलवार को गुलाम कश्मीर में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र मीरपुर शहर के समीप सतह से मात्र 10 किलोमीटर नीचे था। मीरपुर पाकिस्तानी पंजाब प्रांत में झेलम से करीब 20 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। इस भूकंप ने क्षेत्र में 14 साल पहले आए विनाशकारी भूकंप की याद ताजा कर दी है। इस भूकंप के झटके पंजाब और खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के कई शहरों में भी महसूस किए गए। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा है कि सबसे ज्यादा प्रभावित मीरपुर रहा जहां 24 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा जाटलान में नौ, झेलम में एक और अन्य की मौत मीरपुर और जरी कास में हुई है।

मरने वालों की संख्या में वृद्धि होने की आशंका है क्योंकि विभिन्न अस्पतालों में भर्ती करीब 100 घायलों की हालत नाजुक है। मीरपुर सिटी, छोटा सा कस्बा जाटलान और दो गांव मंडा और अफजलपुर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यहां भवन और घर ध्वस्त हो गए हैं, पेड़ उखड़ गए हैं। सड़कों पर दरारें इतनी चौड़ी हैं कि उसमें कार समा जाए। लोगों ने बताया कि भूकंप से भयभीत लोग भवनों से बाहर की ओर दौड़ गए। पीड़ित लोग भोजन और पानी की समस्या से भी जूझ रहे हैं। सांग और सानवाल शरीफ इलाके में लोगों ने राहत सामग्री लूट ली।

पीओके के मीरपुर सेक्टर में भूकंप के कारण क्षतिग्रस्त हुए घरों से जरूरत का सामान निकालते लोग। यहां 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। एएफपी

बदले गए हाफिज सईद के मामले की सुनवाई कर रहे जज

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के लाहौर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आतंकी हाफिज सईद के मामले की सुनवाई कर रही दो सदस्यीय पीठ बदल दी है। पहले न्यायमूर्ति मजाहिर अली नकवी और मुश्ताक अहमद की पीठ सुनवाई कर रही थी। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बुधवार को यह केस जस्टिस मुहम्मद कासिम खान की अध्यक्षता वाली पीठ को सौंप दिया। खान की पीठ आतंकवाद से जुड़े अन्य मामलों की भी सुनवाई कर रही है।

मुंबई हमलों के मास्टर माइंड और जमात-उद-दावा (जेयूडी) के सरगना सईद को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। उसे आतंकी फंडिंग के मामले में आरोपित किया गया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित किए गए वैश्विक आतंकी सईद को फिलहाल कड़ी सुरक्षा के बीच लाहौर के कोट लखपत जेल में रखा गया है। अमेरिका ने उसपर एक करोड़ डॉलर (करीब 71 करोड़ रुपये) का इनाम रखा है। पंजाब प्रांत के आतंकरोधी विभाग (सीटीडी) ने सईद और जेयूडी के अन्य सदस्यों के खिलाफ 23 मामलों में एफआइआर दर्ज की है। इस मामले की आखिरी सुनवाई 27 अगस्त को हुई थी।

नेतन्याहू और गेंट्ज को हफ्ते भर का मौका

संशय बरकरार

इजरायल में सरकार बनाने के लिए दोनो नेताओं को बहुमत न मिलने पर राष्ट्रपति कई विकल्पों पर कर रहे विचार, फिलहाल दोनों को दावा पेश करने के लिए दिया है सात दिनों का समय

यरुशलम, एएफपी : इजरायल में चुनाव परिणाम आने के बाद राष्ट्रपति रूवेन रिवलिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विपक्षी गठबंधन के नेता बेनी गेंट्ज से मिलकर सरकार बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने दोनों नेताओं को सरकार बनाने के लिए दावा पेश करने को एक सप्ताह का समय दिया है। 120 सदस्यों वाली संसद में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को 32, जबकि गेंट्ज की ब्ल्यू एंड व्हाइट पार्टी को 33 सीटें मिली हैं।

इजरायल में छह महीने में दूसरी बार चुनाव हुए हैं लेकिन किसी भी पार्टी को एक बार फिर बहुमत नहीं मिला है। चुनाव कार्यालय से परिणाम प्राप्त होने के बाद राष्ट्रपति रिवलिन ने बुधवार को नई सरकार के गठन के लिए कोशिश शुरू की। उन्होंने दोनों बड़ी पार्टियों के नेताओं को बुलाकर सरकार बनाने की बाबत अलग-अलग चर्चा की।

यहूदी नव वर्ष पर आयोजित समारोह में रिवलिन ने कहा है कि गठबंधन सरकार बनने की प्रबल संभावना है। सरकार बनाने के लिए वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं। बारी-बारी से नेतृत्व कर सरकार चलाई जा सकती है। इसके तहत बड़े गठबंधन के नेता को सरकार चलाने के लिए पहले मौका मिल सकता है। पता चला है कि साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए लिकुड पार्टी और ब्ल्यू एंड व्हाइट पार्टी के नेताओं ने मंगलवार को बातचीत की लेकिन वे किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे। मिली-जुली सरकार बनने पर भ्रष्टाचार के मामलों में फंसे नेतन्याहू को फिर से प्रधानमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। इजरायल के कानून के अनुसार दोषी साबित होने तक नेतन्याहू पद पर बने रह सकते हैं।

चुनाव में लिकुड पार्टी और ब्ल्यू एंड व्हाइट पार्टी के बाद अरब-यहूदी ज्वाइंट लिस्ट पार्टी 13 सीटों के साथ तीसरी बड़ी ताकत बनकर उभरी है। इस लिहाज से विपक्षी नेता का पद अरब मूल के व्यक्ति को मिल सकता है, जो इजरायल में पहली बार होगा।

फलस्तीनी मंत्री गिरफ्तार: इजरायल पुलिस ने बुधवार को फलस्तीन के यरुशलम मामलों के मंत्री फादी अल-हादमी को गिरफ्तार कर लिया। वह रोक का उल्लंघन कर पूर्वी यरुशलम में आयोजित राजनीतिक गतिविधि में शामिल हो रहे थे। यह इलाका इजरायल के कब्जे वाला है लेकिन इसमें फलस्तीनी सरकार भी काम करती है।

बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल

बेनी गेंट्ज। फाइल

पाक में हिंदू लड़की की मौत पर न्यायिक जांच का आदेश

कराची, प्रेट्र : पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू छात्रा नमृता चांदनी की संदिग्ध हालत में हुई मौत के मामले की न्यायिक जांच की जाएगी। सिंध होई कोर्ट (एसएचसी) ने बुधवार को इसकी मंजूरी दे दी। प्रांत के गवर्नर की गुजारिश पर लरकाना जिले के सेशन जज ने मामले की न्यायिक जांच के लिए हाईकोर्ट से अनुमति मांगी थी। एक रिपोर्ट के अनुसार एचएचसी ने सेशन जज को लिखे खत में इसकी अनुमति दे दी।

लरकाना जिले के बीबी आसिफा डेंटल कॉलेज में पढ़ने वाली चांदनी 16 सितंबर को हॉस्टल के कमरे में मृत पाई गई थी। उनके गले में दुपट्टा भी बंधा था। शहीद मोहतरमा बेनजीर भुट्टो मेडिकल यूनिवर्सिटी प्रशासन इस मामले को आत्महत्या बता रहा है। जबकि मृतिका के भाई विशाल के अनुसार चांदनी की हत्या की गई थी। उनके गर्दन पर केबल वायर के निशान बने थे। कई लोग उनकी मौत को जबरन धर्मांतरण का मामला भी बता रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित परिवार ने हत्या को लेकर अभी कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया है।

अमेरिका से लौटे जॉनसन ब्रेक्जिट पर अनिश्चितता

लंदन, रायटर : ब्रिटेन में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बुधवार को संसद की बैठक की प्रक्रिया शुरू हो गई। शीर्ष न्यायालय के फैसले और संसद की प्रक्रिया शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अपना अमेरिका दौरा बीच में ही खत्म कर दिया और वापस लौट आए हैं। जॉनसन संयुक्त राष्ट्र की आमसभा की बैठक में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क गए थे। इस बीच जॉनसन के शीर्ष विधि सलाहकार ने कहा है कि इस संसद का अस्तित्व खत्म हो गया है।

संसद के निलंबन को कानून का उल्लंघन बताए जाने के बाद दो महीने पुरानी बोरिस जॉनसन सरकार की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। अब प्रधानमंत्री के 31 अक्टूबर को यूरोपीय यूनियन से बाहर आने की घोषणा को लेकर भी शंका जताई जाने लगी है। जाहिर है कि सरकार को संसद की स्वीकृति लेकर ही किसी विकल्प पर आगे बढ़ना होगा। बिना शर्त ब्रेक्जिट पर संसद पहले ही रोक लगा चुकी है और महारानी के हस्ताक्षर के बाद उस पर कानून बन चुका है। बिना शर्त ब्रेक्जिट पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर हुए मतदान के दौरान सरकार अपना मामूली बहुमत भी गंवा चुकी है। सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी के 21 सांसद इस प्रस्ताव पर विपक्ष का साथ दे चुके हैं और पार्टी ने उन्हें बर्खास्त कर दिया। बहुमत खो चुके प्रधानमंत्री जॉनसन ने 31 अक्टूबर से पहले देश में चुनाव करवाने का प्रस्ताव भी रखा लेकिन संसद ने उसे अस्वीकार कर दिया। जॉनसन ने पद से इस्तीफा देने से इन्कार कर दिया है। अब वह कोशिश करेंगे कि 31 अक्टूबर को ब्रेक्जिट की प्रक्रिया पूरी हो जाए। लेकिन विपक्षी दल लेबर पार्टी के नेता जर्मी कॉर्बिन ने कहा- विपक्ष की प्राथमिकता बिना शर्त ब्रेक्जिट को रोकना है।

बोरिस जॉनसन। फाइल

टेस्ट

ये भी जानिए

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक कुल 13 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें से भारत ने तीन और दक्षिण अफ्रीका ने सात सीरीज जीती हैं। तीन सीरीज ड्रॉ रही हैं।

जिंबाब्वे की जगह श्रीलंका से टी-20 सीरीज खेलेगा भारत

भारत बनाम श्रीलंका

तारीख	टी-20	स्थान
05 जनवरी	पहला	गुवाहाटी
07 जनवरी	दूसरा	इंदौर
10 जनवरी	तीसरा	पुणे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: बीसीसीआइ और श्रीलंका क्रिकेट ने घोषणा की है कि श्रीलंकाई टीम जनवरी 2020 में भारत का दौरा करेगी। इस दौरे पर लंकाई टीम भारत के खिलाफ तीन टी-20 मैच खेलेगी।

आइसीसी ने जिंबाब्वे के निलंबित के बाद बीसीसीआइ ने श्रीलंका को तीन मैचों को सीरीज के लिए आमंत्रित किया था। श्रीलंका क्रिकेट ने इस आमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वह भारत दौरे पर आने के लिए तैयार है।

बीसीसीआइ की तरफ से बताया गया है कि आइसीसी द्वारा जिंबाब्वे के निलंबन को देखते हुए हमने श्रीलंका को तीन मैचों की सीरीज के लिए आमंत्रित किया। श्रीलंका क्रिकेट ने प्रतिनिधित्व की पुष्टि कर दी है।' बोर्ड के प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप के कारण आइसीसी ने इस साल जुलाई में जिंबाब्वे क्रिकेट को निलंबित कर दिया था जिसके कारण इस सीरीज पर संदेह के बादल छा गए थे। आइसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से फैसला किया था कि आइसीसी का पूर्ण सदस्य जिंबाब्वे क्रिकेट उसके संविधान के अनुच्छेद 2.4 (सी) और (डी) का उल्लंघन कर रहा था जिसके अनुसार स्वतंत्र और लोकतांत्रिक चुनाव की प्रक्रिया मुहैया कराना सदस्यों का कर्तव्य है।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर होगा रोहित का टेस्ट

बोर्ड अध्यक्ष एकादश के लिए रोहित करेंगे पारी का आगाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच आज से

विजयनगरम, प्रेट्र: रोहित शर्मा गुरुवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में बोर्ड अध्यक्ष एकादश की अगुआई करेंगे, जिसमें वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने ट्रायल के अंतिम प्रयास में खुद को साबित करना चाहेंगे।

राष्ट्रीय चयन समिति और टीम प्रबंधन ने रोहित के शॉट खेलने की काबिलियत को देखते हुए उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर आगे बढ़ाने का फैसला किया है और अगले पांच टेस्ट इस 32 साल के स्टाइलिश बल्लेबाज के लिए अहम साबित होंगे। दूसरे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनके पास मयंक अग्रवाल होंगे और दोनों दो अक्टूबर से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहेंगे। तीसरे अहम खिलाड़ी उमेश यादव होंगे, जिन्हें चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। लेकिन, इसमें कोई शक नहीं कि गुरुवार को सभी का ध्यान रोहित पर लगा होगा। सफेद गेंद के प्रारूप में आधुनिक समय के दिग्गज खिलाड़ियों में से एक रोहित का 27 टेस्ट में औसत 39.62 का है, जिसमें तीन शतक भी हैं। लाल गेंद के उप कप्तान अजिंक्य रहाणे और तेजी से आगे बढ़ रहे हनुमा विहारी ने वेस्टइंडीज में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते मध्यक्रम का अपना स्थान मजबूत किया है, जिससे रोहित के लिए बचा हुआ एकमात्र विकल्प शीर्ष स्थान पर बल्लेबाजी करना था।

तीन दिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका का लाल गेंद का गेंदबाजी आक्रमण काफी स्तरीय है, जिसमें कैगिसो रबादा, वर्नोन फिलेंडर और लुंगी नगिदी शामिल हैं। विशाखापत्तनम में शुरुआती टेस्ट मैच से पहले यह अच्छा ड्रेस रिहर्सल होगा। रोहित की लाल एसजी, ड्यूक या कूकाबुरा गेंद के खिलाफ तकनीक थोड़ी संदेह वाली रही है, लेकिन वीरेंद्र सहवाग की अपार सफलता को ध्यान में रखते हुए विराट कोहली और रवि शास्त्री इस दाव को खेलने को तैयार हैं। अगर यह कारगर रहता है तो इस कदम को मास्टरस्ट्रोक माना जाएगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो ए टीम में सलामी बल्लेबाजों के तौर पर शुभमन गिल, अभिमन्यु ईश्वरन और प्रियांक पांचाल मौजूद होंगे। लोकेश राहुल को नहीं भूलना चाहिए, जो बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, ताकि अपनी जगह वापस ले सकें। वहीं, पृथ्वी शॉ भी डोपिंग प्रतिबंध और कड़े सबक के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे। उप महाद्वीप की नीची और धीमी पिचों पर रोहित अगर सफल रहते हैं तो भी इस बात की गारंटी नहीं है कि वह न्यूजीलैंड के मैदानों पर इसे दोहराने में सक्षम होंगे, जहां ट्रेंट बोल्ट उन्हें पस्त करने के लिए मौजूद होंगे। भारत के बेहतरीन वनडे सलामी बल्लेबाजों में से एक के लिए हालांकि सफर काफी मुश्किल भरा होगा।

भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा • फाइल फोटो, एएफपी

रोहित टी-20 बल्लेबाजों में आठवें पायदान पर

आइसीसी रैंकिंग

- कोहली व धवन शीर्ष-10 में पहुंचने के करीब
- टीम रैंकिंग में भारत चौथे पायदान पर काबिज

दुबई, प्रेट्र: आइसीसी की बुधवार को जारी हुई ताजा टी-20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में रोहित शर्मा एक स्थान के फायदे के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि भारतीय कप्तान विराट कोहली और शिखर धवन शीर्ष-10 में शामिल होने के काफी करीब हैं।

टीम रैंकिंग में पाकिस्तान शीर्ष पर है, जबकि इंग्लैंड दूसरे, दक्षिण अफ्रीका तीसरे व भारत चौथे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ हुई तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में कोहली ने नाबाद 72 रन की पारी खेली थी। इसकी बदौलत उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ और वह 11वें पायदान पर पहुंच गए, जबकि धवन ने 40 और 36 के स्कोर बनाए, जिससे वह तीन स्थान की छलांग लगाकर 13वें पायदान पर पहुंच गए। रोहित इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं। दोनों बल्लेबाजों के 664 अंक हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली भारतीय टीम में सबसे ज्यादा फायदा वाशिंगटन सुंदर को हुआ है और वह आठ स्थान के फायदे के साथ 50वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

मौजूदा रैंकिंग में भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज, बांग्लादेश, अफगानिस्तान व जिंबाब्वे के बीच हुई त्रिकोणीय सीरीज एवं आयरलैंड, स्कॉटलैंड व नीदरलैंड्स के बीच त्रिकोणीय सीरीज को शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जाजई और स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुंसे ने अपनी-अपनी टीमों के लिए नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। पांचवीं रैंकिंग पर काबिज जाजई के 727 अंक हैं जो अफगानिस्तान के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज के सर्वाधिक हैं। वहीं, 21वीं रैंकिंग के मुंसे नीदरलैंड्स के खिलाफ सिर्फ 56 गेंदों पर नाबाद 127 रन की पारी खेलकर 600 अंकों पर पहुंचने वाले स्कॉटलैंड के पहले बल्लेबाज बन गए थे, लेकिन सीरीज के अंत में उनके अंक गिरकर 585 रह गए।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के दौरान दक्षिण अफ्रीका के कप्तान क्विंटन डिकॉक ने 52 और नाबाद 79 रन की पारियां खेलीं, जिससे वह 49वें स्थान से 30वें स्थान पर पहुंच गए। यह पिछले दो साल में उनकी शीर्ष रैंकिंग है। स्पिनर तबरेज शम्सी पहली बार शीर्ष-20 गेंदबाजों में शामिल हुए, जबकि एंदिले फेलुक्वायो करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करते हुए सातवें स्थान पर आ गए हैं।

बांग्लादेश में हुई त्रिकोणीय सीरीज में कुछ दिलचस्प तथ्य सामने आए हैं। जिंबाब्वे के कप्तान हैमिल्टन मसाकाद्जा ने 22वें स्थान पर रहते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। वह फिलहाल जिंबाब्वे के सबसे ज्यादा रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, सीरीज में सात विकेट लेकर अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान शीर्ष-10 में पहुंच गए हैं।

आयरलैंड में हुई सीरीज में नीदरलैंड्स के बेन कूपर और मैक्स ओ डोउड करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग के साथ बल्लेबाजों में संयुक्त रूप से 41वें नंबर पर हैं, जबकि आयरलैंड के केविन ओ ब्रायन ने बल्लेबाजी में अपने करियर के सर्वाधिक 459 अंक हासिल किए हैं।

मजबूत होकर वापसी करूंगा : बुमराह

नई दिल्ली: भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को कहा कि वह कमर के निचले हिस्से की चोट से उबरने के बाद मजबूत होकर वापसी करेंगे, जिसके कारण इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट आगामी सीरीज से बाहर होना पड़ा। बुमराह ने ट्वीट किया, 'चोटें खेल का हिस्सा हैं। मैं इस झटके से चोट के बाद मजबूत वापसी का लक्ष्य बनाए हूं।' तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में बुमराह की जगह उमेश यादव को शामिल किया गया है। बुमराह के अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 और टेस्ट में भी नहीं खेलने की संभावना है। बुमराह को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी-20 सीरीज में भी आराम दिया गया था, जो 1-1 से ड्रॉ रही थी।

बोर्ड अध्यक्ष एकादश टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, प्रियांक पांचाल, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, सिद्धेश लाड, केएस भरत (विकेटकीपर), जलज सक्सेना, धर्मेंद्र सिंह जडेजा, आवेश खान, इशान पोरेल, शार्दुल ठाकुर और उमेश यादव।

दक्षिण अफ्रीका टीम: फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), टेंबा बावुमा (उप कप्तान), थेउनिस डि ब्रूएन, क्विंटन डिकॉक, डीन एल्गर, जुबैर हमजा, केशव महाराज, एडेन मार्करैम, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी नगिदी, एनरिक नॉर्टजे, वर्नोन फिलेंडर, डेन पीट, कैगिसो रबादा, रूडी सेकेंड।

हितों के टकराव में आज पेश होंगे द्रविड़

नई दिल्ली, आइएएनएस: राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख राहुल द्रविड़ और बीसीसीआइ के कर्मचारी मयंक पारीख को 'हितों के टकराव' के मुद्दों के संबंध में बीसीसीआइ के नैतिक अधिकारी डीके जैन के सामने गुरुवार को पेश होना है। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान को एनसीए का अध्यक्ष बनाए जाने पर हितों के टकराव का मुद्दा उठाया था और कहा था कि द्रविड़ इंडिया सीमेंट्स के कर्मचारी हैं।

इसके जवाब में प्रशासकों की समिति (सीओए) के अध्यक्ष विनोद राय ने कहा था कि द्रविड़ ने उस पद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन सीओए के अन्य सदस्य ने कहा था कि द्रविड़ ने कंपनी से छुट्टी ली है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जैन इस मुद्दे को किस तरह से लेते हैं और बीसीसीआइ किस तरह से इस मुद्दे का बचाव करती है। वहीं, पारीख कई ऐसे क्लबों से जुड़े हैं जिनके पास मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) में वोट करने का अधिकार है, साथ ही वह बीसीसीआइ के कर्मचारी भी हैं। यही स्थिति दिवंगत एमवी श्रीधर के साथ थी, जिन्हें महाप्रबंधक (क्रिकेट संचालन) के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। श्रीधर हैदराबाद में क्लबों के साथ अपनी संलिप्तता का रहस्योद्घाटन करने में असफल रहे थे इसलिए सीओए ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा था।

जैन लोढ़ा समिति कि सिफारिशों और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को लागू करने को लेकर बेहद गंभीर हैं। उन्होंने हाल ही में पूर्व कप्तान सौरवा गांगुली को भी अलग-अलग पदों पर बने रहने से रोक दिया था। जैन ने गांगुली को संदेह का लाभ दिया था, लेकिन साथ ही कहा था कि उन्हें एक बार में एक से ज्यादा पद पर नहीं बने रहना चाहिए।

इंडिया सीमेंट्स के पत्र में लिखा, द्रविड़ को दी गई छुट्टी: ऐसा पता चला है कि एनसीए के कोच राहुल द्रविड़ ने इंडिया सीमेंट्स से इस्तीफा नहीं दिया है, बल्कि वह छुट्टी पर हैं।

सीओए के अध्यक्ष विनोद राय ने कहा था कि द्रविड़ ने कंपनी से इस्तीफा दिया है, जबकि आधिकारिक कागजों में यह साफ पता चल रहा है कि बीसीसीआइ के काम के कारण कंपनी ने उन्हें सिर्फ छुट्टी दी है। इस पत्र में कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक जी विजयन ने साफ तौर पर लिखा है कि द्रविड़ को दो साल के लिए छुट्टी दी गई है, ताकि वह एनसीए के प्रमुख का पद संभाल सकें। पत्र में लिखा है, 'हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमें आपको बीसीसीआइ द्वारा एनसीए का प्रमुख बनाए जाने से कोई आपत्ति नहीं है। बीसीसीआइ के आपके कार्यकाल के दौरान हम आपको दो साल की शुरुआती छुट्टी देते हैं।'

वे चुनाव दो सप्ताह टालना चाहते थे : इडुल्जी

नई दिल्ली: सीओए की सदस्य डायना इडुल्जी गुरुवार को न्यायमित्र पीएस नरसिम्हा से मिलेंगी और ना सिर्फ बीसीसीआइ के कामकाज को लेकर, बल्कि बोर्ड के चुनाव एक दिन आगे टालकर 23 अक्टूबर को कराने पर चर्चा करेंगी। उन्होंने साफ कर दिया है कि समिति के अन्य सदस्य बोर्ड के चुनावों में दो सप्ताह की देरी चाहते थे, लेकिन वह इसके खिलाफ थीं। इडुल्जी ने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों के कारण बोर्ड के चुनावों को एक दिन के लिए भी टालने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा कि एक दिन के स्थगन के पीछे कोई वजह नजर नहीं आती, क्योंकि अगर ऐसा है तो जिस दिन वोटों की गिनती होनी है उसे क्यों नहीं गिना गया? फिर आप यह भी देख सकते हैं कि दीपावली आ रही है। मुझे इसका कोई औचित्य नहीं दिखता। जहां तक मेरी न्यायमित्र से मुलाकात की बात है तो पहले हम सभी एक साथ मिलने वाले थे, लेकिन मुझे बताया गया है कि विनोद राय बाहर गए हुए हैं।

आडवाणी-मेहता की जोड़ी ने विश्व टीम स्नूकर खिताब जीता

मंडाले (म्यामांर), प्रेट्र: पंकज आडवाणी और आदित्य मेहता की भारतीय जोड़ी ने बुधवार को यहां थाइलैंड की जोड़ी को 5-2 से हराकर आइबीएसएफ विश्व टीम स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। मेहता ने उस समय अपना पहला विश्व खिताब जीता जब स्वास्थ्य के कारण उनके खेलने पर संदेह पैदा हो गया था। इस जीत से यह भी सुनिश्चित हो गया कि अब प्रत्येक आइबीएसएफ विश्व खिताब आडवाणी की झोली में है। उन्होंने यहां पिछले सप्ताह विश्व बिलियर्ड्स खिताब भी जीता था।

मुकाबले की शुरुआत मेहता ने की जिन्होंने पहला फ्रेम 65-31 से जीता। आडवाणी को हालांकि दूसरे फ्रेम में 9-69 से हार का सामना करना पड़ा। कुछ फ्रेम में कड़े मुकाबले के बाद भारत ने 3-2 की बढ़त बना ली और बेस्ट ऑफ नाइन फाइनल में जीत दर्ज करने के लिए उन्हें सिर्फ दो फ्रेम जीतने थे। आडवाणी ने इसके बाद दूसरे डबल्स फ्रेम में 52 के ब्रेक के साथ जीत दर्ज की और भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया। अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ स्नूकर खेल रहे मेहता ने इसके बाद थाइलैंड के प्रतिद्वंद्वी को 83-9 से हराकर अपना नाम विश्व चैंपियन बनने वाले खिलाड़ियों की सूची में दर्ज कराया।

ओलंपिक पदक विजेता बनेगी पापा की परी : गीता फोगाट

विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदकधारी भारतीय महिला पहलवान गीता फोगाट ने कहा कि उनकी चचेरी बहन विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता है लेकिन इस बड़े टूर्नामेंट में कांस्य की भी अहमियत है। रियो ओलंपिक में विनेश चोटिल हो गईं थी और उसके बाद से उसकी वापसी शानदार है। इस समय आयोडीन को लेकर सबको जागरूक कर रहीं गीता कहती हैं कि इसके लिए एक संदेश देना जरूरी है ताकि सभी जागरूक हो जाएं। 30 वर्षीय गीता ने कहा कि पिता महावीर फोगाट कहते हैं जो भी ओलंपिक में पदक लाएगा वही उनकी पसंदीदा बेटी बनेगी। अब विनेश के पास यह मौका है। मालूम हो कि महावीर की चार बेटियां गीता, बबीता, रितु और संगीता हैं जबकि उनकी भतीजी विनेश भी पहलवान हैं। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर **गीता फोगाट** से **योगेश शर्मा** ने खास बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश:

साक्षात्कार

• विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता जबकि उनसे स्वर्ण की उम्मीद की जा रही थी?

-पहली बार ऐसा हुआ है कि विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता है। पिछली बार वह जीत नहीं पाई। यह विश्व चैंपियनशिप काफी बड़ा टूर्नामेंट होता है क्योंकि इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलते हैं। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना भी बहुत बड़ी बात है और इस चैंपियनशिप में पदक जीतने के बाद हम ओलंपिक में भी खिलाड़ी से पदक जीतने की उम्मीद कर लेते हैं। ओलंपिक में कौन से रंग में पदक आएगा, यह नहीं कहा जा सकता लेकिन पदक की उम्मीद बहुत बढ़ जाती है। चोट के बाद जिस तरह से उन्होंने वापसी की वह शानदार है। उन्होंने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता अब विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। आगामी ओलंपिक में वह पदक जरूर जीतेगी।

• अब पहलवानों को बहुत मदद मिल रही है लेकिन महिला टीम के प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ?

-एक खिलाड़ी का जब विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पदक आता है तो दूसरे का विश्वास बढ़ जाता है और छोटी-छोटी चीजें होती हैं जो खिलाड़ी पर प्रभाव डालती हैं। अब सुविधा मिल रही हैं तो खिलाड़ी भी अच्छे बाहर आ रहे हैं। महिला पहलवान अच्छा कर रही हैं और आगे भी करेंगी।

• आपकी छोटी बहन रितु ने कुश्ती छोड़कर मिक्स मार्शल आर्ट अपना लिया तो क्या आप भी इस खेल को छोड़कर कुछ नया करेंगी?

-कुश्ती मेरे खून में है। मैं कुश्ती नहीं छोड़ना चाहती और इस खेल को छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं उठता। मेरी कोशिश जल्दी से जल्दी इस खेल में वापसी करने की है ताकि मैं देश के लिए पदक जीतने का सिलसिला शुरू कर सकूं।

• आप मां बनने वाली हैं तो फिर बच्चे के साथ आपकी वापसी कितनी चुनौतीपूर्ण रहेगी?

-मैट से दूर रहना और फिर उसी खेल में वापस आना चुनौतीपूर्ण तो रहता है। नियमित रूप से ट्रेनिंग और डाइट पर चलना और अपने वजन को बनाए रखना, यह सब वापसी में काफी मुश्किल होता है लेकिन कहते हैं कि मेहनत के आगे सब संभव है और मैं इस पर विश्वास करती हूं।

• जब विनेश ने पदक जीता तो घर में क्या माहौल था और आपके पिता महावीर ने क्या कहा?

-घर में अच्छा माहौल में था। पापा महावीर भी खुश थे लेकिन जब उनसे पूछते है कि उनकी पसंदीदा बेटी कौन है तो वह यही कहते हैं कि जो ओलंपिक में पदक लाएगी वह ही मेरी पसंदीदा बेटी होगी तो हमें उम्मीद है कि विनेश इसे अगले साल पूरा करेगी। यह सपना अगर विनेश पूरा कर देगी तो इससे बड़ी खुशी की बात कुछ नहीं होगी।

उसेन के बाद थमी जमैका के धावकों की रफ्तार, दोहा में कड़ी चुनौती, 2019 में अमेरिकी धावकों का दबदबा, कोलमेन बन सकते हैं नए बोल्ट

सुपरमैन बोल्ट के बाद अब ट्रैक पर दौड़ेगा किसका करंट

अभ्यास सत्र के दौरान अमेरिका के क्रिस्टियन कोलमैन • एपी

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

संतोष शुक्ल • मेरठ

कतर की राजधानी दोहा में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान शुक्रवार से जब तूफानी धावकों की फौज ट्रैक पर उतरेगी तो खेल प्रेमियों की नजरें उसेन बोल्ट जैसी रफ्तार खोजती नजर आएंगी। फर्राटा दौड़ के सुपरमैन बोल्ट के संन्यास के बाद जमैका के एथलीटों का करंट गायब हो गया है। वर्ष 2004 से 100 मीटर की सभी स्पर्धाओं में दबदबा रखने वाले जमैका के धावक दो साल से करिश्माई प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। छह अक्टूबर तक चलने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जमैका के एथलीटों के सामने साख बचाने की चुनौती होगी। रफ्तार की जंग में अमेरिका का पलड़ा भारी रह सकता है। इस सत्र में स्प्रिंट की तकरीबन सभी स्पर्धाओं में अमेरिकी धावकों ने बाजी मारी है।

फर्राटा धावकों का पावरहाउस रहा है अमेरिका: 100 मीटर की दौड़ को दुनिया की सबसे रोमांचक खेल स्पर्धा कहा जाता है। पूर्व अमेरिकी धावकों कार्ल लुईस, माइकल जॉनसन, मॉरिस ग्रीन, लेराय बुरेल, टिम मोंटगोमरी के नाम रहा। इसमें से माइकल जॉनसन ने 200 और 400 मीटर का विश्व रिकॉर्ड लंबे समय तक अपने नाम रखा। 1999 में अमेरिका के मॉरिस ग्रीन 9.80 सेकेंड से कम समय निकालने वाले दुनिया के पहले धावक बने।

दशक भर दौड़ा बोल्ट का करंट: 2004 से जमैका के धावकों का दबदबा बढ़ा। सिर्फ 26 लाख की आबादी वाले जमैका के एथलीटों ने फर्राटा दौड़ का नक्शा बदल दिया। असफा पावेल, योहान ब्लैक और बोल्ट तिकड़ी ने कई बार विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। 2009 में बर्लिन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बोल्ट ने 9.58 सेकेंड में सौ मीटर और 19.19 सेकेंड में 200 मीटर की दौड़ में बड़े अंतर के साथ विश्व रिकॉर्ड बना दिया। बोल्ट का जादू 2016 रियो ओलंपिक तक चला। इनके मुकाबले अमेरिका के धावकों में टाइसन गे और जस्टिन गैटलिन को शानदार प्रदर्शन के बावजूद उतनी सफलताएं नहीं मिलीं। महिला वर्ग में भी जमैका की फर्राटा धाविकाओं ने 2008, 2012 और 2016 ओलंपिक खेलों में पदकों का अंबार लगा दिया। यूएसए यहां भी पिछड़ा। किंतु अब जमैका के योहान ब्लैक 29 साल के हो चुके हैं। असफा पॉवेल पुरानी रफ्तार से मीलों दूर छूट गए हैं। ये दोनों धावक दोहा में जमैका के लिए पदक की उम्मीद के साथ रेस भरेंगे। बाधा दौड़ में जमैका के ओमर मैकलीड को बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

ट्रैक पर फिर से अमेरिकी दबदबा: जमैका के बोल्ट ने 2008 बीजिंग से लेकर 2016 रियो ओलंपिक तक अमेरिकी धावकों को आसपास भी नहीं फटकने दिया। किंतु 2017 में लंदन में हुई विश्व एथलेक्टिस चैंपियनशिप में बोल्ट का करंट कमजोर पड़ा। आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाला बादशाह 9.95 सेकेंड के साथ सौ मीटर की दौड़ में तीसरे स्थान पर पिछड़ गया। अमेरिकी धावक जस्टिन गैटलिन 9.92 और युवा क्रिस्टियन कोलमेन 9.94 सेकेंड के साथ स्वर्ण व रजत जीत गए। 2018 में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धावकों में जमैका का एक भी स्प्रिंटर स्थान नहीं बना सका। 2018/19 के सत्र में 100 मीटर की पांच स्पर्धाओं में चार में, जबकि 200 मीटर की चार स्पर्धाओं में तीन में अमेरिकी धावक हावी रहे हैं।

नए दौर के ये हैं बोल्ट: अमेरिका के 23 साल के धावक क्रिस्टियन कोलमेन को नए जमाने का बोल्ट कहा जा रहा है। उन्होंने इस सत्र में सौ मीटर की दौड़ 9.81 सेकेंड में पूरी की। उनके हमवतन नोह लाइल्स सौ मीटर 9.85 सेकेंड व 200 मीटर 19.50 सेकेंड में फर्राटा भर उम्मीद जगा चुके हैं। कनाडा के आंद्रे ग्रासी 2016 ओलंपिक में तीन पदक जीतने वाले पहले फर्राटा धावक बने, जो इस बार दोहा में भी कड़ी टक्कर देंगे।

"मैंने कभी ड्रग नहीं लिया। अमेरिकी एंटी डोपिंग एजेंसी (यूएसएडीए) को अपने खुद के नियम नहीं पता। वे चाहते हैं कि खिलाड़ी सारे नियम ध्यान में रखे लेकिन वे खुद ध्यान नहीं रखते। अमेरिकी लोग मुझे बेवकूफ कहते हैं। मुझे नहीं पता कि लोग एथलीटों को किस नजर से देखते हैं लेकिन कोई भी सही नहीं है। लोग भी गलती करते हैं। मैं दोहा में स्वर्ण जीतकर अपने आलोचकों को जवाब दूंगा।

क्रिस्टियन कोलमेन, अमेरिकी एथलीट

पीटी ऊषा आइएएएफ वेटरन पिन से सम्मानित

दोहा, प्रेट्र: भारत की महान ट्रैक एवं फील्ड एथलीट पीटी ऊषा को उनके खेल में योगदान को देखते हुए बुधवार को विश्व एथलेटिक्स संचालन संस्था द्वारा 'वेटरन पिन' से सम्मानित किया गया। आइएएएफ प्रमुख सेबेस्टियन को ने यहां 52वें आइएएएफ कांफ्रेंस के दौरान ऊषा को वेटरन पिन भेंट की। एशिया से तीन खिलाड़ियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसमें से एक ऊषा हैं। इस सम्मान के बाद ऊषा ने ट्वीट किया, 'दोहा में 52वीं आइएएएफ कांफ्रेंस में वेटरन पिन से सम्मानित करने के लिए मैं आइएएएफ और अध्यक्ष सेबेस्टिन को का आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपने देश में एथलेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए योगदान जारी रखूंगी।'

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का रिकॉर्ड

रेस	देश	एथलीट	जगह	वर्ष	समय
100 मी.	जमैका	बोल्ट	बर्लिन	2009	9.58
200 मी.	जमैका	बोल्ट	बर्लिन	2009	19.19
400 मी.	अमेरिका	जॉनसन	सेविया	1999	43.18

नोट: समय सेकेंड में है

इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

रेस	देश	एथलीट	समय
100 मीटर	अमेरिका	कोलमेन	9.81 सेकंड
200 मीटर	अमेरिका	नोह लाइल्स	19.50 सेकेंड
400 मीटर	अमेरिका	माइकल नारमैन	43.45 सेकेंड

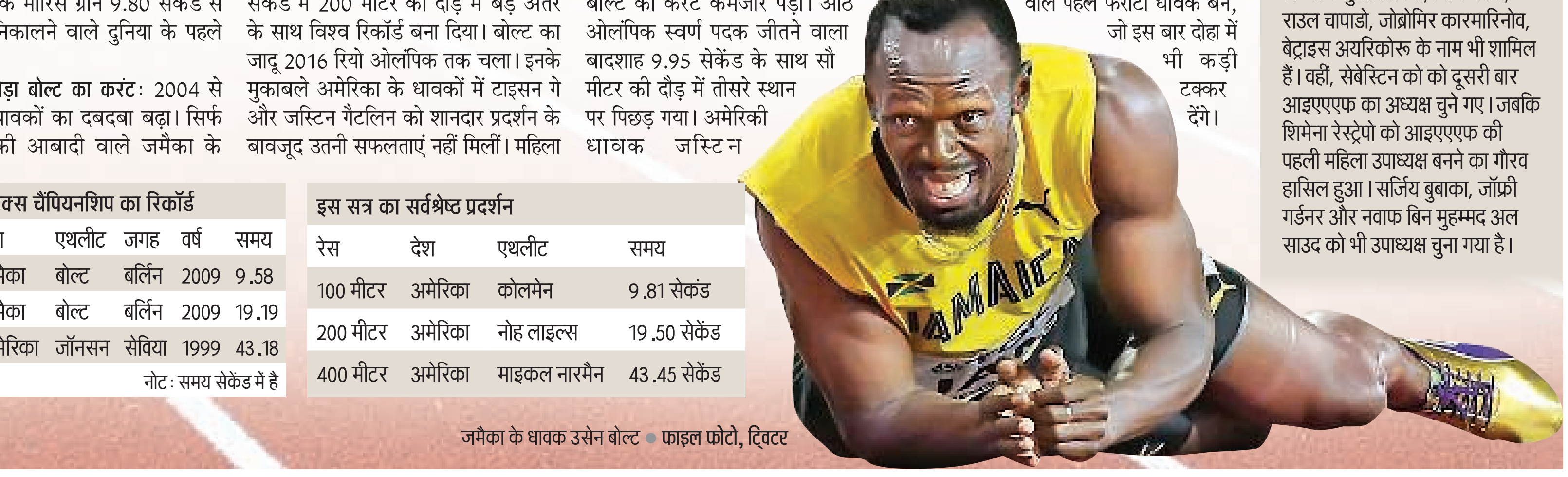

जमैका के धावक उसेन बोल्ट • फाइल फोटो, ट्विटर

आइएएएफ सदस्य चुने गए सुमारीवाला

नई दिल्ली: भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआइ) के अध्यक्ष आदिले सुमारीवाला को अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (आइएएएफ) की परिषद में बतौर सदस्य शामिल किया गया। आइएएएफ ने बुधवार को ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। यह आदिले का परिषद में दूसरा कार्यकाल होगा। वह पहले भी इस परिषद में शामिल थे। आदिले को दोहा में अंतरराष्ट्रीय महासंघ की कांफ्रेंस में कुल 121 वोट मिले और उनका कार्यकाल चार साल तक के लिए रहेगा। इस सूची में हिरोशी योकोकावा, एनटी पिहलाकोस्की, एना रिकार्डी, नान वांग, नवल एल माउटावाकेई, एबी गोफमैन, स्यलविया बरालाग, अल्बटरे जुआनटोरेना, विलि बैंक्स, राउल चापाडो, जोब्रोमिर कारमारिनोव, बेट्राइस अयरिकोरू के नाम भी शामिल हैं। वहीं, सेबेस्टिन को को दूसरी बार आइएएएफ का अध्यक्ष चुने गए। जबकि शिमेना रेस्ट्रेपो को आइएएएफ की पहली महिला उपाध्यक्ष बनने का गौरव हासिल हुआ। सर्जिय बुबाका, जॉफ्री गर्डनर और नवाफ बिन मुहम्मद अल साउद को भी उपाध्यक्ष चुना गया है।

पाकिस्तानी टीम का कोच रहते हुए मेरे लिए निराशा यह थी कि जिन लोगों पर मैंने विश्वास किया। उन्होंने मेरा साथ नहीं दिया।
– मिकी आर्थर, पूर्व कोच, पाकिस्तान क्रिकेट टीम

हम जितना खेलेंगे, उतना बेहतर होंगे : राशिद खान

ढाका : अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने कहा है कि उनकी टीम जब टेस्ट खेलने वाले शीर्ष देशों के साथ लगातार खेलेगी तभी उनके खेल के स्तर में सुधार होगा। अफगानिस्तान ने हाल ही में बांग्लादेश को उसके घर में मात देकर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। यह अफगानिस्तान का तीसरा टेस्ट मैच था जिसमें उसने बांग्लादेश को 224 रनों से हराया था। त्रिकोणिय टी-20 सीरीज के खत्म होने के बाद राशिद ने कहा, कि विश्व कप में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा था।

मेसी फिर हुए चोटिल लेकिन बार्सिलोना जीता

फुटबॉल डायरी ▸ ला लीगा में बार्सिलोना ने विलारीयल को आसानी से 2-1 से हराया

लियोन ने हाफ टाइम के ठीक बाद चोटिल होकर मैदान छोड़ा

मैड्रिड, एएफपी : बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी एक बार फिर चोटिल हो गए हैं लेकिन मैनेजर ईर्नेस्टो वाल्वर्डे की टीम ने स्पेनिश फुटबॉल क्लब ला लीगा में विलारीयल पर 2-1 की आसान जीत दर्ज की। चोट की वजह से मेसी को हाफ टाइम के बाद मैदान छोड़ना पड़ा।

पहले हाफ में मेसी की बायीं जांघ में तकलीफ नजर आई और उन्हें उपचार की जरूरत पड़ी। इसके बाद वह दूसरे हाफ में उतरे लेकिन खेलने की स्थिति में नजर नहीं आए जिसकी वजह से उनकी जगह उस्माने डेंबले को मैदान में उतारा गया। अगस्त की शुरुआत में चोट की समस्या से दो चार होने वाले मेसी का दोबारा चोटिल होना बार्सिलोना के लिए बड़ी चिंता की बात है। उन्हें लंबे समय बाद बार्सिलोना की शुरुआती लाइन-अप में जगल मिली थी। मुकाबले के बाद बार्सिलोना के मैनेजर वाल्वर्डे ने कहा कि जब भी मेसी को कुछ होता है तब हर कोई रुक जाता है। ना केवल मैदान पर बल्कि स्टैंड में भी सब कुछ रुक जाते हैं। उनकी चोट एक छोटी परेशानी है और हमने एहतियातन जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया। हम इस पर नजर रखेंगे। कैंप नाऊ में खेले गए मुकाबले में एंटोनी ग्रीजमैन (छठे मिनट) ने बार्सिलोना को शुरुआती बढ़त दिलाई जो इस सत्र में उनका तीसरा गोल रहा। इसके अलावा आर्थर मेलो (15वें मिनट) ने भी बार्सिलोना की ओर से गोल किया। सांति काजोर्ला (44वें मिनट) ने हाफ टाइम से ठीक पहले एक गोल करके विलारीयल की उम्मीदें जगाई लेकिन अंत में बार्सिलोना ने मुकाबले को अपने नाम किया। हालांकि जीत के बावजूद बार्सिलोना के स्टार ग्रीजमैन ने कहा कि उनकी टीम अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में नहीं है लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि जैसे-जैसे समय आगे बढ़ेगा, सबकुछ ठीक होता जाएगा।

जुवेंटस ने बालोटेली की टीम को हराया

मिलान : मारियो बालोटेली इटालियन क्लब ब्रेशिया की ओर से शुरुआत करने उतरे लेकिन उनकी टीम को सीरी-ए चैंपियन जुवेंटस ने 2-1 से हरा दिया। मैनचेस्टर सिटी और इंटर मिलान के पूर्व स्ट्राइकर बालोटेली अपनी घरेलू टीम में खेलने के लिए इटली लौटे हैं लेकिन चार मैचों के प्रतिबंध की वजह से उन्हें ब्रेशिया की ओर से उतरने में देरी हुई। उन पर उनके पिछले क्लब मार्सेली में खेलने के दौरान चार मैचों का प्रतिबंध लगा था। उधर इस मुकाबले में अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बगैर खेलने उतरी जुवेंटस की टीम को चौथे ही मिनट में पिछड़ना पड़ा। एलफ्रेडो डोनारुमा ने गोल करके ब्रेशिया को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि हाफ टाइम से पांच मिनट पहले ब्रेशिया के डिफेंडर जॉन चांसलर आत्मघाती गोल कर बैठे जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद 63वें मिनट में मिरालेम प्जानिक ने जुवेंटस की ओर से निर्णायक गोल दागा।

चोट के कारण निराश होकर मैदान से बाहर जाते लियोन मेसी। एपी

इंग्लिश क्लब टॉटनहम की सनसनीखेज हार

लंदन : इंग्लिश क्लब टॉटनहम का सत्र की खराब शुरुआत का सिलसिला जारी है। टॉटनहम को लीग कप के तीसरे दौर के मुकाबले में चौथे दर्जे की टीम कोलचेस्टर के हाथों पेनाल्टी शूटआउट में हार झेलनी पड़ी। मैनेजर मॉरिसियो पोचेटिनो की टॉटनहम और कोलचेस्टर का स्कोर निर्धारित समय तक गोलरहित (0-0) बराबरी पर रहा लेकिन पेनाल्टी शूटआउट में टॉटनहम को 3-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। उधर मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने प्रेस्टन को 3-0 से हराकर लगातार तीसरी बार लीग कप जीतने की ओर अपने कदम बढ़ाए।

चैंपियंस लीग फाइनल के मेजबानों की घोषणा

ल्योन : यूरोपीय फुटबॉल की शीर्ष संस्था यूएफा ने बुधवार को 2021, 2022 और 2023 के चैंपियंस लीग फाइनल के मेजबानों की घोषणा की। 2021 के चैंपियंस लीग का फाइनल रूस के शहर सैंट पीटरसबर्ग के सेंट पीटरसबर्ग स्टेडियम में होगा जबकि 2022 का फाइनल जर्मनी के म्यूनिख के फुटबॉल एरीना और 2023 का लंदन के वेंबले स्टेडियम में होगा।

बत्रा के कॉमनवेल्थ गेम्स को लेकर दिए बयान पर असहमति

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स से हमेशा के लिए बाहर होने वाले बयान पर भारतीय खिलाड़ियों ने असहमति जाहिर की है जबकि इस पर विभिन्न संघों के अधिकारियों ने अलग-अलग राय दी है। बत्रा ने यह कहकर नई चर्चा छेड़ दी है कि कॉमनवेल्थ गेम्स समय की बर्बादी है और देश को हर चार साल में होने वाली इस प्रतियोगिता से हमेशा के लिए हटने पर विचार करना चाहिए। बत्रा ने एक बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को कहा था कि कॉमनवेल्थ गेम्स का स्तर बहुत ऊंचा नहीं है और भारत को अपने स्तर को बढ़ाने के लिए इससे हमेशा के लिए हटने के बारे में सोचना चाहिए।

गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ में दो रजत और एक कांस्य पदक जीतने वाले टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है जबकि दिग्गज मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा कि बत्रा का बयान दिल तोड़ने वाला है। इस हिसाब से भारत को किसी भी आमंत्रण टूर्नामेंट में अपना दल नहीं भेजना चाहिए क्योंकि उस टूर्नामेंट का स्तर ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप के स्तर का नहीं होता है। कॉमनवेल्थ में इंग्लैंड और आयरलैंड जैसे मजबूत मुक्केबाजी देश भाग लेते हैं। वहीं 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता पी कश्यप ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स का बहिष्कार करने के बारे में सोचना हास्यास्पद है। मुझे नहीं लगता कि स्तर नीचा है। जब मैंने 2010 और 2014 में जीत हासिल की थी तब वह आसान नहीं था। यहां तक कि 2010 की स्वर्ण पदक धारी चक्का फेंक एथलीट कृष्णा पूनिया ने कहा कि एथलीटों के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स विश्व स्तर का है और यहां प्रतिस्पर्धा एशियन गेम्स से भी ज्यादा है। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान जफर इकबाल भी बत्रा के बयान से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स सबसे बड़ा आयोजन है जहां पिछली बार 72 देशों ने हिस्सा लिया था। अगर आप हॉकी की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन जैसे मजबूत टीमें इसमें हिस्सा लेती हैं।

राणा भी सहमत नहीं : भारत के दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा ने बुधवार को नरिंदर बत्रा द्वारा निशानेबाजी का समर्थन करने के लिए सराहना की लेकिन वह आइओए प्रमुख के इस सुझाव से सहमत नहीं हैं कि भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। राष्ट्रीय जूनियर कोच राणा ने कहा, 'मैं उनकी (बत्रा) सराहना करता हूं क्योंकि वह मेरे खेल का समर्थन कर रहे हैं। आप (कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 आयोजकों) लंबे समय से कार्यक्रम का हिस्सा रहे किसी खेल को यूं ही नहीं हटा सकते हैं लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष भी है क्योंकि खेलों से हमेशा के लिए हटने से खिलाड़ी प्रभावित होंगे। प्रतियोगिता किसी भी तरह की हो, किसी खिलाड़ी के लिए पदक जीतना बहुत बड़ी बात होती है।' राणा ने कहा, 'यह उनके लिए ओलंपिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का मंच है। भारतीय निशानेबाजी ने पिछले कुछ वर्षों में काफी सुधार किया है। इसलिए इसके नकारात्मक और सकारात्मक दोनों पक्ष हैं।' एक अन्य निशानेबाज समरेश जंग ने भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कॉमनवेल्थ गेम्स के स्तर में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, 'हमने 1998 में छह-सात पदक जीते थे लेकिन इसके बाद हमने अधिक पदक जीतने शुरू कर दिए। मेरा मानना है कि खेलों का स्तर नहीं गिरा बल्कि हमने इस पर काम किया और सुधार किया। हमें सकारात्मक पक्ष को देखना चाहिए।' मालूम हो कि बत्रा ने निशानेबाजी को बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स से हटाए जाने के बाद भारत द्वारा इसके बहिष्कार की धमकी दी थी।

वाद-विवाद

अलग-अलग राय

नई दिल्ली : राष्ट्रीय संघ से जुड़े एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि किसी को बत्रा से यह पूछना चाहिए कि क्या अगर निशानेबाजी को कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल कर लिया जाता है तो इसका स्तर बढ़ जाएगा। मुझे लगता है कि इस पर उनकी अलग राय होगी। उन एथलीटों क्या होगा जिन्होंने यहां जीत के लिए इतनी मेहनत की है। उधर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह ने कहा कि कुश्ती जगत की यह राय है कि चाहे कोई भी टूर्नामेंट हो पहलवान लड़ना चाहते हैं। हालांकि बत्रा को कुछ लोगों का समर्थन भी हासिल हुआ। भारतीय तीरंदाजी संघ के महासचिव परेश नाथ मुखर्जी ने कहा कि आइओए प्रमुख ने जो कुछ बी कहा, उससे बड़ी सच्चाई नहीं हो सकती। कॉमनवेल्थ गेम्स की ओलंपिक में कोई अहमियत नहीं है। केवल हमारे जैसे गरीब और मूर्ख देश कॉमनवेल्थ को बढ़ावा देते हैं। यह पैसे व्यर्थ करने के अलावा कुछ नहीं है। वहीं आइओए के कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे ने कहा कि मेरे हिसाब से चाहे वह दक्षिण एशियन गेम्स हो, एशियन गेम्स हो या फिर कॉमनवेल्थ गेम्स हो या ओलंपिक, सभी की अपनी-अपनी अहमियत है और हमारे एथलीटों का भविष्य उनसे जुड़ा हुआ है। भारोत्तोलन संघ से जुड़े एक अधिकारी ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स की अहमियत पर जोर दिया है।

सिंधू, साइना और प्रणीत बाहर

कोरिया ओपन

इंचियोन, प्रेट्र : विश्व चैंपियन भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, हमवतन साइना नेहवाल और बी साई प्रणीत को बुधवार को यहां कोरिया ओपन टूर्नामेंट के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा जिससे सिंगल्स वर्ग में सिर्फ पी कश्यप के रूप में भारतीय चुनौती बची है। कश्यप ने पुरुष सिंगल्स मुकाबले में चीनी ताइपे के ल्यू चिया हुंग को 42 मिनट में आसानी से 21-16, 21-16 से हराया।

सिंधू को हालांकि पहले दौर में ही अमेरिका की बेइवन झेंग के खिलाफ तीन गेम में 7-21, 24-22, 15-21 से हार झेलनी पड़ी जबकि प्रणीत और साइना को रिटायर्ड हर्ट होकर पहले दौर के मुकाबलों के बीच से हटना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणीत जब डेनमार्क के पांचवें वरीय एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ 9-21, 7-11 से पिछड़ रहे थे तब टखने की चोट के कारण मुकाबले से हट गए। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक साइना दक्षिण कोरिया की किम गा युन के खिलाफ पहला गेम जीतने के बाद 21-19, 18-21, 1-8 के स्कोर पर मुकाबले से हट गईं। साइना के पति और निजी कोच कश्यप ने बताया कि उन्हें पेट से संबंधित तकलीफ के कारण मैच बीच में छोड़ना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के बाद सिंधू को भी लय हासिल करने के लिए जूझना पड़ रहा है। उन्हें पिछले सप्ताह चीन ओपन के दूसरे दौर में थाइलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू ने बासेल में विश्व चैंपियनशिप खिताब के दौरान झेंग को भी हराया था। चीन में जन्मीं अमेरिकी खिलाड़ी झेंग ने पिछले साल इंडिया ओपन और डेनमार्क ओपन में सिंधू को शिकस्त दी थी। वहीं, मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की पुरुष डबल्स जोड़ी भी पहले दौर में चीन की हुआंग केई जियांग और लियू चेंग की जोड़ी से 16-21, 21-19, 18-21 से हार गई जबकि सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को जापान की चौथी वरीय ताकेशी कामुरा और कीगो सोनोडा से 19-21, 21-18, 18-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

चोट के कारण बीच मुकाबले से हटीं हालेप

टेनिस डायरी

वुहान (चीन), एएफपी : विंबलडन चैंपियन सिमोना हालेप को पीठ के निचले हिस्से की समस्या के कारण वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बीच से ही हटना पड़ा।

हालेप ने कहा कि इस समस्या के कारण उन्हें तीसरे दौर के मैच से हटने के लिए बाध्य होना पड़ा, जो उन्हें एक साल पहले बीजिंग में चीन ओपन में लगी थी। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन हालेप ने कहा, 'यह पीठ का निचला हिस्सा है। मुझे अभी इसके बारे में नहीं पता, लेकिन यह मांसपेशियों की समस्या लग रही थी, लेकिन अभी मैंने ठीक तरह से देखा नहीं है।' कजाखिस्तान की एलिना रेबाकिना के खिलाफ मुकाबले में रोमानिया की हालेप ने नौवें गेम में मेडिकल टाइम आउट लिया और फिर उन्होंने हटने का फैसला किया। तब वह 4-5 के स्कोर पर सर्विस कर रही थीं। रेबाकिना बेलारूस की आर्यना सबालेंका से भिड़ेंगी, जिन्होंने नीदरलैंड्स की किकी बर्टेंस को 6-1, 7-6 से हराया। उधर, विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने अमेरिका की सोफिया केनिन को 6-3, 7-5 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलियाई स्टार बार्टी अब क्वार्टर फाइनल में पेत्रा मार्टिक से भिड़ेंगी।

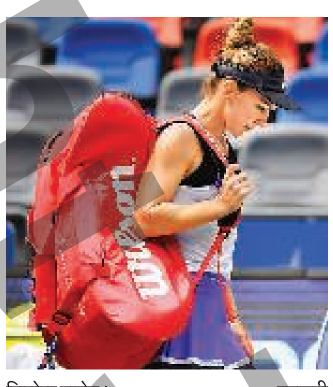

सिमोना हालेप। एएफपी

पहले ही दौर में हारे किर्गियोस

जुहाई (चीन), एएफपी : ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस ने एक बार फिर अंडरआर्म सर्विस की, लेकिन जुहाई चैंपियनशिप के पहले ही दौर में उन्हें नाटकीय ढंग से हारकर बाहर होना पड़ा। इटली के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी आंद्रेयास सिप्पी के खिलाफ मुकाबले के पहले सेट में 24 वर्षीय किर्गियोस एक समय 4-1 से आगे चल रहे थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 6-7, 1-6 से हार झेलनी पड़ी। पहले सेट के दौरान किर्गियोस ने अंडरआर्म सर्विस करके दर्शकों का मनोरंजन किया। हालांकि, एक अच्छी खासी बढ़त लेने के बाद दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी किर्गियोस को खराब सर्विस की वजह से मुकाबले को गंवाना पड़ा। इस दौरान उनके कंधे में भी परेशानी महसूस हुई। दूसरे सेट को 35 वर्षीय सिप्पी ने एकतरफा बना दिया और 65 मिनट तक चले इस मुकाबले को जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

टोक्यो में खेलेंगे जोकोविक

बेलग्रेड, एएफपी : नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने अभ्यास करना शुरू कर दिया है और वह अगले सप्ताह टोक्यो में खेलते नजर आएंगे। इस बात की जानकारी उनके प्रेस टीम के एक सदस्य ने दी।

विविध

रिम्स में ठगी, 20 लाख में दिया फर्जी नामांकन पत्र

अमन मिश्रा, रांची

जागरण एक्सक्लूसिव

▸ फर्जी एडमिशन लेटर लेकर पढ़ाई करने पहुंची मध्य प्रदेश के उमरिया की छात्रा

झारखंड के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में नामांकन में ठगी का खेल चल रहा है। रिम्स में नामांकन दिलाने का दावा कर अभिभावकों को ठगा जा रहा है। दो माह में ऐसे 20-22 मामले रिम्स प्रबंधन के पास आए हैं।

हालिया घटनाक्रम में मध्य प्रदेश के उमरिया जिले की एक छात्रा एडमिशन संबंधित कागजात के सत्यापन के दौरान रिम्स निदेशक डॉ. डीके सिंह के पास पहुंची। वहां छात्रा और उसके अभिभावक के होश उड़ गए क्योंकि उनके सारे कागजात फर्जी पाए गए। जब छात्रा से नेशनल इलीजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट (नीट) का अंक पत्र मांगा गया तो उसमें उसके अंक 720 में महज 161 थे। वहीं ऑल इंडिया रैंक करीब छह लाख के आसपास थी। इतने कम अंक पर नामांकन संभव ही नहीं है। रिम्स में इस साल न्यूनतम 500 अंक तक के विद्यार्थियों का नामांकन हुआ है। अभिभावक ने रिम्स मेडिकल कॉलेज में एडमिशन के नाम पर ठग को 20 लाख रुपये देने की बात कही।

रिम्स परिसर में ही हुई थी डील : ठग ने अभिभावकों को कोल इंडिया कोटा का हवाला देते हुए एडमिशन कराने का भरोसा दिलाया। ठग ने रिम्स परिसर में छात्रा और उसके अभिभावकों को घुमाकर सारा कैंपस दिखाने के बाद उनसे 20 लाख रुपये में एडमिशन दिलाने सौदा किया। ठग ने पैसे लेने के कुछ दिन बाद एडमिशन के सारे फर्जी कागजात थमा दिए। ठग ने हूबहू नामांकन की रसीद, मनी रिसीट, सेशन फी रिसीट बना ही डाले। साथ ही एडमिशन के बाद सत्र में शामिल होने वाले आदेश पत्र की भी हूबहू नकल बना दी। इन तमाम कागजात में बैंक चालान नंबर के साथ रिम्स के विभिन्न विभागों के स्टांप भी लगे हैं, जो फर्जी हैं।

रिम्स में दो माह में करीब 22 विद्यार्थी ठगी के शिकार हुए हैं। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बाद भी वे ठगों के चंगुल में फंस रहे हैं। कई मामलों में तो रिम्स में एडमिशन संबंधित सारे फर्जी कागजात विद्यार्थी को उपलब्ध कराए गए हैं। रिम्स प्रबंधन इस मामले में गिरोह का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।
– डॉ. डीके सिंह, निदेशक, रिम्स

अभिभावक इस तरह के फर्जीवाड़े और धोखे से बचें। सरकारी मेडिकल कॉलेज में सिर्फ मेरिट के आधार पर दाखिला होता है। इन मेडिकल कॉलेजों में डोनेशन की कोई गुंजाइश नहीं है।
– डॉ. अजित कुमार, अध्यक्ष, जेडीए, रिम्स

बड़ी हस्तियों से देर रात वाट्सएप कॉल करती थीं छोटी-बड़ी मैडम

नईदुनिया, इंदौर

हनीट्रैप मामला

▸ अब छात्रा मोनिका को सरकारी गवाह बनाएगी पुलिस

▸ एसआइटी प्रमुख संजीव शमी ने करीब चार घंटे तक उससे की पूछताछ

▸ छात्रा ने उन होटलों व रेस्तरां के नाम भी बताए, जहां श्वेता-आरती जाती थीं

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले में बड़ी हस्तियों से शारीरिक संबंध बनाकर ब्लैकमेल करने वाले गिरोह की एसआइटी ने जांच शुरू कर दी है। बुधवार को एसआइटी प्रमुख और एडीजी (काउंटर इंटेलीजेंस) संजीव शमी इंदौर पहुंचे और छात्रा मोनिका से करीब चार घंटे पूछताछ की। उसने बताया कि छोटी-बड़ी मैडम यानी आरती और श्वेता विजय जैन के कई अधिकारियों और नेताओं से संबंध हैं। वे देर रात तक वाट्सएप कॉलिंग करती थीं। पुलिस छात्रा को सरकारी गवाह बनाने की तैयारी कर रही है। जान को खतरा देखते हुए उसकी सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार दोपहर जैसे ही संजीव शमी को एसआइटी प्रमुख नियुक्त किया, उन्होंने आरोपित श्वेता विजय जैन, श्वेता स्वप्निल जैन, बरखा भटनागर, आरती दयाल, अभिषेक और ओमप्रकाश के विरुद्ध दर्ज मानव तस्करी केस की जानकारी मंगवा ली। बुधवार दोपहर पलासिया थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया और एसआइ बलराम सिंह रघुवंशी ने इस मामले में पीड़ित छात्रा मोनिका को पलासिया थाने बुलाया और पूछताछ की प्रक्रिया के बारे में समझाया। कुछ देर बाद टीम मोनिका को एसआइटी प्रमुख के पास लेकर पहुंची। उन्होंने केस डायरी का परीक्षण किया और पूछताछ की।

सूत्रों के अनुसार इस दौरान मोनिका ने आरती और श्वेता के बारे में खुलकर जानकारियां दीं और कहा कि दोनों के कई नेताओं और अधिकारियों से संबंध हैं। कई लोगों को तो वह खुद के फोटो और वीडियो भी भेजती हैं। लोग पोस्टिंग, ठेकों के लिए उनसे संपर्क करते थे। कॉल रिकॉर्डिंग और कॉल डिटेल के डर से वह देर रात वाट्सएप कॉलिंग करती थीं। मोनिका ने ऐसे होटल और रेस्तरां के नाम भी बताए, जहां आरती और श्वेता अक्सर मीटिंग के लिए जाया करती थीं। गौरतलब है कि मामले में आरोपित रही सबसे कम उम्र की छात्रा मोनिका के पिता ने अन्य आरोपितों के खिलाफ मानव तस्करी का केस दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को बहलाफुसलाकर इस दलदल में इस्तेमाल किया गया है।

मोनिका को सरकारी गवाह बनाएगी एसआइटी : जांच में शामिल अधिकारियों के मुताबिक अभी आरोपितों के विरुद्ध मानव तस्करी का केस दर्ज है। मोनिका के बयानों से स्पष्ट हुआ कि आरती ने उसे ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया था। एसआइटी उसे सरकारी गवाह बनाएगी। इंदौर नगर निगम के इंजीनियर हरभजन सिंह की शिकायत पर दर्ज केस में उसका नाम निकाला जाएगा। गौरतलब है कि हरभजन सिंह की शिकायत पर ही इस गिरोह का राजफाश हुआ था।

आम नागरिकों से मांगी मदद : एसआइटी ने लोगों से अपील की है कि अगर उनके पास इस मामले से जुड़ी कोई जानकारी है तो वे ई-मेल से भेज सकते हैं। एसआइटी प्रमुख संजीव शमी ने सूचना देने वाले व्यक्ति की जानकारी को गोपनीय रखे जाने का भरोसा दिलाया है।

इस केस की गंभीरता बहुत ज्यादा है, इसलिए एसआइटी गठित की गई है। उच्च अधिकारी 'कॉम्प्रोमाइज' कर रहे हैं, मतलब मामला गंभीर है। इसी के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों को एसआइटी में जगह दी गई है। जिन लोगों की संलिप्तता पाई जाएगी, उसका नाम सामने आएगा।
– संजीव शमी, एसआइटी प्रमुख

उत्तराखंड में शराब कारोबार पर ऑनलाइन नजर

विकास धूलिया, देहरादून

प्रदेश में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने देने के लिए सतर्क हो गई है। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश के उद्देश्य से सरकार आबकारी एक्ट में संशोधन तो करने जा ही रही है, साथ ही अब प्रदेश में आबकारी विभाग की पूरी व्यवस्था को ऑनलाइन करने की भी तैयारी है। खाद्यान्न विभाग की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की तर्ज पर सरकार शराब की बिक्री पर ऑनलाइन नजर रखेगी। विश्व बैंक इसके लिए वित्तीय मदद मुहैया कराएगा। विभाग इसके लिए एक प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है।

प्रदेश में आबकारी विभाग राजस्व का एक बड़ा स्रोत है। इस वित्तीय वर्ष में ही सरकार ने आबकारी राजस्व के लिए करीब 2500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है। इसके साथ यह भी सच है कि हर साल अवैध शराब का कारोबार भी राज्य में बहुत बड़े स्तर पर होता है। इससे सरकार को राजस्व की भारी हानि उठानी पड़ती है। लिहाजा, अब आबकारी विभाग अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश के लिए रणनीति बनाने में जुट गया है।

आबकारी विभाग में शराब के कारोबार पर ऑनलाइन नजर रखने की व्यवस्था पर काम शुरू कर दिया गया है। इसके अंतर्गत डिस्टलरी और गोदाम यानी एफएल-2 से लेकर दुकानों में शराब की बिक्री तक, विभाग पूरी तरह ऑनलाइन नजर रखेगा। ट्रेकिंग सिस्टम से शराब ढोने वाले वाहनों और शराब की बोतलों पर लगने वाले होलोग्राम पर जीपीएस के जरिये निगाह रखी जाएगी। आबकारी आयुक्त सुशील कुमार के मुताबिक विश्व बैंक की टीम के साथ इस योजना पर बैठक हो चुकी है। आबकारी विभाग प्रस्ताव तैयार कर विश्व बैंक को सौंपेगा, जो इस प्रोजेक्ट के लिए वित्तीय मदद देगा।

कवायद

▸ अवैध शराब पर शिकंजे को सरकार ने शुरू की तैयारी

▸ आबकारी विभाग तैयार कर रहा योजना विश्व बैंक देगा वित्तीय मदद

इस तरह की जाएगी निगरानी

▸ निगरानी शराब डिस्टलरी से ही शुरू हो जाएगी। वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगे होंगे और जब वाहन चलेगा तो ऑनलाइन देखा जा सकेगा कि वाहन कहीं रास्ते में रुक तो नहीं रहा है।

▸ फैक्ट्री व उसके गंतव्य तक की दूरी का भी आकलन कर लिया जाएगा।

▸ एफएल-2 से जब शराब लेकर कोई वाहन निकलेगा तो देखा जाएगा कि वाहन सीधे संबंधित शराब के ठेके पर जा रहा है या कहीं दूसरी जगह माल उतार रहा है।

▸ होलोग्राम को ट्रैक करने की व्यवस्था रहेगी और एक क्लिक पर पता लग जाएगा कि होलोग्राम किस फैक्ट्री को आवंटित किए गए हैं।

हाई कोर्ट से फिल्म 'गुमनामी' को क्लीन चिट

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▸ याचिका खारिज, अब 'गुमनामी' की रिलीज में नहीं कोई बाधा

▸ दो अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक श्रीजीत मुखर्जी की नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 'गुमशुदगी' पर आधारित फिल्म 'गुमनामी' को कोलकाता हाई कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई है। अब इसके रिलीज में कोई बाधा नहीं है। बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विश्वनाथ समाद्दार ने दायर याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि नेताजी की मौत कैसे हुई, इसका इतिहास किसी को नहीं पता है। ऐसे यह कैसे कहा जा सकता है कि फिल्म के जरिये नेताजी की छवि को विकृत करने की कोशिश की जा रही है?

न्यायमूर्ति विश्वनाथ समाद्दार की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस फिल्म को सेंसर बोर्ड ने मंजूरी दी है। बावजूद इसके याचिकाकर्ता खुद ही शोध कर रहे हैं, लेकिन उनका जनहित याचिका का दावा अमल में नहीं आता है। हालांकि इस फिल्म को लेकर एक के बाद एक विवाद सामने आ रहे हैं। निर्देशक श्रीजीत मुखर्जी पर बोस परिवार के सदस्यों द्वारा नेताजी के काम व छवि को बदनाम करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि फिल्म के निर्देशक ने कहा कि एक साल पहले जब उन्होंने फिल्म करने का फैसला किया था तो उन्होंने सोचा था कि वे इसे पहेली का स्वरूप देंगे, लेकिन बाद में अन्य पुस्तकों के अध्ययन व मुखर्जी आयोग की रिपोर्ट से मिली जानकारी के आधार पर फिल्म निर्माण को अग्रसर हुए। ऐसे में फिल्म को लेकर उठ रहे विवाद आधारहीन हैं। तमाम विवादों के बीच फिल्म की रिलीजिंग डे फाइनल हो गई है और इसे आगामी दो अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में प्रसेनजीत चट्टोपाध्याय नेताजी के किरदार में नजर आएंगे तो अनुज भट्टाचार्य ने अनुज धर की भूमिका निभाई है।

कोलकाता हाई कोर्ट। (फाइल)

जय श्रीराम का नारा लगाने वाले छात्रों का निलंबन वापस

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर

▸ जमशेदपुर स्थित चर्च स्कूल में 12वीं कक्षा के 17 छात्रों पर की गई थी कार्रवाई

खेल-खेल में जयश्री राम का नारा लगाने वाले 12वीं कक्षा के निलंबित सभी 17 छात्रों का निलंबन चर्च स्कूल प्रबंधन को भारी विरोध के बीच वापस लेना पड़ा। बुधवार को इस मुद्दे पर सियासी पर झारखंड के जमशेदपुर से बेलडीह तक माहौल गर्म रहा।

हिंदू संगठनों ने जहां पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा विभाग अधीक्षक के कार्यालय के पास प्रदर्शन स्कूल पर कार्रवाई करने और छात्रों का निलंबन वापस लेने की मांग की। वहीं चर्च स्कूल बेलडीह में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन के बाद स्कूल प्रबंधन ने सभी छात्रों का निलंबन वापस ले लिया।

शिक्षा विभाग द्वारा भेजे गए नोटिस में चर्च स्कूल प्रबंधन की ओर प्रिंसिपल एल पिटर्सन ने शिक्षा विभाग को जवाब दिया है। स्कूल की प्रिंसिपल ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा है कि किसी छात्र को निलंबित नहीं किया गया है। ये छात्र लाइब्रेरी क्लास बंक कर रहे थे। इस कारण इनके अभिभावकों को समझाने के लिए बुलाया गया था, ताकि उन्हें अपने बच्चों की गतिविधियों के बारे में पता चल सके।

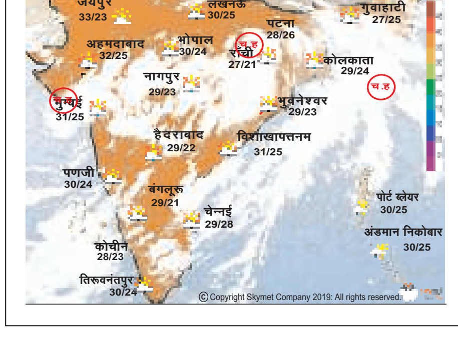

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में मौसम गर्म व आरामदायक रहेगा। इन राज्यों में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में सुबह के समय हल्की धुंध रहेगी। बदलीयुक्त आसमान के साथ मौसम गर्म रहेगा। कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमानः

शहर		शहर	
मुम्बई	32/25/व	अहमदाबाद	32/23/आंबा
कोलकाता	30/25/व	बड़ौदा	31/22/आंबा
चेन्नई	34/25/आंबा	नागपुर	31/24/व
हैदराबाद	30/23/व	इन्दौर	28/20/सा
बंगलूरु	30/21/व	रांची	27/23/व
त्रिवेन्द्रम	31/24/आंबा	पटना	28/23/आंबा
गुवाहाटी	27/21/व	जमशेदपुर	29/24/व
गंगटोक	14/04/व	पुणे	29/21/व

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 26 सितंबर 2019

आजकल

www.jagran.com

आइंसटीन का सापेक्षता का सिद्धांत प्रकाशित हुआ

1905 में महान आविष्कारक अल्बर्ट आइंसटीन ने अपने सापेक्षता के सिद्धांतों को उस समय के मशहूर जर्नल में प्रकाशित किया। इन चार लेखों ने आधुनिक भौतिकी की बुनियाद रखी और अंतरिक्ष, समय, द्रव्यमान और ऊर्जा से जुड़ी लोगों की समझ में बदलाव किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों की बहस का लाइव प्रसारण

1960 में आज ही अमेरिकी राष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच होने वाली बहस का पहली बार लाइव प्रसारण किया गया। शिकागो में आयोजित यह बहस रिचर्ड निक्सन और जॉन एफ कैनेडी के बीच हुई थी। लोगों ने उनकी बहस को टेलीविजन पर लाइव देखा।

विधवा विवाह को कानूनी मान्यता दिलाने वाले ईश्वर चंद्र विद्यासागर

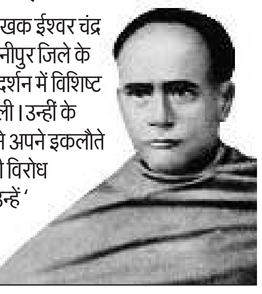

प्रसिद्ध दार्शनिक, शिक्षाविद, समाज सुधारक और लेखक ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म 1820 में आज ही बंगाल के मेदिनीपुर जिले के एक अति निर्धन परिवार में हुआ। संस्कृत भाषा और दर्शन में विशिष्ट ज्ञान के कारण विद्यार्थी जीवन में ही 'विद्यासागर' की उपाधि मिली। उन्हीं के प्रयासों से 1856 में विधवा-पुनर्विवाह कानून पारित हुआ। उन्होंने अपने इकलौते पुत्र का विवाह एक विधवा से ही किया। उन्होंने बाल विवाह का भी विरोध किया। वे नारी शिक्षा के समर्थक थे। 2004 के एक सर्वेक्षण में उन्हें 'अब तक का सर्वश्रेष्ठ बंगाली' माना गया। 29 जुलाई 1891 को अंतिम सांस ली।

इधर-उधर की

गुरुजी ने जीत लिया दुनिया का दिल

न्यूयॉर्क, एजेंसी : अमेरिका में केंचुकी के एक स्कूल टीचर की इन दिनों सोशल मीडिया पर मुक्त कंठ से सराहना हो रही है। दरअसल इनके स्कूल के बच्चों का एक ट्रिप बाहर घूमने जा रहा था, लेकिन स्कूल की चौथी कक्षा की दस वर्षीय एक छात्रा चाहकर भी इस ट्रिप में भाग नहीं ले पा रही थी। छात्र रीढ़ की एक ऐसी दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त है जिसके लिए उसे हमेशा व्हील चेयर का सहारा लेना पड़ता है। ऊबड़-खाबड़ और असमान धरातल वाली जगहों पर वह चल नहीं सकती थी। लिहाजा वह और उसका परिवार बहुत मायूस था। अचानक उसी स्कूल के एक अध्यापक जिम फ्रीमैन उनके लिए किसी देवदूत सरीखे सामने आए जिन्होंने बच्ची सहित पूरे परिवार को खुशियों से भर दिया। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि बच्ची को वे पूरा दिन अपनी पीठ पर बैठाकर घुमाएंगे। अध्यापक की पीठ पर बैठकर ट्रिप का आनंद लेती दिव्यांग छात्रा की तस्वीरें जब सोशल मीडिया तक पहुंची तो हर कोई भाव विह्वल हो उठा। ये तस्वीरें वायरल हो चुकी हैं।

छह महीने के लिए भेजे गए मंगलयान ने पूरे किए पांच साल

- धरती से इतर ग्रह पर भेजा गया भारत का पहला अभियान था मॉम
- सालभर तक और काम करते रहने का है अनुमान

पांच नवंबर, 2013 को लांच किया गया था मंगलयान। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के मंगलयान मिशन ने बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। लांचिंग के समय महज छह महीने के लिए भेजे गए यान ने अभियान के पांच साल पूरे कर लिए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख के. सिवन ने यह जानकारी दी।

मार्स ऑर्बिटर मिशन (मॉम) भारत का पहला इंटरप्लेनेटरी अंतरिक्ष अभियान था। इसका अर्थ है कि यह पहला ऐसा अभियान था, जिसे धरती से इतर किसी ग्रह पर भेजा गया था। यह ऑर्बिटर मिशन है, यानी यह मंगल ग्रह की परिक्रमा करते हुए वहां से तस्वीरें भेज रहा है। सिवन ने बताया कि यान अब भी तस्वीरें भेज रहा है और अभी कुछ समय और काम करता रह सकता है। इसरो के पूर्व चेयरमैन एएस किरण कुमार ने उम्मीद जताई है कि अभी मंगलयान एक साल और काम करता रह सकता है।

2013 में हुई थी लांचिंग : मंगलयान को पांच नवंबर, 2013 को लांच किया था। साढ़े नौ महीने के सफर के बाद 24 सितंबर, 2014 को इसने सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में प्रवेश किया था। रॉकेट, यान व अन्य व्यवस्थाओं पर कुल 450 करोड़ रुपये का खर्च आया था। अभियान की सफलता के बाद यह भी चर्चा का विषय रहा था कि हॉलीवुड की फिल्म 'ग्रेविटी' पर आई लागत से भी कम में भारत ने मंगलयान भेज दिया था। हाल ही में भारत के मंगल अभियान पर बॉलीवुड में भी 'मिशन मंगल' नाम से फिल्म आई है।

ऐसे बढ़ गई यान की उम्र : कोई यान कितना समय तक काम करता रहेगा, इसमें इस बात की अहम भूमिका रहती है कि यान में ईंधन कितना बचा है। यान की कक्षा और दिशा को सही बनाए रखने के लिए ईंधन की जरूरत होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगलयान में अभी कुछ ईंधन बचा है। एएस किरण कुमार ने बताया कि यान लांच करते समय कुछ जटिल परिस्थितियों को ध्यान में रखकर उसमें अतिरिक्त ईंधन भरा जाता है। लांचिंग से लेकर मंगल की कक्षा में पहुंचने तक की हर प्रक्रिया इतने सटीक तरीके से संपन्न हुई कि यान का अतिरिक्त ईंधन उसमें बचा रह गया।

मिली हैं कई अहम जानकारियां : पांच साल के अभियान में मंगलयान ने हजारों तस्वीरें भेजी हैं। तस्वीरें करीब दो टेराबाइट (2048 जीबी यानी गीगाबाइट) के बराबर हैं। इन तस्वीरों की मदद से इसरो ने मंगल ग्रह का मानचित्र (एटलस) तैयार किया है। इसके कैमरा ने मंगल के दो चंद्रमा फोबोस और डीमोस की तस्वीरें भी ली हैं। भारत का मंगलयान इकलौता ऐसा यान है जो एक ही फ्रेम में मंगल के एक ओर की पूरी तस्वीर खींची है। इसने डीमोस के दूसरी ओर से हिस्से (फार साइड) की तस्वीरें भी ली हैं। मंगलयान से मिले डाटा की मदद से अब तक प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिकाओं में 23 अध्ययन प्रकाशित हो चुके हैं। यान से सबसे महत्वपूर्ण बात यह पता लगाई गई है कि मंगल पर चलने वाली धूलभरी आंधी सैकड़ों किलोमीटर ऊपर तक पहुंच सकती है।

अन्य अभियानों की भी बढ़ी है उम्र : 2005 में इसरो ने कार्टोसैट-1 लांच किया था। यह भारत का पहला रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट था। यह इन-ऑर्बिट स्टीरियो इमेज भेजने में सक्षम था। लांचिंग के समय यह अनुमान था कि सेटेलाइट तीन साल तक काम करेगा, हालांकि इसने 10 साल तक काम किया था। इसरो ने जुलाई में लांच किए गए चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में भी अतिरिक्त ईंधन बचे रहने की बात कही है। अनुमान है कि इसकी मदद से एक साल के अभियान पर भेजा गया ऑर्बिटर सात साल तक काम करेगा।

चीन के नए बीजिंग दाक्सिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल का नजारा। बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस भव्य हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। एएफपी

100 फुटबाल मैदान के आकार वाला एयरपोर्ट बीजिंग में शुरू

- **10** करोड़ यात्री प्रतिवर्ष कर सकेंगे सफर, आठ रनवे होंगे
- **2040** तक पूरी क्षमता से चलना शुरू होगा
- **7** लाख वर्ग मीटर में फैला है यह एयरपोर्ट

बीजिंग, एएफपी : आधारभूत परियोजनाओं में अपना लोहा मनवा चुके चीन ने नया कीर्तिमान गढ़ा है। बुधवार को राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत की। इसका आकार 100 फुटबाल मैदानों जितना है। विशालकाय स्टारफिश मछली जैसा दिखने वाला यह एयरपोर्ट (बीजिंग दाक्सिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) थ्येनआनमन चौक से 46 किमी दक्षिण में दाक्सिंग जिले और लांगफांग की सीमा पर मौजूद है। चीन में कम्युनिस्ट शासन के 70 साल पूरे होने से कुछ दिनों पहले इस एयरपोर्ट की शुरुआत को सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट वर्ष 2040 से पूरी क्षमता चलना शुरू होगा और इसमें आठ रनवे होंगे। प्रत्येक वर्ष यहां से 10 करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे। नए एयरपोर्ट का कोड नाम पीकेएक्स है जिसे राष्ट्रपति शी के नाम से जोड़कर देखा जा रहा है।

पहली उड़ान ही आधा घंटे देरी से गई : एयरपोर्ट की शुरुआत के साथ सब कुछ ठीक नहीं रहा। इसकी पहली वाणिज्यिक उड़ान-एक 380 सुपरजंबो जो चीन के दक्षिण में स्थित ग्वांगडोंग शहर जा रही थी, वह लगभग 30 मिनट देरी से गई। पहली उड़ान का लाइव कवरेज करने वाली सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने देरी के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

173 एकड़ में है फैला : यह पूरा एयरपोर्ट 700,000 वर्ग मीटर (173 एकड़) में फैला है। इसका आकार 100 फुटबाल मैदानों के बराबर है। इमारत को इराकी-ब्रिटिश वास्तुकार जाहा हदीद ने डिजाइन किया था, उनकी 2016 में मृत्यु हो गई थी। परियोजना पर एक लाख 24 हजार करोड़ रुपये की (120 बिलियन युआन या 17.5 बिलियन डॉलर) लागत आई है। हालांकि रेल और रोड पर खर्च होने वाले पैसे को मिला लिया जाए तो लगभग चार लाख करोड़ रुपये बैठती है। टर्मिनल के नीचे एक ट्रेन स्टेशन और मेट्रो लाइन है, जो 20 मिनट में यात्रियों को बीजिंग के केंद्र में पहुंचा देगी।

दुनिया के एकल टर्मिनल वाला सबसे बड़ा एयरपोर्ट : वास्तुकारों के मुताबिक जब यह अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेगा तो यह दुनिया के एकल टर्मिनल वाला सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। अमेरिका का अटलांटा एयरपोर्ट अभी दुनिया का सबसे व्यस्ततम एयरपोर्ट है, जहां पर 10 करोड़ से अधिक यात्री प्रतिवर्ष यात्रा करते हैं, लेकिन यहां दो टर्मिनल हैं।

2020 में अमेरिका से आगे निकल जाएगा चीन : मलेशिया स्थित एविएशन कंसल्टेंसी एंडा एनालिटिक्स के प्रमुख शुकूर युसूफ के मुताबिक दाक्सिंग एयरपोर्ट चीन में विमानन बाजार की अभूतपूर्व वृद्धि का परिचायक है। एक अनुमान के मुताबिक 2020 के मध्य तक विमानन बाजार के मामले में चीन अमेरिका से आगे निकल जाएगा। वर्तमान बीजिंग राजधानी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है और यहां से एक साल में 10 करोड़ से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। 2037 तक चीन में प्रत्येक वर्ष 1.6 अरब उड़ानों का परिचालन होने लगेगा, यह 2017 के मुकाबले एक अरब ज्यादा होगा।

शोध अनुसंधान

आंखों की जटिल स्कैनिंग को एआइ ने बनाया आसान

वैज्ञानिकों ने आंखों की स्कैनिंग की जटिल इमेज को पढ़ने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) की मदद ली है। विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) से मिलने वाली स्कैनिंग इमेज के विश्लेषण के लिए एआइ का सहारा लिया। वैज्ञानिकों ने बताया कि ओसीटी के जरिये मिलने वाली तस्वीरों की मदद से रेटिना के ऊतकों (टिश्यू) की परतों का आसानी से अध्ययन हो जाता है, लेकिन कोरोइड ऊतकों की परत का विश्लेषण मुश्किल होता है। कॉर्निया को घेर कर रखने वाली सफेद परत स्क्लेरा और रेटिना के बीच में कोरोइड होता है, जहां आंखों तक पोषण पहुंचाने वाली रक्त वाहिकाएं होती हैं। यहां के ऊतकों की स्थिति जानकर आंख की कई गंभीर बीमारियों व खामियों का पता लगाना संभव हो सकता है। - प्रेट्र

मिल सकता है इम्यून से जुड़ी बीमारियों का कारगर इलाज

वैज्ञानिकों ने अस्थमा, मल्टीपल स्क्लेरोसिस और आर्थराइटिस (गठिया) जैसी इम्यून (प्रतिरक्षा प्रणाली) से जुड़ी बीमारियों का इलाज खोजने की दिशा में नई प्रगति की है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि ये बीमारियां मेमोरी टी-सेल कही जाने वाली विशेष प्रकार की कोशिकाओं की सक्रियता के कारण होती हैं। बीमारियों के पीछे इन कोशिकाओं की भूमिका को समझकर इलाज का नया और कारगर रास्ता तलाशना भी संभव हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी यह शोध बहुत शुरुआती स्तर पर है। ब्रिटेन के वेलकम सेंगर इंस्टीट्यूट की शोधकर्ता गोसिया ट्रायंका ने कहा, 'हमने पता लगाया है कि टी-कोशिकाओं के जल्दी सक्रिय होने का संबंध इम्यून से जुड़ी बीमारियों से होता है। अब हम यह जानने की दिशा में बढ़ सकते हैं कि ऐसा होता क्यों है। यह जानकर हम संबंधित जीन का पता लगा सकेंगे और ज्यादा कारगर दवा विकसित कर सकेंगे।' प्रेट्र

आविष्कार ▸ अमेरिका की द ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को मिली सफलता

ऊष्मा से पैदा होगी ज्यादा बिजली

थर्मोइलेक्ट्रिक सेमीकंडक्टर मैटेरियल को डिजाइन करने का नया तरीका तलाशा

अमेरिका की द ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने तलाशा तरीका। फाइल

यह आया सामने

द ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि पैरामैग्नॉन इलेक्ट्रॉन को केवल एक सेकंड के दस लाखवें हिस्से के एक अरबवें भाग में धक्का दे सकते हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इतना समय ऊर्जा को एकत्र करने के लिए पर्याप्त होता है। हेरामन के मुताबिक, पैरामैग्नॉन इतना घूर्णन पैदा कर सकते हैं, जिससे इलेक्ट्रॉन्स को धक्का लगे और इससे ऊर्जा को एकत्र करना संभव है।

वाशिंगटन, प्रेट्र : दुनिया में बढ़ती आबादी के साथ ऊर्जा की खपत में भी तेजी से इजाफा होता जा रहा है। दुनियाभर के वैज्ञानिक इसके लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। वर्तमान में विद्युत ऊर्जा का तेजी से उपभोग हो रहा है। इसके कई विकल्प वैज्ञानिकों ने तलाश भी लिए हैं, लेकिन वे बहुत अधिक कारगर नहीं हैं। अब इस दिशा में अमेरिकी शोधकर्ताओं को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। उन्होंने न केवल ऊष्मा को एकत्र करने, बल्कि उसे बिजली में बदलने का बेहतर विकल्प तलाश लिया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे भविष्य में कार से निकलने वाली गर्मी, औद्योगिक प्रक्रियाओं में उत्पन्न ऊष्मा आदि को भी विद्युत ऊर्जा में बदलने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

अमेरिका की द ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस दिशा में काम करते हुए थर्मोइलेक्ट्रिक सेमीकंडक्टर मैटेरियल को डिजाइन करने का नया तरीका तलाश किया है। साइंस नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, यह नया तरीका पैरामैग्नॉन नामक सूक्ष्म कणों पर आधारित है। इनमें चुंबकीय गुण तो बहुत अधिक नहीं होता, लेकिन यह अपने आस-पास चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न कर लेता है।

द ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में अध्ययन के सह-लेखक जोसफ हेरामन के मुताबिक, इस खोज के जरिये हम वर्तमान में ऊष्मा से जितनी विद्युत ऊर्जा तैयार कर रहे हैं, उससे ज्यादा बिजली तैयार कर सकेंगे। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह ऐसा तरीका है, जिसके बारे में अभी तक किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव हो सकेगा।

इस तरह काम करती है नई विधि : अध्ययन में बताया गया है कि जब चुंबक को गर्म किया जाता है तो वह अपना चुंबकीय गुण छोड़ देता है और पैरामैग्नेट बन जाता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, चुंबकत्व के प्रवाह से एक तरह की ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिसे मैग्नॉन-ड्रैग थर्मोइलेक्ट्रिसिटी कहा जाता है। अभी तक सामान्य ताप पर इस ऊर्जा को प्रयोग करने के लिए एकत्र नहीं किया जा सकता था। बकौल हेरामन, परंपरागत ज्ञान कहता है कि अगर आपके पास पैरामैग्नेट है और आप उसे गर्म करते हैं तो उससे कुछ नहीं होगा। इसके लिए पिछले 20 वर्षों से जो सेमीकंडक्टर मैटेरियल प्रयोग किए जा रहे हैं वे बहुत अधिक प्रभावशाली नहीं हैं और उनसे बहुत कम ऊर्जा प्राप्त होती है। इस खोज में सामने आया कि जब चुंबक की एक तरफ को गर्म किया जाता है तो उसके ठंडी तरफ वाले हिस्से का चुंबकत्व बढ़ जाता है। इससे इसके घूमने के गुण के कारण इसके इलेक्ट्रॉन्स को धक्का लगता है और बिजली पैदा होती है। हालांकि, शोधकर्ता इस बारे में बता चुके हैं कि जब चुंबक को गर्म किया जाता है तो उसका चुंबकीय गुण खत्म हो जाता है और वह पैरामैग्नेट बन जाता है, लेकिन फिर में उसमें चुंबकत्व का कुछ गुण बचा रहता है। शोधकर्ताओं ने इस चीज की जांच की कि क्या ऐसी परिस्थितियों में पैरामैग्नॉन पर्याप्त घूर्णन पैदा करते हैं या नहीं।

दुनिया का पहला एलएनजी से चलने वाला सबसे बड़ा जहाज

चीन के शंघाई में बुधवार को दुनिया का पहला और सबसे बड़ा एलएनजी (लिक्वीफाइड नेचुरल गैस) संचालित कंटेनरशिप (मालवाहक जहाज) लांच किया गया। फ्रांसीसी वैश्विक शिपिंग कंपनी सीएमए सीजीएम का यह कंटेनरशिप आधुनिक स्मार्ट सिस्टम से युक्त है। शिपिंग में इस्तेमाल होने भारी ईंधन के मुकाबले एलएनजी से कम प्रदूषण होगा। फ्रांसीसी वैश्विक शिपिंग कंपनी सीएमए सीजीएम ने 2017 में नौ 23,000 टीइयू एलएनजी संचालित कंटेनरशिप के लिए चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन के अधीन उपक्रम को ऑर्डर किया था। वर्ष 2020 में इन्हें फ्रेंच-एशिया लाइन पर कंपनी के फ्लीट में शामिल किया जाएगा। एलएनजी एक स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है। एएफपी

जर्मनी में पटरियों को गर्मी से बचाने की जुगत

जर्मनी में गर्मी के कारण पटरियों को फैलने और टेढ़े होने से बचाने के लिए रेल विभाग की ओर से उन पर सफेद पेंट किया जा रहा है। विभाग का कहना है कि सफेद रंग प्रकाश की किरणों को परावर्तित कर देता है और गर्मी से होने वाले नुकसान से बचाता है। विभाग के अनुसार इससे पहले ट्रेनों को भी गर्मी में ठंडा रखने के लिए उन पर सफेद पेंट किया जा चुका है। वर्तमान में वुएर्जबर्ग से उत्तरी शहर हनोवर के बीच के ट्रैक पर पेंट किया जा रहा है। एएफपी

स्क्रीन शॉट

...जब दोस्ती करने के लिए रितिक ने हाथी को खिलाए थे चालीस हजार केले

इंसानों के साथ अभिनय करना आसान है, लेकिन अगर शूटिंग जानवरों के साथ करनी है, तो उनके साथ दोस्ती के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बिना दोस्त बने उनके साथ सही शॉट देना किसी भी कलाकार के लिए मुश्किल हो जाएगा। अभिनेता रितिक रोशन ने फिल्म 'जोधा अकबर' की शूटिंग के दौरान एक हाथी से दोस्ती करने के लिए उसे चालीस हजार केले खिलाए थे। रितिक ने यह बात बताई 'द कपिल शर्मा शो' पर, जहां वह अपनी फिल्म 'वॉर' का प्रमोशन करने के लिए पहुंचे थे। उनके साथ फिल्म की अभिनेत्री वाणी कपूर भी थीं। वहां रितिक ने अपनी फिल्म 'जोधा अकबर' का यह किस्सा साझा करते हुए बताया कि दो महीनों तक वह हर रोज उस हाथी को केले खिलाया करते थे, ताकि वह हाथी उनका दोस्त बन जाए और वह उसके साथ शूटिंग कर सकें। रितिक बताते हैं कि वह हाथी काफी बड़ा हाथी था। शूटिंग के दौरान एक दृश्य को शूट करते वक्त निर्देशक आशुतोष गोवारिकर ने कहा कि जिन्हें स्टंट्स से डर लगता है, वे पीछे हट जाएं, क्योंकि बहुत ही खतरनाक स्टंट होने वाला है। अंत में केवल रितिक और वह विशाल हाथी ही शॉट में बच गए थे। उस दृश्य में हाथी को केले खिलाना रितिक के काम आया और वह शॉट पूरा हो सका। रितिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर अभिनीत फिल्म 'वॉर' 2 अक्टूबर को रिलीज होगी।

अब अक्षय दिखेंगे गंजे

अब हैंडसम नहीं, बल्कि कैरेक्टर एक्टर का जमाना है। अब कलाकार अपने लहराते बालों की कुर्बानी देने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। पिछले दिनों 'गॉन केश' नाम की फिल्म में अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी को बिना बालों के दिखाया था। रणवीर सिंह भी 'बाजीराव मस्तानी' में कम बालों में दिखे थे। अब आयुष्मान खुराना और अक्षय कुमार भी स्क्रीन पर गंजे दिखेंगे। अक्षय ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म 'हाउसफुल 4' का पोस्टर जारी किया है। जिसमें वह बिना बालों के नजर आ रहे हैं। अक्षय का यह गंजा किरदार वर्ष 1419 का राजकुमार बाला होगा। पुनर्जन्म का एंगल होने से इस फिल्म में लगभग सभी कलाकार डबल रोल में दिखेंगे। फिल्म की कहानी 600 वर्ष पीछे जाकर वर्तमान में आएगी। अक्षय कुमार पोस्टर में हाथों में तीर कमान थामे हैं। पोस्टर पर लिखा है 'राजकुमार बाला शैतान का साला'। एक ओर जहां अक्षय गंजे बनकर हसाएंगे, वहीं दूसरी ओर आयुष्मान खुराना फिल्म 'बाला' में एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जिसके बाल समय से पहले ही झड़ रहे हैं।

फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में आमिर पहनेंगे गिप्पी ग्रेवाल का दिया कड़ा

आमिर खान की आगामी फिल्म लाल सिंह चड्ढा होगी। फिल्म की घोषणा के बाद से ही आमिर खान फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन में जुट गए हैं, तो वहीं फिल्म के निर्देशक अद्वैत चंदन स्क्रिप्ट को निखारने में लगे हैं। फिल्म की लोकेशन की तलाश में आमिर और फिल्म की टीम इसी महीने पंजाब गए थे। वहां पंजाबी गायक और फिल्म निर्माता गिप्पी ग्रेवाल ने आमिर को तोहफे में कड़ा दिया था। खबरों के मुताबिक, आमिर को कड़ा इतना पसंद आया कि उन्होंने उस कड़े को फिल्म में पहने का मन बना लिया है। 'लाल सिंह चड्ढा' अमेरिकी अभिनेता टॉम हैंक्स की कॉमेडी फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' की रीमेक होगी। 'फॉरेस्ट गंप' 1994 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी।

प्रियंका के भाई सिद्धार्थ साउथ एक्ट्रेस नीलम को कर रहे डेट!

प्रियंका चोपड़ा के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री नीलम उपाध्याय के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि वह पिछले कुछ समय से नीलम को डेट कर रहे हैं। जब प्रियंका चोपड़ा से सिद्धार्थ के इस नए अफेयर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं कभी दूसरों के बारे में कुछ नहीं बोलती हूं। जब आप सिद्धार्थ से मिलें तो आप उनसे पूछिएगा।' इस साल की शुरुआत में चोपड़ा परिवार ने सिद्धार्थ और इशिता कुमार की रोका सेरेमनी की थी, लेकिन बाद में उनका रिश्ता टूट गया और शादी टल गई। इस पर मधु चोपड़ा ने कहा था कि दूल्हा और दुल्हन दोनों ने आपसी चर्चा कर शादी न करने का निर्णय लिया है। इसके पहले 2014 में सिद्धार्थ अपनी तब गर्लफ्रेंड कनिका माथुर से शादी करने वाले थे। यहां तक कि वेडिंग डेस्टिनेशन भी तय कर लिया गया था, लेकिन बाद में यह रिश्ता खत्म हो गया। सिद्धार्थ और इशिता का रिश्ता खत्म होने के बाद खबर आई थी कि इशिता की एक सर्जरी हुई है, इसीलिए उनकी शादी टाल दी गई। इशिता ने हॉस्पिटल से फोटो भी शेयर की थी और लिखा था सर्जरी से रिकवर हो रही हूं। बहुत ही दर्द देने वाली लेकिन खुश हूं कि अब यह पूरी हो चुकी है। प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी फिल्म 'द स्काई इज पिंक' का इंतजार कर रही हैं जो कि 12 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म में वह फरहान अख्तर के साथ दिखाई देंगी।

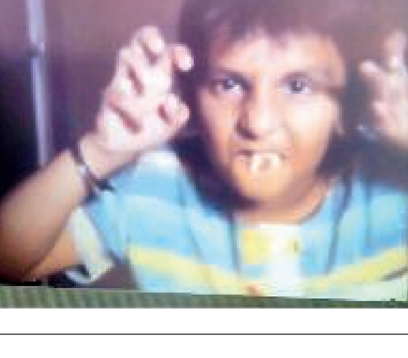

रणवीर के बचपन की बदमाशियां...

आए दिन सितारे अपने बचपन की तस्वीरें साझा करते रहते हैं। रणवीर सिंह ने भी एक ऐसी ही तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है, जिसमें वह वैंपायर या किसी ड्रैकुला की तरह बने नजर आ रहे हैं। रणवीर ने लंबे नकली दांत लगा रखे हैं और वह किसी को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस फोटो के साथ रणवीर ने एक इमोजी भी पोस्ट की है।

चिंताजनक

वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क पर खतरा

नवजात शिशुओं के प्रदूषण के संपर्क में आने से मस्तिष्क पर पड़ता है दुष्प्रभाव, बड़े होने पर अवसाद और चिंता से हो जाते हैं ग्रसित

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : शोधकर्ताओं का कहना है कि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से नवजात शिशुओं के मस्तिष्क पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव इतना हानिकारक होता है कि शिशुओं के मानसिक विकास में खतरा पैदा करता है। इससे मनोरोग संबंधी विकार पैदा होते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक से दो दिन के नवजात पर वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव पड़ता है।

'इनवायरमेंटल हेल्थ प्रस्पेक्टिव' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि प्रदूषित स्थानों के आस-पास बड़े हुए बच्चों को चिंता और आत्म अवसाद से संबंधित विकार ज्यादा घेरते हैं। अमेरिका की सिनसिनाटी यूनिवर्सिटी के कोल ब्रोकैम्प जो इस अध्ययन के प्रमुख लेखक हैं, उन्होंने बताया कि जो बच्चे स्लम एरिया के आसपास रहते हैं उनके स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। सिनसिनाटी यूनिवर्सिटी और सिनसिनाटी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल मेडिकल रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए तीन अध्ययनों से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण के बीच संबंध पाया गया है। वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारक ट्रैफिक की वजह से हो रहा प्रदूषण (ट्रैप) है। ट्रैप के कारण ही बच्चों में तनाव और चिंता की समस्या बढ़ रही है।

प्रतीकात्मक

इस तरह से किया शोध : इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ट्रैफिक की वजह से हो रहे वायु प्रदूषण (ट्रैप) से मस्तिष्क में पड़ने वाले प्रभावों की न्यूरोइमेजिंग की।

इस दौरान उन्हें मस्तिष्क में मायो-इनोसिटोल कंसन्ट्रेशन का स्तर उच्च मिला। इससे यह पता चलता है कि ट्रैप की वजह से मस्तिष्क के तंत्रिका तंत्र में प्रभाव पड़ रहा है, जिससे उसमें सूजन आ गई है। बचपन में या खासतौर पर जन्म के बाद के शुरुआती दिनों में ट्रैप के संपर्क में आने से मानसिक विकार होता है। जिससे बड़े होने पर आत्म अवसाद और चिंता की बीमारी से जूझना पड़ता है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि इन अध्ययनों से हमें प्रदूषण के कारण शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों और खासतौर पर बचपन में पड़ने वाले प्रभावों के बारे में नया दृष्टिकोण मिला है।

हृदय रोग के लिए भी जिम्मेदार है वायु प्रदूषण

बीते दिनों एक शोध में बताया गया था कि हृदय की बढ़ती बीमारियों का एक प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। कहा गया था कि इसके लिए ट्रैप से ज्यादा जिम्मेदार घर में होने वाला वायु प्रदूषण है। यह अध्ययन प्रॉस्पेक्टिव अर्बन एंड रूरल एपिडेमियोलॉजिक (पीयूआरई) द्वारा किया गया था। इसमें बताया गया था कि निम्न-मध्यम आय वाले देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) में हृदय रोग के 12 फीसद मामले घरेलू प्रदूषण की वजह से ही होते हैं। ऐसे देशों में हृदय रोग का एक और प्रमुख कारण हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप भी है। इस रिपोर्ट को चिकित्सा पत्रिका द लैंसेट में प्रकाशित किया गया था।